गेल (इंडिया) लिमिटेड
भारत का यंगेस्ट महारत्न

नवजीवन । नवस्पंदन । नवनिरूपण

सतत् विकास रिपोर्ट
2016 - 17

नवजीवन । नवस्पंदन । नवनिरूपण

ऊर्जा परिदृश्य में, नए भौगोलिक क्षेत्रों के लिए ऊर्जा के प्रमुख मार्गों का निर्माण करने की एक नई लहर चल रही है, जिससे बेहतर वातावरण के साथ समग्र विकास के व्यापक अवसर खुले हैं। गैस आधारित अर्थव्यवस्था को और अधिक महत्वपूर्ण बनाने तथा जीवन को बदलने के लिए, भारत ने प्राकृतिक गैस की स्वच्छ और हरित क्षमता का दोहन करने के लिए अपना नया सफ़र शुरू किया है। वर्ष के मध्य में तेल बाजार में मंदी के कारण उत्पन्न प्रतिकूल बाजार परिदृश्य की चुनौतियों का सामना करने के बाद, गेल अपने प्रचालनों और परियोजनाओं को नवजीवन प्रदान करने के लिए पूरी तरह से तैयार है और दुगुने उत्साह से अत्यधिक सुरक्षा और सावधानी बरतते हुए उनका तेजी से कार्यान्वयन कर रहा है।

एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के रूप में, हमें सतत् विकास के साथ सामाजिक–आर्थिक विकास हासिल करने के लिए देश की आकांक्षाओं को नवप्राण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। हम एक स्थायी ऊर्जा मिश्रण की दिशा में काम कर रहे हैं क्योंकि देश की ऊर्जा मांग 2030 तक तीन गुना बढ़ जाएगी। हालांकि हमें इस बात का गर्व है कि हम अपने सभी स्टैकहोल्डरों के साथ अपनी सकारात्मक भावनाओं को अभिव्यक्त करते हुए लाखों लोगों के जीवन को बदलने के लिए एक लचीली आधारभूत संरचना और वितरण प्रणाली के आधार पर आगे बढ़ते हुए समृद्धि और सामाजिक–आर्थिक विकास के अग्रदूत बने हुए हैं, जो हमसे स्वच्छ ईंधन और सकारात्मक मूल्यों की आस लगाए हुए हैं।

हम एकीकृत ऊर्जा पारिस्थितिकी–प्रणाली को विकसित करने और देश के पूर्वी भाग में गैस को पसंदीदा ईंधन बनाने के लिए ऊर्जा गंगा के माध्यम से गैस ग्रिड के विकास के लिए भारत सरकार के साथ काम करते हुए अपनी भूमिका को पुनः परिभाषित करने हेतु प्रतिबद्ध हैं। इसके अलावा, हमने एलएनजी का और अधिक आयात करके तथा विविधता और मात्रा की दृष्टि से पेट्रोकेमिकल पॉलीमर के उत्पादन में वृद्धि करके अपने व्यापार का विस्तार किया है। उचित नीति, आर्थिक, वित्तीय और नए प्रौद्योगिकी कार्यकलाप से ऊर्जा क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए, सभी स्टैकहोल्डरों को एक विशाल ऊर्जा क्षेत्र को पुनः परिभाषित करने के लिए संकल्प लेने की आवश्यकता है।

सतत् विकास रिपोर्ट 2016–17 का विषय ***नवजीवन, नवस्पंदन, नवनिरूपण*** हमारी भावनाओं को बिल्कुल सही रूप से परिभाषित करता है जिसके बल पर हम अपनी क्षमताओं को स्थानीय और विश्व स्तर पर साकार रूप देने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

विषय सूची

1 जानें, किन पृष्ठों पर क्या है

13 सतत् विकास लक्ष्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता

17 अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

19 रिपोर्ट और गेल के बारे में

27 निगमित अभिशासन और जोखिम प्रबंधन

39 स्थायी कार्यनीति

43 स्टैकहोल्डर की वचनबद्धता और महत्व

53 प्रचालनात्मक उत्कृष्टता

75 स्वास्थ्य और सुरक्षा

87 व्यवसाय विकास और लाभप्रदता

101 सार्वजनिक नीति और परामर्श

111 स्टैकहोल्डर संबंध प्रबंधन

123 मानव पूंजी और व्यवहार

131 कार्य–निष्पादन तस्वीरें

139 आश्वासन प्रमाणपत्र

142 शब्दकोष

144 जीआरआई सामग्री सूचकांक

151 एनवीजी एसईई सिद्धांतों के साथ संबंध

152 एपीआई/आईपीआईईसीए, यूएनजीसी, आईएसओ 26000 सिद्धांतों के लिए लिंक

153 भावी मार्ग

यह पृष्ठ अभिप्रायपूर्वक खाली छोड़ा गया है

स्वच्छ ईंधन के साथ ऊर्जामय कल

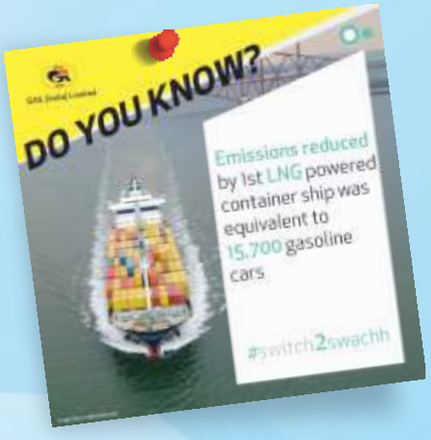

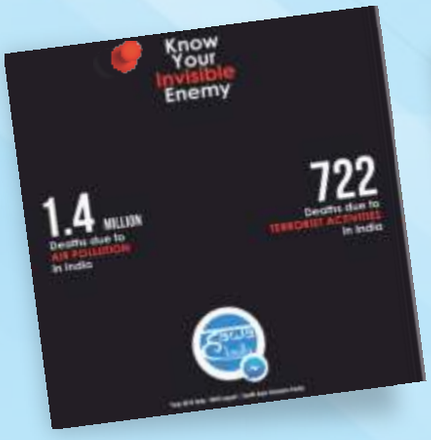

स्वच्छ ईंधन के साथ ऊर्जामय कल

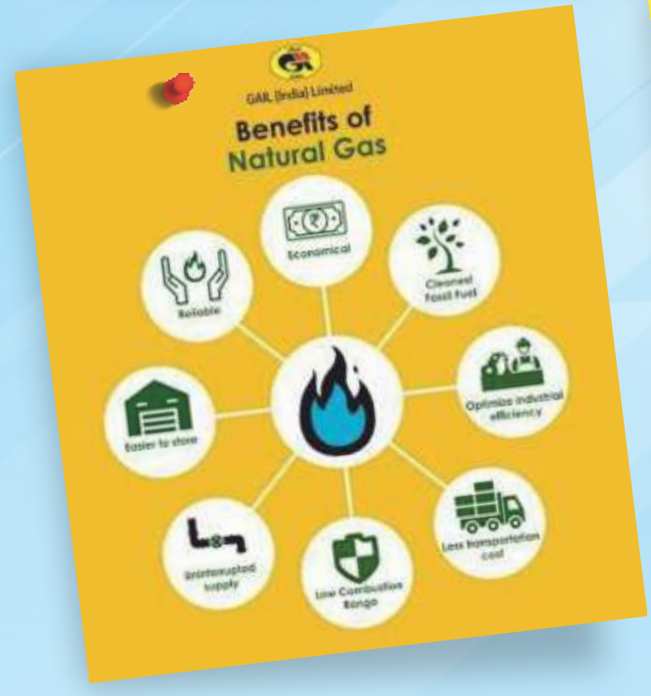

स्वच्छ ईंधन के साथ ऊर्जामय कल

गेल 20,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है, जिसमें अगले 30 महीनों में 4,000 कि.मी. की पाइपलाइनों को बिछाया जाएगा, जो भारत के पाइपलाइन ढांचे को बढ़ावा देंगी। इनमें विजयपुर से फुलपुर पाइपलाइन, जगदीशपुर–हल्दिया–बोकारो–धामरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) और कोच्चि–कूटानाद–मंगलुरु–बेंगलुरु पाइपलाइन (केकेएमबीएल) परियोजना शामिल हैं। विजयपुर से फुलपुर पाइपलाइन द्वारा गेल की वर्तमान प्रतिष्ठित 2655 कि.मी. लंबी जगदीशपुर–हल्दिया–बोकारो–धामरा पाइपलाइन परियोजना (जेएचबीडीपीएल) को गैस फीड प्रदान की जाएगी, जिसे 'प्रधान मंत्री ऊर्जा गंगा' परियोजना के रूप में भी जाना जाता है, जिसका उद्घाटन माननीय प्रधान मंत्री द्वारा जुलाई 2015 में किया गया था।

जेएचबीडीपीएल 13,000 करोड़ रुपए की एक परियोजना है। कोच्चि–मंगलूरु पाइपलाइन पर काम शुरू हो गया है। गेल गुजरात में अपनी पुरानी पाइपलाइनों का भी नवीनीकरण कर रही है, जो 40 साल पुरानी हैं, तथा कावेरी और कृष्णा गोदावरी बेसिनों में स्थित हैं। इसके अंतर्गत नेटवर्क का घरों और शहरों में अंतिम मील कनेक्टिविटी के रूप में विस्तार किया जा रहा है।

स्वच्छ ईंधन के साथ ऊर्जामय कल

भुवनेश्वर, कटक और पारादीप के लिए गेल की प्राकृतिक गैस स्पर पाइपलाइन का उद्घाटन माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा किया गया।

स्वच्छ ईंधन के साथ ऊर्जामय कल

डीजल वाहनों की तुलना में सीएनजी वाहनों के फायदे :

- कम सल्फर अंश, कम NOx उत्सर्जन, कम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन, कम दृश्यमान पीएम/कालिख और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों के कारण सीएनजी वाहन बीएस-IV के अनुरूप डीजल वाहनों की तुलना में अधिक पर्यावरण अनुकूल हैं।
- सीएनजी वाहन लूब्रिकेटिंग ऑयल की आयु को बढ़ाते हैं क्योंकि सीएनजी क्रैंककेस ऑयल को दूषित और पतला नहीं करता है।
- सीएनजी वाहनों में, बिखराव या वाष्पीकरण से कोई ईंधन हानि नहीं होती क्योंकि सीएनजी ईंधन प्रणाली सीलबंद होती हैं।
- दीर्घावधि में सीएनजी बसें डीजल बसों की तुलना में अधिक किफायती होती हैं। नई बीएस-IV अनुरूप डीजल बसों और सीएनजी बसों के बीच लागत लाभ का विश्लेषण करने से पता चला है कि नई सीएनजी बसें दीर्घावधि में लगभग 12% की बचत करती हैं।

स्वच्छ ईंधन के साथ ऊर्जामय कल

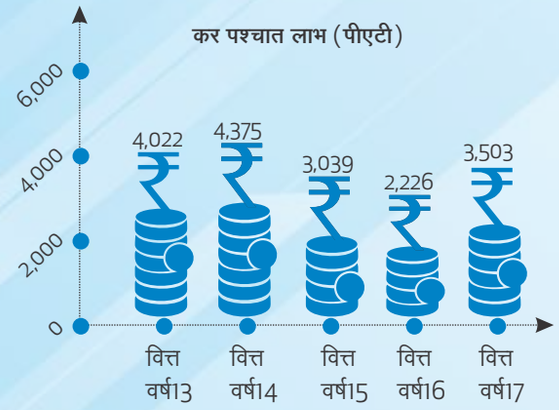

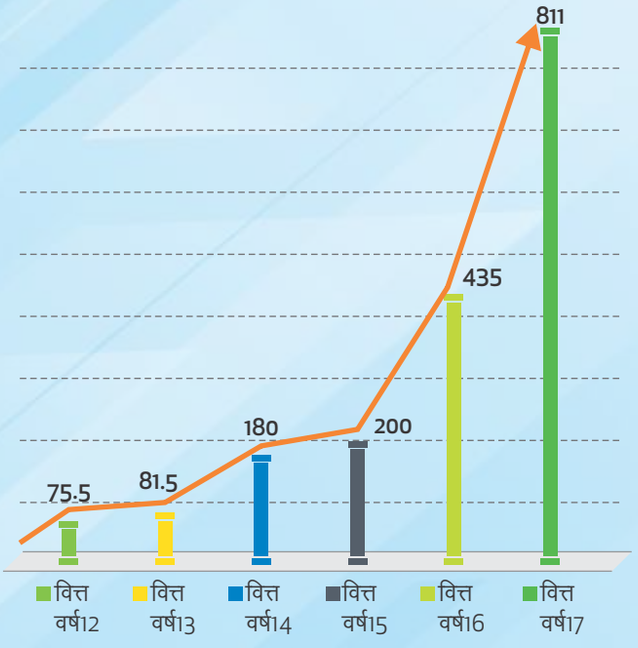

एमएसई से खरीद (करोड़ रु. में)

- 14 केटीए के निर्यात सहित 577 केटीए पॉलीमर की उच्चतम बिक्री
- गेल ने यूएस एलएनजी के लिए 0.6 एमएमटीपीए एलएनजी की अदला–बदली के सौदे पर हस्ताक्षर किए।
- एनजी विपणन और ट्रांसमिशन मात्रा पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 16–17 में क्रमश% 10% और 9% से बढ़कर 81.2 और 100. 4 वित्त वर्ष एमएमएससीएमडी हो गई है।

भारत में अमोनिया/यूरिया के उत्पादन के लिए 11611 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से गेल का तलचर स्थित संयुक्त उद्यम कोयला गैसीकरण का पहला संयंत्र होगा। तलचर संयुक्त उद्यम ने व्यापक उपलब्धि हासिल करते हुए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति से पर्यावरण मंजूरी प्राप्त की है।

स्वच्छ ईंधन के साथ ऊर्जामय कल

- गेल ने पाता, उत्तर प्रदेश में अपने पेट्रोकेमिकल परिसर में 5.76 एमडब्ल्यूपी का भारत का दूसरा सबसे बड़ा रूफटॉप सौर पीवी बिजली संयंत्र लगाया है।
- कैप्टिव उपयोग के लिए प्रतिवर्ष 79 लाख से अधिक किलो वाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।
- कार्बन उत्सर्जन में 6300 टीपीए की कमी
- 'मेक इन इंडिया' के तहत भारतीय विक्रेताओं को विनिर्माण, आपूर्ति और निष्पादन का कार्य सौंपा गया है।

स्वच्छ ईंधन के साथ ऊर्जामय कल

वित्तीय वर्ष 16–17 के दौरान एचएसई अंक 92.94 हैं, जो 90 के समझौता–ज्ञापन लक्ष्य से काफी अधिक हैं।

133 गुणवत्ता सक्रिल परियोजनाओं की 110 सफलता की कहानियां हैं जिनसे 10.42 करोड़ रुपए की बचत हुई है।

बेहतरीन प्लास्टिक

गेल के पॉलीमर उत्पाद अपने ग्राहकों को लगातार और विश्वसनीय गुणवत्ता वाले ग्रेडों के व्यापक विकल्प प्रदान करते हैं।

- पाता में गैस आधारित पेट्रोकेमिकल परिसर
- डिब्रूगढ़ में संयुक्त उद्यम कंपनी ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) में 70% इक्विटी
- गेल ने दहेज में ओपॉल की ग्रीनफील्ड पेट्रोकेमिकल परियोजना में इक्विटी का अधिग्रहण किया है।

व्यवसाय से इतर मूल्यों का सृजन

hindustantimes

Labourer's son cracks JEE exam

GP Varma

KANPUR: Gomati Prasad, son of a labourer, has proved that not riches and amenities but dedicated hard work is needed to achieve one's goal in life. He has cracked the JEE with 272 All India Rank.

However, he is now worried about the admission fee and educational expenses.

Gomati Prasad has five brothers and a sister. His father Phullauri is a mason and works in his village. The family is so poor that it is hard for them to even get two meals a day. Since Gomati was interested in studies his father and the elder brother made every effort to help him complete his education.

Gomati completed his intermediate from Jawahar Navodaya Vidyalaya, Lucknow. He was selected by GAIL for scholarship Utkarsh Super 100, which helped the poor students prepare for JEE.

"Every year we pick 100 poor students through an entrance test followed by an interview. We prefer those students who have the urge and aptitude for engineering education and give them free coaching and free lodging, boarding facilities," said Sushil Misra, chief manager GAIL Utkarsh Super 100.

GAIL Utkarsh Super 100 is an 11-month residential programme that aims at coaching meritorious students from underprivileged sections of the society.

GAIL (India) also provides scholarship to all the students who have secured seats in the engineering colleges through the GAIL Charitable & Educational Trust. The students with family income of less than 2.5 lakh per annum and aptitude for engineering qualify for our Institute, he added.

• Gomati Prasad

GAIL (India) Limited

Misra said that Gomati was just seventeen years old and he was selected after clearing the entrance test and interview. He said this year out of 100 students 96 students cleared JEE mains and 94 cleared the JEE Advance.

Gomati said though he was the first boy in his village to crack JEE but he would not be the last.

Many other boys of the village would bring glory to the small village of Nainajhala in Khalilabad in Kanpur Dehat.

Though he has no interest in politics but he has high respect for Modi and Yogi. He wants to become a computer engineer and serve the country in every manner.

व्यवसाय से इतर मूल्यों का सृजन

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्विच टू स्वच्छ

बिखरती मुस्कानें

वैश्विक मान्यता

FTSE Russell

CERTIFICATE OF MEMBERSHIP

This is to certify that

Gail India

is a constituent company in the FTSE4Good Index Series

FTSE4Good

June 2017

The FTSE4Good Index Series is designed to identify companies that demonstrate strong environmental, social and governance practices measured against globally recognised standards.

Mark Makepeace
Group Director, Information Services, LSEG & CEO FTSE Group

Sir Mark Moody-Stuart
Chairman, FTSE ESG Advisory Committee

FSC

- आईसीआरए, केयर और क्रिसिल और इंडिया रेटिंग से एएए की उच्चतम घरेलू क्रेडिट रेटिंग की पुनः पुष्टि।
- गेल ने देश के शीर्ष ब्रोकरेज घरानों द्वारा आयोजित 7 घरेलू और 1 अंतर्राष्ट्रीय निवेशक सम्मेलन में भाग लिया।
- गेल ने दो दिवसीय संयंत्र दौरे (औरैया कंप्रेसर स्टेशन) का भी आयोजन किया

संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के प्रति हमारी प्रतिबद्धता

1 जनवरी 2016 को सतत् विकास के लिए 2030 के एजेंडे का सतत् विकास लक्ष्य (एसडीजी) आधिकारिक रूप से लागू हुआ। अगले पन्द्रह वर्षों के लिए ये सभी नए लक्ष्य पूरे विश्व पर लागू होंगे, और सभी देश सभी प्रकार की गरीबी को खत्म करने, असमानता से लड़ने और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रयास करेंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी पिछड़ न जाए।

एसडीजी संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 17 वैश्विक लक्ष्यों का संग्रह है। विस्तृत लक्ष्य एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं, हालांकि प्रत्येक का अपना लक्ष्य है। लक्ष्यों की कुल संख्या 169 है।

"जिस तरह एजेंडा 2030 का हमारा विज़न काफी महत्वाकांक्षी है, उसी तरह हमारे लक्ष्य भी व्यापक हैं। इसमें उन समस्याओं को प्राथमिकता दी गई है जो पिछले दशकों के दौरान मौजूद रहे हैं। और, यह सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संबंधों की हमारी बढ़ती समझ को दर्शाता है जो कि हमारे जीवन को परिभाषित करता है ... मानवता के छठे भाग का सतत् विकास दुनिया ही नहीं बल्कि हमारे खूबसूरत ग्रह के लिए भी काफी प्रभावी होगा।"

श्री नरेंद्र मोदी, भारत के प्रधानमंत्री

गेल एसडीजी के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक जिम्मेदार कार्पोरेट नागरिक और सरकारी उपक्रम के रूप में प्रतिबद्ध है।

एसडीजी में योगदान करने के हमारे प्रयासों को इस रिपोर्ट के आगे के अध्यायों में दर्शाया गया है।

सतत् विकास लक्ष्य (एसडीजी) के साथ लिंक

पहल	सतत् विकास लक्ष्य	पृष्ठ सं.
उर्जा गंगा	7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY; 11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES	7, 19, 99, 100, 114
हवा बदलो	7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY; 11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES; 15 LIFE ON LAND	18, 103, 107
गेल हरित (पर्यावरण संबंधी पहल)	13 CLIMATE ACTION; 15 LIFE ON LAND	19,121
आरोग्य–स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, पेयजल और स्वच्छता कार्यक्रम	3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING; 2 ZERO HUNGER; 6 CLEAN WATER AND SANITATION	19, 86, 121
सक्षम (बुजुर्ग और दिव्यांग देखभाल)	3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING	19,121
कौशल (आजीविका सृजन और कौशल विकास पहल)	9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE; 1 NO POVERTY	19,85
सशक्त (महिला सशक्तिकरण पहल)	5 GENDER EQUALITY	19, 86, 121
उत्कर्ष (आईआईटी–जेईई)	4 QUALITY EDUCATION; 1 NO POVERTY	120

गेल सतत् विकास रिपोर्ट वित्त वर्ष 2016–17 की मैप की गई पृष्ठ संख्याएं इस रिपोर्ट में पुनः प्रस्तुत की गई हैं।

पहल	सतत् विकास लक्ष्य	पृष्ठ सं.
उज्जवल (शिक्षा केंद्रित पहल)	4 QUALITY EDUCATION	19
गेल उन्नति (ग्रामीण विकास एवं अवसंरचना)	4 QUALITY EDUCATION; 1 NO POVERTY; 9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE	19, 86
श्रीजन	12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION; 1 NO POVERTY; 10 REDUCED INEQUALITIES	121, 122
गेल पंख (स्टार्टअप को प्रोत्साहन)	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH; 9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE	75
स्वच्छ भारत	3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING; 6 CLEAN WATER AND SANITATION	108, 121, 123
परियोजना वाश	3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING; 6 CLEAN WATER AND SANITATION	122
लैंडफिल गैस प्रायोगिक परियोजना	7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY	74
वायु सेना पत्नी कल्याण संघ (एएफडब्ल्यूडब्ल्यूए) परियोजना	9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE; 1 NO POVERTY	120

गेल सतत् विकास रिपोर्ट वित्त वर्ष 2016–17 की मैप की गई पृष्ठ संख्याएं इस रिपोर्ट में पुनः प्रस्तुत की गई हैं।

पहल	सतत् विकास लक्ष्य	पृष्ठ सं.
हरित भवन		59, 67, 111
संचय		101
गुणवत्ता सर्किल पहल		73
सौर ऊर्जा संयंत्र		59, 73, 97
जन्मदिन, नए कार्यभार ग्रहण और स्थानांतरित कर्मचारी वृक्षारोपण कार्यक्रम		70, 73
भारत–अमेरिका कार्यनीतिक अनुसंधान पहल		74
जलवायु परिवर्तन पर टेरी के साथ भागीदारी		66, 110

गेल सतत् विकास रिपोर्ट वित्त वर्ष 2016–17 की मैप की गई पृष्ठ संख्याएं इस रिपोर्ट में पुनः प्रस्तुत की गई हैं।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

''गेल देशभर में 'हवा–बदलो' अभियान के अंतर्गत 'स्वच्छ आकाश' सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर लोगों में प्रदूषण के प्रति जागरूकता पैदा करने और इसे कम करने के उपायों को कार्यान्वित करने हेतु 'मिलेनियल जेनरेशन' के साथ भी कार्य कर रहा है।''

लगातार सातवें वर्ष नवजीवन, नवस्पंदन, नवनिरूपण गेल की सतत् विकास पहलों संबंधी व्यापक रिपोर्ट का आधार रहा है। हम एक रोमांचक दौर से गुजर रहे हैं तथा ऊर्जा परिदृश्य में हमारी समवर्ती संभावनाओं का दौर जारी है। औद्योगिक युग मुख्यत: पृथ्वी से निकाले गए विभिन्न जीवाश्म रूपों पर निर्भर रहता है। अब औद्योगिक संरचना को नया रूप प्रदान किया जा रहा है तथा सौर और पवन ऊर्जा के अनंत भंडारों का दोहन करने के लिए लागू की गई प्रौद्योगिकियों में व्यापक बदलाव किया जा रहा है।

हमारी सतत् विकास पहलों का विस्तार किया जा रहा है। अभी हाल ही में, गेल ने देश के सबसे बड़े गैस आधारित पेट्रोकेमिकल कॉम्पलेक्स, पाता में 5.76 एमडब्ल्यूपी का देश का दूसरा सबसे बड़ा सौर 'पीवी रूफटॉप' संस्थापित किया है। यह आठ मिलियन यूनिट कैपटिव विद्युत उत्पादन 1350 यात्री वाहनों द्वारा उत्सर्जित वार्षिक जीएचजी अथवा 3 मिलियन टन कोयले के जलने से पैदा हुए जीएचजी के समकक्ष 'कार्बन फुटप्रिंट' को कम करने में सहायक होगा। इस परियोजना में सम्पूर्ण तौर पर 'मेक इन इंडिया' की विशिष्ट छाप देखी जा सकती है।

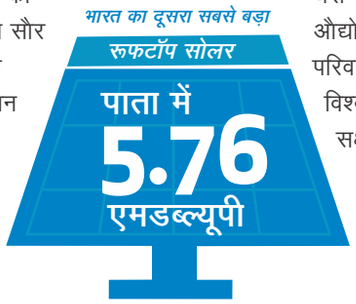

'प्रधान मंत्री ऊर्जा गंगा' योजना के अंतर्गत प्राकृतिक गैस अवसंरचना परियोजना की प्रगति कई प्रकार से उत्साहजनक रही है। शहर गैस वितरण का कार्य भुवनेश्वर से प्रारंभ हुआ तथा जगदीशपुर–हल्दिया–बोकारो–धमरा पाइपलाइन मार्ग के अन्य स्थलों पर 'सिटी गैस नेटवर्क' का विस्तार शीघ्र ही किए जाने की संभावना है। बरौनी से गुवाहाटी तक मुख्य पाइपलाइन खंड को पूर्वी भारत की नेटवक्र प्रणाली से जोड़ने के लिए भी नियामकों की स्वीकृति मिल गई है। इन पहलों से पूर्वी और उत्तर–पूर्वी राज्यों के लोग घरों में तापीय अनुप्रयोगों तथा औद्योगिक/वाणिज्यिक केन्द्रों और परिवहन के लिए भी स्वच्छ एवं विश्वसनीय ऊर्जा विकल्प अपनाने में सक्षम होंगे।

अभी हाल ही के महीनों में न्यायपालिका की तरफ से प्राकृतिक गैस जैसे स्वच्छ ऊर्जा विकल्प अपनाने संबंधी ऐतिहासिक दिशा–निर्देशों के साथ ही पर्यावरण को क्षति पहुंचाने वाले ठोस और तरल ईंधनों को बंद करने संबंधी आदेश जारी किए गए हैं। ये आदेश अब सम्पूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और इसके साथ लगते राज्यों में लागू हैं और ऐसे निदेश इन क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस विपणन कार्य कर रही कम्पनियों को औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्रता से कनेक्शन प्रदान करने के लिए बाध्य करेंगे।

स्वच्छ ऊर्जा प्रारूपों और प्रभावी प्रौद्योगिकी को अपनाने की गति दुनिया भर में तेज हुई है, जो मुख्यत: इस संबंध में लोगों की बढ़ती हुई राय तथा सरकारों की तरफ से कार्य योग्य सहायता के कारण है। हमें 2030 तक वार्षिक तौर पर उत्सर्जित होने वाले 41 गीगा टन जीएचजी को आधा करने की दिशा में हमारे सामूहिक प्रयासों में तेजी लाने तथा बहु–आयामी कार्यों के माध्यम से जल प्रभावशीलता में सुधार करने की आवश्यकता है। गेल विश्वसनीय विद्युत उत्पादन के लिए प्राकृतिक गैस द्वारा संचालित ईंधन इकाईयों जैसी प्रौद्योगिकियों का समर्थक रहा है,

जो न केवल पर्यावरण हितैषी हैं अपितु परम्परागत प्रौद्योगिकियों की तुलना में कई गुणा अधिक प्रभावी भी हैं।

परम्परागत ऊर्जा के विपरीत अद्यतन उभरती हुई प्रौद्योगिकियों और नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों का मिला–जुला स्वरूप 'डिस्ट्रीब्यूटेड मॉडल' पर लगाए जाने के लिए उपयुक्त है। प्राकृतिक गैस को 'डिस्ट्रीब्यूटेड ऊर्जा रूपों' के साथ लाभकारी ढंग से समेकित किया जा सकता है।

मुख्य ऊर्जा स्रोतों में 15–20 प्रतिशत प्राकृतिक गैस मिश्रित किए जाने से प्रबंध योग्य निवेश की सीओपी संरचना के तहत भारत की आकांक्षा को प्राप्त करने में सहायता मिल सकती है।

पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन के मानकों और उनके विशिष्ट ऊर्जा उपभोग का निर्धारण करने में 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' के साथ हमारे संयंत्र भी ऊर्जा दक्षता 'बेंचमार्कों' के निर्धारण

गेल अब 'एफटीएसई4 बेहतर और उभरते हुए बाजार सूचकांक' का हिस्सा है।

की दिशा में कार्य कर रहे हैं। गेल की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों, जिन्हें अब प्रचालनों में स्थापित किया गया है, द्वारा आने वाले समय में अधिक दक्षता की संभावना है। इच्छित समूह 'एफटीएसई4 बेहतर और उभरते हुए बाजार सूचकांक' में कंपनी का प्रवेश पर्यावरण के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है और अभिशासन प्रक्रियाओं तथा सामाजिक सहभागिता को वैश्विक मानकों की तुलना में मापा जाता है।

गेल देशभर में 'हवा–बदलो' अभियान के अंतर्गत 'स्वच्छ आकाश' सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर लोगों में प्रदूषण के प्रति जागरूकता पैदा करने और इसे कम करने के उपायों को कार्यान्वित करने हेतु 'मिलेनियल जेनेरेशन' के साथ भी कार्य कर रहा है।

अल्पावधि में 20 मिलियन से अधिक लोगों तक पहुंच बनाई गई है और उनकी प्रतिक्रिया जोरदार रही है।

वर्ष–दर–वर्ष हमने सभी हितधारकों तक विकास का प्रतिदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है क्योंकि हम निरंतर जलवायु कार्य अनिवार्यताओं और विकास आकांक्षाओं के बीच अंतर को कम करने का प्रयास करते हैं।

मैं, गेल के हितधारकों का, अपना बहुमूल्य समर्थन देने और सतत् विकास के अवसर उत्पन्न करने तथा तत्संबंधी संभावनाओं को अनुभूत करने संबंधी प्रयासों में गेल के प्रति विश्वास दर्शाने के लिए, हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। आपके अध्ययन हेतु इस संग्रह में हमारी विकास यात्रा और सतत् विकास प्रयासों का संकलन किया गया है। आपका बहुमूल्य 'फीडबैक' बेहतर कल का निर्माण करने में हमारे लिए अत्यधिक सहायक होगा।

बी.सी. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गेल (इंडिया) लिमिटेड

अध्याय

01

रिपोर्ट के बारे में और गेल के बारे में

भारत के कुल प्राकृतिक गैस संचरण के 3/4 का प्रचालन

भारत में विक्रय की जाने वाली प्राकृतिक गैस के 3/5 से अधिक का योगदान

पाता, उत्तर प्रदेश में गेल पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का एक दृश्य

रिपोर्ट के बारे में

'नवजीवन, नवस्पंदन, नवनिरूपण' प्रतिकूल बाजार परिदृश्य की चुनौतियों का सामना करने तथा हितधारकों के लिए मूल्य सृजित करते हुए समावेशी विकास के अवसरों का लाभ उठाने के हमारे दृष्टिकोण को दर्शाता है। अपने सातवें प्रकाशन वर्ष में, यह हमारे वित्त वर्ष 2016–17 के लिए जी4–29 सतत् विकास रिपोर्ट और वैश्विक रिपोर्ट पहल (जीआरआई–जी4) दिशा–निर्देशों के ''कोर जी4–32 विकल्प'' के अनुरूप तीसरी रिपोर्ट है।

उपर्युक्त डिज़ाइन फ्रेम को वि.व. 2016–17 के दौरान की गई पहलों/नई सूचनाओं को प्रदर्शित करने के लिए प्रयोग किया गया है।

यह रिपोर्ट आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक पैरामीटर्स पर हमारे कार्य–निष्पादन तथा राजकोषीय वर्ष 2016–17 के लिए हमारे कार्यकलापों को दर्शाती है। पृष्ठ 98 पर जीआरआई विषय–वस्तु सूचकांक में जीआरआई कार्य–निष्पादन संकेतकों और मानक प्रकटीकरणों का विस्तार से उल्लेख किया गया है।

इस रिपोर्ट में सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक उत्तरदायित्वों संबंधी राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशा–निर्देशों (एनवीजी) के 9 सिद्धांतों की अनुपालना की गई है। यह रिपोर्ट स्वैच्छिक सतत् विकास रिपोर्ट (2010) संबंधी तेल और गैस उद्योग दिशा निर्देशन, अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम उद्योग पर्यावरणीय संरक्षण संघ (आईपीआईईसीए), पर्यावरणीय और सामाजिक मुद्दों हेतु वैश्विक तेल और गैस उद्योग संघ तथा अमेरिकन पेट्रोलियम संस्थान (एपीआई) के सुयोजन, संयुक्त राष्ट्र वैश्विक प्रभाव (यूएनजीसी) के अंतर्गत सिद्धांतों और प्रकटीकरण अपेक्षाओं तथा जीआरआईजी4 दिशा–निर्देशों के साथ–साथ सांगठनिक सामाजिक उत्तरदायित्व संबंधी आईएसओ 26000:2010 दिशा–निर्देशों के अनुरूप तैयार की गई है।

हमारे वर्तमान गतिशील परिदृश्य और तेजी से आगे बढ़ रही दुनिया में हितधारकों की आशाओं और अपेक्षाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है। इसलिए, मुख्य क्षेत्रों का निर्धारण हितधारकों की सहभागिता तथा परियोजना स्थलों, कार्यालयों तथा विभिन्न हितधारकों को शामिल करते हुए ऑनलाइन सर्वेक्षणों सहित हमारे 10 स्थलों पर आयोजित की गई वास्तविक मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। हितधारकों की सहभागिता का विस्तार से उल्लेख रिपोर्ट के संगत अनुभागों में किया गया है। 'वास्तविकता' हमारी सतत् विकास यात्रा का मार्ग प्रशस्त करती है और हमें वरीयता निर्धारण करने में सहायता प्रदान करती है।

जीआरआई जी4 दिशा–निर्देशों के बारे में

वैश्विक रिपोर्ट पहल (जीआरआई) एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो वर्ष 1997 से सतत् विकास रिपोर्ट में अग्रगामी रहा है। जीआरआई दुनिया भर के कारोबारियों और सरकारों को महत्वपूर्ण सतत् विकास मुद्दों पर उनके प्रभाव को समझने और उसकी जानकारी प्रदान करने में सहायता करता है, जिससे सभी के लिए सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ प्रदान करने हेतु वास्तविक कार्रवाई की जा सके। जीआरआई जी4 संधारणीयता रिपोर्ट दिशा–निर्देशों का विवरण है। जीआरआई जी4 दिशा–निर्देशों का मुख्य फोकस 'महत्वपूर्ण' मुद्दों की पहचान करने संबंधी निदेशों को बेहतर बनाना है – दिशा–निर्देशों के पूर्व विवरण में दिशा–निर्देश विषय–वस्तु की तकनीकी गुणवत्ता में सुधार करने के अतिरिक्त विभिन्न हितधारकों के दृष्टिकोण से इसे बेहतर बनाना। जीआरआई जी4 दिशा–निर्देश में 'प्रमुख' और 'व्यापक' विकल्पों के दो 'के अनुरूप' विकल्प हैं। दोनों ही विकल्पों के लिए सामान्य मानक प्रकटीकरण की जानकारी प्रदान करनी होती है, जिसमें सांगठनिक कार्यनीति, विश्लेषण, अभिशासन और नीतिपरक संबंधी मानक प्रकटीकरण के लिए 'व्यापक' विकल्प हेतु काफी संख्या में रिपोर्ट प्रदान की जाती हैं। दिशा–निर्देशों के संबंध में पाठकों के संदर्भ को बेहतर बनाने के उद्देश्य से हमने रिपोर्ट के संगत खंडों के उपभोक्ता प्रारूप में जीआरआई जी4 संकेतकों का मूल्यांकन किया है।

डाटा प्रबंधन पद्धति

इस वर्ष की सतत् विकास रिपोर्ट में अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक के डाटा शामिल किए गए हैं। रिपोर्ट के प्रत्येक खंड में विभिन्न हितधारकों और अध्याय के लिए प्रासंगिक महत्वपूर्ण पहलुओं के संदर्भ में प्रणालियों, प्रक्रियाओं और अवसंरचना के माध्यम से हमारे कार्य–निष्पादन का विस्तार से उल्लेख किया गया है। इसके अतिरिक्त, हमने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रारंभ की गई पहलों को भी रिपोर्ट में शामिल किया है। नई परियोजनाओं, आशयों और भविष्य की योजनाओं की भी जानकारी प्रदान की गई है। चूंकि, ये कार्यकलाप विकास के विभिन्न चरणों में हैं और बाजार की उतार–चढ़ाव परिस्थितियों, विनियामक निर्णयों और भू–राजनैतिक स्थिति में परिवर्तन पर आधारित हैं, इसलिए इनके पूरा होने में अनिश्चितता की स्थिति रहती है। इस रिपोर्ट में दर्शाए गए डाटा की गणना अवधारणाओं, मानक दिशा–निर्देशों और पद्धतियों का प्रयोग करके की गई है। जहां कहीं भी इनका प्रयोग किया गया है, वहां इनका उल्लेख किया गया है। आंकड़ों को संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा और सत्यापित किया जाता है।

एसडीजी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता

गेल एक उत्तरदायी कॉर्पोरेट नागरिक और सरकारी क्षेत्र का उपक्रम होने के नाते एसडीजी की उपलब्धि के लिए वचनबद्ध है। यह हमारा सतत् प्रयास है कि संगठन तथा राष्ट्र के सतत् विकास की दिशा में आगे बढ़ते हुए हमारे हितधारकों के लिए सकारात्मक मूल्य सृजन किया जाए। हमारा उद्देश्य हमारे कारोबारी लक्ष्यों का राष्ट्रीय और वैश्विक प्राथमिकताओं के साथ संयोजन करना है। इस परिपेक्ष्य में हमने सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सुयोजित की गई हमारी कुछ पहलों को रेखांकित किया है।

रिपोर्ट का क्षेत्र और दायरा

इस रिपोर्ट के क्षेत्र और दायरे में उत्खनन और उत्पादन जी4–23 कार्यों को शामिल किया गया है। यह रिपोर्ट भारत केन्द्रित है और इसमें संयुक्त उपक्रमों, आनुषंगिक ईकाइयों, पट्टे पर दी गई सुविधाओं, आऊटसोर्स किए गए प्रचालनों और अन्य कंपनियों को शामिल नहीं किया गया है। इस रिपोर्ट की विषय–वस्तु को हितधारक समावेशिता, महत्वपूर्ण स्थिति, सतत् विकास संदर्भ, पूर्णता, अधिशेष, तुलनीयता, सटीकता, समय–सीमाएं, स्पष्टता और विश्वसनीयता के सिद्धांतों का सतत् उपयोग करते हुए परिभाषित किया गया है।

आश्वासन

हमारी सभी सतत् विकास रिपोर्टों के बारे में बाह्य आश्वासन अभिकरणों द्वारा आश्वस्त किया गया है। इस परम्परा को जारी रखते हुए, इस वर्ष की सतत् विकास रिपोर्ट के बारे में डीएनवीजीएल द्वारा आश्वस्त किया गया है। यह एक टाइप–2 मॉडरेट स्तर की आश्वस्त रिपोर्ट है, जो एए1000एएस (2008) मानक पर आधारित है। आश्वासन प्रक्रिया में हमारी कंपनी के विभिन्न स्थलों पर डाटा सत्यापन शामिल है, जिससे हमें इसकी प्रक्रियाओं तथा डाटा प्रबंधन प्रणालियों में सुधार करने में अनवरत सहायता मिलती है।

गेल की सतत् विकास रिपोर्ट के लिए एक विशेष समर्पित वेबसाइट www.gailsustainabilityreport.com है।

उत्खनन और उत्पादन (ई एंड पी)
- नोएडा

गैस प्रोसेसिंग ईकाईयां (जीपीयू)
- पाता
- विजयपुर
- वाघोदिया
- ऊसर
- गंधार

एलपीजी पम्पिंग/ प्रापण केन्द्र
- आबू रोड
- चेरलपल्ली
- जी. कोंडरू
- जामनगर
- कांडला
- लोनी
- विजाग
- मनसारामपुरा
- समाखियाली
- नसीराबाद

इंफो–हब
- नोएडा

गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई)
- नोएडा
- जयपुर

पेट्रोकेमिकल यूनिट (पीसी) और सी2/सी3 संयंत्र
- पाता
- विजयपुर

क्षेत्रीय पाइपलाइन कार्यालय
- अगरतला
- वडोदरा
- मुम्बई
- पुडुचेरी (कराईकल)
- राजमुन्द्री (केजी बेसिन)

प्राकृतिक गैस कम्प्रेसर स्टेशन (सीएस)
- छांयसा
- कैलारस
- हजीरा
- दिबियापुर
- झबुआ
- वाघोडिया
- खेड़ा
- विजयपुर

कॉर्पोरेट कार्यालय
- नई दिल्ली

आंचलिक विपणन कार्यालय
- दिल्ली
- कोलकाता
- चेन्नई
- बेंगलुरू
- जयपुर
- भोपाल
- चंडीगढ़
- हैदराबाद
- लखनऊ
- मुम्बई
- अहमदाबाद

रिपोर्ट में शामिल किए गए प्रचालनों की सूची

गेल के बारे में

प्राकृतिक गैस

- 11,507 किलोमीटर से अधिक प्राकृतिक गैस पाइपलाइन, उन्नत गैस प्रबंधन प्रणाली
- आरजीपीपीएल (5 एमएमटीपीए एलएनजी पुनर्गैसीकरण सुविधा) में सहभागिता और विस्तार के लिए निरंतर प्रयास
- दीर्घकालिक आयात पोर्टफोलियो : 24 एमएमटीपीए

द्रव हाइड्रोकार्बन

- एलपीजी, प्रोपेन, पेंटेन, नाफ्था इत्यादि का उत्पादन करने वाले 6 गैस प्रोसेसिंग संयंत्र
- 2,038 किलोमीटर एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क
- एलपीजी परिवहन क्षमता 3.8 एमएमटीपीए (2038)

सिटी गैस वितरण

- अनुषंगी इकाइयों और संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से 17,69,540 वाहनों और 18,60,094 घरों तक गैस पहुंचाई जा रही है

पेट्रोकेमिकल

- घरेलू बाजार हिस्सेदारी – 20 प्रतिशत (बीसीपीएल सहित)
- 0.81 एमएमटीपीए क्षमता सहित पाता (उत्तर प्रदेश) में पेट्रोकेमिकल परिसर
- अनुषंगी इकाई बीसीपीएल के पॉलीमर का विपणनकर्ता
- ओपॉल में भागीदारी

विद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा

- 118 एमडब्ल्यू (मेगावाट) का पवन विद्युत संयंत्र और 5 मेगावाट का सौर विद्युत संयंत्र
- आरजीपीपीएल में भागीदारी (क्षमता 1967 मेगावाट)

उत्खनन और उत्पादन

- 'वर्टिकल' समेकन का एक भाग
- 12 खंडों में भागीदारी (ऑपरेटर–1 ब्लॉक)
- 2 खंडों में हाइड्रोकार्बन की खोज
- 4 खंडों से कच्चे तेल का उत्पादन
- मयंमार और यूएसए में उपस्थिति

भारत में बेची जाने वाली प्राकृतिक गैस के

3/5वें

भाग से अधिक का योगदान

भारत में प्रत्येक

20वें

एलपीजी सिलेंडर के निर्माता

भारत के कुल सीएनजी स्टेशनों के

2/3वें

से अधिक का संचालन

भारत की गैस आधारित विद्युत के लिए लगभग

3/4वें

गैस की आपूर्ति

भारत में कुल एनजी संचरण के

3/4वें

भाग का प्रचालन

भारत में उत्पादन की जाने वाली पालीथीलीन के

1/5वें

भाग का उत्पादन

भारत के कुल एलपीजी संचरण के

1/6वें

के लिए उत्तरदायी

भारत में उत्पादन किए जाने वाले उर्वरक के

3/5वें

भाग के लिए गैस की आपूर्ति

गेल की आपूर्ति श्रंखला

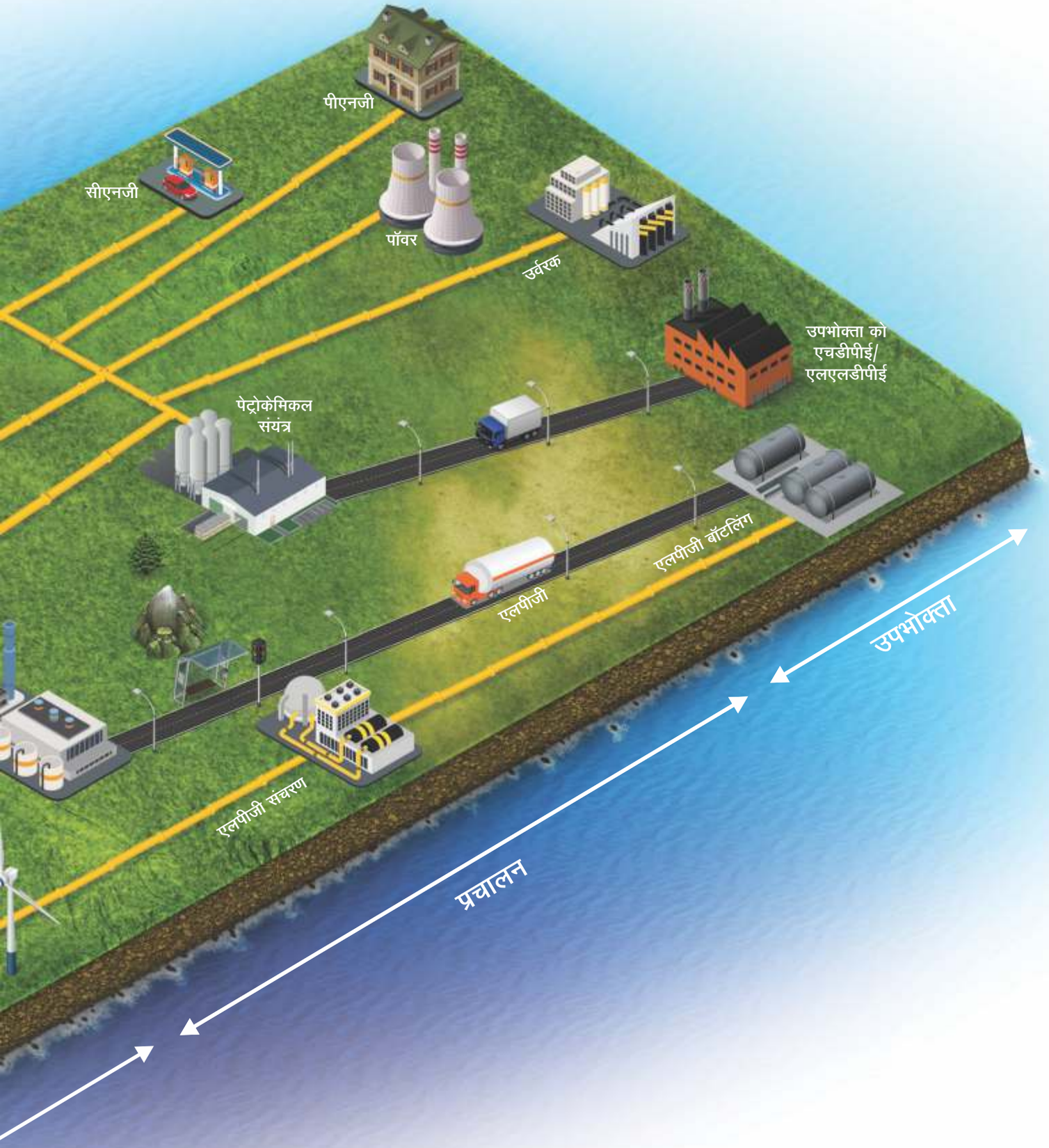
पीएनजी
सीएनजी
पॉवर
उर्वरक
उपभोक्ता को
एचडीपीई/
एलएलडीपीई
पेट्रोकेमिकल
संयंत्र
एलपीजी बॉटलिंग
एलपीजी
एलपीजी संचरण
उपभोक्ता
प्रचालन

हमारी उपस्थिति, आनुषंगिक इकाइयां और संयुक्त उद्यम

घरेलू आनुषंगिक इकाइयां

- ब्रह्मपुत्र क्रैकर्स एंड पालीमर्स लिमिटेड (बीसीपीएल) (70 प्रतिशत)
- गेल गैस लिमिटेड – गेल के पूर्ण स्वामित्व वाली आनुषंगिक कंपनी (100 प्रतिशत), यह देवास, कोटा, सोनीपत, मेरठ और ताज ट्रापेजियम जोन, फिरोजाबाद, वडोदरा तथा पनवेल में आपूर्ति करती है।

विदेशी आनुषंगिक इकाइयां

- गेल (ग्लोबल) सिंगापुर पीटीई (100 प्रतिशत)
- गेल (ग्लोबल) यूएसए इंक (100 प्रतिशत)
- गेल ग्लोबल (यूएसए) एलएनजी, एलएलसी (100 प्रतिशत गेल (ग्लोबल) यूएसए इंक की आनुषंगिक कंपनी)

सिटी गैस वितरण (सीजीडी) जेवी (इक्विटी का प्रतिशत)

- महानगर गैस लिमिटेड – एमजीएल (32.50 प्रतिशत)
- इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड – आईजीएल (22.50 प्रतिशत)
- भाग्यनगर गैस लिमिटेड – बीजीएल (49.97 प्रतिशत)
- ग्रीन गैस लिमिटेड – जीजीएल (49.97 प्रतिशत)
- सेंट्रल यू.पी. गैस लिमिटेड – सीयूजीएल (25 प्रतिशत)
- महाराष्ट्र प्राकृतिक गैस लिमिटेड – एमएनजीएल (22.50 प्रतिशत)
- अवंतिका गैस कंपनी लिमिटेड – एजीएल (49.97 प्रतिशत)
- त्रिपुरा प्राकृतिक गैस कंपनी लिमिटेड – टीएनजीएल (48.98 प्रतिशत)
- वडोदरा गैस लिमिटेड (32.93 प्रतिशत)
  - गेल गैस लिमिटेड के माध्यम से –
  - जीओए नेचुरल गैस प्राइवेट लिमिटेड
  - हरिद्वार गैस प्राइवेट लिमिटेड
  - केरल गेल गैस लिमिटेड
  - आंध्र प्रदेश गैस डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड

संयुक्त उपक्रम

- पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (12.5 प्रतिशत)
- गेल चाइना गैस ग्लोबल एनर्जी होल्डिंग लिमिटेड (50 प्रतिशत)
- ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ओपीएएल) (49.21 प्रतिशत)
- तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड (5 प्रतिशत)
- नेशनल गैस कंपनी ''नेट गैस'' (5 प्रतिशत)
- फ्यूम गैस कंपनी (19 प्रतिशत)
- गेल चाइना गैस होल्डिंग लिमिटेड (5 प्रतिशत)
- तलचर फर्टीलाइज़र्स लिमिटेड (29.67 प्रतिशत)
- साउथ–ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड (4.17 प्रतिशत)

अध्याय

02

कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन

भुबनेश्वर, कटक ओर पारादीप के लिए गेल की प्राकृतिक गैस स्पर पाइपलाइन का उद्घाटन माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा किया गया।

कॉर्पोरेट अभिशासन और जोखिम प्रबंधन

हम कॉर्पोरेट अभिशासन और पारदर्शिता, जो हितधारकों के साथ अधिक विश्वास स्थापित करने के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, के उच्च मानकों के प्रति वचनबद्ध हैं। हमारी अभिशासन संरचना में बेहतर अभिशासन सिद्धांतों जैसे सभी हितधारकों के प्रति पारदर्शिता, जवाबदेही, उत्तरदायित्व, नीतिशास्त्र तथा अखंडता की अनुपालना को सुनिश्चित किया गया है। गेल में सुशासन कार्यनीति को लागू करके तथा निदेशक मंडल द्वारा इसकी निगरानी द्वारा सुनिश्चित किया जाता है। गेल की अभिशासन प्रणाली काफी अच्छी है, जिसमें पारदर्शी नीतियों का निर्धारण करके उनका कार्यान्वयन किया जाता है, आंतरिक नियंत्रण के लिए प्रणालियों तथा प्रक्रियाओं की स्थापना की जाती है और सभी लागू विधियों, नियमों तथा विनियमों जी4–42, जी4–43 की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए जोखिम प्रबंधन प्रणाली का सुदृढ़ीकरण किया जाता है। हम प्राकृतिक गैस मूल्य श्रंखला के सभी पहलुओं में बेहतर अभिशासन प्रक्रियाओं को कायम रखते हैं।

हमारे सर्वाधिक भुगतान किए जाने वाले व्यक्ति की कुल वार्षिक क्षतिपूर्ति और हमारे मध्यम स्तर के कर्मचारी की कुल वार्षिक क्षतिपूर्ति का अनुपात है।

₹ 2.99:1

अभिशासन संरचना

हमारा अभिशासन पारदर्शिता और प्रभावशीलता के सिद्धांतों पर आधारित है। इन सिद्धांतों को सतत् विकास हेतु निर्णय लेते हुए, स्पष्ट भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों का निर्धारण करते हुए बेहतर अभिशासन प्रक्रियाओं के माध्यम से आगे बढ़ाया जाता है।

हम एक केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के उपक्रम (सीपीएसई) हैं। हमारे सभी निदेशकों की नियुक्ति/नाम निर्देशन भारत के राष्ट्रपति द्वारा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) के माध्यम से किया जाता है। गेल के कार्यनीतिक दृष्टिकोण को कार्यकारी और गैर–कार्यकारी निदेशकों द्वारा आगे बढ़ाया जाता है। निदेशक बोर्ड द्वारा निर्णय लेने की सुचारू और सुव्यवस्थित प्रक्रिया हेतु सांविधिक विनियमों और दिशा–निर्देशों के अंतर्गत यथा अपेक्षित, बोर्ड की विभिन्न उप–समितियों का गठन किया जाता है।

निदेशक बोर्ड ने सीएमडी और कार्यात्मक निदेशकों को शक्तियों का हस्तांतरण करने की अनुमति प्रदान कर दी है। सीएमडी को संघ के अनुच्छेद द्वारा बोर्ड स्तर से नीचे कार्यकारी शक्तियां प्रदान करने का अधिकार दिया गया है। नीतिपरक कारोबार सुनिश्चित करने के लिए हमने बोर्ड के सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए एक आचरण संहिता लागू की है। आंतरिक नियंत्रण भी हमारे अभिशासन मॉडल का एक महत्वपूर्ण संघटक है। हमने आंतरिक नियंत्रणों की बेहतर कार्य–प्रणाली के लिए उन्नत प्रणालियों और प्रक्रियाओं का कार्यान्वयन किया है। हम, स्वयं की आंतरिक लेखा–परीक्षा और अनुपालना प्रक्रिया–विधियों की प्रभावशाली और गहनता से समीक्षा करते हैं। हम कॉर्पोरेट अभिशासन के संबंध में सेबी (सूचीबद्धता अनिवार्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 तथा सरकारी उपक्रम विभाग (डीपीई) के दिशा–निर्देशों की अनुपालना करते हैं। हमारे निदेशक बोर्ड की संरचना में स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षा सहित लेखा–परीक्षा समिति की संरचना और नाम–निर्देशन तथा पारिश्रमिक समिति का गठन लागू सांविधिक उपबंधों के अनुसार किया जाता है। हम कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार महिला निदेशक की नियुक्ति सहित अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के लिए भारत सरकार के साथ कार्य करते हैं। बोर्ड और इसकी समितियों की संरचना का ब्यौरा वित्त वर्ष 2016–17 की वार्षिक रिपोर्ट में दिया गया है, जो लिंक: http://www.gailonline.com/final_site/IZ-AnnualReports.html पर उपलब्ध है।

जी4–डीएमए, जी4–14ए जी4–38, जी4–34, जी4–35, जी4–36, जी4–39, जी4–40, जी4–44,

नियुक्ति प्राधिकारी होने के नाते भारत सरकार द्वारा स्वतंत्र निदेशकों सहित वैयक्तिक निदेशकों के कार्य–निष्पादन का मूल्यांकन किया जाता है। प्रबंधन की तरफ से पारदर्शिता के कारण हमारे शेयरधारकों, संभावित निवेशकों तथा तृतीय पक्ष एसोसिएट्स का विश्वास बढ़ता है। परिणामस्वरूप, हम उच्चतम मानकों के अनुरूप निर्णय लेने की प्रक्रियाओं पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कार्य जारी रखते हैं।

पारिश्रमिक और प्रोत्साहन

भौतिक, वित्तीय, गैर–वित्तीय मापदंडों के लक्ष्यों का निर्धारण गेल तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के बीच हुए समझौता ज्ञापन में किया गया है। कंपनी के कार्य–निष्पादन का मूल्यांकन इन लक्ष्यों से तुलना करते हुए किया जाता है और इसलिए पृथक पैरामीटर्स के संकलित स्कोर को परिभाषित किया गया है। संकलित स्कोर एमओयू रेटिंग का निर्धारण करने वाला महत्वपूर्ण कारक है, जो कार्य–निष्पादन संबंधी वेतन के रूप में वर्ष के परिवर्ती वेतन की मात्रा का निर्धारण करता है।

सभी कर्मचारियों के लिए कुल वार्षिक क्षतिपूर्ति में मध्यम बढ़ोतरी प्रतिशत (वित्त वर्ष 2015–16 से वित्त वर्ष 2016–17 तक) 0.78 प्रतिशत है (उच्चतम वेतन प्राप्त करने वाले अधिकारी के अतिरिक्त)। उच्चतम वेतन भुगतान प्राप्त करने वाले की कुल वार्षिक क्षतिपूर्ति में वित्त वर्ष 2015–16 से वित्त वर्ष 2016–17 तक – 5.39 प्रतिशत की कमी हुई है।

हितों का टकराव

सरकारी संस्थाओं में विश्वास बनाए रखना तथा बेहतर अभिशासन के लिए हितों के टकराव का निर्धारण और समाधान सबसे महत्वपूर्ण है। हम गेल में बोर्ड स्तर पर हितों के टकराव का समाधान और निराकरण रेखाचित्र में दर्शाए अनुसार करते हैं।

इसके अतिरिक्त, सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के अंतर्गत अधिदेश के अनुसार संबंधित पक्षकार के सौदे का प्रबंधन करने के लिए एक नीति भी बनाई गई है और इसे कंपनी की वेबसाइट http://www.gailonline.com/final_site/lZ-policies.html पर देखा जा सकता है।

सतत् विकास अभिशासन

गेल में जवाबदेही और पारदर्शिता के सिद्धांतों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं। वर्ष 2011 में, हमने औपचारिक तौर पर अपनी सतत् विकास यात्रा प्रारंभ की। हमारा मानना था कि हालांकि हम कुछ कदम पीछे थे, परंतु शीर्ष प्रबंधन स्तर पर गतिशील नेतृत्व के साथ सही दिशा में उठाया गया छोटा परंतु कार्यनीतिक कदम अधिक महत्वपूर्ण था। इसके पीछे यह विचार था कि हमारे प्रभाव का मूल्यांकन किया जाए और तदुपरांत सतत् विकास में दीर्घकालिक रणनीति तथा दैनिक तौर पर कारोबारी निर्णय लेते हुए हमारे हितधारकों के लिए मूल्य विकसित किया जाए।

शर्तों, मानकों और लक्ष्यों की सामान्य समझ विकसित करने के लिए हमने एक सतत् विकास नीति तैयार की, ताकि वह गेल में उत्तरदायी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए एक आधारभूत संरचना के तौर पर कार्य कर सके। यह नीति आर्थिक, पर्यावरणीय और समाजिक तौर पर न्यूनतम स्वीकार्य स्तर तक हमारे विजन और आकांक्षाओं को समेकित करती है।

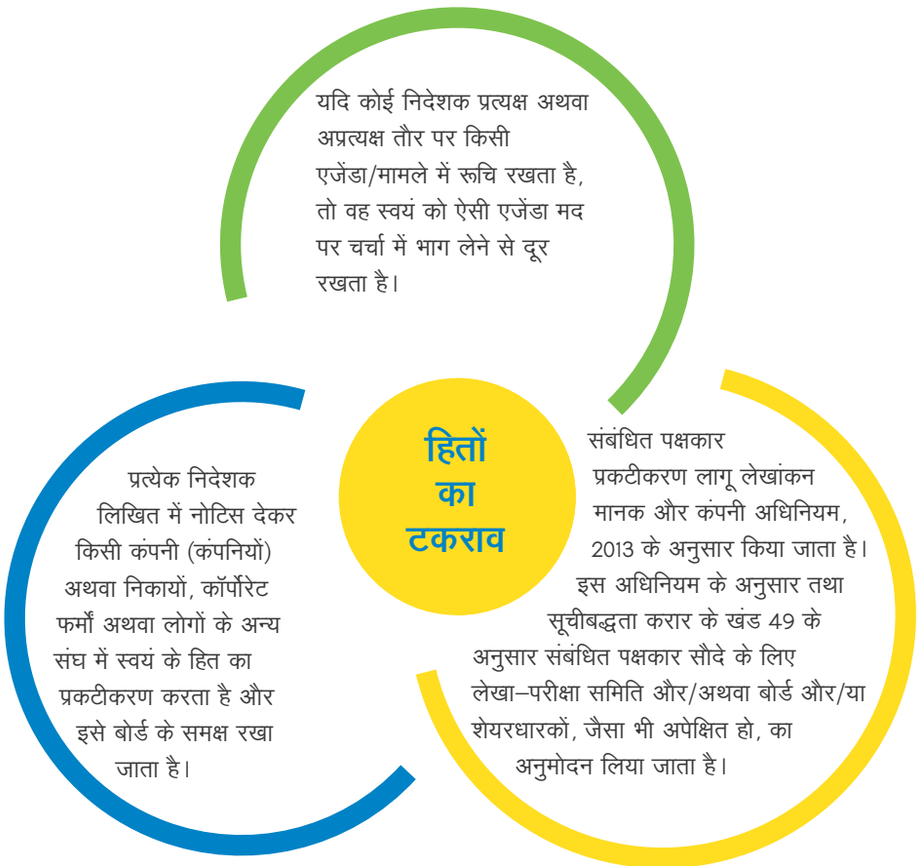

हितों का टकराव

सतत् विकास समिति

हम सतत् विकास पहलों और कार्य–निष्पादन की नियमित निगरानी के लिए बोर्ड स्तरीय सतत् विकास समिति, जिसकी अध्यक्षता एक स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है और सभी कार्यात्मक निदेशक इसके सदस्य होते हैं, की सक्रिय भागीदारी से सतत् विकास संबंधी मुद्दों पर अग्रसक्रिय तौर पर चर्चा करते हैं। बोर्ड की सतत् विकास समिति (एसडीसी) सतत् विकास कार्यसूची और कार्य–निष्पादन का निरीक्षण करती है, आपात स्थिति अनुक्रिया योजना तथा एचएसई कार्य–निष्पादन की समीक्षा करती है। एसडीसी सांगठनिक कार्यकलापों का आयोजन इस प्रकार करती है कि दीर्घकालिक मूल्य सृजित होने के साथ ही उत्तरदायी परियोजनाओं और प्रचालनों का आश्वासन मिले। एसडीसी के कार्यों में नैतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दे शामिल होते हैं। एसडीसी आपात स्थिति अनुक्रिया योजना और एचएसई कार्य–निष्पादन की भी समीक्षा करती है। एसडीसी सांगठनिक कार्यकलापों का आयोजन इस प्रकार करती है कि दीर्घकालिक मूल्य सृजित होने के साथ ही उत्तरदायी परियोजनाओं और प्रचालनों का आश्वासन मिले। एसडीसी के कार्यों में नैतिक सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दे शामिल होते हैं।

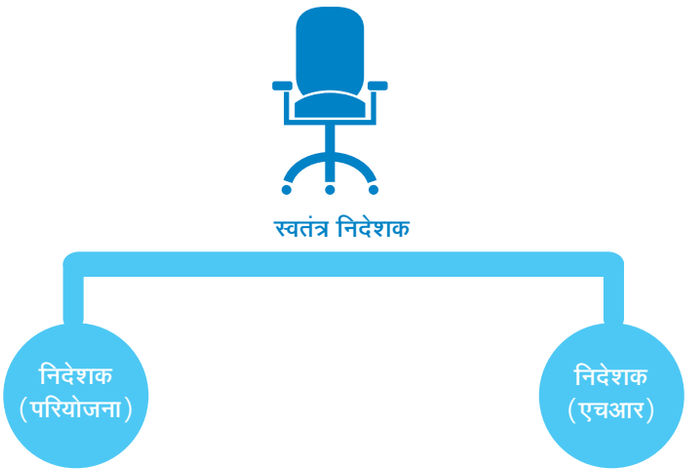

वर्ष 2016–17 में, समिति की दो बैठकें हुई और इनमें लिए गए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय निम्नानुसार हैं :

- गेल की वित्त वर्ष 2015–16 की छठी सतत् विकास रिपोर्ट 'एक लचीले पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण' का अनुमोदन
- गेल के सतत् विकास रिपोर्ट पोर्टल की व्यूवरशिप की गणना प्रग्रहण करना
- डाटा प्रबंधन में सुधार के लिए उपाय
- हितधारक भागीदारी और महत्ता प्रक्रिया में अन्य महत्वपूर्ण हितधारक समूह को शामिल करने के लिए की जाने वाली पहलें

सतत् विकास संचालन समिति

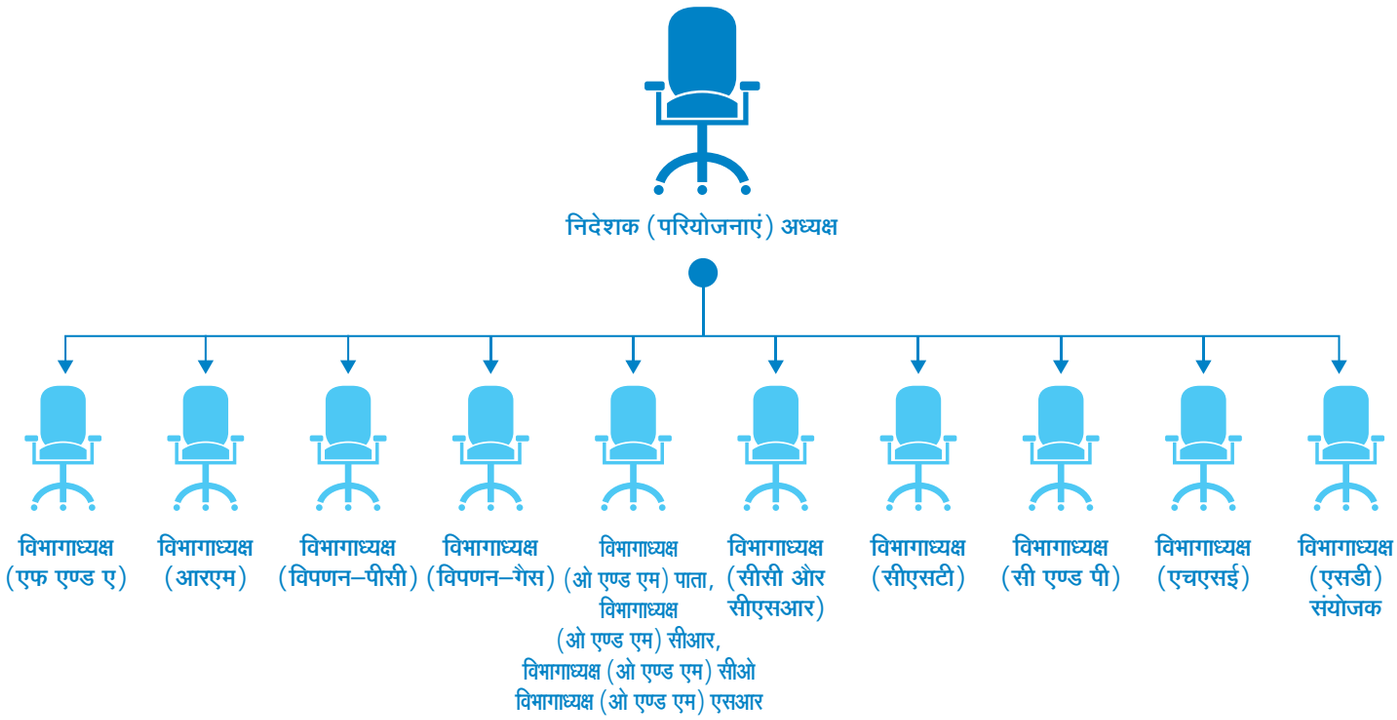

चूंकि, सतत् विकास एक सर्वसमावेशी अवधारणा है, जिसमें विभिन्न क्षेत्र शामिल होते हैं, इसलिए वास्तव में सतत् विकास कार्यकलापों की योजना बनाने, उनकी निगरानी करने और कार्यान्वयन हेतु विभागाध्यक्षों की एक संचालन समिति का गठन किया गया है। यह समिति गेल के सभी प्रचालनों में सतत् विकास को लागू करने में सहायक रही है।

तदुपरांत, स्थल स्तर पर पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु हमने कॉर्पोरेट स्तर पर कार्य कर रही संकेन्द्रित सतत् विकास टीम के अतिरिक्त बहु–विषयक स्थल स्तरीय समिति का गठन किया है। इस वर्ष निदेशक (परियोजना) के नेतृत्व में कार्यकारी निदेशक की अध्यक्षता में एक सतत् विकास विभाग की स्थापना की गई है। यह विभाग हमारे लक्ष्यों की प्राप्ति में नए उत्साह के साथ कार्य करते हुए विशेष तौर पर हमारे प्रचालनों और प्रक्रियाओं में सतत् विकास को सुदृढ़ करने की हमारी प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत करता है।

जेखिम प्रबंधन

गेल में हमारी अभिशासन संरचना काफी बेहतर है, जो जोखिम प्रबंधन ढांचे को सुदृढ़ता प्रदान करते हुए सभी लागू विधियों, नियमों और विनियमों की अनुपालना सुनिश्चित करती है। सतत् विकास कारोबार कार्य–निष्पादन के लिए उभरते हुए तकनीकी, वित्तीय, विनियामक, भू–राजनैतिक और पर्यावरणीय जोखिमों का निर्धारण करना और उनका सामना करना महत्वपूर्ण है। हमारे द्वारा गेल में अपनाई जाने वाली जोखिम प्रबंधन प्रणाली को निम्नलिखित चार्ट में दर्शाया गया है।

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी), कॉर्पोरेट अभिशासन सिद्धांतों और सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 द्वारा जोखिम प्रबंधन को निगमित नियंत्रण के साथ सुयोजित किया गया है। कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार जोखिम प्रबंधन नीति को तैयार करना और कार्यान्वित करना तथा निदेशक बोर्ड द्वारा संगठन के लिए अहितकर जोखिमों का निर्धारण करना आवश्यक है। विस्तारित हो रहे कारोबार कार्यकलापों के कारण उभरते हुए नए जोखिमों का निर्धारण करने के लिए प्रत्येक वर्ष हमारे शीर्ष कॉर्पोरेट स्तरीय महत्वपूर्ण जोखिमों की समीक्षा की जाती है और उन्हें अद्यतन किया जाता है। विभिन्न सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक जोखिमों को एक वित्त वर्ष से जोड़ना और उसी संदर्भ में विचार करना मुश्किल है क्योंकि उनका स्वरूप अनिश्चित होने के साथ ही उनका पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता। हम, अपने प्रचालनों के पर्यावरणीय प्रभाव को महसूस करते हैं तथा समुदाय और समाज पर इनके प्रभाव को न्यूनतम रखने/समाप्त करने के लिए सतत् प्रयास करते हैं।[जी4–ईसी2]

रिपोर्टिंग, मॉनीटरिंग और समीक्षा के लिए प्रक्रिया जानकारी चार्ट

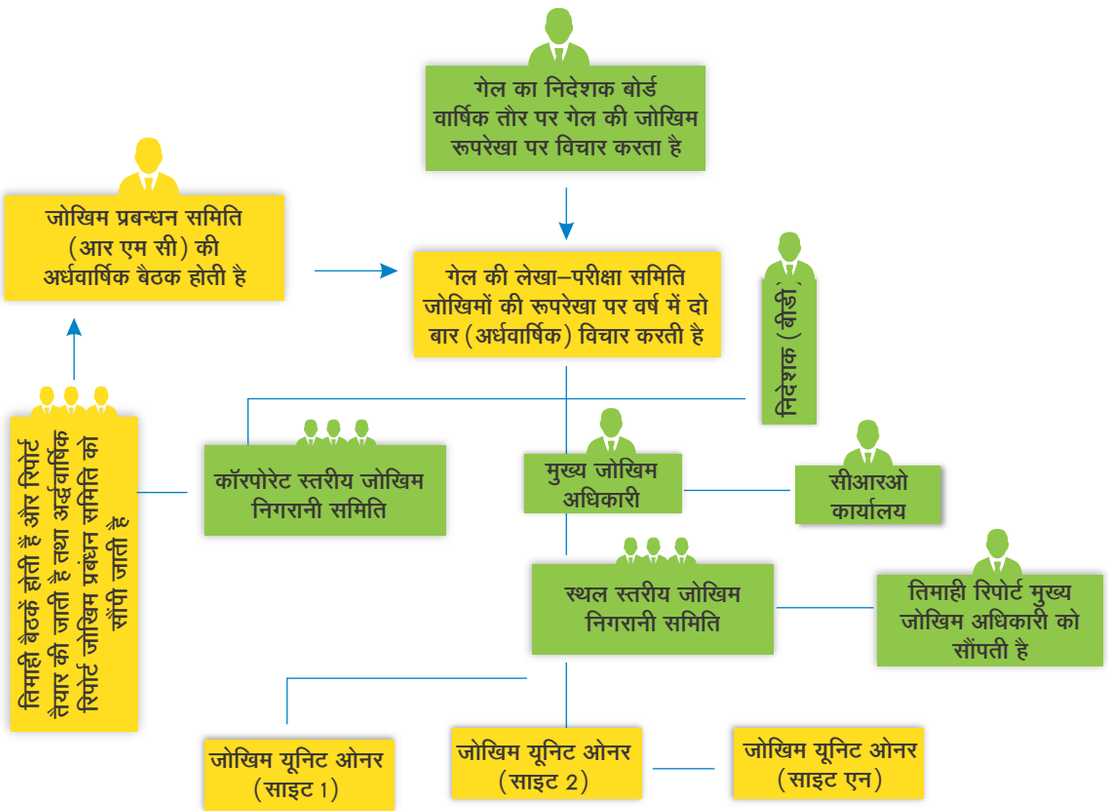

रिपोर्टिंग, मॉनीटरिंग और समीक्षा के लिए प्रक्रिया जानकारी चार्ट

हम यह सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव उपचारात्मक उपाय करते हैं कि हमारे प्रचालन अनुमत्य सीमाओं के भीतर रहें। हमारी एक मान्यता प्राप्त जोखिम प्रबंधन नीति और प्रक्रिया–विधियां हैं। यह निम्नलिखित उद्देश्य के साथ हमारे प्रचालनों और हितधारकों का संरक्षण करते हुए उनका मूल्य संवर्धन करती हैं :

गेल में स्थिरता के साथ संधारणीय कारोबारी विकास सुनिश्चित करना और जोखिम के प्रति सुव्यवस्थित और विवेकशील प्रणाली की स्थापना करना। इसमें विकास प्रक्रियाएं और कारोबारी जोखिम मुद्दों संबंधी निर्णयों के मार्गदर्शन हेतु यूनिट–वार जोखिम रजिस्टर्स तथा डाटाबेस की आवधिक समीक्षा शामिल है। इससे सतत् कारोबारी विकास को सुनिश्चित करने के लिए कारोबार से जुड़े हुए महत्वपूर्ण जोखिमों का विश्लेषण करने, उनकी जानकारी प्रदान करने और उनको कम करने की अग्रसक्रिय प्रणाली को बढ़ावा मिलेगा।

हमारे यहां एक व्यापक जोखिम प्रबंधन प्रणाली लागू है, जो हमारी कारोबारी कार्यनीतियों और प्रचालनों में सहायता प्रदान करती है। कारोबार विस्तार और हितों के कारण नए उभरने वाले जोखिमों को ध्यान में रखते हुए जोखिम प्रबंधन प्रणाली को अद्यतन करना एक सतत् प्रक्रिया है। जोखिम की पहचान करना, जोखिम का विश्लेषण, जोखिम का मूल्यांकन, जोखिम की वरीयता का निर्धारण और जोखिम कम करने की योजनाओं सहित जोखिम उपचार की योजनाओं की आवधिक तौर पर समीक्षा और निगरानी की जाती है। कॉर्पोरेट स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति जोखिम प्रबंधन नीति और प्रक्रिया–विधियों की निगरानी और कार्यान्वयन करती है।

कंपनी के प्रत्येक कर्मचारी की जोखिम की पहचान करने से लेकर उसके उपचार में जोखिम प्रबंधन की भूमिका होती है और उसे इस प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आमंत्रित तथा प्रोत्साहित किया जाता है। कंपनी में महत्वपूर्ण जोखिमों का निर्धारण करने, संचार नीति, उद्देश्यों, प्रक्रिया–विधियों और दिशा–निर्देशों के कार्यान्वयन, प्रक्रिया और कार्य–निष्पादन के निदेश देने हेतु कॉर्पोरेट स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति का गठन किया जाता है। लेखा–परीक्षा समिति और बोर्ड आवधिक तौर पर नीति एवं प्रक्रिया–विधियों की समीक्षा करते है।

जोखिम प्रबंधन नीति के विशिष्ट लक्ष्य हैं :

- संगठन के लिए एक जोखिम आसूचना संरचना की स्थापना करना
- यह सुनिश्चित करना कि संगठन के मौजूदा और संभावित जोखिमों की पहचान की जाए, गुणात्मक और गुणवत्तापरक तौर पर उनका मूल्यांकन एवं विश्लेषण करते हुए उनका उपयुक्त प्रबंध किया जाए
- संगठन में स्वामित्व का भाव विकसित करना तथा जोखिम प्रबंधन को एक पृथक प्रणाली की बजाय कारोबार के एक अभिन्न अंग के तौर पर शामिल करना
- प्रासंगिक विधिक और विनियामक अपेक्षाओं और अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों की अनुपालना की जाए
- संगठन के निर्णय लेने वालों को अनिश्चितता, अनिश्चितता के स्वरूप का ध्यान रखने तथा इसके समाधान के लिए उपाय करने में सहायता करना
- लक्ष्यों की प्रदर्शित की जा सकने वाली उपलब्धि और संगठन की वित्तीय स्थिरता में सुधार किया जाए

सभी परिसम्पत्तियों, संयंत्रों और कार्यालयों के लिए लागू जोखिम प्रबंधन संरचना

प्रबंधन का उत्तरदायित्व

- मुख्य जोखिम अधिकारी और स्थल स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति (एसएलआरएससी) द्वारा उच्च, मध्यम और निम्न श्रेणी के जोखिमों की समीक्षा किया जाना
- अनुमोदित जोखिम प्रबंधन नीति के अनुसार कॉरपोरेट स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति (सीएलआरएससी) द्वारा तिमाही आधार पर कॉरपोरेट स्तर के महत्वपूर्ण जोखिमों की स्थिति की समीक्षा किया जाना अपेक्षित है। लेखा–परीक्षा समिति के समक्ष इनकी स्थिति का ब्यौरा रखे जाने से पूर्व इनकी स्थिति पर जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) की अर्द्धवार्षिक बैठक में चर्चा की जाती है। यह स्थिति बोर्ड के समक्ष वार्षिक तौर पर रखी जाती है
- लेखा–परीक्षा समिति और निदेशक बोर्ड भी नीति और प्रक्रिया–विधियों की आवधिक समीक्षा करते हैं
- यूनिट स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति सामाजिक और पर्यावरणीय जोखिमों सहित तिमाही आधार पर महत्वपूर्ण जोखिमों का मापन, निगरानी करते हुए उपचारी उपायों को तैयार करती है और कम महत्वपूर्ण जोखिमों के संदर्भ में वार्षिक तौर पर ऐसी ही प्रक्रिया को अपनाया जाता है
- विशिष्ट समूहों से जुड़े हुए जोखिमों का प्रबंधन संबंधित विभाग द्वारा किया जाता है और प्रबंधन को इसकी जानकारी प्रदान की जाती है

जेखिम प्रबंधन नीति और प्रक्रिया–विधि के उद्देश्य

- जोखिम आसूचना संरचना, स्वामित्व भाव की स्थापना करना और जोखिम प्रबंधन को कारोबार में शामिल करना
- निर्णय लेने वालों को जोखिमों की अनिश्चितता पर विचार करना और समाधान ढूंढने में सहायता करना
- मौजूदा और संभावित जोखिमों का गुणात्मक और गुणवत्तापरक विश्लेषण मूल्यांकन और प्रबंधन
- प्रासंगिक विधिक और विनियामक अपेक्षाओं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों की अनुपालना करना
- उद्देश्यों की प्राप्ति को प्रदर्शित करना और वित्तीय स्थिरता में सुधार करना

कॉर्पोरेट स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति में निर्धारित किए गए और चर्चा किए गए जोखिम

- कॉरपोरेट जोखिमों को निम्न तालिका में दर्शाया गया है और उभरने वाले जोखिमों के साथ स्थलों/कॉरपोरेट कार्यों के अन्य महत्वपूर्ण जोखिमों को समय–समय पर प्रस्तुत किया जाता है

जोखिम कम करने के लिए किए गए उपाय

- शीर्ष प्रबंधन के माध्यम से प्रतिपालन
- जोखिमों का समाधान करने के लिए विशिष्ट कॉरपोरेट स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति
- शीर्ष कॉरपोरेट स्तर के महत्वपूर्ण जोखिमों की आवधिक समीक्षा
- जोखिम प्रबंधन नीति
- सीआरओ कार्यालय गेल के सभी स्तरों पर जोखिम प्रबंधन व्यावसायियों की सांस्थानिक तैनाती करता है

गेल के शीर्ष स्तरीय महत्वपूर्ण जोखिम निम्नानुसार हैं :

जोखिम की श्रेणी	जोखिम का विवरण	महत्वपूर्ण उपशमन उपाय
बाजार	दीर्घकालिक एलएनजी समझौते संबंधी भुगतान प्राप्त करने अथवा भुगतान करने के जोखिम	• अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय बाजारों में विक्रय, क्रय करार • सरकार के स्तर पर की गई पहलें • ओएमसी और उर्वरक संयंत्रों के साथ समझौता • गेल अथवा इसकी सम्बद्ध ईकाईयों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में विक्रय
वित्तीय	गेल द्वारा अपनी आनुषंगिक कंपनियों और संयुक्त उपक्रमों के लिए प्रदत्त कॉर्पोरेट प्रतिभूति में वृद्धि	• परियोजना लक्ष्यों और महत्वपूर्ण उपलब्धियों की निगरानी • प्रापण और विकास योजना तथा विपणन कार्यनीति की प्रबंधन स्तर पर समीक्षा
बाजार	निम्न डाऊनस्ट्रीम आहरण और निम्न पाइपलाइन क्षमता व्यापार के कारण पाइपलाइन की कम उपयोगिता	• गेल के पाइपलाइन नेटवर्क के साथ तरल ईंधन उपभोक्ताओं का लक्ष्य निर्धारित करना • अंतिम सिरे तक कनेक्टिविटी • अनुबंध करार की शर्तों में लचीलापन • सीजीडी की तीव्र कनेक्टिविटी हेतु एक समान दिशा–निर्देश • उपभोक्ताओं की नियमित बैठकें • पोत अथवा भुगतान संबंधी मुद्दों के लिए दिशा–निर्देश
कार्यनीति	आरओयू खोलने/भूमि का स्थायी अधिग्रहण करने में स्थानीय प्रतिरोध के कारण परियोजना कार्यान्वयन में विलम्ब	• संगत हितधारकों के साथ परियोजना विशिष्ट संबंध • स्थानीय जनसंख्या के लिए जागरूकता और संवेदनशीलता अभियान • प्रभावी सीएसआर परियोजनाएं
विनियामक/ सांविधिक	विनियामक संरचना का जोखिम	• जन सहयोग • चाहरदीवारी प्रबंधन • कारोबार आसूचना • कार्यनीति विकास • संबंधित अधिशासियों की क्षमता निर्माण
बाजार	पेट्रोकेमिकल की लाभकारिता में कमी	• पॉलीमर विपणन और नए बाजारों तक विस्तार पर ध्यान देना • आंचलिक कार्यालय और उत्पादन यूनिट के बीच समन्वय बढ़ाना • प्रभावी विक्रय और उत्पादन योजना • मूल्य निर्धारण, मांग, उपभोग बेंचमार्कों के अर्थों में बाजार आयामों की निगरानी • लागत इष्टतमीकरण

आंतरिक नियंत्रण प्रणालियां और उनकी उपयुक्तता

हमारी आंतरिक नियंत्रण प्रणालियां (वित्तीय ब्यौरों के संदर्भ सहित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण सहित) प्रभावशीलता, विश्वसनीयता, लेखांकन रिकार्ड की पूर्णता तथा वित्तीय और प्रबंधन सूचना को समय पर तैयार किया जाना सुनिश्चित करती है।

इसके अतिरिक्त, सभी लागू विधियों और विनियमों की अनुपालना, हमारी परिसम्पत्तियों की ईष्टतम उपयोगिता और संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाता है। गेल के आंतरिक लेखा–परीक्षा विभाग में, लेखांकन, इंजीनियरिंग और आईटी क्षेत्र के अर्हता प्राप्त व्यावसायियों को शामिल किया जाता है। हमारे द्वारा अपनाई जाने वाली विश्व की एक श्रेष्ठ प्रक्रिया यह है कि आंतरिक लेखा–परीक्षा विभाग का कार्यात्मक संचालन लेखा–परीक्षा समिति द्वारा तथा प्रशासनिक संचालन सीएमडी द्वारा किया जाता है।

कारोबार प्रक्रियाओं और नियंत्रणों की समीक्षा आंतरिक लेखा–परीक्षा कार्य द्वारा संकेन्द्रित लेखा–परीक्षा के माध्यम से की जाती है और निष्कर्षों की संवीक्षा बोर्ड की समिति द्वारा की जाती है। आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक सतत् प्रक्रिया है, जिसमें सतत् सुधार हेतु कार्य–निष्पादन का अभिनिर्धारण और प्रभावशीलता का मूल्यांकन और निगरानी की जाती है। हमने गेल के कारोबार के प्रभावी संचालन, इसकी परिसम्पत्तियों के संरक्षण, धोखाधड़ी और त्रुटियों के निवारण एवं पहचान, सटीकता और लेखांकन अभिलेखों की पूर्णता एवं विश्वसनीयता और वित्तीय सूचना को समय पर तैयार करना सुनिश्चित करने के लिए कारोबार के आकार और स्वरूप के संबंध में विभिन्न कारोबारी प्रक्रियाओं/खंडों में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली विकसित की है।

प्रचालन कार्यकलापों सहित आंतरिक नियंत्रणों की क्षमता और प्रभावशीलता का निर्धारण करने तथा और सुधार करने के लिए मौजूदा संरचना को अद्यतन करने के लिए बाह्य परामर्शदाताओं की सहायता भी ली जाती है। इसके अतिरिक्त, हमने पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली भी स्थापित की है, जो प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है।

गेल बोर्ड द्वारा वित्त वर्ष 2015–16 की गेल सतत् विकास रिपोर्ट का अनावरण

आचार नीति और सत्यनिष्ठा

हमने, गेल की कार्य संस्कृति में आचार नीति और सत्यनिष्ठा को एक कोर वेल्यू (मुख्य आधार) के तौर पर समाहित किया है। हमारे सभी निदेशक, प्रबंधन कर्मचारी/गैर–प्रबंधन कर्मचारी और संविदा कर्मचारियों को सभी लागू विधियों की अनुपालना करनी होती है। इन विधियों में भ्रष्टाचार रोधी विधि, एंटी ट्रस्ट, एंटी बायकॉट, ट्रेड प्रतिबंध और निर्यात नियंत्रण विधियां तथा हमारे कारोबार के लिए लागू अन्य देशों की विधियां भी शामिल हैं।

हमने सेबी (आंतरिक व्यापार प्रतिषेध) विनियम, 2015 और सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 के अनुरूप उपयुक्त प्रकटीकरण तथा अप्रकाशित मूल्य संवेदी सूचना के उपयुक्त प्रकटीकरण हेतु आचरण प्रक्रियाएं और प्रक्रिया–विधि तथा आंतरिक व्यक्ति द्वारा व्यापार को विनियमित करने, उसकी निगरानी करने और जानकारी प्रदान करने के लिए आचरण संहिता – 'इनसाइडर ट्रेडिंग कोड' तथा बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए भी एक आचरण संहिता तैयार की है। लेखा–परीक्षा समिति तिमाही आधार पर कंपनी द्वारा दर्ज प्रविष्ट किए गए संबंधित पक्षकार के लेन–देन के ब्यौरे की सेबी एलओडीआर तथा कंपनी अधिनियम, 2013 की कथित अपेक्षाओं के संदर्भ सहित समीक्षा करती है। आरपीटी के लिए लेखा–परीक्षा समिति और/अथवा बोर्ड और/या शेयरधारकों का अनुमोदन प्राप्त किया जाता है। निवेशकों को सुविज्ञ निर्णय लेने में सहायता प्रदान करने तथा सूचना का समयबद्ध, पर्याप्त और सटीक तरीके से प्रकटीकरण करने के लिए, हमारे द्वारा महत्ता और प्रकटीकरण के निर्धारण हेतु एक नीति को अपनाया गया है। सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 के विनियम 30 में कार्यक्रमों और सूचना के महत्व का निर्धारण करने के लिए मानदंडों को परिभाषित किया गया है। हम अपने संबंधित पक्षकारों के साथ लेन–देन करते समय संबंधित पक्षकार लेन–देन नीति की अनुपालना करते हैं, जिसे सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 के विनियम, 23 और कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुरूप तैयार किया गया है।

रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार संबंधी मुद्दों का निपटारा केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) के दिशा–निर्देशों और संबंधित परिपत्र के अनुसार किया जाता है। ये दिशा–निर्देश और परिपत्र गेल की सम्पूर्ण स्वामित्व वाली आनुषंगिक कंपनियों और ऐसे संयुक्त उपक्रमों पर भी लागू होते हैं, जहां गेल की इक्विटी 50 प्रतिशत से अधिक है। सभी गेल कर्मचारियों के लिए गेल की आचरण संहिता, आचार, अनुशासन और अपील (सीडीए) नियमावली/स्थायी आदेशों, धोखाधड़ी निवारण नीति और सूचना प्रदाता नीति की अनुपालना करना अनिवार्य है। इनमें वे कर्मचारी भी शामिल हैं, जो स्वायत्त संस्थाओं, विनियामक प्राधिकरणों इत्यादि सहित संयुक्त उपक्रम की कंपनियों, आनुषंगिक कंपनियों और सरकारी निकायों में स्थानांतरण अथवा प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे हैं। सत्यनिष्ठा समझौता और धोखाधड़ी निवारण नीति अन्य के साथ–साथ आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों के लिए भी लागू होती है।

पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए कंपनी में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुरूप एक उपयुक्त प्रणाली की स्थापना की गई है। आपकी कंपनी ने सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत नागरिकों को सूचना प्रदान करने के लिए देश भर की अपनी ईकाईयों/कार्यालयों में सीपआईओ/एसीपीआईओ/अपीलीय प्राधिकारियों की नियुक्ति की है।

गेल ने आटीआई दिशा–निर्देशों और संबंधित जानकारी को अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराया है और इसे http://www.gailonline.com/final_site/RTI.html पर देखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त, आरटीआई आवेदनों की एमआईएस रिपोर्ट, अभिलेख प्रतिधारण अनुसूची और अद्यतन आरटीआई लेखा–परीक्षा रिपोर्ट को भी इसी लिंक के अंतर्गत उपलब्ध कराया गया है।

इसके अतिरिक्त, जुलाई 2016 से गेल को भारत सरकार के ऑनलाइन RTI पोर्टल पर 'लाइव' उपलब्ध कराया गया है और तब से हम आरटीआई आवेदनों के माध्यम से भौतिक तौर पर सूचना उपलब्ध करवाने के अतिरिक्त ऑनलाइन सूचना भी प्रदान कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार निरोध और रिश्वतखोरी

भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी से लोगों की जवाबदेही समाप्त हो जाती है और इस प्रकार संगठन के मूल्य और प्रतिष्ठा को खतरे में डालते हुए यह कारोबारी जोखिम को बढ़ाती है। भ्रष्टाचार प्रतिस्पर्धा को समाप्त करता है और कारोबार करने की समग्र लागत को बढ़ाता है तथा हितधारकों के बीच अविश्वास और असमंजस की स्थिति को उत्पन्न करता है। रिश्वतखोरी दीर्घकालिक समृद्धि और निवेशकों के श्रेष्ठ हितों पर कुठाराघात करती है।

हमने सेबी (आंतरिक व्यापार प्रतिषेध) विनियम, 2015 और सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 के अनुरूप उपयुक्त प्रकटीकरण तथा अप्रकाशित मूल्य संवेदी सूचना के उपयुक्त प्रकटीकरण हेतु आचरण प्रक्रियाएं और प्रक्रिया–विधि तथा आंतरिक व्यक्ति द्वारा व्यापार को विनियमित करने, उसकी निगरानी करने और जानकारी प्रदान करने के लिए आचरण संहिता – 'इनसाइडर ट्रेडिंग कोड' तथा बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए भी एक आचरण संहिता तैयार की है। लेखा–परीक्षा समिति तिमाही आधार पर कंपनी द्वारा दर्ज प्रविष्ट किए गए संबंधित पक्षकार के लेन–देन

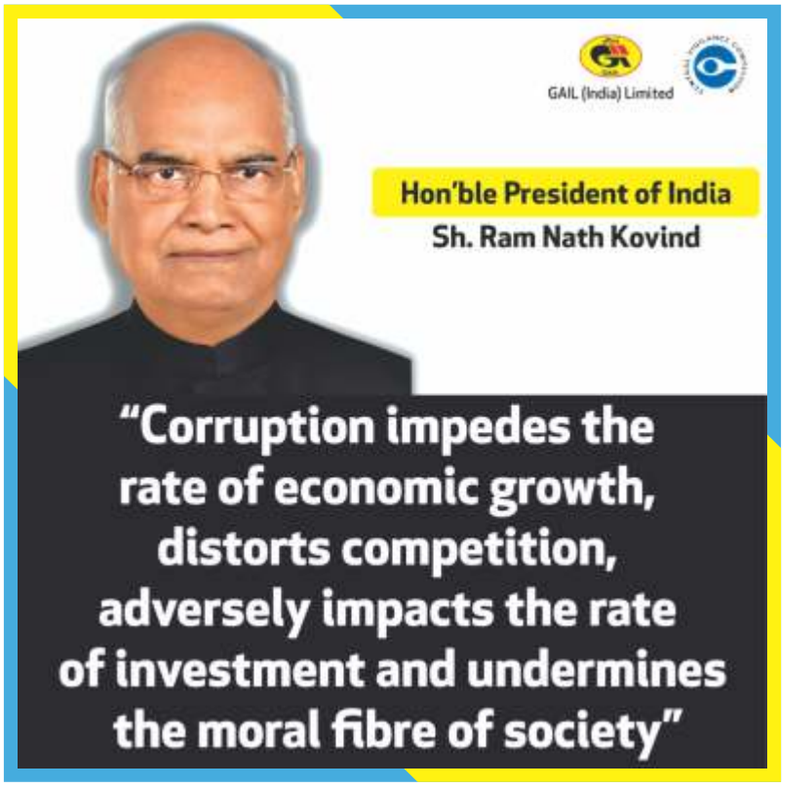
GAIL (India) Limited
Hon'ble President of India
Sh. Ram Nath Kovind
"Corruption impedes the rate of economic growth, distorts competition, adversely impacts the rate of investment and undermines the moral fibre of society"

UNITE TO DEFEAT CORRUPTION
MY VISION
CORRUPTION FREE INDIA
GAIL (India) Limited

के ब्यौरे की सेबी एलओडीआर तथा कंपनी अधिनियम, 2013 की कथित अपेक्षाओं के संदर्भ सहित समीक्षा करती है। आरपीटी के लिए लेखा–परीक्षा समिति और/अथवा बोर्ड और/या शेयरधारकों का अनुमोदन प्राप्त किया जाता है।

विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं के हित के लिए हमारी प्रणालियों और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु हमने विभिन्न पहलों जैसे ई–निविदा, ई–भुगतान तथा बिल वाच प्रणाली इत्यादि का कार्यान्वयन किया है। भ्रष्टाचार के

मूल अनुबंध मूल्य पर वास्तुकार/ परामर्शदाता को भुगतान किए जाने वाले शुल्क के प्रतिशत की स्थिरांक प्रणाली को कार्यान्वित किया गया है

जहां कहीं भी आवश्यक हुआ है, वहां कार्य/अनुबंध प्रदान करने से पूर्व तृतीय पक्ष की निरीक्षण एजेंसी (टीपीआईए) की समय पर नियुक्ति की गई है

रोकथाम तथा बेहतर अभिशासन को लागू करने के लिए संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए कई प्रणालीगत सुधारों को लागू किया गया है। इनमें से कुछ निम्नलिखित हैं :

सभी मुख्य हितधारकों के बीच सहभागी तरीके से अनुपालना संस्कृति विकसित करने के लिए हम अपने सभी स्थलों पर वार्षिक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन करते हैं। इस सप्ताह भर के आयोजन में पोस्टर, पेंटिंग, निबंध

वित्तीय वर्ष 2016–17 में सीपीजीआरएएमएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतें

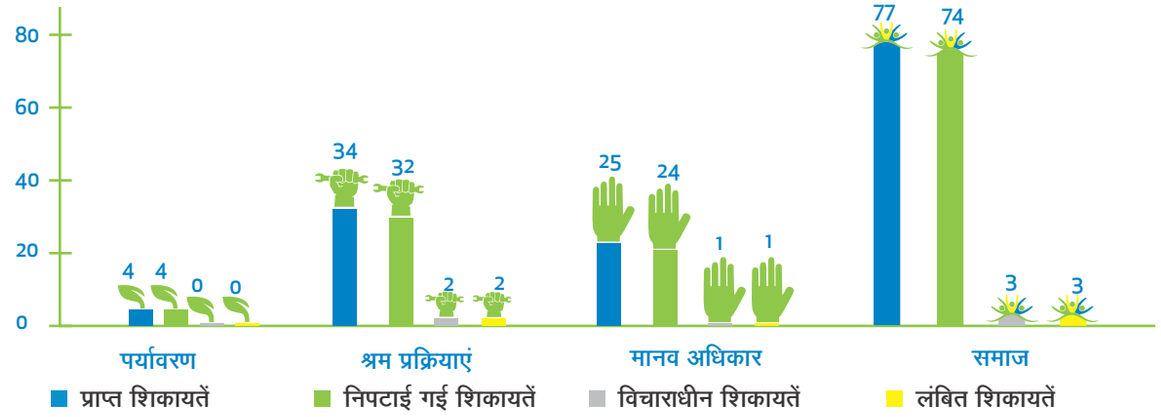

सीपीजीआरएएमएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतें – कुल

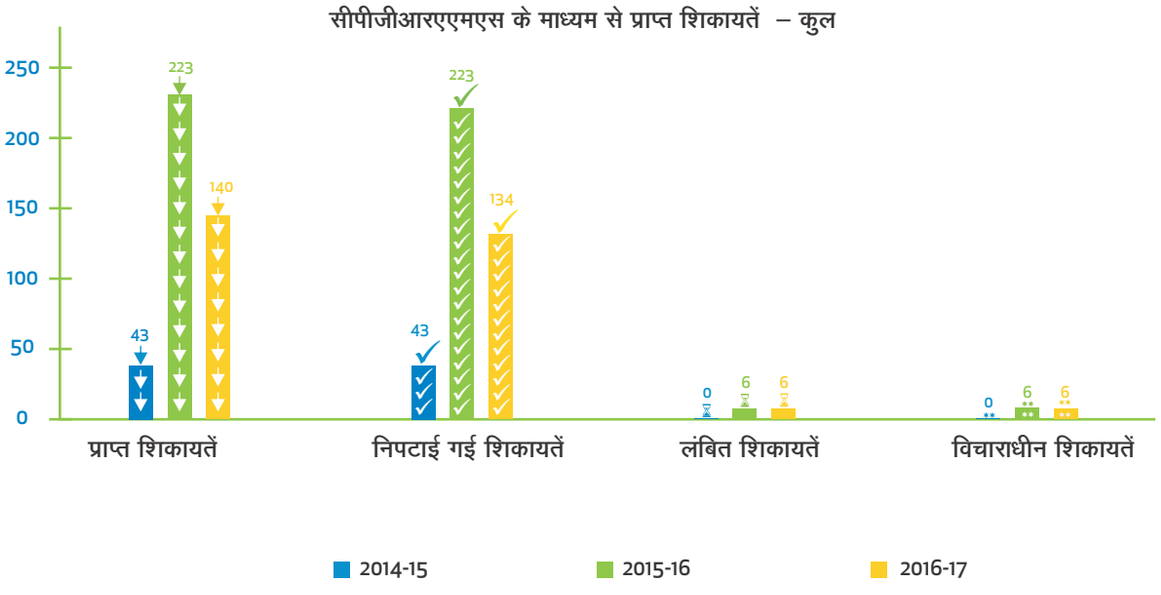

और नारा लेखन, ऑनलाइन क्विज और चर्चा जैसी प्रतिस्पर्धाओं सहित विभिन्न कार्यकलापों का आयोजन किया जाता है ताकि गेल के कर्मचारियों और संबंधित कार्यबल के बीच जागरूकता पैदा की जा सके। विभिन्न कार्य केन्द्रों पर अन्य कार्यकलापों जैसे बैनर/पोस्टर/पेंटिंग प्रदर्शनी और मुख्य सतर्कता आयुक्त से प्राप्त दिशा–निर्देशों के अनुसार गैर–सरकारी संगठनों के साथ मार्च निकालने और रैली का आयोजन किया जाता है। हमारी 'जागरूक' शीर्षक से एक पत्रिका भी छपती है, जिसे हमारे इंट्रानेट पर उपलब्ध कराया जाता है और इसमें सीवीसी के परिपत्र, लेख और सतर्कता संबंधी मामलों का अध्ययन शामिल किया जाता है।

हमारी कारोबारी यूनिटों की भ्रष्टाचार के प्रति असुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न कार्यों के 38 मुख्य तकनीकी जांचकर्ता (सीटीई) प्रकार के निरीक्षकों की भी सेवाएं ली गईं समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, 97 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 77 (अर्थात 79.38 प्रतिशत) का समाधान कर दिया गया है। जी4–एसओएस

इसके अतिरिक्त, 'समाधान' नामक सुव्यवस्थित ऑनलाइन शिकायत–समाधान मंच के माध्यम से हितधारकों के मुद्दों का सौहार्दपूर्ण समाधान किया जाता है। समाधान का ब्यौरा हितधारक संबंध प्रबंधन अध्याय में साझा किया जाता है।

शिकायत समाधान

हम कॉर्पोरेट अभिशासन और नीतिशास्त्र के सैद्धांतिक मूल्यों की पुष्टि करते हुए पारदर्शी तरीके से सेवाएं प्रदान करके हितधारकों की संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं। हालांकि, हितधारक किसी प्रकार से असंतुष्ट होने की स्थिति में चिंता के अभूतपूर्व क्षेत्रों की जानकारी प्रदान कर सकते हैं। सतर्कता और भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, जालसाजी, दुर्विनियोग, पक्षपात करने, जानबूझकर लापरवाही बरतने, निराधार निर्णय करने की प्रणालियों और प्रक्रिया–विधियों का स्पष्ट उल्लंघन, अनियमितताओं और हस्तांतरित अधिकारों के उपयोग संबंधी कोई भी शिकायत हमारी वेबसाइट http://www.gailonline.com/final_site/onlineComplants.html पर दर्ज कराई जा सकती है।

कॉर्पोरेट एचआर कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन शिकायत समाधान प्रणाली की निगरानी करता है। एचआर प्रबंधक–प्रभारी द्वारा निर्धारित अवधि में कर्मचारियों की दर्ज कराई गई शिकायतों का समाधान किया जाना चाहिए। यदि शिकायत का समय पर समाधान नहीं होता है, तो शिकायत मामला महाप्रबंधक (जीएम) एचआर के पास लेकर जाया जा सकता है और फिर भी समाधान नहीं होता है तो इसे निदेशक (एचआर) के पास भेजा जा सकता है। यदि कर्मचारी प्राप्त उत्तर से संतुष्ट नहीं हो तो वह आगे भी अपील कर सकता है। हमारे उपभोक्ता उत्पाद की गुणवत्ता के बारे में हमारे वेब पेज पर 24×7 ऑनलाइन सुविधा के माध्यम से सेवा अनुरोध/शिकायत/इंडेन्ट्स पंजीकरण द्वारा शिकायत कर सकते हैं।

हमने एक केन्द्रीयकृत जन शिकायत समाधान और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) पोर्टल की भी स्थापना की है। सभी कार्य–स्थलों से प्राप्त लिखित शिकायतों को इस पोर्टल पर अपलोड किया जाता है, यह हमारे द्वारा संचालित किया जाने वाला भारत सरकार (प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग) का पोर्टल है। कोई भी नागरिक अपनी शिकायत और व्यथा को ऑनलाइन दर्ज करवाने के लिए इस सीपीजीआरएएमएस पोर्टल का लाभ उठा सकता है, जो पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को प्राप्त होती हैं।

वर्ष 2016–17 के दौरान इस पोर्टल के माध्यम से प्राप्त, निपटाई गई और प्रत्युत्तर दी गई शिकायतों का वर्गीकरण जी4–ईएन34, जी4–एलए16, जी4–एचआर12, जी4–एसओ11 है।

अध्याय

03

सतत् विकास कार्यनीति

साइट वाइस स्थिर विकास

वार्षिक योजनाओं

का कार्यान्वयन

'अवॉर्ड ऑफ सीएमडी ट्रॉफी टू विनर्स ऑफ बेस्ट क्वालिटी सर्कल प्रोजेक्ट्स' के अवसर पर

सतत् विकास कार्यनीति

प्राकृतिक गैस 21वीं सदी के स्वच्छ ईंधन के तौर पर उभरकर सामने आई है। गत कुछ वर्षों में गैस क्षेत्र ने बहुत ही विकास और चुनौतीपूर्ण दौर का सामना किया है। अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस की सतत् विस्तारित हो रही संभावना ने नीति–निर्माताओं का अधिक ध्यान आकर्षित किया है। भारत सरकार ने प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम उत्पदों और रिफाइनरी जैसे क्षेत्रों में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की अनुमति प्रदान करने सहित ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में कई नीतियां लागू की हैं। हम अनवरत बदलाव को सतत् तौर पर स्वीकार कर रहे हैं और दीर्घकालिक ऊर्जा मिश्रण विकल्पों को प्राप्त करने के लिए हमारी भूमिका निभाने हेतु प्रतिबद्ध हैं।

अर्थव्यवस्था के विकास को गति प्रदान करने के लिए, पूर्व में उपेक्षित किए गए भारत के पूर्वी क्षेत्र को ऊर्जा गंगा परियोजना के अंतर्गत पाइपलाइनों के माध्यम से जोड़ा जा रहा है। इस परियोजना में 2,540 किलोमीटर लम्बी जगदीशपुर–हल्दिया और बोकारो–धामरा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना (जेएचबीडीपीएल) को पूरा किया जाना है। हमारा लक्ष्य एक ऐसा परिवेश विकसित करना है, जहां लाखों भारतीय प्राकृतिक गैस को अपनाकर अपने जीवन स्तर में सुधार कर सकें। हमने सम्पूर्ण देश में उपभोग हेतु सस्ती प्राकृतिक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तौर पर प्रयास किए हैं।

हमारी कार्यनीति

एक अग्रणी समेकित प्राकृतिक गैस कंपनी और भारत के केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का सबसे युवा महारत्न उपक्रम होने के कारण, हम हमारे ऊर्जा कारोबार से आगे बढ़कर बेहतर कल के निर्माण का ध्यान रखते हैं। आंतरिक तौर पर हमारी सतत् विकास आकांक्षाएं, 2020 के माध्यम से, हम पर्यावरण और समाज पर हमारे प्रचालनों का प्रभाव कम करने का लक्ष्य रखते हैं। हमने साईटवार व्यापक सतत् विकास वार्षिक योजनाएं प्रारंभ की हैं, जो हमारी सतत् विकास आकांक्षाएं, 2020 को प्राप्त करने में सहायक होंगी। इसके अतिरिक्त, हमने उत्तरदायी और कार्यनीतिक पहलें भी प्रारंभ की हैं तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे पवन और सौर ऊर्जा के क्षेत्रों में भी निवेश किया है। पाता में हमारे 'रूफ टॉप सोलर कैपटिव पॉवर प्रोजेक्ट' का कार्यान्वयन किया जा रहा है। कुल वार्षिक विद्युत उत्पादन लगभग 7.5 मिलियन केडब्ल्यूएच है।

पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में हमारी मौजूदा उपस्थिति और भविष्य की विकास संभावनाओं ने प्राकृतिक गैस के सभी संघटकों का उपयोग करने में सहायता की है। हमारे पेट्रोकेमिकल संयंत्रों से उत्पादित पॉलीमर ने अप्रत्यक्ष तौर पर वन कटाई को कम किया है। एशियाई बाजार में महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन कंपनी बनने के लिए, हमारा लक्ष्य सतत् निर्यात क्षमता विकसित करना है। इस दिशा में पहला कदम वर्ष के दौरान 14000 मीट्रिक टन पॉलीमर का निर्यात करके उठाया गया था। इस संबंध में और ब्यौरा कारोबार लाभकारिता अध्याय में दिया गया है।

राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर सतत् विकास चुनौतियों का समाधान करने के लिए हम अन्य के साथ–साथ टीईआरआई, सीआईआई, जीआरआई, यूएनजीसी, एफआईसीसीआई और सीडीपी जैसे अग्रणी समूहों और उद्योग के क्षेत्र में अग्रणी समूहों तथा संघों के साथ सहयोग स्थापित करते हैं, ताकि समान लक्ष्य की प्राप्ति में उनकी विशेषज्ञता और ज्ञान का उपयोग किया जा सके। वर्ष के दौरान, हमने जीआरआई फोकल प्वाइंट इंडिया, टीईआरआई, जीसीएनआई और सीडीपी जैसे संगठनों के सहयोग से कार्यशालाओं का भी आयोजन किया।

आकांक्षाएं 2020 के संबंध में हमारी प्रगति

गेल ने वर्ष 2012 में तत्कालीन कारोबारी परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी सतत् विकास आकांक्षाएं, 2020 की घोषणा की थी। उस समय भविष्य के विकास की कार्यनीति पर विचार किया गया था। तद्नुसार, सतत् विकास आकांक्षाओं को जीएचजी उत्सर्जन गहनता के पहलू पर लागू किया गया। प्रत्येक कर्मचारी को विशिष्ट ऊर्जा उपभोग, जल उपभोग गहनता, अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण तथा सतत् विकास के प्रति जागरूक किया गया। सतत् विकास आकांक्षाओं संबंधी कार्य–निष्पादन को वित्त वर्ष 2015–16 तक प्रतिवेदित किया गया।

विश्व भर के हाइड्रोकार्बन उद्योग ने गत दो वर्षों के दौरान काफी परिवर्तन महसूस किया है। पाता और विजयपुर में हमारे दो मुख्य उत्पादन संयंत्रों में काफी विस्तार हुआ है, हमारी पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्षमता लगभग दोगुनी हो गई है। इन संयंत्रों ने नवीनतम प्रौद्योगिकियों को अपनाया है और यहां स्थिरता बनी हुई है। इसके अतिरिक्त, अभी हाल ही के वर्षों में सतत् विकास लक्ष्य (एसडीजी) एजेंडा, 2030 के रूप में वैश्विक और राष्ट्रीय आकांक्षाओं ने भी गति पकड़ी है। सतत् विकास मानदंडों के संबंध में वास्तविक कार्य–निष्पादन का प्रकटीकरण करने के लिए तथा मूल सतत् विकास आकांक्षाओं की रिपोर्टिंग जारी रखने हेतु कंपनी ने निकट भविष्य में आकांक्षाओं पर पुनर्विचार करने के उपरांत रिपोर्टिंग पुनः प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। इसी के साथ ही गेल का आशय सतत् विकास कार्य–निष्पादन में निरंतर सुधार हेतु बेहतर अभिशासन और निगरानी प्रणाली सुनिश्चित करने संबंधी अपने प्रयासों को जारी रखना है।

"जलवायु परिवर्तन जोखिमः तेल और गैस उद्योग के लिए तैयारी" संबंधी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नई दिल्ली में धर्मेन्द्र प्रधान, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा के.डी. त्रिपाठी, सचिव, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा तेल और गैस उद्योग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया।

GAIL (India) Limited
GAIL COMMISSIONS 200 KW GRID
SYNCHRONIZED ROOF-TOP SOLAR PLANT
AT THE G KONDURU PUMPING STATION.

Bengaluru
Goes Green!
PNG connections now
available in the city
Gawa badlo

अध्याय

04

हितधारक सहभागिता और उसका महत्व

लोक उद्यम विभाग, भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय द्वारा आयोजित सीएसआर मेला 2017 में गेल इंडिया के स्टॉल की झलकियां

हितधारक सहभागिता और उसका महत्व

हमारे हितधारकों के साथ गहन और सतत् सहभागिता हमें आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक कार्य–निष्पादन के संबंध में उनके दृष्टिकोण की जानकारी प्रदान करती है। इससे हमें उनके लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषयों पर विचारों के आदान–प्रदान का अवसर मिलता है। इससे हमें संगठन की कार्यनीति और प्रक्रियाओं की जानकारी उनके साथ साझा करने का भी अवसर मिलता है। इससे हमें हितधारकों के साथ विश्वास आधारित और पारदर्शी संबंध विकसित करने में सहायता मिलती है। इस प्रकार की नियमित सहभागिता से शीघ्रता से कार्य करने की बेहतर जानकारी मिलने के साथ ही हमें उनकी आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील और अनुक्रियाशील बनने में भी सहायता मिलती है। हमारे महत्वपूर्ण हितधारकों की पहचान करने तथा महत्वपूर्ण पहलुओं पर उनका फीडबैक प्राप्त करने के लिए हमने एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया–विधि को लागू किया है। हितधारकों द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण विषयों का प्रभावी समाधान करने से हमें सतत् विकास वाला संगठन निर्मित करने में और सहायता मिलती है।

हमारा दृष्टिकोण

हमने गेल में महत्वपूर्ण विषयों का मूल्यांकन करने तथा हितधारकों की सहभागिता के लिए एक सतत् और सुव्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाया है, जो वर्षों में विकसित हुआ है। इससे हमारे हितधारकों और हमारे प्रचालनों के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषयों का अभिनिर्धारण करने में सहायता मिली है। इससे फीडबैक का संज्ञान लेने और इस प्रकार हमारे सतत् विकास कार्य–निष्पादन को बेहतर बनाने के लिए हमारी कार्यनीतियां बनाने में भी सहायता मिली है। हमारा प्रयास व्यापक स्तर पर महत्वपूर्ण विषयों को शामिल करना तथा हितधारक समूहों की सहभागिता सुनिश्चित करना है। हमारी सहभागिता हमारे हितधारकों की आकांक्षाओं और हितों को हमारी अभिशासन, सांगठनिक और प्रबंधन कार्यनीति में शामिल करना है। हमारी कंपनी में हितधारकों की सहभागिता एक अनवरत जारी रहने वाली प्रक्रिया है, जो प्रभावी निर्णय लेने में इनपुट्स प्रदान करती है।
जी4–डीएमए, जी4–24, जी4–25, जी4–26, जी4–27

हितधारक सहभागिता प्रक्रिया

- मूल्य श्रंखला में हितधारकों की एक विस्तृत सूची तैयार करना
- हितधारकों का वर्गीकरण (आंतरिक और बाह्य)
- हितधारकों की वरीयता का निर्धारण करना
- हितधारक सहभागिता हेतु मुख्य हितधारकों का चयन करना
- अभिनिर्धारित हितधारक समूहों के लिए प्रश्नावली तैयार करना
- हितधारकों की बैठकें आयोजित करने के लिए विभागों के साथ सम्पर्क करना
- हितधारकों की सहभागिता के लिए स्थल–दौरे
- हितधारकों के दृष्टिकोण और चिंताओं को समझना तथा गेल की सतत् विकास पहलों को बेहतर बनाने के लिए उनके सुझाव लेना

- गेल और इसके हितधारकों के लिए प्रासंगिक और महत्वपूर्ण मुद्दों के सार्वभौमिक सेट की पहचान करना।
- प्रासंगिक महत्वपूर्ण विषयों की सूची को अंतिम रूप देने के लिए महत्वपूर्ण आंतरिक हितधारकों (विभागाध्यक्षों) के साथ संवाद
- हितधारक सहभागिता के लिए 20 सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषयों की लघु सूची तैयार करना
- प्रश्नावलियों और साक्षात्कारों के माध्यम से हितधारकों के विचारों का प्रलेखन
- प्रत्येक हितधारक समूह के लिए महत्वपूर्ण पहलुओं का निर्धारण करने के लिए प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण
- हितधारकों के साथ संवाद द्वारा निर्धारित किए गए महत्वपूर्ण पहलुओं के आधार पर महत्वपूर्ण मेट्रिक्स तैयार करना

डीपीई द्वारा आयोजित सीएसआर फेयर में गेल का स्टॉल

हितधारक मैपिंग

हितधारक सहभागिता और उसके महत्व का निर्धारण करने की प्रक्रिया मुख्य हितधारकों का अभिनिर्धारण करने से प्रारंभ होती है। मुख्य हितधारकों का अभिनिर्धारण मुख्य तौर पर विभिन्न विभागों और उनके विभागाध्यक्षों के साथ आंतरिक परामर्श से किया जाता है।

महत्वपूर्ण विषयों का अभिनिर्धारण

लगभग 60 विषयों की सूची तैयार करते हुए प्रासंगिक महत्वपूर्ण विषयों का सार्वभौतिक सैट तैयार किया गया था। हमारे मुख्य स्रोतों में कारोबार कार्य–निष्पादन और कार्यनीति, गत वर्ष के महत्वपूर्ण विषय, जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण तथा महत्वपूर्ण विषयों के अभिनिर्धारण हेतु अन्य आंतरिक दस्तावेज शामिल हैं। हमने कई गौण स्रोतों जैसे समकक्ष महत्वपूर्ण विषय, जीआरआई पहलू, मीडिया रिपोर्ट, प्रेस विज्ञप्ति, विनियामक निकाय और सरकारी मिशन की भी समीक्षा की है। विभागाध्यक्षों और प्रासंगिक आंतरिक हितधारकों के साथ आंतरिक विचार–विमर्श द्वारा उक्त वैश्विक विषयों को 20 तक सीमित कर दिया गया है। आंतरिक तौर पर अभिनिर्धारित 20 मुद्दों पर हितधारक सहभागिता के लिए विचार किया गया। इसका ब्यौरा इंफोग्राफिक में दिया गया है।

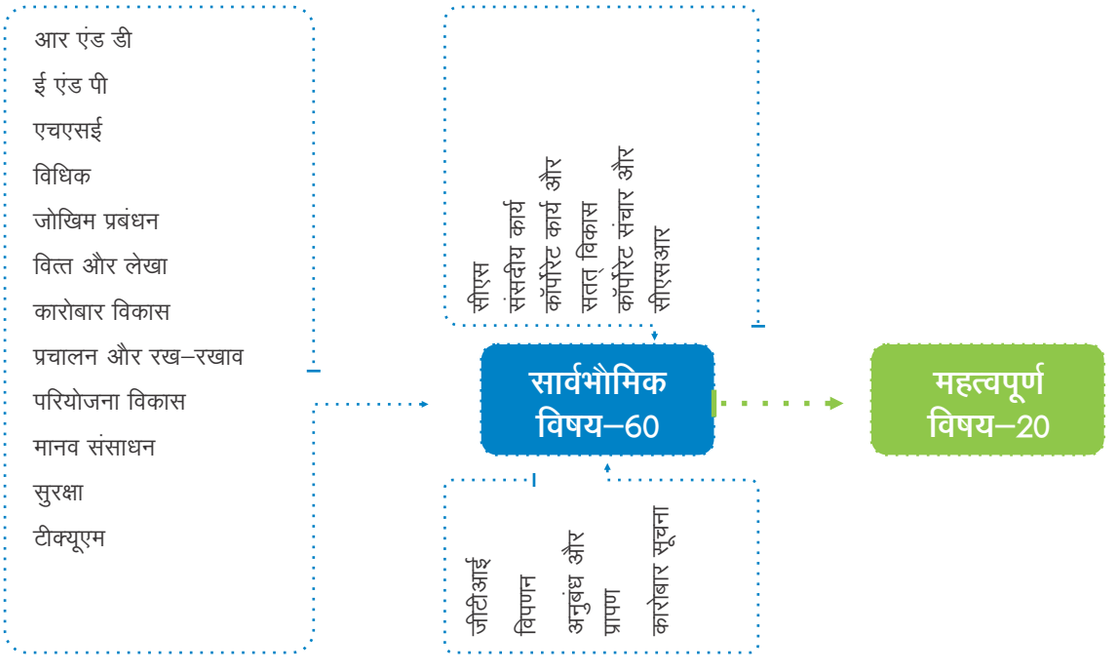

आकृति : वैश्विक मुद्दों में से 20 सर्वाधिक प्रासंगिक और महत्वपूर्ण विषयों का चयन

हितधारक सहभागिता

हितधारक सहभागिता की सम्पूर्ण प्रक्रिया हितधारकों का अभिनिर्धारण करने, उनके मतों का मूल्य और उसके प्रभाव की पहचान करना है। प्राथमिक हितधारक वे होते हैं जो प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित होते हैं अथवा हमारी कंपनी के कार्यों को प्रभावित कर सकते हैं। जबकि द्वितीयक हितधारक वे लोग अथवा समूह होते हैं, जिनका हमारे कार्यकलापों पर अप्रत्यक्ष प्रभाव होता है।

नियमित हितधारक सहभागिता के अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2016–17 में प्रतिवेदन के प्रयोजनार्थ एक विशेष प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी। मुख्य हितधारकों को कॉर्पोरेट कार्यालय और नोएडा कार्यालय सहित 10 स्थलों पर 5 हितधारक समूहों में विभाजित किया गया था। 5 हितधारक समूहों में कर्मचारी, उपभोक्ता, गैर–सरकारी संगठन और समुदाय, आपूर्तिकर्ता और अनुबंधकर्ता शामिल थे। अभिनिर्धारित 20 मुद्दों के आधार पर प्रश्नावलियां तैयार की गईं सभी हितधारकों ने 20 महत्वपूर्ण विषयों पर उच्च, मध्य अथवा निम्न रेटिंग प्रदान करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी। हितधारकों को समान महत्व दिया गया और प्रतिभागियों की कुल संख्या पर ध्यान दिए बिना प्रत्येक हितधारक समूह के लिए भारित औसत का ध्यान रखते हुए अंकों का सामान्यीकरण किया गया। प्रत्येक हितधारक समूह के लिए हमने सामान्यीकृत अंकों के आधार पर वरीयता वाले क्षेत्रों की एक सूची तैयार की। सभी हितधारक समूहों के वरीयता वाले मुख्य क्षेत्रों का विश्लेषण करने के उपरांत, महत्वपूर्ण विषयों की अंतिम सूची अभिनिर्धारित की गईं हितधारकों के साथ सहभागिता की प्रणाली में प्रश्नावली सर्वेक्षण, ऑनलाइन सर्वेक्षण, फोकस समूह विचार–विमर्श और व्यक्तिगत स्तर पर संवाद को शामिल किया गया।

हमने डाटा संकलन के लिए गुणवत्तापरक और मात्रात्मक दोनों तकनीकों का उपयोग किया। लगभग 800 प्रतिक्रियाओं में महत्वपूर्ण विषयों को उच्च, मध्यम और निम्न महत्व के पैमाने पर रेटिंग प्रदान की गईं इन संवादों को गुणात्मक और गुणवत्तापरक डाटा के समृद्ध निक्षेपागार को विकसित करने में सहायता मिली, जिनका उपयोग सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषयों का पता लगाने में किया गया।

प्रतिक्रियाओं की तुलना और विश्लेषण

हमारा हितधारक सहभागिता मॉडल हितधारकों के साथ साझा और एक समान विजन को आगे बढ़ाने के लिए उनके साथ प्रभावी संचार स्थापित करने के लिए सक्रिय और परस्पर संवाद दृष्टिकोण पर आधारित है। विभिन्न हितधारकों से ऑनलाइन तथा ऑफ लाइन प्राप्त होने वाली फीडबैक का विश्लेषण किया गया ताकि प्रत्येक हितधारक समूह के लिए महत्वपूर्ण विषयों का पता लगाया जा सके। प्रत्येक हितधारक समूह से प्राप्त फीडबैक के आधार पर निर्धारित किए गए महत्वपूर्ण विषयों की सूची निम्नानुसार है :

हितधारक	हितधारक समूह का महत्व	सहभागिता करने वाली टीम	सहभागिता आवृत्ति	सहभागिता की प्रणाली	चिंताओं, अवधारणाओं, परामर्श और सुझावों का समाधान करने के लिए की गई मुख्य पहलें
कर्मचारी	हमारे कर्मचारी हमारी सबसे बड़ी सम्पत्ति हैं और हम अनवरत आधार पर उनके साथ सहभागिता करते हैं।	मानव संसाधन विभाग, मानव संसाधन – कर्मचारी संबंध एवं नीति, कॉर्पोरेट प्रचालन और अनुरक्षण, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण विभाग, कॉर्पोरेट सतत् विकास विभाग।	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक। आवश्यकता आधारित।	संतुष्टि सर्वेक्षण, शिकायत समाधान, सुझाव योजना, सीएमडी ओपन हाऊस, सतत् विकास सर्वेक्षण, विभिन्न समितियां, ई–मेल, पत्र, कर्मचारी संघों और यूनियनों के साथ बैठकें, गेल दिवस आयोजन, खेल–कूद स्पर्धा, स्वास्थ्य अभियान इत्यादि सहित विभिन्न कार्यक्रम।	क) गेल के कारोबार लक्ष्यों, मूल्यों और सिद्धांतों के संबंध में संचार ख) मुख्य परियोजनाओं संबंधी कार्य योजना ग) श्रेष्ठ प्रक्रियाओं का कार्यान्वयन घ) अधिगम और विकास की सुविधा ड) मुख्य कार्य–निष्पादन संकेतकों और कार्य योजनाओं का पता लगाना च) चिंताओं को समझना और उनका समाधान छ) विचार सृजन, शेयरिंग एवं अधिगम
आपूर्तिकर्ता	गेल का प्राथमिक कारोबार गैस पारेषण करना है, जो आपूर्तिकर्ताओं के साथ सतत् आधार पर सहभागिता कायम रखने को महत्वपूर्ण बनाता है। आपूर्तिकर्ताओं के साथ पारदर्शी संबंध जोखिम को कम करने और नए अवसर खोजने में सहायक होते हैं। इसके अतिरिक्त, यह हमारी आपूर्ति श्रंखला और योजना को बेहतर बनाने में सहायता करता है।	अनुबंध और अधिप्राप्ति विभाग, परियोजना विभाग।	वार्षिक, तिमाही, मासिक और आवश्यकता आधारित।	आपूर्तिकर्ता मिलन समारोह, ई–मेल, बैठकें, समाधान, संवाद।	क) सत्यनिष्ठा समझौता प्रणाली ख) निविदा–पूर्व और बोली–पूर्व बैठक ग) नपटान परामर्श समिति के माध्यम से सुलह घ) 'रिवर्स' नीलामी ड) बिल वॉच प्रणाली च) 'फाइल मूवमेंट' प्रणाली छ) ई–निविदा

हितधारक	हितधारक समूह का महत्व	सहभागिता करने वाली टीम	सहभागिता आवृत्ति	सहभागिता की प्रणाली	चिंताओं, अवधारणाओं, परामर्श और सुझावों का समाधान करने के लिए की गई मुख्य पहलें
उपभोक्ता	उत्कृष्टता की तरफ हमारे प्रयास में उपभोक्ता एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। हम उत्पाद और सेवा गुणवत्ता बेहतर करने के लिए उनके साथ सतत् तौर पर कार्य करते हैं।	विपणन विभाग, सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन विभाग।	वार्षिक, तिमाही, आवश्यकता आधारित।	उपभोक्ता परस्पर संवादात्मक सम्मेलन, उपभोक्ता फीडबैक।	क) उपभोक्ता सुझाव पेटी : उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को समझना, प्रचालनात्मक चिंताओं का समाधान करना तथा नए उत्पाद विकसित करने के लिए फीडबैक प्राप्त करना ख) उपभोक्ता संतुष्टि सूचकांक : उनके संतुष्टि स्तरों को समझना ग) उपभोक्ता लेजर : पारदर्शी लेन–देन के लिए
समुदाय	स्थानीय समुदाय हमें प्रचालन की सामाजिक अनुज्ञा प्रदान करते हैं और इसलिए वे हमारे विकास के केन्द्र में हैं। हमने समुदाय के प्रभावी विकास के लिए एक सीएसआर नीति भी तैयार की है।	कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग।	वार्षिक, तिमाही, मासिक, आवश्यकता आधारित।	समुदाय की बैठकें, परियोजना बैठकें, वार्षिक समीक्षाएं, संवाद।	क) सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों/परियोजनाओं का कार्यान्वयन करना ख) महत्वपूर्ण घटनाओं के संबंध में उनकी चिंताओं को समझना और उनका समाधान करना
सरकार और विनियामक	सरकार और अन्य विनियामक निकाय इस बात को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि दुनिया में कारोबार का संचालन किस प्रकार होता है। यह भूमिका करों, विनियामक और अन्य नीतियों, कारोबार के लिए समान अवसर प्रदान करने, पूंजी और अन्य संबंधित कार्यों की सुलभता प्रदान करने के रूप में होती है। गेल सभी विधियों और विनियमों की अनुपालना को उच्च प्राथमिकता प्रदान करता है।	विनियामक कार्य विभाग, विधि विभाग, कॉर्पोरेट योजना विभाग, सम्पर्क और संसदीय कार्य विभाग, कंपनी सचिवालय।	वार्षिक, तिमाही, आवश्यकता आधारित।	समझौता ज्ञापन, क्यूपीआर, 'ओपन हाऊस' सत्र, सुनवाई और अन्य बैठकें, विभिन्न विनियामक मामलों के संबंध में पीएनजीआरबी के लिए लिखित विचार/टिप्पणियां, पीएनजीआरबी द्वारा यथा अपेक्षित।	क) संबंध निर्माण ख) समझौता ज्ञापनों के माध्यम से कार्य–निष्पादन मूल्यांकन ग) प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना घ) मुख्य निवेश योजनाओं पर विचार–विमर्श

हितधारक	हितधारक समूह का महत्व	सहभागिता करने वाली टीम	सहभागिता आवृत्ति	सहभागिता की प्रणाली	चिंताओं, अवधारणाओं, परामर्श और सुझावों का समाधान करने के लिए की गई मुख्य पहलें
गैर–सरकारी संगठन	गेल गैर–सरकारी संगठनों के माध्यम से स्थानीय समुदायों के साथ सम्पक्र स्थापित करता है। अतः गेल के प्रचालन क्षेत्रों में समुदायों के साथ मजबूत संबंध स्थापित करने में गैर–सरकारी संगठन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।	कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग, कॉर्पोरेट सतत् विकास विभाग।	वार्षिक, तिमाही, आवश्यकता आधारित।	समुदाय की बैठकें, परियोजना बैठकें, वार्षिक समीक्षाएं, संवाद।	क) सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों/परियोजनाओं का कार्यान्वयन करना
संविदा कर्मचारी	हमारे लिए हमारे अनुबंधकर्ता नियमित कर्मचारियों के समान ही महत्वपूर्ण हैं और गेल में हम यह सुनिश्चित करते हैं कि उनकी बात को सुना जाए। हम वेतन, कार्य परिस्थितियों, स्वास्थ्य और सुरक्षा इत्यादि के अर्थों में संविदा कर्मचारियों के लिए लागू सभी विधियों की अनुपालना करते हैं।	मानव संसाधन विभाग, कॉर्पोरेट प्रचालन एवं अनुरक्षण, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण विभाग, कॉर्पोरेट सतत् विकास विभाग।	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक, आवश्यकता आधारित।	संयंत्र–स्तरीय समितियां, कर्मचारी संघों और यूनियनों के साथ बैठकें, गेल दिवस के आयोजन, खेल–कूद कार्यक्रम, स्वास्थ्य अभियान इत्यादि सहित विभिन्न कार्यक्रम।	क) स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी उपयुक्त प्रशिक्षण और जानकारी ख) कार्य प्रशिक्षण की उपयुक्त सुविधा ग) सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम
निवेशक/ शेयरधारक	निवेशक कंपनी के प्रचालनों के लिए निधियां प्रदान करके इसमें प्राथमिक भूमिका निभाते हैं और इस प्रकार उनका ''आंशिक स्वामित्व'' होता है। इस प्रकार, वे सर्वाधिक महत्वपूर्ण हितधारक बन जाते हैं।	सांस्थानिक निवेशकों और विश्लेषकों के लिए : वित्त और लेखा खुदरा निवेशकों के लिए: कंपनी सचिवालय।	वार्षिक, तिमाही, आवश्यकता आधारित।	विश्लेषक सम्मेलन, वार्षिक आम सभा, सम्मेलन बुलावा, वित्तीय सूचनाओं की जानकारी वेबसाइट पर देना।	क) कंपनी के मूल्यों, कारोबार योजना, कार्यनीति, जोखिमों विकास संभावना इत्यादि की स्पष्ट जानकारी प्रदान करना ख) पूर्व अवधियों की तुलना में कंपनी के कार्य–निष्पादन को रेखांकित करना ग) निवेशक समुदाय को यह जानकारी प्रदान करना कि निवेशकों के लिए अपना धन निवेश करने हेतु कंपनी विशिष्ट क्यों है घ) भविष्य की चुनौतियों के संबंध में निवेशकों की चिंताओं का समाधान करना

हितधारक सहभागिता प्रतिक्रिया के अनुसार इस वर्ष आपूर्ति श्रंखला प्रबंधन को पृथक महत्वपूर्ण पहलू के तौर पर शामिल नहीं किया गया है, हालांकि इसके उप–पहलू को कारोबार विकास और लाभकारिता एवं हितधारक संबंध प्रबंधन अध्यायों में शामिल किया गया है।

महत्वपूर्ण विषय मेट्रिक्स

महत्वपूर्ण विषय मेट्रिक्स एक गहन हितधारक सहभागिता प्रक्रिया का परिणाम है। इस प्रक्रिया द्वारा अभिनिर्धारित किए गए महत्वपूर्ण विषय हैं :

निर्धारित की गई महत्वपूर्ण विषय मेट्रिक्स निम्नानुसार हैं :

मेट्रिक्स में बेहतर प्रतिनिधि महत्वपूर्ण विषयों को मिला दिया गया है।

इस रिपोर्ट में, हमने अभिनिर्धारित महत्वपूर्ण विषयों पर अपने दृष्टिकोण तथा कंपनी के विशिष्ट पहलुओं का विस्तार से उल्लेख किया है। परवर्ती अध्यायों में प्रत्येक महत्वपूर्ण विषय पर विस्तार से चर्चा की गई है। हितधारकों के साथ अंतिम तौर पर उच्च स्तरीय महत्वपूर्ण विषयों की मैपिंग निम्न सारणी में प्रदान की गई है जी4–19, जी4–20, जी4–21

महत्वपूर्ण विषय पहलू	उप–पहलू	सीमाएं	मुख्य हितधारक
प्रचालन उत्कृष्टता	सामग्री		उपभोक्ता
	ऊर्जा		उपभोक्ता
	जल		आपूर्तिकर्ता
	जैव–विविधता	गेल के भीतर	अनुबंधकर्ता
	उत्सर्जन		
	उत्प्रवाह और अपशिष्ट		
	परिसम्पत्ति उत्पादकता'		
	पर्यावरणीय निवेश		
	शिकायत समाधान प्रणाली		
	समाज पर प्रभाव		
	परिवहन		
	समग्र		
	पर्यावरणीय शिकायतें		
	प्रणाली		
स्वास्थ्य और सुरक्षा	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा	गेल के भीतर	कर्मचारी
	उपभोक्ता स्वास्थ्य और सुरक्षा	और बाहर	आपूर्तिकर्ता
	परिसम्पत्ति अखंडता और		अनुबंधकर्ता
	प्रक्रिया सुरक्षा		गैर–सरकारी संगठन
			और समुदाय
हितधारक संबंध प्रबंधन	अधिप्राप्ति प्रक्रियाएं	गेल के भीतर	उपभोक्ता
	आपूर्तिकर्ता पर्यावरण	और बाहर	आपूर्तिकर्ता
	मूल्यांकन		अनुबंधकर्ता
	समाज पर प्रभाव के लिए		गैर–सरकारी संगठन
	आपूर्तिकर्ता का मूल्यांकन		और समुदाय
	आपूर्तिकर्ता मानव अधिकार		
	मूल्यांकन		
	श्रम प्रक्रियाओं के लिए		
	आपूर्तिकर्ता का मूल्यांकन		
	विदेशी अधिकार		
	विपणन एवं संचार		
	उत्पाद एवं सेवा लेबलिंग		
	उत्पाद और सेवाएं		
	स्थानीय समुदाय		
	अधिप्राप्ति प्रक्रियाएं		
	परिवहन की पर्याप्तता		
	संचार*		

महत्वपूर्ण विषय पहलू	उप–पहलू	सीमाएं	मुख्य हितधारक
कारोबार विकास और लाभकारिता	आर्थिक	गेल के भीतर और बाहर	उपभोक्ता
	कार्य–निष्पादन		कर्मचारी
	बाजार उपस्थिति		आपूर्तिकर्ता
	अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव		अनुबंधकर्ता
	नव विविधीकरण और नए अवसर खोजना*		गैर–सरकारी संगठन और समुदाय
लोक नीति और समर्थन	गैर–प्रतिस्पर्धी व्यवहार	गेल के भीतर और बाहर	उपभोक्ता
	भ्रष्टाचार निरोधी		कर्मचारी
	लोक नीति		अनुबंधकर्ता
	अनुपालन		गैर–सरकारी संगठन और समुदाय
मानव पूंजी और प्रक्रियाएं	रोजगार	गेल के भीतर	
	श्रम/प्रबंधन		
	संबंध		
	प्रशिक्षण और शिक्षा		
	विविधता		
	रोजगार और श्रम प्रक्रियाएं		
	मानव अधिकार निवेश		
	गैर–भेदभाव		
	मानव अधिकार शिकायत प्रणाली		
	मूल्यांकन		
	संघ की स्वतंत्रता और सामूहिक सौदेबाजी		
	बलात अथवा अनिवार्य श्रम		
	बाल श्रम		
	महिलाओं और पुरूषों के लिए समान वेतन		
	श्रम प्रक्रियाएं शिकायत प्रणाली		
	सुरक्षा प्रक्रियाएं		

*इन पहलुओं को जीआरआई जी4 पहलुओं के अंतर्गत शामिल नहीं किया गया है परंतु अभिनिर्धारित किए गए महत्वपूर्ण विषयों को पूर्ण रूप प्रदान करने के लिए इन्हें रिपोर्ट में शामिल किया गया है।

अध्याय

05

प्रचालन उत्कृष्टता

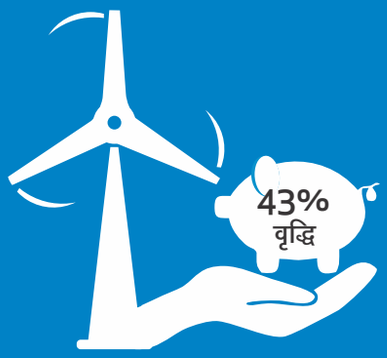

नवीकरणीय ऊर्जा के राजस्व में
पवन ऊर्जा के कारण

गेल टाउनशिप
में कैशलेस लेन–देन

प्रचालन उत्कृष्टता

गेल स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल ईंधन अर्थात प्राकृतिक गैस के साथ राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा में व्यापक योगदान प्रदान करते हुए देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उपभोक्ताओं को प्रभावी और समयबद्ध अनुक्रिया प्रदान करना तथा गुणवत्तापरक उत्पाद और सेवाएं प्रदान करना हमारा सतत् प्रयास रहा है। ऐसा हमारी कर्मचारियों की अनुभवी टीम, जो हमारे प्रचालनों के केन्द्र में है, परियोजना प्रबंधन कौशलों तथा हमारे सभी हितधारकों और पर्यावरण के लिए उत्तरदायी व्यवहार के साथ प्रभावी ओ एंड एम क्षमताओं के संयोजन से प्राप्त किया जाता है।

हम कार्य–निष्पादन, स्वास्थ्य और अवधारणा (पीएचपी) पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित करके तथा पीएचपी के विभिन्न पहलुओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के तैयार किए गए नियमों की सख्त अनुपालना के माध्यम से हमारे संगठन के सतत् विकास का निरंतर प्रयास करते हैं। एबीसीडीई के पांच स्तंभों अर्थात दृष्टिकोण, व्यवहार, प्रतिबद्धता, अनुशासन, प्रभावशीलता का दृष्टिकोण अपनाते हुए हमारा विश्वास है कि यह बदलाव ला सकता है और हम हमारी प्रणालियों, प्रक्रिया–विधियों, प्रक्रियाओं, नीतियों और कार्यनीतियों में उत्कृष्टता लाने का प्रयास करते हैं। हम प्रतिदिन हमारे लिए निर्धारित की गई सीमाओं को आगे बढ़ाने में विश्वास करते हैं। राष्ट्रीय गैस ग्रिड विकसित करने संबंधी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हम देश भर में अपनी गैस अवसंरचना विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि उपभोक्ताओं तक प्रभावी तौर पर गैस पहुंचाई जा सके।

जैसाकि हमारी अभिकल्पना है कि गेल विकास के अर्थों में तेजी से आगे बढ़े, परंतु उत्तरदायी विकास के प्रति हमारा मजबूत आशय दूसरों से हटकर खड़ा होने में सहायक होगा। ईआईएल – प्रभावशीलता, नवाचार और अधिगम की अवधारणा हमें लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी। आपकी कंपनी ने कर्मचारियों को प्रक्रिया, संयंत्र और लोगों (स्वयं/अन्य) में सुधार हेतु कोई क्षेत्र चुनने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु ''डेल्टा'' पहल भी लागू की है। इससे प्रक्रिया और लोगों के व्यवहार में अनवरत सुधार की एक श्रंखला प्रारंभ होगी। इस सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ, हमारा उद्देश्य आगे बढ़ना और परम्परागत सफलता के पैमानों से आगे बढ़ना है।

निदेशक (परियोजनाएं)

श्री एम वी रवि सोमेस्वरुदू, ओआईसी गेल पाता विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधों को पानी देते हुए

हमारा दृष्टिकोण

हमारे प्रचालनों और पाइपलाइनों तथा संयंत्रों के अनुरक्षण की प्रभावी निगरानी हमें एक विश्वसनीय और प्रचालनात्मक तौर पर सुरक्षित प्रणाली सुनिश्चित करने में सहायता करती है, जो न केवल उपभोक्ताओं को निर्बाध गैस आपूर्ति करती है अपितु गेल की प्रवाह क्षमता को भी ईष्टतम बनाती है। गेल का जोर न केवल उत्पादन को बढ़ाना और प्राकृतिक गैस की बिक्री करना है अपितु संसाधनों का न्यूनतम प्रयोग करते हुए ऐसा करना है। प्रत्येक प्रयास का फोकस संयंत्रों, मशीनों और प्रक्रियाओं का ऊर्जा प्रभावी प्रचालन करने पर होता है। हमारे कोर मूल्यों को सुदृढ़ करने के अतिरिक्त हम ऐसा विकास

प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं, जो हमारी सामाजिक और पर्यावरणीय प्रतिबद्धताओं को प्राप्त करते हुए सतत् विकास के मूल तत्व का प्रावरण करे। जबकि देश भर में हमारे प्रचालनों का विस्तार करते हुए हम समुदायों के साथ हमारे संबंधों को समझते हैं, जो हमारे प्रचालनों के स्वरूप के लिए महत्वपूर्ण है। प्रचालनों और अनुरक्षण के लिए हमारी नीति हमारे इस सिद्धांत को दर्शाती है कि उच्चतम स्तर की व्यवहार्यता और उपलब्धता को सुनिश्चित किया जाएगा। हमारा लक्ष्य नियमित, अनुरक्षण, निगरानी नियंत्रण और रिपोर्टिंग द्वारा परिसम्पत्तियों से अधिकतम उत्पादकता प्राप्त करना है। प्रचालन प्रणालियों में पृथक–पृथक भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों को परिभाषित किया गया है और उनकी प्रभावी कार्यप्रणाली के लिए समय–समय पर उनका मूल्यांकन किया जाता है।
जी4–डीएमए

हमारा दृष्टिकोण

गेल में हमारा विश्वास है कि प्रचालन उत्कृश्टता प्राप्त करने के लिए प्रणालियों के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन हेतु नेतृत्व एक आधारभूत कारक है। गेल में कर्मचारी संगठन के सिद्धांतों और विचारधारा के केन्द्र में हैं और इन सिद्धांतों की अनुपालना नेतृत्व स्तर से क्षेत्रीय स्तर तक की जाती है।

गेल में प्रत्येक परियोजना का संचालन गेल की मौजूदा प्रणालियों और प्रक्रियाओं के तहत विभागाध्यक्षों द्वारा किया जाता है। प्रत्येक परियोजना/नवाचार के लिए निर्धारित माइलस्टोन, कार्य–निष्पादन निगरानी उपकरण और रिपोर्टिंग फार्मेट तथा संरचनाएं होती हैं और इस प्रकार परियोजना का अभिकल्पना के अनुसार समय पर कार्यान्वयन और नियमित मॉनीटरिंग की जाती है।

कर्मचारियों के सशक्तिकरण और अभिप्रेरणा हेतु गेल में पर्याप्त प्रणालियों और प्रक्रियाओं की स्थापना पहले ही की गई है। परिणामस्वरूप, गेल के प्रत्येक कर्मचारी के निर्धारित उत्तरदायित्व और कार्य–निष्पादन के लक्ष्य होते हैं और वह अपने स्वयं के क्षेत्र में उत्कृष्टता दर्शाता है, जिनमें प्रचालन उत्कृष्टता और सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति सहित सम्बद्ध महत्वपूर्ण कार्य–निष्पादन संकेतकों पर प्रभाव शामिल है। गेल में, हम कर्मचारियों को उनके लिए निर्धारित उत्तरदायित्वों और डिलीवरेबल्स को अपेक्षित गुणवत्ता पैरामीटर्स सहित स्वीकार करने तथा उन पर सहमत होने के लिए प्रेरित करते हैं और मानक प्रचालन प्रक्रिया–विधियों (एसओपी) की अनुपालना भी सुनिश्चित करते हैं।

ओएंडएम उद्देश्य

हमारे ओएंडएम लक्ष्यों के मूल में गेल द्वारा विश्व स्तरीय कार्य–निष्पादन प्रारूप प्राप्त करने का दृष्टिकोण निहित है। हमारी ओ एंड एम नीति में परिसम्पत्ति की पुनः साज–सज्जा और प्रतिस्थापन हेतु रख–रखाव, उनके जीवन चक्र के मूल्यांकन और समीक्षा के लिए उद्देश्यों, लक्ष्यों और कार्यों का निर्धारण किया गया है। हमारे ओ एंड एम उद्देश्यों में निम्नलिखित क्षेत्रों को शामिल किया गया है :

समेकित प्रबंधन प्रणालियां

प्रचालन उत्कृष्टता असंख्य संघटकों जैसे अन्य के साथ–साथ श्रेष्ठ वर्ग की प्रौद्योगिकियों को स्वीकार किया जाना, ईष्टतम प्रक्रियाएं, संसाधन संरक्षण तथा अपशिष्ट पदार्थों में कमी द्वारा संचालित होती है।

प्रचालन उत्कृष्टता के संघटकों से प्रभावी परिसम्पत्ति कार्य–निष्पादन होता है, जिसके परिणामस्वरूप लाभ बढ़ता है। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए गुणवत्तापरक उत्पादों का विनिर्माण और निर्बाध संचालन किया जाना आवश्यक है। प्रचालनों की निर्बाध कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के लिए गेल में विभिन्न प्रबंधन प्रणालियों को समेकित और अंतः स्थापित किया गया है। ये प्रबंधन प्रणालियां, प्रणालीगत कमियों का विश्लेषण करने तथा संबंधित जोखिमों और खतरों का निर्धारण करने में सहायक होती हैं।

गेल की समेकित प्रबंधन प्रणाली में पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन प्रणाली, गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली और पर्यावरणीय प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं। गेल के विभिन्न स्थलों/केन्द्रों पर आईएसओ 9001, आईएसओ 14001 और ओएचएसएएस 18001 प्रमाणनों की अनुपालना भी की जाती है। इनकी प्रभावशीलता की समीक्षा आवधिक आंतरिक और बाह्य लेखा–परीक्षाओं, निरीक्षण लेखा–परीक्षा, प्रमाणन तथा बाह्य प्रमाणन अभिकरणों द्वारा पुनः प्रमाणन के माध्यम से की जाती है।

प्रचालन उत्कृष्टता के घटक

कार्य–निष्पादन

उपभोक्ताओं के लिए समयबद्ध, सुनिश्चित और श्रेष्ठ गुणवत्ता उत्पाद की डिलीवरी और सेवाएं सुनिश्चित करना

परिसम्पत्तियों और लोगों की सुरक्षा

संगठन के कर्मचारियों, संबंधित समुदायों, सम्पत्तियों और परिसम्पत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना

प्रतिभा प्रबंधन

कर्मचारियों की दक्षता और कौशलों का विकास तथा कर्मचारियों की अभिप्रेरणा को बढ़ावा देना

उत्कृष्टता की संस्कृति और उपभोक्ता की संतुष्टि

प्रभावी हितधारक प्रबंधन संबंध बनाए रखना और गुणवत्तापरक उत्पाद और सेवाएं प्रदान करते हुए उपभोक्ता संतुष्टि प्राप्त करना

मूल्य श्रंखला में श्रेष्ठ वर्ग मानक और प्रणालियां

- प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल ओ एंड एम कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए नई प्रौद्योगिकियों को स्वीकार करना
- ओ एंड एम की सम्पूर्ण मूल्य श्रंखला में सभी परिसम्पत्तियों की सुरक्षा, गुणवत्ता और अखंडता प्रबंधन को अंतः स्थापित करना

सतत् विकास कारोबार प्रचालन और अनुपालना

- संगठन और इसके हितधारकों के हितों को उपयुक्त ढंग से पूरा करते हुए दीर्घकालिक और संधारणीय तरीके से कारोबार करना
- सभी सांविधिक, विधिक और विनियामक अपेक्षाओं तथा सरकार के दिशा–निर्देशों की अनुपालना की जाएगी तथा आंतरिक तौर पर निर्धारित लक्ष्यों से बढ़कर कार्य–निष्पादन किया जाएगा

उत्तरदायित्व और जवाबदेही

व्यक्तिगत स्तर पर भूमिकाओं, उत्तरदायित्वों और जवाबदेही को परिभाषित करके कर्मचारियों को सशक्त करते हुए कार्य–निष्पादन को बेहतर बनाना

परिसम्पत्ति अखंडता और उत्पादकता तथा सेवा विश्वसनीयता

परिसम्पत्ति अखंडता के लिए हमारी नीति लक्ष्यों, उद्दे यों और कार्यों को निर्धारित करने के हमारे दृष्टिकोण को ही पुनः दोहराती है। इसमें भविष्यसूचक, निवारण अनुसूची तथा आमूल–चूल बदलाव अनुसूचियों द्वारा परिसम्पत्तियों के अनुरक्षण की नीतियों को भी शामिल किया गया है। जी–4डीएमए

हम गेल में यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारी पाइपलाइनों की सुरक्षा प्रथम चरण से ही सुनिश्चित की जाए। पाइपलाइनों और उनकी सहायक अवसंरचना की अभिकल्पना राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकों जैसे एएसएमई, ओआईएसडी और पीएनजीआरबी के अनुरूप की जाती है। हम गैस पाइपलाइनों के विशाल नेटवर्क का अनुरक्षण करने के लिए एपीआई, बीएस, कनाडाई मानकों, डीआईएन, एनएसीई और एनएफपीए के दिशा–निर्देशों की भी अनुपालना करते हैं। गेल की केन्द्रीय पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन प्रणाली (सीपीआईएमएस) द्वारा इसके विशाल गैस पाइपलाइन नेटवर्क की अखंडता का रख–रखाव किया जाता है, जो खतरों, जोखिमों, विफलता की संभावना तथा जीआईएस डाटा के माध्यम से सांविधिक विनियमों की अनुपालना तथा अस्थायी आंकड़ों का संकलन करते हुए प्राप्त स्थिति को दर्शाते हुए किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप पाइपलाइन विफलता के जोखिम, बीमा लागत तथा डाऊनटाइम में कमी आई है। तद्नुसार, संकलित आंकड़ों और उनके समय पर विश्लेषण के आधार पर निवारक अनुरक्षण उपाय प्रारंभ करके पाइपलाइनों की कार्यगत आयु भी बढ़ाई जाती है।

निदेशक (परियोजनाएं), श्री आशुतोष कर्नाटक 9वें विश्वकर्मा अवार्ड के दौरान सरकारी अधिकारी के लिए 'एचीवमेंट अवार्ड' प्राप्त करते हुए

प्रभावी परियोजना प्रबंधन

गेल 20,000 करोड़ रुपए मूल्य की परियोजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसमें 4,000 किलोमीटर पाइपलाइनों को आगामी 30 माह में बिछाया जाएगा जो भारत की पाइपलाइन अवसंरचना को गति प्रदान करेगी। इनमें विजयपुर से फूलपुर पाइपलाइन, जगदीशपुर–हल्दिया–बोकारो–धामरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) और कोच्चि–कोट्टानाड–मंगलुरू–बेंगलुरू पाइपलाइन (केकेएमबीएल) परियोजना शामिल हैं। विजयपुर से फूलपुर पाइपलाइन गेल की प्रतिष्ठित और वर्तमान में जारी जेएचबीडीपीएल परियोजना, जिसे 'प्रधान मंत्री ऊर्जा गंगा परियोजना' भी कहा जाता है और जिसका उद्घाटन भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने जुलाई 2015 में किया था, को भी गैस की आपूर्ति प्रदान करेगी।

जेएचबीडीपीएल 13,000 करोड़ रुपए मूल्य की परियोजना है। कोच्चि–मंगलुरू पाइपलाइन पर कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। गेल गुजरात राज्य में अपनी पुरानी पाइपलाइनों को भी पुनः सब्ज–सज्जित कर रहा है, जो 40 वर्ष पुरानी है तथा कावेरी और कृष्णा गोदावरी बेसिन में मरम्मत का ऐसा ही कार्य किया जा रहा है। हमारा फोकस घरों में अंतिम मील तक कनेक्टिविटी प्रदान करने और शहरों में नेटवर्क का विस्तार करने पर है।

1. **समय पर पूरा किया जाना :**

- आरओयू क्षतिपूर्ति में हितधारकों की समावेशिता सुनिश्चित करना : राज्य प्रशासन और प्रभावित किसानों/भू–स्वामियों से परामर्श करके उपयुक्त क्षतिपूर्ति पैकेज का अभिनिर्धारण किया जाता है तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा आरओयू क्षतिपूर्ति का निर्धारण किया जाता है।
- सीधे वार्तालाप द्वारा स्थायी भू अधिग्रहण : भू–स्वामियों की समस्याएं कम करने तथा उनकी शिकायतों का उपयुक्त समाधान करने और परियोजना का समय पर कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, जहां कहीं भी आवश्यक हो, सीधी बातचीत द्वारा पाइपलाइन केन्द्रों हेतु स्थायी तौर पर भूमि और अन्य सुविधाओं का अधिग्रहण किया जाता है।
- प्राधिकारियों के साथ कार्य करना : परियोजना प्रारंभ होने से पूर्व ही हम परियोजना का सुव्यवस्थित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्राधिकारियों के साथ सहयोगात्मक कार्य प्रारंभ कर देते हैं।
- मानकीकरण : निविदा दस्तावेजों के विभिन्न खंडों का मानकीकरण किया जाता है और ऐसा करते समय संबंधित हितधारकों से फीडबैक भी लिया जाता है। इसके अतिरिक्त, कम स्पष्टता/विषमताओं/अधूरी सूचना इत्यादि के संबंध में बोलीदाताओं की पूर्व की जिज्ञासाओं पर भी मानकीकरण प्रक्रिया के दौरान विचार किया जाता है। कार्यक्षेत्र में हमारी उच्च स्तरीय स्पष्टता की प्राप्ति इस तथ्य से भी पता चलती है कि अतिरिक्त मदों और विचलनों का कार्यान्वयन अनवरत तौर पर अवार्ड मूल्य के 2–3 प्रतिशत से भी कम है।
- अंतिम सिरे तक कनेक्टिविटी (एलएमसी) का शीघ्रता से कार्यान्वयन : अंतिम सिरे तक कनेक्टिविटी संगठन का राजस्व स्रोत है और यह सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक ध्यान रखा जाता है कि एलएमसी निर्धारित समय पर पूरी हों। गत 4–5 वर्षों के दौरान, संगठन प्रत्येक वर्ष 35–45 एलएमसी पूरी करने में सफल रहा है। एलएमसी पूरा करने में यह निरंतरता पाइपलाइनों की सम्पत्ति सूची/लाइन सामग्री का अनुरक्षण करके तथा विभिन्न वार्षिक दर अनुबंधों के माध्यम से प्राप्त की जाती है।
- सीखे गए अनुभवों को शामिल किया जाना : चैकलिस्ट प्रणालियों के माध्यम से सीखे गए अनुभवों को आगामी निविदाओं में शामिल किया जाना सुनिश्चित किया जाता है।

2. **निगरानी और नियंत्रण प्रक्रियाएं :**

- आवधिक समीक्षा बैठकें : प्रत्येक पन्द्रह दिन में ईडी स्तर की बैठक तथा साप्ताहिक आधार पर जीएम स्तरीय संचालन समिति की बैठक का आयोजन किया जाता है और इसका सुपरिभाषित एजेंडा होता है। इसके अतिरिक्त, परियोजना प्रबंधक दैनिक आधार पर निगरानी करता है।
- माइलस्टोंस के माध्यम से निगरानी : सीमाएं – अपवाद : निगरानी माइलस्टोन आधारित प्रणाली के आधार पर की जाती है। मुद्दों का समाधान करने/सीमाओं का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाता है, समाधान करने की अवधि भी निर्धारित की जाती है। 15 दिन से अधिक समय से लंबित किसी समस्या की जानकारी अपवाद रिपोर्टिंग के माध्यम से प्रबंधन को प्रदान की जाती है।
- उपर्युक्त प्रणालियों और प्रक्रिया–विधियों के संदर्भ में विभिन्न पहलों/कार्यकलापों की प्रगति की निगरानी हेतु प्रत्येक साइट पर पीएमसीसी (योजना, निगरानी और नियंत्रण प्रकोष्ठ) की स्थापना की गई है तथा प्रबंधन को प्रगति/अपवाद स्थिति की आवधिक तौर पर जानकारी प्रदान की जाती है।

3. **संसाधन प्रबंधन :**

- सही (उपयुक्त) आदमी सही (उपयुक्त) स्थान पर : कर्मचारी के कौशल सेट और मजबूत पक्ष/कमजोर पक्ष/अभिप्रेरकों, आकांक्षाओं के आधार पर कार्य का आबंटन किया जाता है।

- शीघ्र निपटान प्रकोष्ठ : अपेक्षित सामग्री की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बेहतर सम्पत्ति सूची योजना हेतु शीघ्र निपटान प्रकोष्ठ के एक अलग कार्य समूह का गठन किया गया है, जो पीएमसी, विक्रेता, उप–विक्रेता इत्यादि जैसे विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वय करता है।
- कर्मचारी अभिप्रेरणा : उच्च उत्पादकता के लिए कार्यकारी अधिकारियों का उच्च अभिप्रेरणा स्तर होना चाहिए। इसकी प्राप्ति के लिए, कार्यकारी अधिकारियों की व्यक्तिगत चिंताओं का समाधान करने को उच्च प्राथमिकता प्रदान की जाती है। वास्तव में, कार्यकारी अधिकारियों को आवधिक तौर पर अपनी शिकायतों और चिंताओं का सौहार्दपूर्ण समाधान करने के लिए उनके साथ सहभागिता की जाती है।
- प्रशिक्षण और विकास : परियोजना स्वयं में एक संस्कृति है और परियोजना में शामिल कार्यकारी अधिकारियों को यह बात समझते हुए परियोजना की सफलता सुनिश्चित करने में इसे लागू करना चाहिए। सभी परियोजना कार्यकारी अधिकारियों को प्रासंगिक और प्रमाणित परियोजना प्रबंधन पाठ्यक्रम प्रदान किया जाता है। तकनीकी दक्षता के लिए जीटीआई, 'फील्ड ट्रिप्स' में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है और ज्ञान साझा करने संबंधी सत्रों का आयोजन किया जाता है।

4. हितधारक प्रबंधन :

- समाधान मंच : समाधान के सुव्यवस्थित ऑनलाइन शिकायत समाधान मंच के माध्यम से हितधारकों के मुद्दों का मित्रवत तौर पर समाधान किया जाता है।
- जन जागरूकता अभियान : लोगों में पाइपलाइनों के लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा पाइपलाइनों के संबंध में पर्यावरणीय/सुरक्षा पहलुओं की गलत धारणाओं को दूर करने के लिए मीडिया के माध्यम से उन राज्यों में जन जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं जहां पाइपलाइनों को बिछाया जा रहा है/बिछाया जाना है। इसके लिए, स्थानीय मीडिया और स्थानीय तौर पर प्रतिष्ठित व्यक्तियों की सेवाएं भी ली जाती हैं।
- लोगों/जन प्रतिनिधियों/प्रशासन के साथ बैठकें और सीएसआर कार्यकलाप : पाइपलाइन के मार्ग में लोगों/जन प्रतिनिधियों/प्रशासन का सहयोग परियोजना की सफलता सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण कारक है। अतः सीएसआर आवश्यकताओं का निर्धारण करने और बाद में उनके कार्यान्वयन हेतु लोगों और जन प्रतिनिधियों के साथ नियमित तौर पर बैठकों का आयोजन किया जाता है।
- अनुबंधकर्ताओं की वित्तपोषण योजना : अनुबंधकर्ताओं की वित्त पोषण योजना के संबंध में मासिक आधार पर चर्चा की जाती है और यह स्पष्ट निर्धारण किया जाता है कि अनुबंधकर्ता को आगामी माह में किन–किन कार्यकलापों के लिए कितनी निधियों की आवश्यकता होगी और वे निधियों का सृजन किस प्रकार करेंगे। यदि आवश्यक हो, तो अनुबंधकर्ताओं के निधि संकट का ध्यान रखते हुए गेल में लंबित बिलों के भुगतान में तेजी लाई जाती है।
- मुख्य हितधारकों के साथ आवधिक बैठकें : मुख्य हितधारकों की शिकायतों/सुझावों का अभिनिर्धारण करने के लिए उनके साथ आवधिक बैठकों का आयोजन किया जाता है तथा और सुधार करने एवं उपचारात्मक कार्यों (प्रक्रियाओं में बदलाव, निविदा दस्तावेजों में आशोधन करने इत्यादि) को किया जाता है।
- मंत्रालय/संसदीय/आरटीआई प्रश्नों का समय पर उत्तर देना : मुख्य हितधारकों के प्रश्नों का उत्तर प्रस्तुत करने के संबंध में 100 प्रतिशत अनुपालना की जाती है।
- आदेश को समाप्त करने/बनाए रखने पर फोकस : ईडी/जीएम द्वारा आदेश को समाप्त करने/बनाए रखने के संबंध में पाक्षिक तौर पर सुव्यवस्थित बैठकों का आयोजन किया जाता है तथा लम्बित मामलों के निपटारे हेतु तत्काल कार्रवाई की जाती है।

5. पर्यावरणीय सतत् विकास :

- पाइपलाइन केन्द्रों के लिए सौर ऊर्जा स्रोत : सभी पाइपलाइन केन्द्रों की ऊर्जा आवश्यकता को परम्परागत ग्रिड पावर/सीसीवीटी/टीईजी की बजाय सौर ऊर्जा स्रोत से पूरा किया जाता है।
- वर्षा जल संचयन : प्राकृतिक जल स्तर को बढ़ाने के लिए सभी कम्प्रेशर स्टेशनों, पाइपलाइन स्टेशनों, कार्यालयों, क्षेत्रीय गैस प्रबंधन केन्द्रों (आरजीएमसी) तथा आरजीएमसी भवनों में वर्षा जल संचयन प्रणाली की स्थापना की गई है।
- ऊर्जा प्रभावी भवन (ग्रीन बिल्डिंग) : पाइपलाइन केन्द्रों में नियंत्रण कक्ष भवनों की ऊर्जा आवश्यकताओं को कम करने के लिए तथा शीघ्र निर्माण सुनिश्चित करने के लिए आईआईटी, दिल्ली के सहयोग से ऊर्जा प्रभावी भवन डिजाइन तैयार किया गया है और इसका कार्यान्वयन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, निर्माणाधीन सभी आरजीएमसी और कार्यालय भवन ग्रीन बिल्डिंग हेतु जीआरआईएचए मानदंडों के अनुरूप हैं।

- पाइपलाइनों की आंतरिक कोटिंग : पाइपलाइनों में घर्षण क्षय कम करने के लिए उनकी आंतरिक कोटिंग की जाती है और इस प्रकार कम्प्रेशर की अतिरिक्त ऊर्जा आवश्यकता को कम किया जाता है।
- चरणबद्ध तरीके से दबाव में कमी : उपभोक्ताओं की निम्न दाब आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चरणबद्ध तरीके से दबाव में कमी की जाती है और इस प्रकार उपभोक्ताओं तक उप–जीरो ताप से बचने के लिए हीटर्स की आवश्यकता से बचा जाता है।
- ग्रीन बेल्ट का विकास : हमारी सभी संस्थापनाओं और संयंत्रों में।

संकलित आंकड़ों के आधार पर अभिनिर्धारित जोखिमों की समीक्षा और उनकी वरीयता निर्धारित करते हुए परिसम्पत्ति के कार्य–निष्पादन को सुनिश्चित किया जाता है। मुख्य फोकस उन आंकड़ों पर दिया जाता है जिनका संकलन उपचारात्मक जोखिमों, एफएफपी (फिटनेस प्रयोजनार्थ) मूल्यांकन और क्षय वृद्धि के लिए किया गया है ताकि उपशमन उपाय प्रारंभ किए जा सकें। प्रणालियों में पाइपलाइन अभिकल्पना और मानकीकरण अखंडता मूल्यांकन प्रक्रियाओं को भी शामिल किया जाता है तथा उन्हें प्रचालनों में प्रासंगिक और अधिकृत उपभोक्ताओं को निर्बाध तौर पर उपलब्ध कराया जाता है।

एनजी और एलएनजी पाइपलाइनों की निगरानी चरणबद्ध तरीके से एप्लीकेशन साफ्टवेयर (एपीपीएस) के माध्यम से की जाती है। यह सॉफ्टवेयर पाइपलाइन नेटवर्क के सुरक्षित, विश्वसनीय, ईष्टतम और आर्थिक तौर पर प्रभावी प्रचालन हेतु योजना टूल्स और प्रचालन भी प्रदान करता है।

हमारे स्वामित्व वाली तथा हमारे द्वारा संचालित सभी पाइपलाइनों की अखंडता का प्रबंधन करने हेतु प्रणालियों और प्रक्रियाओं की स्थापना हेतु नोएडा के कारपोरेट ओ एंड एम विभाग में केन्द्रीयकृत अखंडता प्रबंधन समूह (सीआईएमजी) है तथा क्षेत्रीय स्तर पर अखंडता प्रबंधन के लिए हमने क्षेत्रीय अखंडता प्रबंधन समूहों (आरआईएमजी) की स्थापना की है, जिनका मुख्य कार्य पाइपलाइनों की अखंडता के लिए सभी संभावित खतरों का अभिनिर्धारण और प्रभावी प्रबंधन करना तथा प्रत्येक जोखिम के निवारण/उपशमन के संबंध में सुधार की स्थिति दर्शाने के लिए कार्यनीति बनाना, उसकी पहचान करना, निगरानी करना, नियंत्रण और लेखा–परीक्षा का आयोजन करना।

पाइपलाइन के आरओयू (उपयोग के अधिकार) की निगरानी और प्रबंधन

पाइपलाइन आरओयू का उल्लंघन (अतिक्रमण) पाइपलाइन की सुरक्षा और अखंडता के लिए एक संभावित जोखिम स्रोत है, क्योंकि इससे निवासियों के कार्यकलापों और परिणामी कार्यकलापों में वृद्धि होती है। यह देखा गया है कि तीव्र शहरीकरण तथा देश के विभिन्न भागों में शहरों/नगरों के विस्तार से गेल आरओयू के अतिक्रमणों में वृद्धि हुई है।

पाइपलाइनों को किसी भी अनाशयित नुकसार और परिणामी असुरक्षित परिस्थिति से बचाने के लिए अतिक्रमण के वर्गीकरण, अतिक्रमण के प्रकार इत्यादि के आधार पर अतिक्रमण हटाने की कार्य योजना बनाइ गई है, जिसमें पी एंड एम पी अधिनियम और अन्य मौजूदा विनियमों तथा संगत मानकों के उपबंधों का ध्यान रखा गया है। गेल में आरओयू अतिक्रमण की निगरानी हेतु वेब आधारित पोर्टल भी तैयार किया गया है।

अतिक्रमण हटाए जाने तक, पाइपलाइन आरओयू के आस–पास रहने वाले लोगों/अतिक्रमण करने वाले लोगों में उच्च दबाव वाली गैस/एलपीजी पाइपलाइन पर अतिक्रमण किए जाने संबंधी जोखिमों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक प्रणाली विकसित की गई है।

किसी भी अतिक्रमण का नोटिस प्रदान किए जाने के उपरांत, संबंधित अनुरक्षण केन्द्र अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति से सम्पर्क करता है, ऐसा करने में विफल रहने पर आवश्यक सहायता हेतु जिला प्रशासन को सूचित किया जाता है और इसके बाद यदि आवश्यक हो, तो विधिक कार्रवाई की जाती है। इसके अतिरिक्त, राज्यों के मुख्य सचिवों से भी समय–समय पर इस मामले में गेल को आवश्यक सहायता और सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया जाता है।

आरओयू अतिक्रमण का समाधान करने के लिए उपर्युक्त पद्धति को अपनाकर गत डेढ़ वर्ष की अवधि में लगभग 35 प्रतिशत आरओयू अतिक्रमणों को कम किया गया है।

पाइपलाइन उपयोग के अधिकार की निगरानी और प्रबंधन

अतिक्रमण नीति

निवासियों के कार्यकलापों और तदुपरांत परिणामी कार्यकलापों में वृद्धि के कारण पाइपलाइन आरओयू का अतिक्रमण पाइपलाइन की अखंडता और सुरक्षा के लिए एक संभावित जोखिम स्रोत है। यह देखा गया है कि गत कुछ समय में गेल आरओयू के अतिक्रमणों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। पाइपलाइन अतिक्रमण के संबंध में विभिन्न स्थलों से संकलित किए गए आंकड़ों का विश्लेषण करने के उपरांत यह पाया गया है कि कुछ अतिक्रमण पाइपलाइन बिछाए जाने/गेल द्वारा पाइपलाइन पर नियंत्रण करने के समय से और कुछ अतिक्रमण उसके बाद हुए हैं।

गेल सहयोगी योजना

गेल की सहयोगी योजना ग्रामीणों/किसानों/हितधारकों/आम लोगों के साथ सहभागिता बढ़ाने तथा पाइपलाइन के साथ–साथ बसे हुए गांवों/नजदीकी जनसंख्या में पाइपलाइन की सुरक्षा/अखंडता के बारे में जागरूकता पैदा करने का एक प्रयास है। वे पाइपलाइन आरओयू के नजदीक किसी भी अवांछित कार्यकलाप जैसे उत्खनन, अतिक्रमण, खुदाई, कटाव, ड्रिलिंग, बोरिंग, रिसाव (यदि कोई हो), निर्माण की जानकारी तथा गैस चोरी करने के किसी भी प्रयास की जानकारी गेल के नजदीकी अनुरक्षण केन्द्र को प्रदान करेंगे। सहयोगियों को गेल के साथ कार्य करने की अवधि के दौरान उपयुक्त प्रोत्साहन/पुरस्कार प्रदान किया जाता है। वर्तमान में इस योजना को प्रायोगिक आधार पर गेल के चार स्थलों पर कार्यान्वित किया जा रहा है और इसके परिणामों के आधार पर इसे अन्य स्थानों पर भी लागू किया जाएगा।

इस योजना में, गेल द्वारा गांवों/नगरों/शहरों में एक या एक से अधिक चिन्हित किए गए व्यक्ति/आरओयू भू–स्वामी इत्यादि, जो गेल पाइपलाइन के मार्ग अथवा इसके आस–आस पर रहे हैं, गेल की परिसम्पत्ति की निगरानी रखते हैं तथा पाइपलाइन की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण किसी कार्यकलाप की जानकारी प्रदान करते हैं/रोकते हैं और इसकी सूचना गेल को प्रदान करते हैं। इस योजना का कार्यान्वयन गेल सहयोगी योजना के प्रबंधन में सेवाएं प्रदान करने वाली एजेंसी की सहभागिता से संबंधित क्षेत्रीय पाइपलाइन मुख्यालय द्वारा किया जाता है।

पाइपलाइनों के आरओयू के साथ–साथ पैदल गश्त लगाना

पाइपलाइनों की स्थिति की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण ओ एंड एम कार्यकलाप पाइपलाइनों के आरओयू के साथ–साथ पैदल गश्त लगाना है। पैदल गश्त सुरक्षा गार्डों द्वारा पाक्षिक/मासिक/तिमाही आधार पर लगाई जाती है। इसके अतिरिक्त, गेल के इंजीनियर भी वर्ष में एक बार पाइपलाइनों के साथ–साथ पैदल गश्त करते हैं। गैस डिटेक्टर्स के साथ पैदल गश्त लगाने से इसका महत्व बढ़ जाता है। यहां यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि 'क्रास–कंट्री' पाइपलाइनें मुश्किल भू–भागों जैसे नहरों, तालाबों, दलदले क्षेत्रों इत्यादि से गुजरती हैं, जिन तक विशेष तौर पर मानसून मौसम के दौरान नहीं पहुंचा जा सकता है। रिमोट डिटेक्शन उपकरण उपभोक्ता को मुश्किल पहुंच वाले क्षेत्रों में सुरक्षित सर्वेक्षण में सहायक होता है। यह रिसाव का पता लगाने में समय की बचत करने वाली पद्धति होती है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता बढ़ती है, प्रचालन और रख–रखाव लागत घटती है तथा सर्वेक्षण भी सुरक्षित रहता है।

सैटेलाइट इमेज के माध्यम से आरओयू निगरानी

अद्यतन पाइपलाइन निगरानी प्रौद्योगिकी ''हाई रिजोल्यूशन लो ऑरबिट सैटेलाइट इमेजिंग'' की प्रभाव शीलता स्थापित करने के लिए, अभी हाल ही में आर एंड डी विभाग द्वारा 'नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी)' के सहयोग से डीवीपीएल में 610 किलोमीटर लम्बे पाइपलाइन खंड की सैटेलाइट के माध्यम से पाइपलाइन आरओयू की दूरस्थ निगरानी संबंधी प्रायोगिक परियोजना प्रारंभ की गई थी। सैटेलाइट इमेजिंग प्रक्रिया नए अतिक्रमणों और कटाई इत्यादि को चिन्हित करने में सहायता करती है।

पाइपलाइन प्रबंधन गतिविधियों का एक दृश्य

हमारी प्रतिबद्धताएं

प्रचालन एवं अनुरक्षण के लिए शून्य क्षेत्र

1. शून्य दुर्घटना/घटना
2. जंग रोकने के लिए निवारक/पूर्वानुमान उपाय कार्यान्वयन करने में शून्य विचलन
3. शून्य अधिक्रमण
4. सांविधिक अनुपालनों में शून्य विचलन
5. मानक प्रचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुपालन में शून्य विचलन

इसके अतिरिक्त पाइपलाइन की सुरक्षा और रखरखाव के लिए हमने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति–प्राप्त प्रमाणित विषय–वस्तु संबंधी विशेषज्ञों को पैनलबद्ध किया है। त्रिस्तरीय जांच मकेनिज के जरिए घटनाओं का मूल कारण संबंधी विश्लेषण करने के लिए एक प्रणाली तैयार की गई है अर्थात पहले स्तर पर आतरिक समिति, दूसरे स्तर पर इंजिनियर्स इण्डिया लिमिटेड (ईआईएल) जैसे बाहरी तकनीकि परामर्शदाता और तीसरे स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्वतंत्र निकाय के जरिए। ऐसी घटना की पुनरावृति रोकने के लिए तीनों समितियों की सिफारिशों को एकीकृत किया जाता है और सुधारात्मक उपायों की पहचान की जाती है।

क्षमता उपयोग

अपने उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने हेतु हमारे स्तत् प्रयासों से हमारे पारेषण भाग ने 100.4 एमएमएससीएमडी हासिल करके विगत वित्तीय वर्ष के दौरान मात्रा में 9 प्रतिशत वृद्धि की बढ़ोतरी दर्ज की। प्राकृतिक गैस की पाइपलाइन के उपयोग को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित प्रयास किए गए है:

ग्राहकों को दी जाने वाली एलपीजी/स्रोत गैस की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए तथा गैस की नियमित आपूर्ति बनाए रखने हेतु पाइपलाइनों के रखरखाव की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के लिए कड़े उपाय किए गए हैं।

बैंचमार्किंग संबंधी पहल

गेल ने प्राकृतिक गैस पारेषण, गैस प्रसंस्करण एकक, पैट्रोकेमिकल, किसी प्रतिष्ठित परामर्शदाता द्वारा पाइपलाइन प्रयोजनाओं और संविदाओं तथा प्रापण के ओएंडएम कार्यकलापों का विस्तार पूर्वक बैंचमार्किंग अध्ययन शुरू किया। इस अध्ययन में सर्वेक्षण, पियर डाटा विश्लेषण और तुलना जैसे साधनों का इस्तेमाल करके सभी क्षेत्रों में सूचना एकत्र की गई। इस परियोजना का उद्देश्य विश्व में इस क्षेत्र में सर्वोत्तम कम्पनियों की तुलना में गेल की स्थिति का आकलन करना था ताकि उन पहलो की पहचान की जा सकें जिन्हें गेल इस क्षेत्र अग्रिम रहने के लिए कार्यान्वित कर सके। परामर्शदाता ने पूरे भू–भाग में सर्वोत्तम जानकारों को शामिल करने हेतु समन्वित प्रयास किए हैं।

प्राकृतिक गैस पाइपलाइन के उपयोग को बढ़ाने के लिए किए गए प्रयास

उर्वरक कम्पनियों के साथ दीर्घावधिक आरएलएनजी टाइप (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 7.2 एमएमएससीएमडी की संविदा संबंधी गुणवत्ता)

पॉवर पूलिंग योजना के कार्यान्वयन ने आरएलएनजी उठान में वृद्धि की है (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 4 एमएमएससीएमडी)

गेल ने सीजीडी इकाइयों तक तेजी से हुकिंग अप की सुविधा प्रदान करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए है (वित्तीय वर्ष 2016–17 में अनुमोदित 6 हुकअप्स)

बीजीएल और पाता को गैस की आपूर्ति करने के लिए आरएलएनजी मात्रा के साथ केजी–बी6 मात्रा की अदला–बदली करना (0.82 एमएमएससीएमडी)

गेल ने कर्नाटक, गुजरात, गोवा, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र एवं पंजाब राज्यों में विभिन्न पाइपलाइन नेटवर्कों के वाणिज्यिक उपयोग का लाभ उठाने के लिए 14 पाइपलाइन परियोजना पूरी की, जिसमें लगभग 437 किमी की अंतिम दूरी कनेक्टीविटी की गई। वित्तीय वर्ष 2016–17 में 23 नए एलएमसी शुरू किए गए थे (2.7 एमएमएससीएमडी के अधिकतम प्रभाव के साथ)

गेल ने सीजीडी इकाइयों तक तेजी से हुकिंग अप की सुविधा प्रदान करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए है (वित्तीय वर्ष 2016–17 में अनुमोदित 6 हुकअप्स)

गेल ने मुख्य रूप से छोटे ग्राहकों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बिक्री/पारेषण अनुबंध विकसित किए हैं।

फूलपुर में रिलायंस सीवीएम गैस का आउटपुट 0.5–0.7 एमएमएससीएमडी तक बढ़ने और ओएनजीसी का लगभग 0.5 एमएमएससीएमडी तक एस। गैस का संवर्धित आउटपुट होने से वित्तीय वर्ष 2017–18 में गेल के पारेषण में वृद्धि होने की संभावना है।

जगदीशपुर हल्दिया और बोकारो धामरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) आने से उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल के राज्य प्राकृतिक गैस पाइपलाइन से जुड़ रहे है। जेएचबीडीपीएल के आसपास सीजीडी नेटवर्क को भी वाराणसी, भुवनेश्वर, कटक, पटना, रांची, कोलकाता और जमशेदपुर के शहरों में जेएचबीडीपीएल के साथ जोडा जा रहा है। इससे गैस के पारेषण में भी वृद्धि होगी और देश के पूर्वी क्षेत्र को भी, जो अब तक प्राकृतिक गैस से वंछित रहा है, प्राकृतिक गैस मिलेगी।

गैस पारेषण सुविधाओं में ग्राहक अनुकूल प्रावधान, ताकि छोटे कम मात्रा लेने वालों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जा सके। गेल ने असंतुलन से प्रभावी रूप से निपटने के लिए शीपर्स हेतु असंतुलन प्रबंधन सेवाएं भी शुरू की है।

अनुपालन प्रबंधन

हम सभी संबद्ध कानूनों, विधानों, मानदण्डों, संहिताओं और आंतरिक नीतियों का अनुपालन करते है। अनुपालन देयता के संबंध में जागरूकता प्रशिक्षण और विधिक सलाह के जरिए लाई जाती है। हमारा विधिक अनुपालन प्रबंधन प्रणाली (एलसीएमएस) सभी क्षेत्रों में सभी प्रकार के राष्ट्रीय और संबद्ध अंतर्राष्ट्रीय विनियमों तथा विनयामक अनुपालन अपेक्षाओं का अनुपालन सुनिश्चित करता है और इसमें हर समय सतत् अनुपालन के लिए एसएपी आधारित आंतरिक एवं नियमित निगरानी शामिल है। आवधिक समीक्षा और लेखा परीक्षा ऑनलाइन एलसीएमएस के अभिन्न अंग है। एलसीएमएस के अलावा गेल में विधिक और विनियामक अपेक्षाओं की निगरानी के लिए आंतरिक/बाहरी टीमों के जरिए आंतरिक/बाहरी लेखा परीक्षा जैसे मेन्युअल लेखा–परीक्षा संबंधी प्रावधान भी मौजूद है।

आंतरिक लेखा परीक्षा से संगठन की नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुपालन की निगरानी में मदद मिलती है। बोर्ड स्तरीय लेखा परीक्षा समिति परियोजनाओं के अनुपालन स्तर की समीक्षा करती है और मूल्यांकन करती है। लेखा परीक्षा समिति व्यापार संबंधी नीति शास्त्रों के संस्थापित मानको तथा नीतियों के उल्लंघन की रिपोर्ट हेतु प्रयुक्त की जाने वाली प्रक्रियाओं की भी समीक्षा करती है। अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु प्रणालियों तथा प्रक्रियाओं के गठन का उत्तरदायित्व विभागाध्यक्षों का होता है।

प्रौद्योगिकी उपयोग

राष्ट्रीय गैस प्रबंधन केंद्र (एनजीएमसी) में गेल के पूरे गैस व्यापार का प्रबंधन, पाइपलाइन संबंधी मानकों के निगरानी के लिए केंद्रीकृत स्थान पर सजिव डाटा की उपलब्धता के साथ एलपीजी पारेषण तथा परिवहन संबंधी कार्यकलाप, सभी मुख्य ग्राहक टर्मिनलों पर आपूर्ति संबंधी स्थितियां, पूरे गैस व्यावसायी के लिए लेखाकरण और गैस पुनः समाधान करना शामिल है।

एनजीएमसी 10 क्षेत्रीय गैस प्रबंधन केंद्रों से जुड़ा हुआ है। एनजीएमसी विभिन्न स्रोतों से गैस अधिकतम संवितरण की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और गेल की पाइपलाइन का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करता है तथा गैस प्रोसेसिंग यूनिटों में इसके घटकों की रिकवरी करता है।

परिसम्पत्तियों के अधिकतम उपयोग के लिए एनजीएमसी द्वारा किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यकलाप निम्नलिखित है:–

- जेएलपीएल/वीएसपीएल के जरिए एलपीजी के आपूर्तिकर्त्ताओं/शिपर्स पारेषण के सहयोग से एचवीजे–डीवीपीएल, डीवीपीएल–डीपीपीएल एवं वीडीपीएल–सीजेपीएल–डीबीपीएल पाइपलाइन नेटवर्कों का दैनिक प्राकृतिक गैस मांग आपूर्ति प्रबंधन और पाइपलाइन के मानदण्डों की निगरानी करना।
- सभी ग्राहकों को किसी भी बाधा के बगैर प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करना।
- दैनिक प्राप्तियों की विस्तृत एमआईएस रिपोर्ट तथा सभी ग्राहकों, एलएचसी एवं पॉलीमर उत्पादन आदि के लिए सभी प्रकार की गैस की बिक्री की सूचना देना।
- पाइपलाइनों के अधिकतम उपयोग के लिए लाइव स्काडा के जरिए एचवीजे–डीवीपीएल नेटवर्क के पाइपलाइन द्रव पदार्थों की निगरानी करना।
- गैस की मांग आपूर्ति का प्रबंधन, द्रव हाइड्रोकार्बन उत्पादन एवं डिस्पेच आदि।
- दैनिक, मासिक और वार्षिक आधार पर सिस्टम में विभिन्न प्रकार की गैसों का मिलान करना।
- सांख्यिकीय विश्लेषण के जरिए दैनिक आधार पर द्रव हाइड्रोकार्बन के भंडार की निगरानी करना।
- एलएचसी उत्पादन और एनजी पारेषण के लिए एमओयू लक्ष्य संबंधी निगरानी ।
- केंद्रीय नोडल एजेंसी के रूप में पूरे गेल में ओएंडएम स्थलों पर सभी प्रकार की आपातकाल के मामले में संकट प्रबंधन योजना के अनुसार।
- यह सुनिश्चित करना कि लघु अवधि के लिए संयंत्र ट्रिपिंग को छोड़कर कोई भी गैस से भरी हुई लाइन संयंत्र से न गुज़रे।
- इनके अतिरिक्त, हमने नेटवर्क प्रबंधन केंद्र, गेल बहुलक प्रौद्योगिकी केंद्र और गीगालिंक (आईटी एवं ईआरपी डाटा केंद्र) के जरिए इसकी मूल्यवान श्रृंखला में तकनीकी उत्कृष्टता केंद्र विकसित किए हैं।

माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान का एनजीएमसी में आगमन

डिजीटल इंडिया की ओर – गेल की डिजीटल यात्रा

आज हम प्रौद्योगिकी द्वारा चालित दुनिया में रह रहे है। गेल में हम आधुनिक युग में इसके महत्व समझते है और अपनी प्रणालियों और प्रचालनों में सुधार लाने के लिए अपने लाभ के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

डिजीटल यात्रा विश्वस्तरीय डिजीटल संगठन बनने के लिए तथा विश्व की श्रेष्ठ परिपाटियों के आधार पर कार्यनीतिगत डिजीटल पहल के कार्यान्वयन द्वारा 'डिजीटल सोच' की संकल्पना के संस्थनिकीकरण हेतु गेल प्रबंधन की एक पहल है। इससे गेल के व्यावसाय संबंधी कार्यों में मदद के लिए आधुनिकतम विशलेषणात्मक गतिशीलता और सहायोगात्मक मंच का लाभ मिलेगा, जिसमें संयंत्र और पाइप इन प्रणालियों के साथ आईटी एकीकृत करके संयंत्र का प्रचालन और अनुरक्षण शामिल है।

डिजीटल यात्रा का उद्देश्य ओटी एवं आईटी का एकीकरण, सहयोग और समाभिरूपता है ताकि इस मिशन की महत्वपूर्ण सेवाओं की आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जा सके अर्थात ओएंडएम कार्य क्षमता, अनुरक्षण इष्टतमीकरण, संवर्धित निर्णय लेना और निरंतरता में सुधार लाना।

प्रचालनात्मक प्रौद्योगिकी (ओटी) प्रणालियों के लिए सुरक्षा के उन्नयन को एक ऐसे महत्वपूर्ण कदम के रूप में अभिज्ञात किया गया था, जिसे ओटी एवं आईटी प्रणालियों के बीच डाटा के एकीकरण से पहले किया जाना था। गेल ने ओटी प्रणालियों और आईटी प्रणालियों के साथ इसके इंटरफेस की सुरक्षा एवं जोखिम मूल्यांकन शुरू कि है। इलैक्ट्रोनिक और आईटी मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भारतीय कम्प्यूटर इमरजेंसी अनुक्रिया दल (सीईआरएन–आईएन) द्वारा प्रमाणित विशेषज्ञ एजेंसियां ये मूल्यांकन करेंगी। अवसंरचना, वास्तुकला, शासन संबंधी मॉडलों और मानक प्रचालानात्मक प्रक्रियाओं के उन्नयन द्वारा इसमें निरंतर सुधार लाया जाएगा। मूल्यांकन और परिणाम आईईसी–62443 और एनसीआईआईपीसी जैसे वैश्विक मानकों के अनुरूप होंगे।

गेल ने एक व्यापक 'डिजीटल कार्यनीति' तैयार करनी शुरू की है। प्राकृतिक गैस, द्रव हाइड्रोकार्बन, बहुलक और एलपीजी उत्पादन, गैस के स्रोत, विपणन, विद्युत उत्पादन आदि के जटिल एवं गतिशील व्यापार को ध्यान में रखते हुए डिजीटल प्रौद्योगिकीयों में प्रगति से लाभ उठाने और एक ऐसा मापनीय, लचर और दक्ष उद्यम प्रयोज्यता मंच निर्माण करने हेतु विशलेषण करने का अवसर है जो खुद को लगातार परिवर्तनशील व्यापार संबंधी अपेक्षाओं, प्रभावी निर्णयन के अनुरूप बना सके और व्यावसाय को अग्रणी रखने में सर्मथ बना सके।

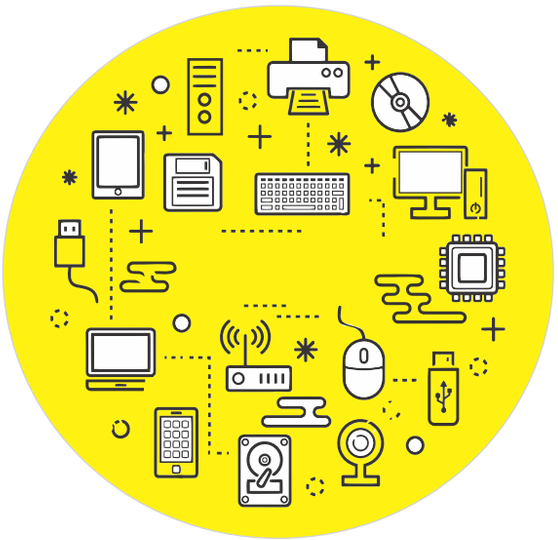

डिजीटल कार्यनीति का लक्ष्य विविध भौगोलिक स्थानों पर बड़ी संख्या में फैले महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों पर एक एकीकृत दृष्टिकोण प्रस्तुत करना है और इनमें गेल के संयंत्र, पाइपलाइन, ईआरपी, आईटी तथा अन्य समानांतर व्यावसाय है।

डिजीटल विजन की ओर गेल द्वारा की गई कुछ कार्यवाही संयुक्त एवं संश्लिष्ट कार्यों के लिए बहुल संयंत्रों के नियंत्रण कक्षों को जोड़ना है। स्थिति आधारित अनुरक्षण संबंधी अधिसूचना स्वतः तैयार करने के लिए ईआरपी प्रणाली के साथ महत्वपूर्ण संवेदनशील मशीनों का एकीकरण चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। फील्ड में अनुरक्षण संबंधी रिर्कोडिंग, मोबाइल डेश बोर्ड पर स्थिति संबंधी निगरानी पाइपलाइनों की अनुरक्षण संबंधी आवश्यकताओं के लिए प्रचालक है। आईओटी एप्लीकेशन के रूप में एनालाईजर डाटा को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ऑनलाईन पोर्टल से जोड़ा गया है। हाथ से पकड़े जाने वाले उपकरणों में कार्यरत फील्ड ऑपरेटरों के लिए ईलाग सीटें कार्यान्वित की जाती है। बिल तैयार करने और ऑनलाइन फील्ड रिपोर्ट के लिए गैस मीटरिंग डिवाइस से लेकर ईआरपी सिस्टम तक फील्ड सेंसरों को एकीकृत करके ग्राहकों को गैस का बिल स्वतः तैयार किया जाता है। लोडिंग भार संबंधी ब्रिज सेंसर, एसएपी–ईआरपी रियल टाइम पाइपलाइन इंट्रीयूजन डिटेक्शन प्रणालियों के साथ सुरक्षा निरीक्षणों का डाटा ओएफसी आधारित सेंसिंग इस्तेमाल करके प्रोडेक्ट लॉडिंग ऑटोमेशन प्रणाली से जुड़ जाता है। महत्वपूर्ण घूर्णन उपस्करों की ऑनलाइन स्पंदन निगरानी ऑपरेशन तथा अनुरक्षण की कार्यक्षमताओं की वृद्धि में मदद करती है।

उन्नत प्रौद्योगिकीय एकीकरण और आधुनिकतम निगरानी प्रणालियां घटनाओं की रोकथाम के लिए सहक्रियात्मक दृष्टिकोण के जरिए पाइपलाइनों की सुरक्षा, संरक्षा तथा सुरक्षा और सुनिश्चित करने के लिए कार्यान्वित की जाती है। लगभग 140 स्थापनाओं में आईपी आधारित कैमरा इस्तेमाल करके तथा जीपीएस और सेंसर युक्त मोबाइल डिजीटल डिवाइस इस्तेमाल करके डिजीटल संबंधी कार्यकलापों ने महत्वपूर्ण एवं आपातकालीन कार्यों की वास्तविक समय निगरानी हेतु उत्कृष्ट परिणाम दिखाए हैं तथा 'द्रुत प्रणाली टीमों' की अनुक्रिया में सुधार किया है।

चूंकि पाइपलाइन में अधिक्रमण घुसपैठ जैसी भौतकीय असमान्य गतिविधि का पता लागने के लिए पाइपलाइन की देखरेख करने हेतु वनों, नदियों, पर्यावरण रूप से संवेदनशील क्षेत्रों और दुर्गम स्थानों से गुजरने वाली पाइपलाइन की लाइन पेट्रोलिंग अत्यंत कठिन है अतः हमने मध्य प्रदेश में चम्बल की घाटी में एचबीजे पाइपलाइन की हवाई निगरानी के लिए प्रायोगिक आधार पर एक ड्रोन भाड़े पर लिया है। इसके परिणाम के आधार पर कंपनी अपनी 15000 कि.मी. पाइपलाइन के नेटवर्क की निगरानी के लिए और ज्यादा ड्रोन खरीद अथवा भाड़े पर ले सकती हैं।

गेल ने किसी भी उल्लंघन का पता लगाने के लिए उपग्रह निगरानी इस्तेमाल करनी शुरू की है। गेल पाइपलाइन की लाइव सेटेलाइट

निगरानी इस्तेमाल कर रहा है और यह अब इस प्रणाली के साथ उन्नत मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) को एकीकृत कर रहा है। गेल ने 610 कि.मी. लंबी दाहेज–विजयपुर पाइपलाइन पर सैटेलाइट निगरानी संबंधी प्रायोगिक परियोजना का भी संचालन किया।

हमारी एसएपी प्रणाली को नवीनतम कर प्रक्रिया से संबंधित सांवधिक और विनियामक अनुपालन के सफल प्रवास के अनुरूप बनाया गया है। यह भारत में वस्तु और सेवाकर (जीएसटी) कार्यान्वयन की अपेक्षा के रूप में किया गया था। कर्मचारियों में सहयोग को बढावा देने के लिए अगली पीढ़ी एकीकृत संप्रेषण एवं सहायोगात्मक मंच को सभी कार्यकारी अधिकारियों के लिए समर्थ बनाया गया है। मौजूदा संप्रेषण मॉडल में यह एक क्रांतिकारी परिवर्तन है।

हमारी प्रणाली में सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 27001:2013) को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया है। फिलहाल साइबर सुरक्षा से संबंधित नए प्रकार के जोखिमों को हटाने के लिए उन्नत सतत चुनौती उपशमन प्रणाली के साथ एक सुरक्षा प्रचालन केंद्र (एसओसी) स्थापित किया है। नेटवर्क कनेक्टिविटी सुरक्षा संबंधी सूचना में वृद्धि करने के लिए हमने नवीनतम निजी व्यापक अवसरंचना स्थापित की है और अनेक नई परियोजनाएं शुरू की हैं।

पाइपलाइन संबंधी सूचना के लिए मोबाइल एप

गेल ने एक मोबाइल आधारित एप्लीकेशन साफ्टवेयर तैयार किया है जिससे पाइपलाइन के लिए तैयार डाटा आधार की सुलभता में सुविधा मिलेगी जिसमें जीपीआरएस युक्त जीएसएम मोबाइल के जरिए किसी भी स्थान से 40 से ज्यादा संकेतकों को कवर किया जाएगा। इन संकेतकों में पाइपलाइन का व्यास, लंबाई, मोटाई डिजाइन संबंधी मानक, स्रोत संबंधी ब्यौरा, क्रॉसिंग संबंधी ब्यौरा, सांवेदिक अनुमति संबंधी ब्यौरा, सुरक्षा संबंधी सर्वेक्षण का ब्यौरा, खराबी दूर करने संबंधी इतिहास आदि शामिल है।

गेल ने 'अल्प–कागज' की ओर रुख करने हेतु वर्ष 2012 में एक व्यापक इलैक्ट्रॉनिक दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली कार्यान्वित की जिससे कागज के इस्तेमाल में कटौती करने का अवसर मिला और इससे न केवल लागत में कमी आई अपितु संवितरण/रख रखाव संबंधी प्रयासों में भी कमी हुई और व्यवसाय की उत्पादकता में बढ़ोतरी हुई। ग्राफ इस प्रणाली के अधिकाधिक प्रयोग को दर्शाता है।

गेल टाउनशिप में नगदी रहित लेन–देन

हमने कतिपय स्थानों पर अपने कर्मचारियों, उनके परिवारों, संविदात्मक कामगारों, सीआईएसएफ स्टाफ, स्थानीय विक्रेताओं दुकानदारों डिजीटल भुगतान के तरीकों और नगदी रहित लेन देन के संबंध में जागरूकता पैदा करने हेतु डिजीधन अभियान के अनुरूप एक पहल शुरू की है जिससे इस पहल के अंतर्गत गेल विजयपुर (मध्य प्रदेश) स्थिति टाउनशिप पूर्णतयाः नगदी रहित हो गई है।

इलेक्ट्रॉनिक डॉटा प्रबंधन प्रणाली

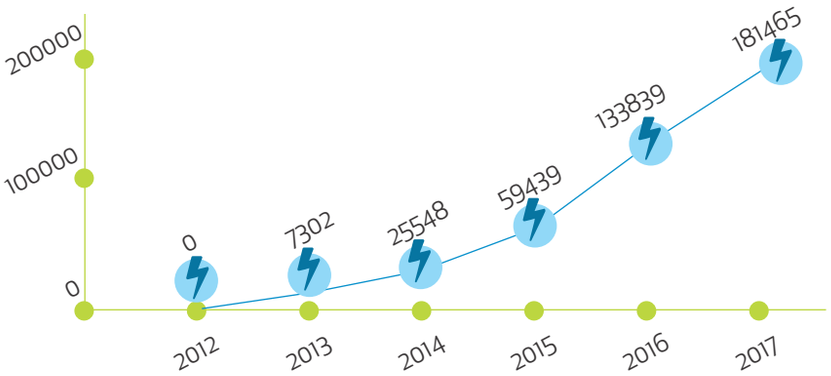

ऊर्जा प्रबंधन

वैश्विक चुनौतियों और अवसरो की पूर्ति के लिए ऊर्जा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। सातवें सतत् विकास परख लक्ष्य में सभी के लिए उर्जा की सुलभता की आवश्यकता के बारे में उल्लेख किया गया है। तथापि, फिर भी यह मौसम परिवर्तनों के लिए सबसे बड़ा उत्तरदायी कारक है। अतः गेल में हमारा लक्ष्य उर्जा के उपयोग को कम करने तथा इसकी कार्यक्षमता में वृद्धि करने पर है। एकीकृत ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली और ऊर्जा उपभोग की निगरानी, आवधिक लेखा परीक्षा और सुधारात्मक कार्यों का कार्यान्वयन तथा उर्जा बचाने वाले उपायों के प्रयोग आदि किसी भी संगठन की कटौती करने संबंधी व्यापक योजना रही है। हम प्रगामी प्रौद्योगिकियों के अंगीकरण तथा अक्षय ऊर्जा के संसाधनों की प्रयोज्यता को बढावा देते है। इस वर्ष एनसीआर पाइपलाइनों के अंतर्गत एसवी स्टेशनों पर पोल पर 65 सौर एलईडी लाइटें लगाई गई हैं। इस वर्ष विभिन्न स्थानों पर परम्परागत लाइटों को एलईडी से बदलने के लिए लगभग 47 लाख रुपए और पुराने एसी को बीईई के 5 स्टार वाले एसी से बदलने के लिए 34 लाख रुपए का निवेश किया गया है।

सवंर्धित ऊर्जा कार्य क्षमता और कम ऊर्जा खपत के संबंध में लागत गत बचत पर पड़ने वाले लाभकारी प्रभाव का प्रत्यक्ष सह–संबंध है। ऊर्जा बचाने वाली कुछ पहलों की सूची नीचे दी गई है:

समृद्ध और क्षीण गैस कॉरिडोर का सृजन:

ईंधन की खपत को कम करने तथा अधिकतम कार्यक्षमता को अधिकतम करने और उत्पाद की रिकवरी के लिए गेल ने यह परियोजना चलाई।

फिलहाल गेल द्वारा ओएनजीसी/पीएमटी से प्राकृतिक गैस तथा आयातित आरएलएनजी के परिवहन के लिए हाजीरा/दाहेज से विजाईनगर तक तीन पाइपलाइने संचालित की जाती हैं। गेल गैस प्रसंस्करण संयंत्र भी संचालित कर रहा है अर्थात गंधार, वाघोरिया, विजयनगर और पेट्रोकेमिकल प्लांट, पाटा, जिन्हें इन पाइपलाइनों से गैस मिल रही है। पहले एचवीजे को हाजीरा से एपीएम/पीएमटी गैस लाने हेतु संचालित किया जा रहा था और डिवीपीएल–I तथा डीवीपीएल–II को आरएलएनजी/केजी–डी6 गैस परिवहन के लिए संचालित किया जा रहा था। आरएलएनसी से यथा अपेक्षित एपीएम/पीएमटी गैस भेजी जा रही है।

ओपीएएल चालू होने के उपरांत दाहेज में आरएलएनजी की दो किस्में उपलब्ध होंगी अर्थात सी2 अर्ध समृद्ध गैस और क्षीण गैस। आरएलएनजी के इन दोनों प्रकारों को ईपीएम गैस से मिलाने और इसके परिवहन से गैस प्रोसेसिंग संयंत्र में मूल्यवृद्धित उत्पाद प्राप्त होने में कमी आएगी।

तदनुसार गेल ने ईंधन की खपत को कम करने, बाद में प्राप्त होने वाले उत्पादों को बढाने तथा गैस प्रसंस्करण संयंत्रों की अधिकतम कार्यक्षमता के लिए हाजीरा/दाहेज से विजयपुर तक उपलब्ध पाइपलाइन का अधिकतम उपयोग करने हेतु परियोजना शुरू की है। परियोजना को चरणबद्ध तरीके से चरणों में किया जा रहा है।

मौसम परिवर्तन और उत्सर्जन प्रबंधन

सभी देशो में मौसम परिवर्तन के प्रभाव देखे जा सकते हैं। मौसम परिवर्तन के महत्वपूर्ण प्रभाव परिवर्तनशील मौसम के पैर्टन, समुद्र का बढता हुआ स्तर, अत्यधिक ठंडा/गर्म मौसम आदि। 13वें सतत् विकास लक्ष्य में मौसम परिवर्तन और इसके प्रभावों से मुकाबला करने के लिए तत्काल कार्यवाही करने के बारे में रूपरेखा दी गई है। हमारी सतत् नीति में प्रक्रियाओं में संवर्धन करने जीएचजी उत्सर्जन में कमी लाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का उल्लेख है।

गेल एफआईपीआई (पूर्ववर्ती पैट्रोफेड) के साथ समझौता ज्ञापन के जरिए टीईआरआई द्वारा संचालित 'मौसम परिवर्तन संबंधी जोखिमः तेल और गैस क्षेत्र की तैयारी' में सक्रिय भागीदार है। यह अध्ययन मौसम परिवर्तन द्वारा तेल एवं गैस क्षेत्र, प्रतिभागी कम्पनियों के समक्ष मौजूद चुनौतियों का व्यापक विश्लेषण प्रदान करेगा और मौसम परिवर्तन द्वारा पैदा की गई चुनौतियों से निपटने के लिए मार्गदर्शन करेगा। यह अध्ययन तेल और गैस क्षेत्र के लिए उपर्युक्त उपायों का प्रस्ताव रखेगा ताकि भारत उत्सर्जन को वर्ष 2030 तक वर्ष 2005 में मौजूद स्तरों से जीडीपी के 33–35 प्रतिशत कम तक कम करने के एनडीसी के लक्ष्यों को हासिल कर सकें।

यह अध्ययन इस बात पर भी प्रकाश डालेगा कि मौसम नीति संबंधी वैश्विक उपायों के परिणामस्वरूप कैसे वैश्विक बाजार और प्रौद्योगिकीय विकल्पों से परिवर्तन आने की संभावना है: और कैसे वैश्विक तापन के 1.50 और 20 से भारत के विभिन्न मौसमी जॉन में अवसंरचना तथा कार्यकलापों पर प्रभाव पड़ने की संभावना है। हमने अपने पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए व्यापक रूप से पर्यावरण संबंधी कारणों के प्रति अत्यधिक कार्य किया है। जिससे सड़क पर टैंकरों की आवाजाही को कम करने में मदद मिलती हैं और एक बेहतर पर्यावरण बनता है और सुरक्षा के उच्च मांनदंडों को बढ़ावा मिलता है।

गेल के विजयपुर स्थित जीपीओ में एचवीजे पाइपलाइन से समृद्ध प्राकृतिक गैस का

सी2–सी3, एलजीपी और अन्य तरल हाइड्रोकार्बन बनाने हेतु प्रोसेसिंग हो रही है। गैस स्वीटिंग यूनिट में समृद्ध गैस से कार्बनडाइ ऑक्साइड को निकाला जा रहा है और इसे वातावरण में छोड़ा जा रहा है। गैस स्वीटनिंग चरण में कार्बनडाइ–ऑक्साइड के निष्कासन से बहुत सारे फायदे मिलते है। सर्वप्रथम ग्राहकों तक प्राकृतिक गैस के परिवहन में लगने वाली ऊर्जा की खपत कम हो जाती है क्योंकि परिवहन की जाने वाली गैस का कुल आयतन कम हो जाता है। दूसरा कार्बनडाइ–ऑक्साइड की प्रकृति अम्लीय होने के कारण इससे पाइपलाइन में जंग लग जाता है और इसके निष्कासन से पाइपलाइन की सुरक्षा बढ़ जाती है और अंत में प्राकृतिक गैस की ज्वलन से कार्यक्षमता बढ़ जाती है क्योंकि कार्बनडाइ–ऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है विजयपुर में डिजाइन के अनुसार 21.12 एमएमएससीएमडी की प्रस्करण की क्षमता पर समृद्ध एचवेजी गैस में कार्बनडाई ऑक्साइड छोड़ने की क्षमता 73.5 टीपीएच है।

गेल, विजयपुर कार्बनडाइ ऑक्साइड (सीओ2) के उपशमन के लिए व्यवहार्यता अध्ययन किया गया है ताकि राष्ट्रीय उर्वरक लिमिटेड (एनएलएफ) को गेल विजयपुर से एनएफएल विजयपुर तक पाइपलाइन बिछाकर यूरिया उत्पादन के लिए इसकी खपत हेतु 30 टीपीएच कार्बनडाइ आक्साइड की आपूर्ति की जा सके।

पाइपलाइन स्थापनाओं में ग्रिड उर्जा द्वारा टीईजी का प्रतिस्थापन

ईंधन की व्यापक बचत के लिए मुंबई क्षेत्र में गैस पाइपलाइन स्थापना को कार्यो इलैक्ट्रिक जेनेरेटर (टीईजी) की बाजय ग्रिड पावर के उपयोग के अनुसार आशोधित किया गया है।

ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए मौजूदा एयर कंडिशनरों को अनेक स्थापनाओं ऊर्जा दक्षता 5 स्टार बीईई (ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी) रेटिंग से बदला गया है।

5 स्टार बीईई रेटिंग वाले एयर कंडिशनरों से बदलना

मोशन सेंसर लगाना

एयर कंडिशनिंग के बंद हो जाने पर नियत्रण रखने के लिए मनसारामपुर में ऊर्जा की बर्बादी रोकने हेतु मोशन डिटेक्टर लगाए गए हैं।

आईईडी लाइटों ने विभिन्न स्थानों पर ऊर्जा संरक्षण के लिए परंपरागत लाइटिंग प्रणाली का स्थान ले लिया है।

परंपरागत लाइटों को अधिकाधिक किफायती लाइटों (एलईडी) से बदलना

ज्यादा पावर की पम्प मोटर लागना

गेल पाटा की जीसीवी–1 यूनिट की मिस्ट कूलिंग प्रणाली में 500 किलोवाट की बजाय 350 किलोवाट की पम्प मोटर लगवाना

विडियो कॉन्फ्रेंस का समय

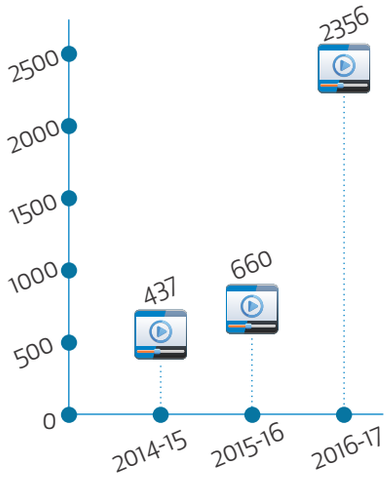

ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस बढ़ाना

ट्रक के स्थान पर पाइपलाइनों द्वारा परिवहन करके ईंधन बचाना

ग्रामीण बायो–गैस प्लांट का सीएसआर कार्यक्रम

लैंडफिल गैस प्रोयोगिक परियोजना (एलईजी)

हरित भवन

विडियो कांफ्रेंसिंग जैसे आईटी को बढ़ावा देना।

पवन एवं सौर अक्षय ऊर्जा

वैश्विक मीथेन पहल (जीएम–I)

एलपीजी क्षेत्रों से वाष्प रिकवरी

हरित पट्टी का विकास करना

हीट रिकवरी भाप उत्पादन (एचआरएसजी)

हम गेल में मौसम परिवर्तन संबंधी जोखिमों और अफसरों का गहन अध्ययन करते है और हमने इन्हें नियंत्रित करने के लिए विभिन्न परियोजनाएं और उपशमन पहले शुरू की है। व्यवसाय संबंधी यात्रा की वजह से होने वाले जीएचजी उत्सर्जन की मात्रा कम करने के लिए विडियो कांफ्रेसिंग की सुविधा के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया गया।

जल प्रबंधन

जल मानव जीवन के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। छठे एसडीजी में हमारे विश्व के अनिवार्य भाग के रूप में सभी के लिए स्वच्छ और सुलभ के बारे में बताया गया है। हमारा सतत प्रयास है कि अपनी संसाधन संबंधी खपत को कम से कम किया जाए।

गेल में हमारा लक्ष्य शुद्ध जल की खपत में कमी लाना और पानी की बर्बादी को एकदम खत्म करना है। हमारे कार्यकलापों से ऐसा अवशिष्ट पानी नहीं निकलता जिसे शोधन करने में मुश्किल आए। उत्सर्जित कचरे का मुख्य घटक फर्स को धोने वाला पानी, कुलिंग वाटर ब्लो डाउन और सीवर का पानी है। गैस प्रसंस्करण संयंत्र में प्रक्रिया के दौरान निकलने वाले कचरे के आवश्यक शोधन के लिए कचरा शोधन संयंत्र है। निकलने वाले खराब पानी को परिसर से बाहर नहीं छोड़ा जाता है।

शोधित गंदे पानी को रिसाइकिल किया जाता है और इसे टाउनशिप के परिसर और संयंत्र में उद्यान संबंधी प्रयोजनों के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

हमारे परिसर से निकलने वाले सभी तरल पदार्थ राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप होते है। ऐसे यूनिट है जो जीरो डिस्चार्ज के अनुरूप है अर्थात संयंत्र के परिसर से बाहर गंदा पानी नहीं छोडा जाता है (उदाहरणार्थ हमारी विजयपुर, गंधार यूनिट में, एनजी कम्प्रेशर स्टेशनों और एलपीजी पम्पिग स्टेशनों में) हमारी स्थापनाओं के आसपास स्थित स्थानीय जल निकायों में छोड़ा जाने वाले अथवा

जल संरक्षण के लिए और जल के इष्टतम प्रयोग के लिए समाख्याली में ड्रीप सिंचाई और वर्षा जल संचय संबंधी पहल शुरू की गई।

भूजल को भरने के लिए वित्तीय वर्ष 2016–17 में वर्षा जल संक्षण प्रणाली का संवर्धन किया गया जिसकी वजह से मनश्रमपुरा में भूमि में सालाना लगभग 100 घन मीटर पानी जा रहा है।

ओवरहैड टेंको में बार–बार फ्लॉट वाल्व खराब होने की वजह से हमारी टाउनशिप में पानी की बर्बादी को रोकने और नियंत्रित करने के लिए एक गुणवत्ता सर्कल पहल शुरू की गई थी जिसके परिणामस्वरूप नसीराबाद में शुद्ध पानी की खपत, मोटर संबंधी कार्यों और सिविल अनुरक्षण लागत में कमी आई।

अपशिष्ट जल निष्पादन वित्त वर्ष 16–17 (एमएम3)

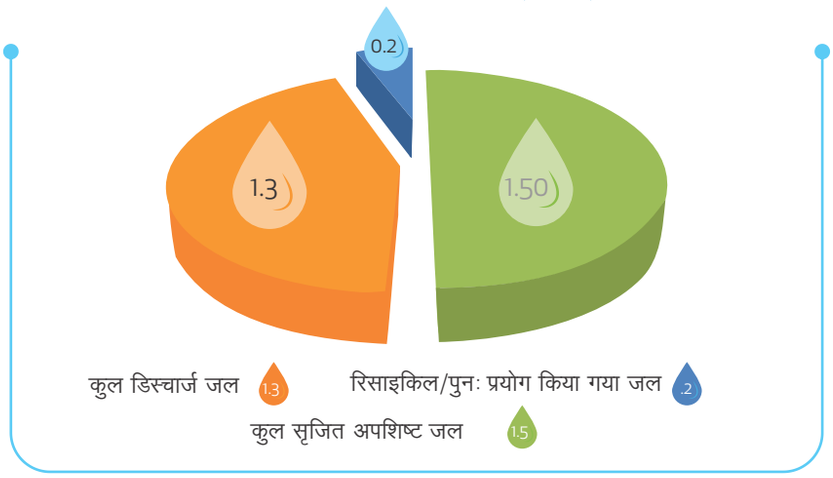

वित्तीय वर्ष 16–17 में कुल जल खपत जी4–ईएन8

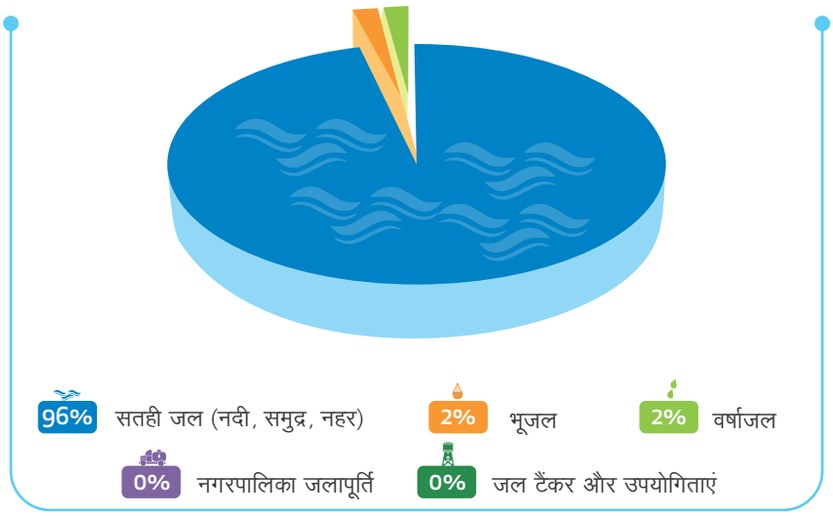

बहने वाले अवशिष्ट पानी से भी उन पर कोई अत्यधिक प्रभाव नहीं पड़ता दिखाई देता है और सभी स्थानों (यदि कोई हो) पर छोड़ा गया बेकार पानी संबद्ध राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के अनुरूप होता है। हमारी पाता स्थित यूनिट में 1500 घन मीटर/दिन शोधित अपशिष्ट पानी का पुनः इस्तेमाल किया जा रहा है जोकि नए पीसी II की पर्यावरण संबंधी स्वीकृति के अनुसार निर्धारित 1200 घन मीटर/दिन से कहीं ज्यादा है।

हमारे स्थलों से जल के निष्कासन को देखते हुए जल के स्रोतों पर कोई ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा है।

परियोजना स्तरों पर पानी की उपलब्धता संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न साइटों द्वारा स्थानीय जैव विविधिता को बढ़ावा देने के लिए तथा नए/मौजूदा बॉरवेल के पास जल संचय के लिए गड्ढे खोद कर भूमिगत जल के भराव के लिए रोकबांध बनाकर वर्षाजल संचय शुरू किया गया है। वित्तीय वर्ष 2016–17 में गेल की साइटों में वर्षा जल संचय संबंधी मुख्य पहले शुरू की गई हैं जिनमें से 4 को भूमिगत जल भराव के लिए विजयनगर साइट में ही विकसित किया गया है। पाता साइट में वित्तीय वर्ष 2016–17 में 9873 घन मीटर वर्षाजल का संचयन किया गया है।

अपशिष्ट प्रबंधन

एक जिम्मेदार संगठन होने के नाते हमारा सरोकार उत्सर्जित विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट पदार्थों को कारगर रूप से अलग–अलग करके, शोधित करके और निपटान करके पर्यावरण को होने वाली हानि को कम करना और अपशिष्ट पदार्थों के उत्सर्जन को कम से कम करना है। गेल में हम उत्सर्जित ऐसे किसी भी कचरे के आयात, निर्यात, परिवहन अथवा शोधन से संबंधित किसी भी प्रकार के कार्यकलाप में शामिल नहीं है जो बेसल सम्मेलन के अनुसार खतरनाक जी4–ईएन25 श्रेणी के अंतर्गत आता है। जी4–डीएमए

हमारी पेट्रोकेमिकल टार, अपशिष्ट जल शोधन से निकलने वाले सलज, आण्विक छलनी, टार संबंधी राख और स्लोप ऑयल का खतरनाक ठोस अपशिष्ट पदार्थ के रूप में उत्पादन करता है, जो किसी भी भारी धातु के अंश से रहित होते हैं। पाता में हमारा अपशिष्ट जल शोधन जल संयंत्र है और अन्य कचरे का निपटान नियमित आधार पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अनुमोदित शोधन, भंडारण और निपटान सुविधा की सहायता से किया जाता है। प्राप्त आण्विक छलनी और टार संबंधी राख का किसी लैंडफिल/अनुमोदित टीएसडीएफ (शोधन, भंडारन और निपटान सुविधा) में सुरक्षा पूर्वक निपटान किया जाता है। उत्सर्जित स्लोप ऑयल को रिसाइकिल किए गए और पुनः प्रयोग के लिए सांवधिक रूप से अनुमोदित पक्षकारों को बेचा जाता है।

बैट्री और ऐसी अन्य अवशिष्ट सामग्री को नई बैट्रियों को खरीदते समय रिसाइकिलिंग के लिए संबंधित दुकानदारों को भेजा जाता है।

खतरनाक द्रव अवशिष्ट पदार्थों जैसे स्पेंट ऑयल और वेस्ट ऑयल को ड्रम में एकत्र किया जाता है और किसी निर्धारित स्थल पर भंडारित किया जाता है तथा इसका निपटान पुनः प्रक्रिया के जरिए किया जाता है जो सीपीसीबी/ एमओईएफसीसी/ एसपीसीबी (केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/ पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय/राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) द्वारा अधिकृत होता है।

शून्य डिस्चार्ज (अपशिष्ट वाटर के मामलें में) होने के नाते गेल विजयपुर अपने टाउनशिप के क्षेत्र में ऐसी वेस्ट कम्पोस्टिंग यूनिट लगाने की ओर बढ़ रहा है जो सभी जैविक कचरें को कमपोस्ट खाद्य में परिवर्तित करेगी ताकि इसका इस्तेमाल हरित पट्टी के विकास में किया जा सके। यह परियोजना निष्पादन के प्रारंभिक चरण में है और इसकी अप्रैल 2018 तक शुरू होने की आशा है। इसके अतिरिक्त, नगरपालिका कचरे के अंतर्गत उत्पादित रिसाइकल योग्य सामग्री को भी गेल को जारी निपटान प्रमाण–पत्र युक्त अधिकृत एजेंसियों द्वारा छांटे जाने, इक्ट्ठे किए जाने और अंततः निपटान किए जाने की आशा है। चूंकि सारा हानिकारक कचरा अधिकृत रिसाइकिल करने/पुनः प्रोसेसिंग करने वालों और एसपीसीबी द्वारा अधिकृत रिसाइकिल करने वालों को नीलामी के लिए ई–कचरा भेजा जाता है अतः इस परियोजना से गेल विजयपुर अपनी साइटों के लिए शून्य अपशिष्ट प्रत्यय पत्र हासिल करने की ओर बढ रहा है।

ई–अपशिष्ट प्रबंधन

गेल ई अपशिष्ट की 'बल्क उपभोक्ता' श्रेणी में आता है और अपनी वार्षिक विवरणी ई–अपशिष्ट नियम, 2016 के अनुपालन में संब) एसपीसी/सीपीसीबी के समक्ष अपने ई–अपशिष्ट उत्सर्जन के संबंध में भरता है। अतः गेल उपर्युक्त नियमों के संवर्धित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) के अंतर्गत अपनी बाईबैक स्कीम के भाग के रूप में उत्पादकों के अधिकृत संग्रह केंद्रो अथवा एसपीसीबी/सीपीसीबी द्वारा अधिकृत रि–फर्बियर/रिसाइकलर को कचरा सौंपकर श्रेष्ठ कचरा प्रबंधन परिपाटियों का अनुसरण करता है। यह प्रचलन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निरीक्षणों के साथ–साथ पर्यावरण, सुरक्षा संबंधी लेखा परीक्षाओं के अध्याधीन भी होता है और इसके द्वारा इसके प्रभावी प्रबंधन के लिए शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित होता है।

वायु उत्सर्जन प्रबंधन

गेल चरणबद्ध तरीके से पूरी परियोजना के पर्यावरण से संबंधित पहलुओं को प्राथमिकता देता है जैसे प्रौद्योगिकी चयन, प्रक्रिया तैयार करना और परियोजना का निष्पादन। हमारे सभी संयंत्र–गैस प्रसंस्करण यूनिट, गैस क्रेकिंग यूनिट, एचडीपीई और एलएलडीपीई एकक के आधुनिकतम है और विश्व के प्रख्यात प्रोसेस लाईसेंस प्राप्त कंपनियों से है। प्रदूषण के स्तर को ईंधन के रूप में प्राकृतिक गैस के संबंध में राष्ट्र द्वारा निर्धारित मानकों से बहुत कम रखा जाता है। प्रदूषणों के प्रभावी बिखराव के लिए पर्याप्त ऊंचाई पर स्टैक बनाए गए है। सभी भट्टियों में न्यून एनओएक्स बर्नर इस्तेमाल किए जाते है। वाष्प रिटर्न सक्रिटों के साथ लोडिंग सुविधा प्रदान की जाती है। किसी भी तरह के गैस के रिसाव का तुरंत पता लगाने के लिए गैस डिटेक्टर लगाए गए हैं।

गेल विजयपुर में नई सी2/सी3 रिकवरी एवं गैस प्रोसेसिंग यूनिट न केवल द्रव हाइड्रोकार्बन के निष्कर्षन और उत्पादन के लिए उत्तरदायी है अपितु पाटा (उत्तर प्रदेश) में पाटा पेट्रोकेमिकल परिसर के लिए फीडस्टॉक के रूप में सी2/सी3 फ्रेक्शन की रिकवरी के लिए भी उत्तरदायी है। गेल, पाटा में शुरू की गई 'प्रथम इंडस्ट्रीयल इंटरनेट ऑफ थींग्स' – आईआईओटी प्रणाली के रूप में व्यापक आधारित निगरानी के लिए सीपीसीबी और यूपीपीसीबी को संबंधीत विश्लेषकों द्वारा ऑनलाइन प्लांट उत्सर्जन मानक और बहिस्राव डिस्चार्ज मानक निर्धारित किए गए हैं। गेल पाटा के उत्सर्जन और बहिस्राव संबंधी सभी मानक ऑनलाइन निगरानी के लिए सीपीसीबी एवं यूपीपीसीबी के सर्वर से पूर्णत: जुड़े हुए हैं। यह संयंत्र पर्यावरण प्रबंधन की दृष्टि आधुनिकतम है और परिवेशी वायु, उत्सर्जन और उपचारित बहिस्राव मानकों जैसे सभी पर्यावरण संबंधी मानको की वास्तविक समय निगरानी से परिपूर्ण है (शोधित बहिस्राव का इस्तेमाल उदयान कृषि के प्रयोजनार्थ किया जाता है और इसलिए इससे शून्य डिस्चार्ज सुनिश्चित होता है)। तत्पश्चात् इन मानकों को इंटरनेट कनेक्टीविटी के जरिए विजयनगर में स्थित प्रमुख नियंत्रण कक्ष में लगे स्थानीय एकीकृत सर्वर के माध्यम से ऑनलाइन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अपलोड किया जाता है। जहां पर रियल टाइम आधार पर डाटा प्रदर्शित होता है। पवन तथा अन्य वातावरण संबंधी विभिन्न घटनाओं की निगरानी के लिए स्थानीय एफएंडएस स्टेशन पर एक वास्तविक समय मौसम विज्ञानी स्टेशन भी स्थापित किया गया है।

हरित पट्टी और जैव विविधता

गेल पर्यावरण सतता के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है जो हमारे विजन विवरण का भी एक मूलभूत तत्व है। हम व्यवसाय संबंधी विविध क्षेत्रों के साथ–साथ पर्यावरण और जैव विविधता के बचाव के लिए पहल शुरू करते है। दोनों तरफ व्यापक वृक्षारोपण किया जाता है और कम से कम एक–तिहाई भू–भाग पर हरित पट्टी बनाई जाती है। हरित पट्टी संबंधित पहल के भाग के रूप में गेल, विजयपुर ने विभिन्न अवसरों पर जैसे एचएसई हस्ताक्षर अभियान, पर्यावरण दिवस के आयोजन और प्रतिमाह मनाए जाने वाले जन्मदिवस गार्डन अवधारणा, जिसके अंतर्गत गेल के कर्मचारी अपने जन्म दिवस पर पौधे लगाते हैं, के दौरान 700 से ज्यादा पौधों का रोपण किया है जिसमें पेड़, स्थानीय प्रजाति के पौधे आदि शामिल है। वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान हमारी पाटा स्थित साइट में जन्मदिवस गार्डन संबंधी पहल के भाग में 1496 पौधे लगाए गए। इसके अतिरिक्त संवितरण के लिए फूलों और मौसमी पौधों के लिए बीज बैंक और पौधा बैंक विकसित किए गए हैं ताकि स्वच्छ और हरित पर्यावरण के लिए गेल विजयपुर के निवासियों और अन्य लोगों की सहभागिता को बढ़ावा दिया जा सके। जैव–विविधता के संरक्षण की ओर पहला कदम मूल्यांकन और प्रलेखन है।ओजी4, जी4–डीएमए, जी4–ईएन11

पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना 2006 की अनुसूची की मद 6(क) के अनुसार राष्ट्रीय पार्कों/ पक्षी विहारों/प्रवाल भित्तियों/एलएनजी ट्रमिनल सहित पारिस्थितिकी प्रणाली के रूप से संवेदनशील क्षेत्रों से गुजरने वाली तेल और गैस की पाइपलाइन (कच्चा तेल और रिफाइनरी/ पैट्रोकेमिकल उत्पाद) के लिए पर्यावरण की स्वीकृति लेना आवश्यक होता है।

सभी प्रक्रिया संयंत्रों ने अपने–अपने परिसरों में महत्वपूर्ण हरित परिसंपत्ति का विकास किया है। हरित जलाशय अब अनेक प्रकार की स्वदेशी तथा बेहतरीन वनस्पति तथा प्राणियों दोनों का वास है। स्थापनाओं में अन्य जीवनमय निकाय भी हैं अर्थात् परिसर के चारों ओर तथा परिसर में विशाल जलाशय हैं जो जलीय जीवों तथा अन्य प्रजातियों को आकर्षित करते हैं और संजोए हुए हैं। गेल स्थापना वन्यजीव (सुरक्षा) अधिनियम की अनुसूची–I तथा आईयूसीएन की विलुप्तप्राय: श्रेणियों में आने वाली कुछेक प्रजातियों का वास भी है। गेल स्थापनाएं (विजयपुर, पाटा, वाघोडिया, गंधार, ऊसर तथा डीवीपीएल) में पाई जाने वाली कुछेक प्रजातियां इन्फोग्राफिक में दी गई हैं। प्रमुख स्थापनाओं में जैव विविधता के मूल्यांकन संबंधी विस्तृत ब्यौरा मामला अध्ययन में पढ़ा जा सकता है।

गेल स्थापनाओं में संरक्षित प्रजातियां

जैव–विविधता मूल्यांकन अध्ययन

प्रस्तावना

जैव–विविधता पृथ्वी पर विविध जीवों के लिए दिया गया शब्द है। यह पादपों, पशुओं और सूक्ष्म जीवों तथा पारिस्थितिकी प्रणाली की सभी प्रजातियों एवं उनके बीच व्याप्त विविधता है जिसमें वे रहते हैं तथा परस्पर क्रिया करते हैं। जैव विविधता तथा हमारे सतत् भविष्य के बीच संबंध उतना ही घनिष्ट होता है जितना हम इनके संपर्क में आते हैं। हमें जैव–विविधता का संरक्षण अपने जीवन की ही तरह करना चाहिए क्योंकि हमारा अस्तित्व इस पर ही निर्भर है।

भारत विश्व के 17 मान्यता–प्राप्त विशाल–विविधता वाले देशों में से एक है जिसमें विश्व की भू–क्षेत्रफल तो मात्र 2.4 प्रतिशत है परंतु यह विश्व में पाई जाने वाली लगभग 7–8 प्रतिशत प्रजातियों का घर है जिसमें पादपों की 45000 से ज्यादा प्रजातियां तथा जीव–जंतुओं की 91000 से ज्यादा प्रजातियां हैं।

हम व्यवसाय के विविध पहलुओं में पर्यावरण एवं जैव विविधता को संरक्षित करने हेतु निरंतर पहलें शुरू करते रहे हैं। हम यह जानते है कि हमारे परिसर में मौजूद हरियाली का महत्व क्या है और हम आम दर्शकगणों को प्राणी और वनस्पति जगत के अद्वितीय पहलुओं की विशेषता बताना चाहते हैं।

मुद्दे और चुनौतियां

- वनस्पति की विदेशी प्रजातियों द्वारा आक्रमण
- पाटा में पारिस्थितिकी तालाब में जल हाईसिंथ आक्रमण
- विजयपुर, पाता तथा बाघोडिया में कबाड़ प्रबंधन
- ऊसर में स्वदेशी वनस्पति का नष्ट होना
- वाईएमटी 9114 और डीबीपीसी में मानव और वन्य प्राणियों में संघर्ष
- विजयपुर में पानी की कमी

जैवविविधता मूल्यांकन तथा प्रलेखन इसके संरक्षण की दिशा में पहला तथा अत्याव यक कदम है। इसे देखते हुए हमारे द्वारा जैवविविधता के मूल्यांकन के संबंध में एक परियोजना शुरू की गई थी।

हमारे सभी प्रोसेस संयंत्रों ने अपने–अपने परिसरों में विशाल तथा महत्वपूर्ण हरित परिसंपतियां बनाई हैं। स्थानीय प्रबंधन के वर्षों से किए गए भरसक प्रयासों से इस प्रकार से सृजित हरित क्षेत्र अब अनेक प्रकार की वनस्पति तथा प्राणी जगत की स्वदेशी एवं अद्वितीय प्रजातियों का वास है। कई स्थानों पर मृदा की गुणवत्ता अच्छी न होने के बावजूद ऐसा किया गया है।

उद्देश्य:

इस अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य निम्नलिखित हैं:–

- साइटों में जैव विविधता का द्रुत मूल्यांकन करना
- उनकी निरंतरता में मुद्दों तथा चुनौतियां को पहचानना
- मूल्यांकन के आधार पर परिणाम तथा सिफारिशें तैयार करना
- जैव विविधता की मुख्य विशेषताओं पर कॉफी टेबल बुक बनाना।

गेल में वनस्पति और प्राणी विविधता

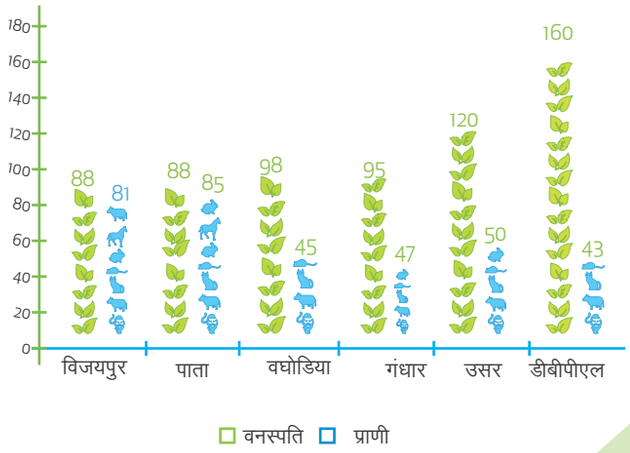

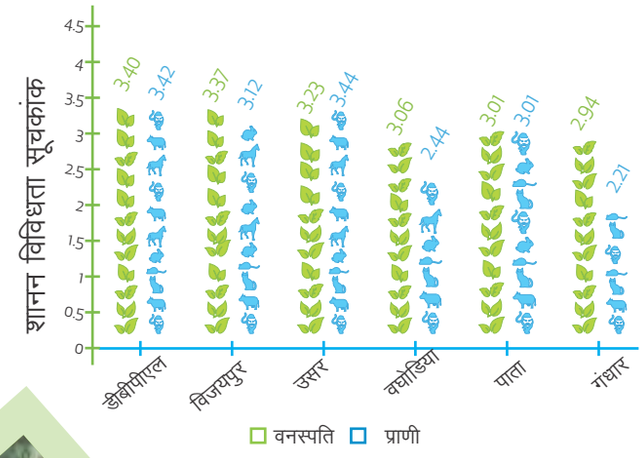

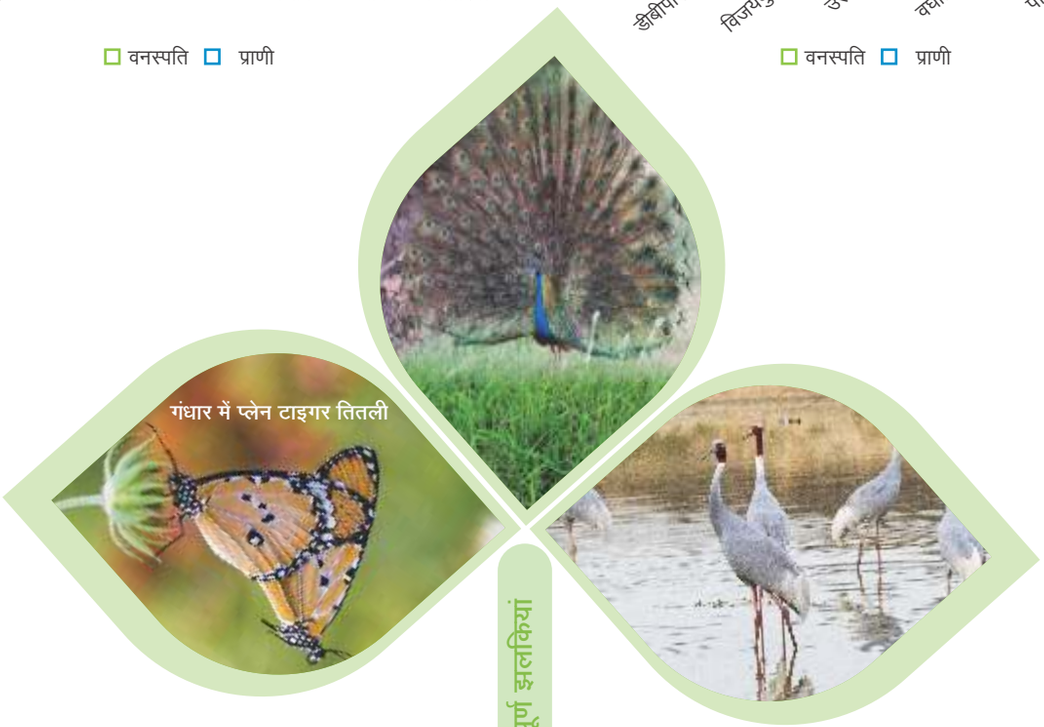

कुछ महत्वपूर्ण झलकियां

रिसाइकिल किए गए अपशिष्ट पदार्थों से निर्मित लघु चिड़ियाघर

गेल स्थापनाओं में विभिन्न पहलों के जरिए स्वच्छ, हरित और स्वस्थ परिवेश को बढ़ावा दिया जाता है। गेल परिसर विजयपुर में अपशिष्ट और कबाड़ सामग्री से एक लघु चिड़ियाघर बनाया गया है (अर्थात् पुराने खराब एवं डिसपोजेबल कंक्रीट बर्म ब्लॉकों, पुराने अप्रयुक्त और डिस्पोजेबल बिग डिश एंटिना, जिन्हें गेल टेल विभाग और अन्य अपशिष्ट मदों आदि से लिया गया है)। यह दिनांक 29.3.2016 की भारत के राजपत्र, भाग–।।, खंड–3, उप–खंड (ii) के अनुरूप है, जिसमें भारत सरकार द्वारा रिसाइकिल सामग्री, निर्माण, ढहने से निकले कचरे के प्रयोग पर जोर दिया गया है। इस चिड़ियाघर में चिडियां/तोते, खरगोश और बत्तखों को रखा गया है। बत्तखों के समीप एक जलाशय भी है।

विजयपुर में छोटे चिड़ियाघर का दृश्य

पहले भी गेल, विजयपुर में अगस्त, 2015 में कर्मचारियों द्वारा अपना जन्मदिन मनाते तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण के महान कार्य के लिए उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु निःशुल्क वृक्षारोपण, संबंधी पहल शुरू की गई थी। जिस माह में किसी कर्मचारी का जन्मदिन आता है उस माह के पहले कार्य दिवस को वह वृक्षारोपण करता है। इसके अलावा, गेल, विजयपुर में कार्यभार संभालने वाले कर्मचारियों (कार्यभार ग्रहण करने वाले नए कर्मचारी तथा स्थानांतरित कर्मचारी) द्वारा वृक्षारोपण संबंधी पहल भी शुरू की गई है। यह पहल सतत् आधार पर शुरू की गई है तथा अगस्त, 2015 से इस कार्यक्रम के अंतर्गत 930 पौधे लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2015 में गेल, मध्य क्षेत्र के एमओवी के लक्ष्य के अंतर्गत गेल, विजयपुर में 10,000 पेड़ लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न स्थानों पर मौजूद गेल कॉलोनियों में क्रीड़ा एवं मनोरंजन सुविधाएं, हरे–भरे लॉन एवं उद्यान भी हैं।

नवीकरणीय (अक्षय)

हमने जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए अपने कार्बन फुटप्रिंट तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने हेतु राष्ट्र की प्रतिबद्धता के अनुरूप अनेक पहलें शुरू की हैं। हम पर्यावरण के संरक्षण तथा स्वच्छ अक्षय ऊर्जा अपनाकर सतत विश्व बनाने हेतु प्रतिबद्ध हैं। हमारे अक्षय ऊर्जा की स्थापनाएं ऐसी पहले हैं जो संयुक्त राष्ट्र (यूएस) में भारत द्वारा की गई एनडीसी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में मदद करती हैं। अक्षय उर्जा में हमारी मुख्य पहलें निम्नलिखित हैं:–

इस दिशा में हमारे प्रयासों से पवन ऊर्जा की वजह से राजस्व में 43 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पाता (उत्तर प्रदेश) में पेट्रोकेमिकल परिसर में ग्रिड क्नेक्टिड रूफटॉप सौर ऊर्जा का तेजी से निर्माण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, गेल निविदा के जरिए सौर परियोजनाएं स्थापित करने तथा कैप्टिव इस्तेमाल हेतु पाता में अतिरिक्त सौर–पीवी सुविधा की स्थापना की संभावना की तलाश रहा है। प्रौद्योगिकी उन्नति, पर्यावरण अल्प आवश्यकताओं और सरकारी पहलों से परंपरागत ऊर्जा स्रोतों से वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर रूझान बढ़ रहा है। तमिलनाडु और कर्नाटक में उत्पादित कुल सौर ऊर्जा 193.31 जीडब्ल्यूएच, गुजरात में 32.8 जीडब्ल्यूएच है तथा जैसलमेर में कुल उत्पादित सौर ऊर्जा 10.05 जीडब्ल्यूएच है।

सौर परियोजना – 5 मेगावाट	ग्रिड क्नेक्टिड रूफ टॉप सौर उर्जा संयंत्र – 5.76 मेगावाट
पवन ऊर्जा उत्पादन परियोजना (डब्ल्यूईजी) – 118 मेगावट	इंडोर लाइटिंग के लिए फोओ वोल्टिक पेनल (एसपीवी) लगाना – 4 किलोवाट
प्रवाह कम्प्यूटर के लिए सौर आधारित फील्ड माउंटिड ऊर्जा स्रोत	पोल माउंटिड एकमात्र एलईडी सौर लाइटें

संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन

हम गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के जरिए उपभोक्ता संतुष्टि और मानकीकृत व्यवसाय प्रक्रियाओं के संवर्धन हेतु प्रतिबद्ध है। हमने वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान ग्राहक संतुष्टि का 92 प्रतिशत स्तर प्राप्त किया है। ग्राहकों के ढांचागत माध्यमों से प्राप्त फीडबैक का विश्लेशण किया जाता है और विभिन्न स्तरों पर चर्चा की जाती है।

कार्यो के क्षेत्रों की पहचान की जाती है और उस पर प्रगति की निगरानी की जाती है। प्रभावी गुणवत्ता प्रथाओं, नवाचार और मानकीकरण के कार्यान्वयन के माध्यम से हम निरंतर और सतत सुधार के लिए लगातार प्रयास करते हैं। हमने अपनी विभिन्न पाइपलाइनों और प्रक्रिया इकाइयों में एकीकृत प्रबंधन प्रणाली और ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली को लागू किया है। हमने अपने कॉर्पोरेट और विपणन कार्यालयों में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली भी लागू की है। हम कर्मचारियों की नियुक्ति के माध्यम से गुणवत्ता सर्किल परियोजनाएं शुरू करते हैं जिससे कर्मचारी के उच्च मनोबल और उत्पादकता में वृद्धि हुई है। गुणवत्ता सर्कल परियोजना पर कॉर्पोरेट और साइट, दोनों स्तर पर नज़र रखी जाती है और इन्हें प्रत्येक यूनिट के लिए निष्पादन संकेतकों के अनुरूप निर्धारित लक्ष्यों के माध्यम से मापा जाता है। इन परियोजनाओं का केन्द्रित रूप से मूल्यांकन किया जाता है और शीर्ष गुणवत्ता नियंत्रण परियोजनाएं गुणवत्ता नियंत्रण टीम के सदस्यों द्वारा अखिल भारतीय सम्मेलनों जैसे कि क्यूसीएफआई कार्यक्रम आदि में प्रस्तुत की जाती हैं। इस वर्ष, कुल 133 क्यूसी परियोजनाएं 110 सफल कहानियों के साथ पंजीकृत की गई थीं, जिसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2016–17 में 10.43 करोड़ रुपए की बचत हुई है।

इसके अलावा, संचालन उत्कृष्टता प्राप्त करने के एक प्रारंभिक कदम के रूप में, परियोजना निदेशालय में प्रणालीगत और लगातार सुधार के लिए विभिन्न ओएंडएम साइटों पर डेल्टा (एप्लीएकेशन के जरिए प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करना) पहल की गई है। इस पहल का उद्देश्य विभिन्न उन्नयन विचारों को वास्तविक कार्यान्वयन में परिणत करना है, जिससे साइट पर अलग–अलग व्यवसाय क्षेत्रों में सुधार के लिए व्यक्तिगत और टीम के रचनात्मक विचारों में वृद्धि होती है।

अनुसंधान और विकास

दुनिया भर में परंपरागत ऊर्जा क्षेत्र परिवर्तन का एक बिंदु है और इसे अक्षय और गैर–पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और प्रतिस्थापन का सामना करना पड़ रहा है। नवाचार और अनुसंधान एवं विकास प्रयासों के माध्यम से उन्हें नए व्यावसायिक अवसरों में बदलने के लिए इन व्यवसाय संबंधी चुनौतियों का सामना करने के लिए हम पूरी तरह से तैयार हैं।

हम अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) के काम पर इसके पीएटी का 1 प्रतिशत से अधिक खर्च करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि बेहतर सुरक्षा, उत्पादकता और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए मौजूदा उद्योग चुनौतियों का सामना किया जा सके। वित्त वर्ष 2016–17 में हमारा आरएंडडी संबंधी खर्च 28–47 करोड़ रुपये था, जो कि आईएनआर 23 करोड़ की अनिवार्य राशि की तुलना में अधिक है।

हम विभिन्न शोध संस्थानों और सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के साथ पता लगाए गए क्षेत्रों में सहयोगी अनुसंधान कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा, हम मौजूदा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा और दक्षता में सुधार लाने के लिए अपनी साइटों पर विभिन्न विकास परियोजनाओं का भी अनुसरण कर रहे हैं। हम प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में अधिक विशिष्ट और सकेंद्रित अनुसंधान कार्यों को पूरा करने के लिए इन हाउस अनुसंधान एवं विकास केंद्र की स्थापना की प्रक्रिया चला रहे हैं।

हमारे शोध प्रयासों द्वारा नए स्रोतों के माध्यम से गैस की आपूर्ति बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। गेल हाइड्रेट संसाधन खोज और अन्वेषण के लिए राष्ट्रीय गैस हाइड्रेट कार्यक्रम का सदस्य है। हम भारत–अमेरिका के लिए सौर ऊर्जा अनुसंधान संस्थान और संयुक्त राज्य अमेरिका

(एसईआरआईआईएस) कार्यक्रम के तहत भारत–अमेरिका कार्यनीतिगत अनुसंधान पहल में एक औद्योगिक भागीदार भी हैं। वित्त वर्ष 2016–17 में आरएंडडी द्वारा किए गए प्रमुख अनुसंधान और विकास पहल निम्नलिखित हैं:

इसके अलावा, गेल के पास दो परियोजनाएं हैं, जो यूएनएफसीसीसी के साथ सीडीएम परियोजना के रूप में पंजीकृत हैं।

i) गाजीपुर, दिल्ली में लैंडफिल गैस परियोजना का उपयोग: हमने गाजीपुर लैंडफिल साइट पर एक प्रायोगिक लैंड फिल गैस (एलएफजी) परियोजना लागू की है। फिलहाल, 70 प्रतिशत से 80 एम3/घंटा लैंडफिल गैस के साथ 20% मीथेन सामग्री को निकाला जा रहा है और इसे सुरक्षित रूप से किसी भी फ्लेयर प्रणाली में नष्ट किया जा रहा है, जबकि इस कम गुणवत्ता वाली न्यून गुणवत्ता वाली लैंडफिल का उपयोग जीएचजी और प्रदूषण कम करने के लिए माइक्रो–टर्बाइन इस्तेमाल करके 30 कि.वाट घंटा बिजली का उपयोग करने के लिए किया जाता है।

ii) गेल ने जैसलमेर में 5 मेगावॉट सौर ऊर्जा भी स्थापित की है।

इसके अलावा, संगठन में नवाचार और ज्ञान प्रबंधन की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कर्मचारियों से नए विचारों को प्राप्त करने के लिए एक सुझाव योजना स्थापित की गई है। इस योजना के तहत प्राप्त प्रस्तावों का समयबद्ध तरीके से मूल्यांकन किया जाता है और सर्वश्रेष्ठ सुझाव को सीएमडी ट्राफी दी जाती है।

इसके अलावा, भारत में स्टार्ट–अप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए हमने 50 करोड़ रुपए की निधि आवंटित की है। हम मुख्य रूप से अपने कोर बिजनेस क्षेत्रों में स्टार्ट–अप में निवेश करेंगे, जिनमें कुछ गैर–कोर क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, सामाजिक और पर्यावरण शामिल हैं।

गेल स्टार्टअप पहल – पंख

स्टार्ट–अप में मौजूदा व्यवसायों में सुधार लाने, नए व्यवसाय बनाने, विनिर्माण आधार में वृद्धि और स्व–रोजगार के अवसर पैदा करने की क्षमता है। अर्थव्यवस्था के विकास के लिए स्टार्ट–अप चिरपेक्षित कई गुणा प्रभाव प्रदान कर सकता है।

गेल ने उद्यमिता की भावना पैदा करने के लिए 'पंख' (विंग्स) पहल का शुभारंभ किया है। इस पहल के एक भाग के रूप में, गेल ने उद्यमियों को अपनी क्षमता का एहसास करने में मदद करने के लिए 50 करोड़ रुपये की संग्रह निधि रखी है। 'पंख' के तहत संग्रह निधि की स्थापना नए विचारों को बढ़ावा देने की शुरुआत मात्र थी और इसमें उद्यमियों की प्रतिक्रिया और पहल के तहत प्राप्त अवधारणाओं के आधार पर सुधार किया जा सकता है। प्रक्रियाएं स्थापित की गई हैं और स्टार्ट–अप में निवेश के लिए एक संग्रह निधि बनायी गयी है जो गेल संगठन के मुख्य क्षेत्रों में उन्हें सलाह प्रदान करेगा। यह स्टार्ट–अप को अपनी पूरी क्षमता का यथा शीघ्र एहसास करने में मदद करेगा। गेल ने एक अलग वेब पोर्टल भी लांच किया है जिसे गेल वेबसाइट के जरिए प्राप्त किया जा सकता है, जहां स्टार्ट–अप अपने प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं।

स्टार्ट–अप से कुल 42 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, इनमें से 32 प्रस्तावों की संक्षिप्त सूची बनाई गई और उनके मूल्यांकन के लिए विचार गया था। 5.12 करोड़ रुपए की कुल प्रतिबद्धता के लिए 4 स्टार्ट–अप के साथ निवेश संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। 6 अन्य स्टार्ट–अप के साथ निवेश समझौते को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके अलावा, गेल ने इन केंद्रों में मौजूद स्टार्ट–अप के समर्थन के लिए आईआईटी, मद्रास इनक्यूबेशन सेल और आईआईएम, लखनऊ इन्क्यूबेशन सेंटर के साथ सहयोग पर समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

गेल प्रबंधन द्वारा गेल के स्टार्ट अप पोर्टल–पंख का शुभारंभ

अध्याय

06

स्वास्थ्य और सुरक्षा

सुरक्षा प्रचालनों
के 18 तत्व

गेल का
एचएसई प्राप्तांक

92.94

वित्त वर्ष 2016-17

गेल कार्य स्थल में मॉक ड्रिल की झलक

स्वास्थ्य और सुरक्षा

स्वास्थ्य और सुरक्षा गेल में हमारे सभी कार्यों में सबसे प्रमुख हैं। तेल और गैस उद्योग की परिचालन स्थितियों के लिए सुदृढ़ स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियों की अपेक्षा होती है। सभी स्तरों पर पर्याप्त सुरक्षा उपायों को यह सुनिश्चित किया जाता है। हमारी आधुनिकतम प्रौद्योगिकियां, प्रशिक्षित और सक्षम जनशक्ति और स्थापित प्रणाली हमारे सुरक्षित संचालन की नींव हैं। इस प्रकार, सभी सुरक्षा दिशा–निर्देशों और नियमों का पालन करना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

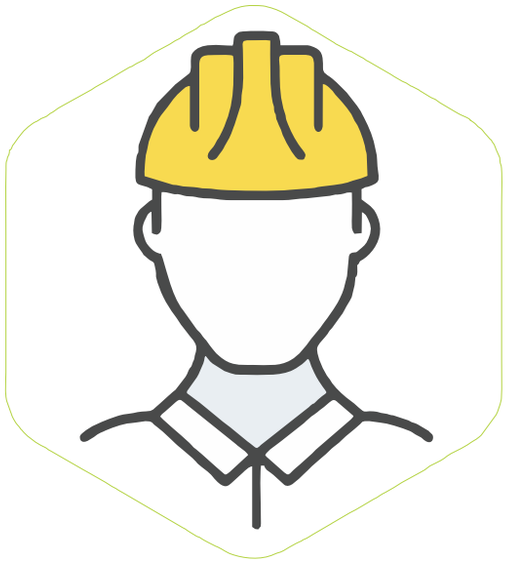

हमारा दृष्टिकोण

हम गेल में यह विश्वास करते हैं कि स्वास्थ्य और सुरक्षा हमारी महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में से एक है। हम सुरक्षित रूप से संचालित करने में नाकाम रहने की गंभीरता को समझते हैं और इस प्रकार एचएसई हमारे व्यवसाय के प्रबंधन का अभिन्न अंग है। लोगों और संपत्ति को सुरक्षित रखना, और पर्यावरण के अच्छे संरक्षक होना हमारे व्यवसाय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारे प्रबंधन द्वारा प्रबंधन प्रणालियों के निरंतर सुधार पर जोर दिया जाता है। कार्यस्थल पर घटनाओं को कम करने के लिए, निवारक और सुरक्षात्मक उपायों पर भी बल दिया जाता है। हमारी एचएसई नीति सुदृढ़ है और इसमें स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है। नीति एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जो स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रक्रियाओं को विस्तार से उल्लेख किया गया है। हमारे सभी स्थानों पर उनका अनुसरण करना अनिवार्य है। सभी साइटों पर एचएसई नीति के कार्यान्वयन को समय–समय पर आंतरिक और बाह्य लेखापरीक्षा, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा एचएसई सत्यापन जांच और यात्राओं के माध्यम से निगरानी की जाती है।

गेल में हमारे सभी स्थानों पर एक विस्तृत और व्यापक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली लागू है। पीयर इंडस्ट्रीज में प्रचलित ओआईएसडी मानकों और सर्वोत्तम अभ्यासों के आधार पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (एचएसईएमएस) तैयार की गई है। हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित हमारी निगमित एचएसई नीति, एचएसईएमएसएस का आधार है। हम व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर पर्यावरण को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। हम कर्मचारियों और अनुबंध पर कर्मचारियों को सभी स्तरों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित काम करने की आदतों और व्यवहार को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। एचएसईएमएस की समय–समय पर परिवर्तनशील प्रौद्योगिकियों और विनियामक अपेक्षाओं के साथ प्रासंगिक बनाने और अद्यतन करने के उद्देश्य से समीक्षा की जाती है।

हमारी गतिविधियों के सभी पहलुओं को कवर करने और सुरक्षित संचालन करने के लिए साइटों को दिशा–निर्देश प्रदान करने हेतु 18 तत्वों वाली एचएसई प्रबंधन प्रणाली उपलब्ध है। सभी साइट्स पर एचएसई नीति के कार्यान्वयन को समय–समय पर न केवल आंतरिक प्रणालियों के माध्यम से, अपितु वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आंतरिक और बाहरी लेखा–परीक्षा की एच्छिक एचएसई सत्यापन जांच करके और दौरे करके निगरानी की जाती है। संगठन के एचएसई प्रदर्शन की निरंतर निगरानी और मूल्यांकन पर अधिक जोर देने के लिए 'एचएसई अंक' निर्धारित किए गए हैं। हाल ही में लागू

ईएचएसएम एसएपी, मासिक सुरक्षा दिवस और सभी साइटों में विभिन्न अनुपालन के लिए समय सीमाएं निर्धारित करके, पर्याप्त सहयोग प्रदान करके एचएसई स्पीड पद्धति को और सुदृढ़ बनाया गया। हमने वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान औसत 92.94 एचएसई अंक हासिल किए हैं, जो 90 के एमओयू लक्ष्य से अधिक है।

मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन कंपनी होने से लेकर पेट्रोकेमिकल, गैस प्रोसेसिंग, एलपीजी, और अन्वेषण तथा उत्पादन इत्यादि जैसे विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में विविधता की लंबी यात्रा के दौरान, हम हमेशा भारत और विदेशों में प्रमुख संगठनों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम पद्धतियों को अपनाने की कोशिश करते हैं। स्थापनाओं में स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली का संघर्षों से बचने के लिए और हमारी गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए अन्य प्रबंधन प्रणाली के साथ अच्छा तालमेल है। विगत अवधि के दौरान, हमने कई सुरक्षा संबंधी पहल की हैं जो हमें उद्योग में सुरक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाती हैं।

- प्रोसेस संयंत्रों और देशव्यापी और अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार देश की पाइपलाइनें तैयार की जाती हैं। जॉप (एचएजेडओपी) अध्ययन और जोखिम विश्लेषण डिजाइन चरण के दौरान खतरे की पहचान करने और जोखिम को कम करने के लिए किया जाता है। इसके अलावा, नियमित अंतराल और उचित जोखिम उपशमन उपायों में भी हेजॉप अध्ययन और जोखिम विश्लेषण किया जाता है।
- गेल की अंतर्गत स्वास्थ्य और सुरक्षा कार्यों का प्रबंधन और नेतृत्व प्रासंगिक कार्य अनुभव वाले सक्षम प्रमुख पेशेवरों द्वारा किया जाता है।
- गेल की सभी स्थापनाओं में आधुनिकतम अग्निशमन और सुरक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकियां स्थापित की गई हैं।
- ओआईएसडी और पीएनजीआरबी आदि के नियामक दिशा–निर्देशों का सख्त पालन किया जाता है।
- स्थापित और सुप्रलेखित आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना (ईआरडीएमपी) विद्यमान है और इसकी समय–समय पर समीक्षा की जाती है।
- रखरखाव कार्यों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारे सभी प्रतिष्ठानों में सुरक्षा कार्य परमिट प्रणाली लागू है।
- संरचित एचएसई प्रशिक्षण प्रणाली विद्यमान है। कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए परिसर के भीतर घटने वाली विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों के लाइव प्रदर्शन के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित प्रशिक्षण मैदान का उपयोग किया जाता है।
- व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, विशिष्ट निजी सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल विशिष्ट प्रकार के कार्यों के लिए किया जाता है।
- एसएपी और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म का एचएसई संबंधित अनुप्रयोगों के लिए बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है।

एचएसई प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन की अंतर्दृष्टि हासिल करने के लिए हम समकक्ष संगठनों में नवीनतम घटनाओं का भी उल्लेख करते हैं।

सुरक्षा नेतृत्व

गेल के विजन वक्तव्य में हमारे सफर में उच्चतम स्तर के प्रचालन मानकों के प्रति इसकी वचनबद्धता को दोहराया है अर्थात् ''भारत में प्राकृतिक गैस बाजार में निर्विवाद अगुआई करना और वैश्विक प्राकृतिक गैस उद्योग में एक महत्वपूर्ण संगठन बनना, जो आक्रामक तरीके से प्रगति करे और साथ ही साथ प्रचालन मानकों के उच्चतम स्तर को बनाए रखे। हमारे "कोर संगठनात्मक मूल्य" में स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण शामिल हैं और हम अपने संचालन, अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और स्वच्छ वातावरण में उच्चतम स्तर की सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं। निर्माण, संचालन और रखरखाव के दौरान सुरक्षित कामकाजी वातावरण बनाने में सुरक्षा प्रबंधन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हमारी स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण नीति वक्तव्य को एक सुदृढ़ और एकीकृत एचएसईएमएस के साथ व्यापार करने की प्रतिबद्धता से अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक द्वारा अनुमोदित किया गया है। हम ऐसी औद्योगिक प्रक्रियाओं से जुड़े हैं जिनकी प्रकृति खतरनाक हैं और ये मानव जीवन, संपत्ति और पर्यावरण के लिए जोखिम बढ़ाती हैं। 'शून्य दुर्घटना' का लक्ष्य रखने के साथ व्यापार करने के लिए कार्यस्थल पर एचएसई के प्रबंधन के लिए

एक श्रेष्ठ प्रदर्शनी में गेल के स्टॉल का दृश्य

कानूनी, वित्तीय और नैतिक कारण हैं। वांछित लक्ष्य हासिल करने के लिए ओएंडएम संस्थापनों में इंजीनियरिंग नियंत्रण, प्रशासनिक नियंत्रण और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण के रूप में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। एक समर्पित बोर्ड स्तरीय उप–समिति समय–समय पर एचएसई निष्पादन और आपातकालीन तैयारियों की निगरानी करती है। समिति के स्वतंत्र निदेशक द्वारा समिति की अध्यक्षता की जाती है। कार्यात्मक निदेशक इसके सदस्य होते हैं। हर महीने का 10वां दिन संगठन में ''मासिक सुरक्षा दिवस'' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन, सभी स्थापनाओं के प्रभारी अधिकारी (ओएलसी) विशेष रूप से अपने–अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली संस्थापनों के सभी एचएसई पहलुओं की समीक्षा करने के लिए आधा दिन समर्पित करते हैं। टिप्पणियों संबंधी सार रिपोर्ट की अगली समीक्षा निदेशक (मानव संसाधन) और निदेशक (परियोजना) द्वारा की गई है और सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं।

पूरे संगठन में नेतृत्व दृष्टिगोचर होता है और गेल में एक शीर्ष स्तर से संचालित दृष्टिकोण व्याप्त है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान शुरू की गई विभिन्न पहलों के परिणामस्वरूप वर्ष 2016–17 के दौरान 'शून्य मुख्य रिपोर्ट करने योग्य घटना' प्राप्त करने में मदद मिली है।

आपातकालीन योजना

घटना की रोकथाम पर अपना ध्यान केंद्रित करने संबंधी दृष्टिकोण के साथ हम मानते हैं कि आपातकालीन तैयारियां अपरिहार्य है क्योंकि तेल और गैस क्षेत्र में सुरक्षा जोखिम काफी अधिक है। गेल में प्राकृतिक गैस और एलपीजी पाइपलाइन, प्रोसेस संयंत्र और पेट्रोकेमिकल्स जैसे कई खंड हैं। हमारी सभी संस्थापनों में पीएनजीआरबी विनियमों के अनुसार उनकी संस्थापन संबंधी विशिष्ट आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना (ईआरएमडीपी) हैं। गेल में आपातकालीन प्रबंधन प्रणाली की प्रभावकारिता बढ़ाने के लिए, नियमित अंतरालों में मॉक ड्रिल आयोजित की जाती है। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 16–17 के लिए पीएनजीआरबी को रिपोर्ट घटनाओं के अनुसार, स्तर 1 घटना के कुल पांच और स्तर 2 की घटना के शून्य मामले थे तथा ओजी 13 की 3 घटना के मामले सूचित किए गए।

हमारे कार्यबल सतर्क और आपातकालीन स्थिति को संभालने के लिए पूरी तरह सुसज्जित हैं क्योंकि उन्हें उनके साथ साझा किए गए दिशा–निर्देशों के आधार पर प्रशिक्षित किया जाता है। ग्रुप एसएमएस और वायस मैसेज सेवा की मदद से आपात स्थिति के मामले में शीर्ष प्रबंधन के साथ तेजी से संप्रेषण के लिए हमारी आपदा प्रबंधन प्रणाली में सुधार लाया गया है।

तैयारी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य प्रणालियां और प्रक्रियाएं हमारे प्रचालन के उपयुक्त स्थलों पर उपलब्ध कराई जाती हैं। नियंत्रण कक्षों के लिए अग्निशमन उपकरण जैसे गैस दमन प्रणाली, पंप, फ्लैंज और हाइड्रोकार्बन स्टोर्स के लिए जल छिड़काव प्रणाली, विशिष्ट रसायन उत्प्रेरक भंडार आदि के लिए डीसीपी फ्लडिंग प्रणाली आदि स्थापित की गई हैं। उपर्युक्त के अलावा, किसी भी मामूली आग को बुझाने के लिए प्राथमिक चिकित्सा अग्निशमन उपकरण इसके शुरुआती चरण में स्थापित किए गए हैं। हमारे सभी संस्थापनों में सभी भी नए कर्मचारियों, ठेकेदार के कर्मचारियों, सीआईएसएफ के कर्मचारियों और आगंतुकों को प्रारंभिक संरक्षा प्रशिक्षण दिया जाता है।

कर्मचारी सुरक्षा

हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि संगठन के लिए काम करने वाला हर व्यक्ति, चाहे हमसे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हो, की स्वास्थ्य और सुरक्षा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हमारा लक्ष्य 'शून्य दुर्घटना' को बढ़ावा देने के लिए एक सुरक्षित कामकाजी वातावरण बनाना है। हम लगातार अपने सुरक्षा प्रदर्शन को बेहतर बनाने और हर घटना से सीखने का प्रयास करते हैं। हमने प्रक्रियाएं और सुरक्षित कामकाजी प्रथाएं स्थापित की हैं जिनका सभी साइटों पर अनुपालन किया जाता है।

प्रशिक्षण की पहचान एचएसईएमएस की अनिवार्य आवश्यकता के रूप में की गई है। सुरक्षा प्रशिक्षण गेल के आंतरिक समझौता–ज्ञापन में शामिल है। कर्मचारियों और ठेकेदारों को नियमित रूप से सुरक्षित काम करने की प्रक्रियाओं और प्रथाओं के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाता है। हमारी साइट्स के किसी भी अनुबंध कर्मचारी को प्रवेश से पहले अनिवार्य अग्निशमन और सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाता है।

मुख्य घटना के आंकड़े

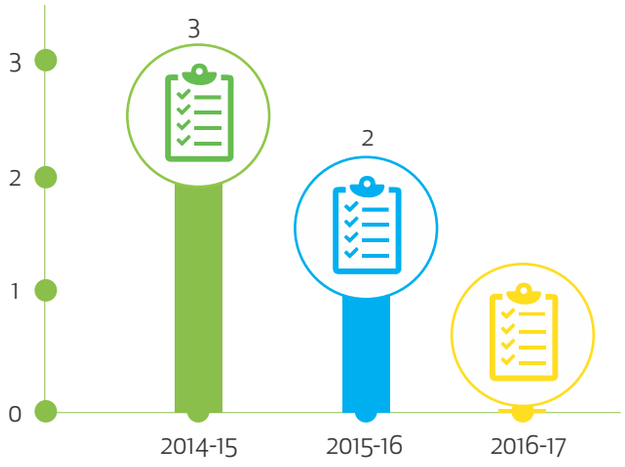

फैक्टरी अधिनियम के अनुसार कर्मचारियों को नौकरी पर तैनात करने से पहले उनकी जी–4–डीएमएए चिकित्सा जांच की जाती है। श्रमिकों को एक सुरक्षा किट और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) प्रदान किया जाता है। कार्य का सुरक्षित निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए कार्य परमिट प्रणाली (ओआईएसडी–105) का अनुसरण किया जाता है और गेल के कर्मचारी द्वारा उसका पर्यवेक्षण किया जाता है। मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन करने के लिए अनुशासन पर ध्यान दिया जाता है। ऑपरेटरों को नौकरी के सुरक्षित निष्पादन के लिए संदर्भ हेतु एसओपी दिया जाता है। प्रभारी अभियंता इंजीनियर को रखरखाव संबंधी कार्य आवंटित करने से पहले उन्हें उसके बारे में बताते हैं जाता है। स्थानीय भाषा में सामग्री सुरक्षा डाटा शीट (एमएसडीएस) बोर्डों, क्या करें और क्या न करें संबंधी सुरक्षा निर्देशों का प्रदर्शन प्रोसेसिंग/हैंडलिंग/भंडारण क्षेत्र/रासायनिक प्रबंधन क्षेत्रों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों के पास किया जाता है।

घटना रिपोर्टिंग चार्ट

- माननीय मंत्री – एमओपीएनजी
- सचिव एमओपीएनजी –[अनुपस्थिति में अपर सचिव को सूचित करें]
- संयुक्त सचिव (जीपी) – [अनुपस्थिति में संयुक्त सचिव (आरएंडए) लिंक अधिकारियों को सूचित करें]
- ईडी (ओ एंड एम–सीओ)/(पीसी–सीओ)
- एचओडी (एचएसई)
- ईडी (एचआर)
- सभी कार्यात्मक निदेशक सीएमडी
- एसडी उप–समिति के स्वतंत्र निदेशक
- एमओपीएनजी नियंत्रण कक्ष
- एमएचए नियंत्रण कक्ष
- संयुक्त सचिव (जीपी), एमओपीएनजी
- अतिरिक्त सचिव, एमओपीएनजी
- सचिव, एमओपीएनजी ईडी (ओआईएसडी)
- एसएमएस और वॉयस टेलीफोन और उसके बाद टेलीफोन (सबसे पहले सेल फोन पर अगर नहीं पहुंचे तो लैंडलाइन पर)

जिला मजिस्ट्रेट राज्य के मुख्य सचिव

नियंत्रण अधिकारी–जीएम/ईडी संबंधित निदेशालय

निम्न को टेलीफोन मुख्य घटना नियंत्रक (ओआईसी/डब्ल्यूआईसी) आपातकाल की गंभीरता का निर्णय (प्रमुख या गैर–प्रमुख/मामूली)

प्रमुख घटना आपातकाल की गंभीरता की पुनः पुष्टि करें ''प्रमुख'' या ''गैर–प्रमुख (मामूली)'' एनजीएमसी

टर्मिनल बेस स्टेशन एसवी/ आईपी स्टेशन फील्ड/साइट

निम्न को टेलिफोन आरजीएमसीधनियंत्रण कक्ष (पीसी–संबंधित नियंत्रण कक्ष/जीपीयू/एनजी कंप्रेसर स्टेशन/एलपीजी पम्पिंग स्टेशन)

सभी स्थानीय समन्वयक – स्थानीय आपातकालीन कार्य योजना के अनुसार

व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा

हमने अपने कर्मचारियों के व्यावसायिक स्वास्थ्य की निगरानी के लिए व्यावसायिक स्वच्छता उपाय और चिकित्सा निगरानी कार्यक्रम तैयार किए हैं। उचित आधारभूत संरचना और स्वास्थ्य पहल सुनिश्चित करने के लिए साइटों पर व्यावसायिक स्वास्थ्य केंद्र के रखरखाव के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश मौजूद हैं। इन दिशा–निर्देशों के तहत, कर्मचारियों के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए विशेष प्रक्रियाओं को परिभाषित किया गया है और कारपोरेट व्यावसायिक स्वास्थ्य समिति के माध्यम से कॉर्पोरेट स्तर पर इसका निरीक्षण किया जाता है।

कर्मचारियों का स्वास्थ्य सूचकांक

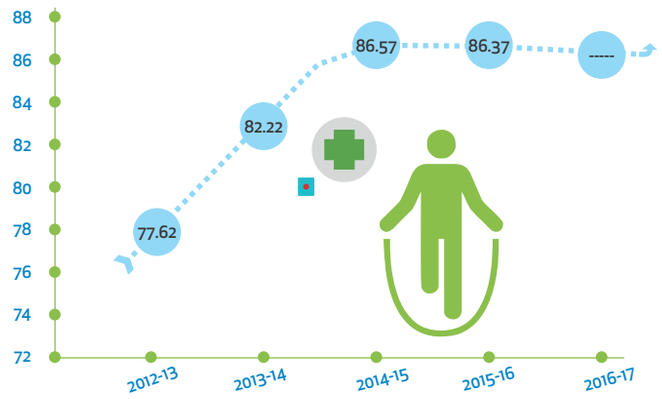

व्यवसाय स्वास्थ्य जांच (%)

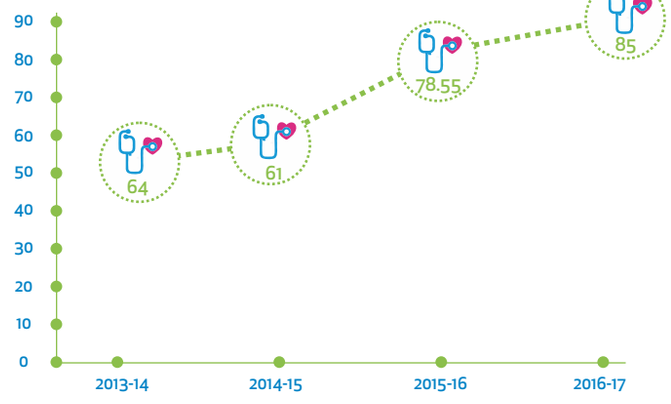

कार्य–व्यवहार आधारित सुरक्षा

"सुरक्षा संस्कृति व्यक्तिगत और समूह मूल्यों, प्रवृत्ति, दक्षता और व्यवहार के पैटर्न का उत्पाद है जो संगठन के स्वास्थ्य और सुरक्षा कार्यक्रमों की शैली और प्रवीणता तथा प्रतिबद्धता को निर्धारित करता है।" सुरक्षा नियमित आधार पर कार्यबलों द्वारा किए गए विकल्पों की एक सरणी है। सुरक्षा विकल्पों के लिए तीन मुख्य प्रभावकारी कारक हैं: खतरों को पहचानना और जोखिमों का मूल्यांकन, सुरक्षित रहने की प्रेरणा, और चल रहे कार्य पर सुरक्षापूर्वक ध्यान केंद्रित करना।

सुरक्षित परिणामों के प्रति कर्मचारी की कार्रवाइयाँ हमारे स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाओं के संचालन और उन्नयन के लिए महत्वपूर्ण हैं। व्यवहार आधारित सुरक्षा (बीबीएस) कार्यान्वयन, कंपनियों को प्रभावी नेतृत्व, संवर्धित सुरक्षा व्यवहार, चोट में कमी और कर्मचारी की भागीदारी को बढ़ावा देने जैसे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए सबसे व्यापक तरीका है। कार्यस्थल को सुरक्षित बनाने का प्रयास करने के लिए कंपनी और उसके कर्मचारियों के बीच साझेदारी की आवश्यकता होती है। हमें पता है कि हमारे दैनिक जीवन में सुरक्षा नीतियों, प्रणालियों, प्रक्रियाओं और कार्रवाइयों द्वारा ही हम एक घटना मुक्त वातावरण की ओर जा सकते हैं। विगत 3 साल से बीबीएस कार्यक्रम सुचारू रूप से काम कर रहा है। कॉर्पोरेट संचालन समिति और कार्य बल बीबीएस के कार्यान्वयन की निगरानी करते हैं और कार्यात्मक समिति साइट स्तर पर बीबीएस को लागू करती हैं। ''व्यवहार आधारित सुरक्षा'' अभियान को लागू करना एक बड़ी चुनौती है। इस चुनौती को समझना, संबंधित साइटों पर बीबीएस को चलाने/बनाए रखने के लिए निम्नलिखित कार्रवाई शुरू किया गया है:

1. अवलोकन/फीडबैक प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए वेब–आधारित बीबीएस केन्द्रीकृत पोर्टल का विकास और सभी गेल स्थापनाओं में बीबीएस का सुचारु कार्यान्वयन।
2. ओआईसी की अध्यक्षता वाली संचालन समिति और संबंधित एचओडी की अध्यक्षता में कार्यात्मक समितियों का गठन किया गया है ताकि वे अपनी साइट पर बीबीएस को आगे बढ़ा सकें।
3. साइट्स पर सुरक्षा संबंधी संस्तुति में आगे परिवर्तन के लिए 119 प्रमुख प्रशिक्षक विकसित किए गए हैं।
4. जागरूकता कार्यशालाओं, प्रशिक्षण और संवेदीकरण के माध्यम से साइट पर काम करने वाले सभी कर्मचारियों के लिए एवं सभी स्थानों पर व्यवहार आधारित आधार सुरक्षा का प्रभावी कार्यान्वयन।
5. कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों को प्रोत्साहित करने के लिए बीबीएस प्रचार योजनाएं।
6. इसके अतिरिक्त, साइट विशिष्ट जागरूकता कार्यक्रम के साथ–साथ, क्षेत्रीय सुरक्षा नेतृत्व–सह–बीबीएस कार्यशालाएं बीबीएस को आगे बढ़ाने के लिए त्रैमासिक आधार पर आयोजित की जा रही हैं।

साइट–वार अभियानों द्वारा डाला जाने वाला प्रभाव, दृश्यमान नेतृत्व, सुरक्षा के व्यवहार में वृद्धि, चोट में कमी और कर्मचारी की भागीदारी को बढ़ावा देना है। ''गेल में व्यवहार आधारित सुरक्षा कार्यक्रम कार्यान्वयन'' पर एक केस स्टडी आईआईएम इंदौर में एक पीएचडी स्कालर द्वारा किया गया है। इस अध्ययन का उद्देश्य बीबीएस की अवधारणा के माध्यम से सांस्कृतिक परिवर्तन को समझना और सुरक्षा की मानसिकता को शामिल करने के लिए अंतर्दृष्टि जानकारी प्राप्त करना है जो कि शीर्ष प्रबंधन से लेकर पदानुक्रम में नीचे संविदाकारी कर्मचारियों तक पहुंचने के लिए आवश्यक है।

व्यावसायिक स्वास्थ्य पर 16वीं एचएसई कार्यशाला के दौरान

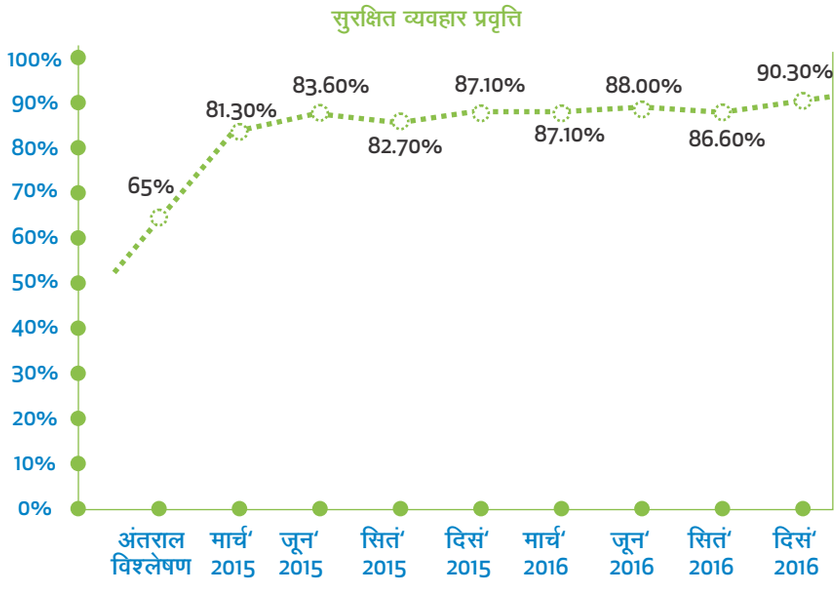

सुरक्षा कमान और नियंत्रण केंद्र (एसओसीसी)

प्राकृतिक गैस और एलपीजी ट्रांसमिशन के लिए एनसीआर क्षेत्र में गेल का 2033 कि.मी. लंबा पाइपलाइन नेटवर्क है। यह नेटवर्क दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के घनी आबादी वाले इलाकों से गुज़रता है। यह नेटवर्क इन क्षेत्र के लिए ईंधन की जीवन रेखा के रूप में कार्य करता है।

इस पाइपलाइन नेटवर्क की सुरक्षा, संरक्षा और अखंडता सुनिश्चित करना अत्यंत चिंता का विषय है। क्षेत्र में बढ़ी हुई विकास संबंधी गतिविधियों का वर्तमान परिदृश्य पाइपलाइन नेटवर्क की संरक्षा और सुरक्षा व्यवस्था के उन्नयन की आवश्यकता को व्यक्त करता है। इस प्रकार, बढ़ते हुए खतरे की आशंका को कम करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकीय विधियों का उपयोग करने के लिए विचार–विमर्श किया गया।

प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों और इसके प्रतिष्ठानों की सुरक्षा, संरक्षा और अखंडता को बढ़ाने के लिए पारंपरिक तरीकों को पुनः परिभाषित किया गया और वित्त वर्ष 2016–17 में पैदल गश्त और वॉच और वार्ड सेवाओं सहित पाइपलाइन आरओ निगरानी की लिए एक प्रायोगिक परियोजना को लागू किया गया था।

एसओओसी की मुख्य विशेषताएं हैं: –

- पाइपलाइन सुरक्षा, संरक्षा और ओएंडएम की सभी महत्वपूर्ण गतिविधियों को एक मंच पर एकीकृत किया गया।
- वास्तविक समय रिपोर्टिंग और आरओयू में घटनाओं की रोकथाम (81 संभावित घटनाओं को टाला गया)
- स्थापनाओं की सतत् और निर्बाध निगरानी करना
- त्वरित प्रतिक्रिया दल के माध्यम से तत्काल आपातकाल प्रतिक्रिया
- सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से पिगिंग आदि जैसी महत्वपूर्ण पाइपलाइन संचालन की प्रभावी निगरानी।
- सीसीटीवी फुटेज सहित डेटा का स्वचालित संग्रह।
- अतिरिक्त अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन

आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा

हमारे प्रचालन, कर्मचारियों और हमारे चारों ओर के समुदायों की सुरक्षा अत्याधिक महत्व का विषय है। हम एक सुरक्षित ऑपरेटिंग वातावरण का निर्माण और सृजन करने का प्रयास करते हैं। सुरक्षा को सर्वोच्च महत्व देने के बावजूद हमें एहसास हुआ कि यह खतरों से हमारी रक्षा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। आपूर्ति श्रृंखला में सुधार लाना जरूरी लग रहा था, जो खरीद और दस्तावेजों/अनुबंधों में कड़ी एचएसई आवश्यकताएं शामिल करने के लिए सहायक सिद्ध हुआ। हमारी आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा के प्रमुख क्षेत्रों को इस अध्याय के अगले खंड में शामिल किया गया है।

पाइपलाइन सुरक्षा

एनजी और एलपीजी के परिवहन के लिए गेल के व्यापार में पाइपलाइन महत्वपूर्ण हैं। इस प्रकार, पाइपलाइनों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है पाइपलाइन की सुरक्षा की जांच में केन्द्रीयकृत पाइपलाइन एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (सीपीआईएमएस) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। यह 9100 कि.मी. पाइपलाइन के लिए शुरू किया गया है। सीपीआईएमएस युक्त मॉड्यूल में घटक डाटा बेस मॉड्यूल, खतरा और जोखिम कैथोडिक सुरक्षा विश्लेषक, भू–स्थानिक विश्लेषक, दबाव परीक्षण मॉड्यूल, कार्य प्रबंधक, रिपोर्टिंग मॉड्यूल, और प्रबंधन डैशबोर्ड शामिल हैं। सीपीआईएमएस के पास सभी पाइपलाइन संबंधी आंकड़ों के प्रबंधन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत डाटा बेस प्रणाली अर्थात पाइपलाइन ओपन डाटाबेस (पीओडीएस) है। पाइपलाइन सुरक्षा में सुधार के लिए कई उपाय किए गए हैं।

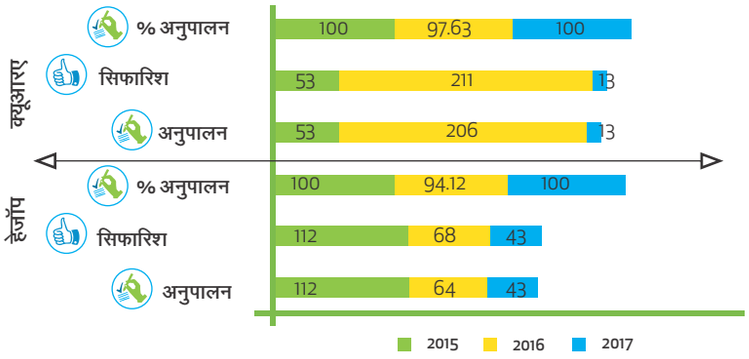

वर्ष वार अनुपालन स्थिति

पाइपलाइन में घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली (पीआईडीएस)

गेल ने प्रायोगिक आधार पर 72 कि.मी. लंबी पियाला–लोनी खंड (जामनगर लोनी एलपीजी पाइपलाइन का भाग) और लगभग 175 कि.मी. लंबी विजाग से आईपी–1 खंड (विजाग–सिकंदराबाद एलपीजी पाइपलाइन का भाग) में पाइपलाइनों की वास्तविक समय निगरानी और उन्हें तीसरे पक्ष के नुकसान से बचाने के लिए पाइपलाइन में घुसपैठ का पता लगाने की प्रणाली (पीआईडीएस) लगाई है। यह प्रणाली पाइपलाइन के साथ मौजूदा ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) का उपयोग करके वितरित ध्वनि संवेदन प्रौद्योगिकी पर काम करती है। इस प्रणाली के माध्यम से हाथों के औजारों, मशीन उत्खनन, वाहन चालन, कृषि गतिविधियों, वाल्व संचालन, फाइबर ब्रेक, स्क्रैपर पिग स्थान आदि का उपयोग कर मैनुअल खुदाई जैसी कई घटनाओं को स्वचालित रूप से पहचाना जाता है और ऑपरेशन टीम के लिए यथावश्यक अलार्म बजता है।

जी4–एसओ2 हम स्थानीय गांव के साथ निरंतर संपर्क में रहते हैं और पाइपलाइन क्षेत्र के अतिक्रमण के मामलों से सुपरिचित हैं। इस संबंध में अनेक कदम उठाए गए हैं और महत्वपूर्ण सुरक्षा संदेश वाली जन जागरूकता नीति चलाई गई है। आस–पास के ग्रामीणों को कार्यों में लगाया जाता है, स्थानीय भाषा में संदेश वितरित किए जाते हैं और उनके लिए नियमित अंतराल पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं ताकि वे पाइपलाइन सुरक्षा के महत्व से अवगत हो सकें। हम स्थानीय ग्रामीणों को सेवा में लगाकर पाइपलाइन की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं ताकि, पाइपलाइन की किसी असमान्यता अथवा असुरक्षा का पता लग सके और इस संबंध में ग्रामीणों को उपयुक्त पारिश्रमिक भी दिया जाता है। आरओयू में अतिक्रमण हटाने पर की गई कार्रवाई के लिए जिला प्राधिकारियों के साथ मासिक अनुवर्ती बैठकें आयोजित की जाती हैं। दुर्गम भू–भागों में रिसाव पर निगरानी रखने के लिए रिमोट मिथेन रिसाव डिटेक्टर्स का उपयोग किया जा रहा है। ये उपस्कर दुर्गम क्षेत्रों तथा कठिन भू–भागों के रिमोट डिटेक्शन सहित एक सौ फीट दूर तक के रिसाव का शीघ्र एवं कुशलतापूर्वक पता लगाने में सहायता करता है।

जन–जागरूकता: महाराष्ट्र क्षेत्र में एनजी पाइपलाइनों के आस–पास के गांव में अभियान

एनजी पाइपलाइन महाराष्ट्र के अनेक गांवों सहित विभिन्न राज्यों से गुज़रती है। वर्तमान में ये पाइपलाइन पांच जिलों – पुणे, रायगढ़, रत्नागिरी, थाणे और पालघर तक फैली है और इनमें नवी मुंबई क्षेत्र का कुछ भाग भी शामिल है। चूंकि ये पाइपलाइन अनेक गांवों और शहरों से होते हुए बहु–जनसंख्या वाले क्षेत्रों से गुज़रती हैं, इसलिए पाइपलाइन के बारे में सामान्य जानकारी देना और जनसाधारण के विश्वास का निर्माण करना बहुत महत्वपूर्ण है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, जन जागरूकता कार्पोरेट दिशा–निर्देशों के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। ये जागरूकता कार्यक्रम पाइपलाइनों और उनके प्रचालन तथा रख–रखाव के बारे में सूचना देने में सहायता करते हैं। ये कार्यक्रम लोगों को "क्या करें" और "क्या न करें" के बारे में शिक्षा देने में भी सहायक होते हैं और इन्हें पाइपलाइनों की सुरक्षा तथा स्थानीय जनसंख्या की सुरक्षा के संबंध में याद रखे जाने की आवश्यकता होती है। इन कार्यक्रमों की सहायता से, पीएमपी अधिनियम (1962) के अंतर्गत सांविधिक प्रावधानों और प्रतिबंधों/बाध्यताओं के बारे में भी स्थानीय जनता को आसान सरल स्थानीय भाषा में जानकारी दी जाती है। स्थानीय जनता को बताया जाता है कि किस तरह पाइपलाइन के आस–पास की प्रतिबंधित क्षेत्रों में अवहेलना अथवा अनजाने में किए गए कार्य आपात स्थितियों को पैदा कर सकते हैं और संपत्ति तथा जीवन को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

इस बात पर बल दिया जाता है कि आम जनता की सहायता और समर्थन से, पाइपलाइन और स्थानीय जनता की संरक्षा तथा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। गेल और स्थानीय जनता के बीच आपसी सहायता तथा सौहार्दपूर्ण संबंध तथा उत्तरदायित्व की समझ, ऐसी लंबी ट्रांसमिशन पाइपलाइनों के सुरक्षित प्रचालन तथा रख–रखाव में अत्याधिक महत्वपूर्ण होती है। ग्रामीण जनता को एनजी पाइपलानों के आसपास की भूमि पर कोई भी कार्य करने से पहले गेल से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। स्थानीय प्रशासन से भी संपर्क किया जाता है और उन्हें अन्य अधिकार क्षेत्रों में गेल पाइपलाइन का उल्लेख करने के लिए भूमि से संबंधित रिकोर्डों (7/12 यूटारा आदि) को समय पर अद्यतन करने का भी अनुरोध किया जाता है। इससे गेल पाइपलाइनों के आस–पास की भूमि अथवा खरीद के दौरान किसी भी सूचना के लुप्त होने की स्थिति समाप्त हो जाती है। जागरूकता अभियानों में जन–जागरूकता कार्यक्रम और नुक्कड़–नाटक शामिल होते हैं। नुक्कड़–नाटक विशेष प्रकार के जागरूक्ता कार्यक्रम होते हैं जिनमें नुक्कड़–नाटक अथवा पथ नाट्य संचालित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों को किसी आम स्थान पर चलाया जाता है ताकि अधिकतम दर्शक एकत्र हो सकें। स्थानीय चरित्रों को प्रदर्शित करने वाले एक लघु नाटक का भी आयोजन किया जाता है जिसके माध्यम से जनता में सूचना का प्रसार किया जाता है। तकनीकी प्रगति के जागरूकता कार्यक्रम विशिष्ट सेवा समूहों जैसे जेसीबी ऑपरेटर, खुदाईकर्ता आदि के लिए चलाए जाते हैं जो आम सूचना के अतिरिक्त मरम्मत कार्यों अथवा किसी निर्माण के दौरान विशेष सावधानियों पर विस्तृत जानकारी देते हैं। इनकी प्रभावोत्पादकता को बढ़ाने के लिए, पम्फलैट्स तथा अन्य सहायक सामग्रियां (कलैंडर, चाबी के छल्ले आदि) तथा अल्पाहार का वितरण किया जाता है। कार्यक्रम स्थानीय भाषा अर्थात् मराठी में संचालित किया जाता है।

परिवहन सुरक्षा

सड़क एवं पाइपलाइनों सहित हमारे सभी स्थल परिवहन सुरक्षा जोखिम, प्रबंधन से संपन्न हैं। टैंकरों और वैगनों में हाइड्रोकार्बन की लोडिंग तर्कतापूर्वक और सांविधिक प्रावधानों वाले सुरक्षा जांच के लिए कार्य जांच सूची के अनुसार की जाती है। सभी ड्राइवर सक्षम एजेंसियों द्वारा प्रशिक्षित किए जाते हैं और वाहनों की यात्रा प्रबंधन योजनाओं और रख–रखाव नित्य रूप में किया जाता है। ड्राइवरों को ज्वलनशील उत्पादों (अर्थात् एलपीजी, प्रोपेन, पेंटेन और नॉफ्था आदि) की सड़क द्वारा ढुलाई के दौरान आपातकालीन कार्य योजनाओं के अनुपालन सहित परिवहन आपातकालीन (टीआरईएम) कार्ड दिए जाते हैं। यह सुनिश्चित किया जाता है कि एलपीजी ले जाने वाले सभी टैंकरों में लोडिंग से पहले आपातकालीन बचाव किट रखे गए हैं। अग्निशमन एवं अग्नि सुरक्षा कार्मिक इन वाहनों की वास्तविक रूप में जांच करते हैं और यह जांच केंद्रीय मोटर वाहन नियमावली (सीएमवीआर) 1989 तथा स्टैटिक तथा मोबाइल प्रेशर वाहन नियमावली आदि के दिशा–निर्देशों के आधार पर की जाती है। एसएपी प्रणाली में रख–रखाव के सभी रिकोर्ड रखे जाते हैं। उत्पाद से भरे टैंकर के रूप में सुरक्षित प्रचालन के लिए, संबंधित एसओपी का अनुपालन किया जाता है। और टर्मिनल ऑटोमेशन प्रणाली (टीएएस) प्रयोग किया जाता है।

तातीपाका घटना के बाद किए गए मुख्य उपाय

पाइपलाइन के निकट किसी भी असुरक्षा अथवा तृतीय पक्ष की गतिविधि पर निगरानी रखने के लिए नियमित अंतराल पर पैदल गश्त द्वारा पाइपलाइन की सुरक्षा के उपाय किए जाते हैं। आंतरिक सुरक्षा, निर्धारित अंतराल पर उपयुक्त पिगिंग करके और कथौडिक प्रोटेक्शन निगरानी (जो पाइपलाइनों के क्षरण को कम करने में सहायता करती है) द्वारा अनुरक्षित की जाती है। बाहरी परत की सुरक्षा का क्लोज इंटरवल पोटेंशिएल लॉगिंग (सीआईपीएल)/डायरेक्ट करंट वाल्टेज ग्रेडिएंट (डीसीवीजी) सर्वेक्षण द्वारा नियमित रूप से निगरानी की जाती है।

हाल ही के वर्षों में प्रारंभ की गई कुछ मुख्य पहलें निम्नानुसार हैं:

- व्यापक पाइपलाइन डाटा बेस की निकट से निगरानी तथा रख–रखाव एवं संगठन में पाइपलाइनों के सुरक्षा प्रबंधन में समन्वय लाने के लिए एक केंद्रीकृत सुरक्षा प्रबंधन समूह (सीआईएमजी) की स्थापना की गई है। इन–लाइन निरीक्षण, क्षरण नियंत्रण आदि जैसे विशेषज्ञतापूर्ण क्षेत्रों की आवश्यकता की पूर्ति के लिए इस समूह में विभिन्न उप–समूहों का भी गठन किया गया है। सभी पाइपलाइन मुख्यालयों में तथा सीआईएमजी में मिलकर कार्य करने के लिए क्षेत्रीय सुरक्षा प्रबंधन समूह (आरआईएमजी) का भी गठन किया गया है।
- प्रोसेस संयंत्र के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा प्राप्त एजेंसी मेसर्स ब्रिटिश सुरक्षा परिषद, यूके और पाइपलाइनों के लिए मेसर्स डीएनवी जीएल द्वारा मानक प्रचालन कार्य पद्धतियों की समीक्षा की जाती है।
- पाइपलाइन क्षरण, कथौडिक प्रोटेक्शन, इन–लाइन निरीक्षण (आईएलआई), कोटिंग, धातुकर्म एवं बेल्डिंग के संबंध में विषय विशेषज्ञों को पैनलबद्ध करना।
- पीएनजीआरबी, एएसएमई और एपीआई पाइपलाइन सुरक्षा प्रबंधन मानकों और कोडों पर जोखिम आधारित विश्लेषक सॉफ्टवेयर आधारित सीपीआईएमएस।
- अतिक्रमण हटाने के लिए स्थलों पर प्रणालीबद्ध अनुवर्ती कार्रवाई हेतु अतिक्रमण हटाने संबंधी कार्यों की निगरानी करने के लिए केंद्रीकृत डाटाबेस का विकास किया जा रहा है।
- संपूर्ण आरओयू विवरणों, पाइपलाइन रिकार्डों और रख–रखाव इतिहास के साथ संपूर्ण पाइपलाइन परिसंपत्तियों को जीआईएस प्लेटफार्म पर संरेखित किया गया है ताकि पाइपलाइनों के सुरक्षा प्रबंध में सहायता की जा सके।
- गैस आपूर्ति संविदाओं और पीएनजीआरबी द्वारा निर्धारित मानदंडों को पूरा करने के अनुसार गुणवत्ता विशिष्टियों को पूरा करने के लिए आपूर्तिकर्ताओं पर व्यापक बल देना।

- पाइपलाइनों में पैदल निगरानी करने के लिए जीपीएस आधारित ऑनलाइन निगरानी प्रणाली।
- लक्षित श्रोताओं का निर्धारण करने के संबंध में स्ट्रेकहोल्डर्स जागरूकता समीक्षा के दिशा–निर्देश, संचार के महत्वपूर्ण संदेश, संचार माध्यम, कार्यान्वयन एवं दायित्वों के दिशा–निर्देश की समीक्षा की जाती है।
- जागरूकता अभियानों में वृद्धि करने के लिए रेडियो जिंगल के माध्यम से विज्ञापन प्रारंभ किए गए हैं।
- मार्कर एवं जांच केंद्रों के संरक्षण के लिए किसानों/भूस्वामियों को प्रोत्साहन देने के लिए जारी जन–जागरूकता दिशा–निर्देशों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
- गेल पाइपलाइनों के आस–पास के क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की सेवा लेने और उन्हें शामिल करने के लिए गेल की सहयोगी योजना हमारा एक प्रयास है।
- आपातकाल के दौरान सूचना शीघ्र संप्रेषित करने के लिए गेल के सभी स्थलों पर समूह एसएमएस और वॉयस टेलिफोन प्रणाली कार्यान्वित की गई है।
- किसी भी आपात स्थिति के दौरान सूचना शीघ्र संप्रेषित करने के लिए वर्तमान 1800118430 के अतिरिक्त एक अखिल भारतीय टोल फ्री शॉर्ट की नम्बर 15101 प्रारंभ किया गया है।
- एनसीआर पाइपलाइन नेटवर्क में सीसीटीवी निगरानी सहित एकीकृत सुरक्षा कमान और नियंत्रण केंद, पाइपलाइनों में किसी आपातकाल/अत्यावश्यकता का निपटान करने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दलों की तैनाती।
- शहरी क्षेत्र के निकट पाइपलाइनों में वॉल्वों की ऑटोक्लोजर सुविधा। यह सुविधा सुनिश्चित करेगी की रिसाव, विस्फोट आदि के मामले में वॉल्व स्वतः बंद हो जाएंगे, जिससे होने वाली किसी अन्य क्षति की संभावनाओं में कमी आएगी।
- स्रोत स्थलों – जहां गेल की पाइपलाइनों में ऑफ–स्पेस गैस प्राप्त हो रही थी, गैर–डिहाइड्रेशन यूनिटों की स्थापना करना।
- गेल पाइपलाइनों में अनुमत द्रव गुणवत्ता पर निगरानी रखने के लिए सभी स्रोत स्थलों पर ऑनलाइन नमी एवं सल्फर विश्लेषकों की स्थापना करना।
- कोड द्वारा अनुशंसित मानदंडों को अधिक कड़ा बनाया गया है।
- पाइपलाइन आरओयू पर अतिक्रमण को हटाने के लिए जिला प्रशासन के साथ अनुवर्ती कार्रवाई करना।

गेल द्वारा नगरम के विकास को प्रोत्साहन

1. गेल कौशल कार्यक्रम के अंतर्गत कौशल विकास:

क. 2015 में नगरम में स्थापित कौशल विकास संस्थान – गेल कौशल संस्थान के लिए गेल सीएसआर कौशल कार्यक्रम के अंतर्गत 6 करोड़ रुपए की राशि व्यय की गई है। यह योजना एनएसडीसी के सहयोग से आईएल एण्ड एफएस कौशल के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है। इस पहल के अंतर्गत विभिन्न रोजगार देने योग्य प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम जैसे ऑटोकैड, औद्योगिक विद्युतीकरण, पाइप बेल्डिंग, इंस्ट्रूमेंटेशन तकनीशियन पाठ्यक्रम आदि चलाए जा रहे हैं। ऑटोकैड पाठ्यक्रम में 430 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया है जिनमें से 70 प्रतिशत कार्मिकों को विभिन्न एमएनसी कंपनियों में रोजगार के अवसर दिए गए हैं।

ख. गेल ने वित्त वर्ष 2017–18 के लिए 240 उम्मीदवारों का रोजगार देने योग्य प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम के लक्ष्य के साथ 1 करोड़ रुपए की लागत पर नए भवन का निर्माण किया है और उसमें अत्याधुनिक उपस्कर लगाए गए हैं।

2. गेल आरोग्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य परिचर्या/चिकित्सा परिचर्या :

क. नगरम, पूर्व गोदावरी जिले, आंध्र प्रदेश में और उसके आस–पास 25 गांव में जरूरतमंद लोगों को 36 लाख रुपए मूल्य की मोबाइल चिकित्सा वाहन सेवाएं प्रदान की गईं हैं। चिकित्सा सेवाओं के साप्ताहिक चक्र प्रतिवर्ष 25000 रोगियों को लाभान्वित कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य शिविरों का भी आयोजन किया जाता है।

ख. पीएचसी, नगरम और जीएचसी, राजोल को चिकित्सा उपस्कर देने के संबंध में जिला प्रशासन को 50 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

3. गेल उन्नति कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक विकास: निम्नलिखित कार्यों के लिए 1417.79 लाख रुपए का निवेश किया गया है:

क. नगरम में 4 स्थानों पर कंकरीट रोड का निर्माण किया गया।

ख. नगरम में जेडपीएस स्कूल में 4 कमरों और कंपाउंड वॉल का निर्माण किया गया।

ग. नगरम में बोरवेल पंपिंग मेन और जनरेटर प्रदान करना।

घ. नगरम में 400 एलईडी लाइटें देना।

ड. जेडपीपी, नगरम और राजकीय जूनिय कालेज, राजोल में मेधावी छात्रों छात्रवृत्तियां।

4. गेल आरोग्य कार्यक्रम के अंतर्गत पेयजल/स्वच्छता:

क. ममिदीकुरू मंडल (नगरम) में आरओ प्लांट लगाया गया।

ख. स्वच्छ – भारत स्वच्छ विद्यालय अभियान के अंतर्गत चार शौचालय इकाइयों का निर्माण किया गया। जिससे पूर्व और पश्चिम गोदावरी जिलों में लगभग 40 हजार स्कूली बच्चे लाभान्वित हुए।

ग. ममिदीकुरू मंडल को गुणवत्तापूर्ण जल आपूर्ति हेतु फिल्टर मीडिया को बदलने के लिए जिला प्रशासन को 20 लाख रुपए की राशि जारी की गई।

5. गेल सशक्त कार्यक्रम के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण पहल

क. गैर वोवन फेब्रिक कपड़ों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा स्क्रीन प्रिंटिंग कार्य के लिए गैर–सरकारी संगठन को समर्थन दिया गया जिसके परिणामस्वरूप नगरम में 30 ग्रामीण महिलाएं लाभान्वित हुई।

6. गेल धर्मार्थ एवं शिक्षा न्यास

क. समाज के निचले वर्गों के 8 से 12वीं कक्षा तक के 30 मेधावी छात्रों को प्रतिवर्ष 1.16 लाख रुपए की छात्रवृत्ति वितरित की गई है।

ख. 9 स्कूलों में स्कूल की चाहरदीवारी का निर्माण करने के लिए जिला प्रशासन, पूर्व गोदावरी जिले को 80 लाख रुपए स्वीकृत किए गए।

7. आपातकालीन आवश्यकता :

नगरम में राहत और पुनर्वास प्रयासों के अंतर्गत, गेल ने नगरम के प्रभावित परिवारों और ग्रामीणों को राहत देने के लिए निम्नलिखित रूप में निवारक एवं सहायक कदम उठाए हैं:

क. मृतक के उत्तराधिकारी को 20 लाख रुपए और घायल हुए प्रत्येक व्यक्ति को 5 लाख रुपए का मुआवजा।

ख. ऑल कास्ट कॉलोनी, मगातापल्ली गांव, ममिदीकुरदुरू मंडल के 24 अग्नि पीड़ितों को 2.4 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी गई।

ग. नगरम गांव के आर एवं आर उपायों के संबंध में गेल द्वारा 9.2 करोड़ रुपए का योगदान दिया गया।

8. 95 लाख रुपये की अनुमानित लागत के अन्य विकास कार्य :

क. भूमिगत ड्रेनेज और मार्केट शेड्स का निर्माण, स्वच्छता कार्यों का सुधार।

अध्याय

07

व्यवसाय विकास एवं लाभप्रदत्ता

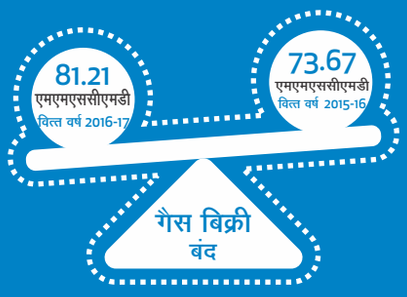

हाइड्रोकार्बन की
बिक्री से प्राप्त

शीर्ष प्रबंधन टीम के साथ गेल के मेक इन इंडिया स्टॉल का एक दृश्य

व्यवसाय विकास एवं लाभप्रदत्ता

भारत की विकास गति आर्थिक सुधारों और उच्च विकास लक्ष्यों के साथ जारी रहने की आशा है। विस्तारशील अर्थव्यवस्था, वर्तमान जनसंख्या, आयात पर निर्भरता और विश्व जलवायु स्थितियों के वर्तमान परिदृश्य के अनुकूल ऊर्जा सुरक्षा जैसे तथ्यों के साथ एक एकीकृत प्राकृतिक गैस कंपनी के रूप में गेल (जीएआईएल) को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला एवं प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन तथा विपणन के ब्यौरे व्यवसाय में उपस्थिति के साथ गेल देश के भावी ऊर्जा भू–दृश्य को फोसिल ईंधन के एक स्वच्छ विकल्प का रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका ग्रहण कर सकता है। प्राकृतिक गैस देश की लो–कार्बन इकोनॉमी के उद्देश्य को पूरा करने के संबंध में एक सहायक ईंधन के रूप में कार्य कर सकती है और नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति की निरंतरता को सक्षम बनाए रखने हेतु पूरक ईंधन के रूप में भी कार्य करता है। गेल का उद्देश्य ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देना और अपने सभी भागीदारों स्टेकहोल्डर्स के लिए महत्व का सृजन करना है ताकि अर्थव्यवस्था की चुनौतियों का सामना किया जा सके। हमारा दृढ़ विश्वास है कि पर्यावरण के अनुकूल व्यवसाय देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है और देश की ऊर्जा सुरक्षा के संबंध में पर्याप्त योगदान करता है।

> ''यद्यपि सामान्य रूप में बाहरी तेल एवं गैस गतिकी और स्पॉट एलएनजी उपलब्धता तथा मूल्य गेल की लाभप्रदत्ता के लिए चुनौती बने हुए हैं। फिर भी, निम्न प्रचालन और वित्तीय लागत के साथ गैस ट्रांसमिशन, विपणन क्षेत्र और पेट्रोरसायन क्षेत्र में उन्नत भौतिकीय निष्पादन में मार्च, 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान लाभकारिता में महत्वपूर्ण वृद्धि में योगदान किया है। पाइपलाइनों और संयंत्रों के उच्च उपयोग और बेहतर शुल्क प्राप्ति के संबंध में गेल के प्रयास भविष्य में लाभ में धारणीय वृद्धि का आधार है।
>
> **निदेशक (वित्त)**

गेल का आर्थिक निष्पादन

हम गैस ट्रांसमिशन, एलएचसी और पेट्रोरसायनों के उत्पादन में लगे हैं। हम प्राकृतिक गैस, आयातित एलएनजी और एलपीजी की ढुलाई करते हैं। हमारा लगभग 11,507 कि.मी. लम्बा एलपीजी पाइपलाइन और 2,038 कि.मी. लम्बा एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क है तथा हम अपने एलपीजी एवं पेट्रोरसायन उत्पादन के लिए कच्चे माल के लिए गैस का उपयोग करते हैं। भारत सरकार हमारे 54.43 प्रतिशत दावे की स्वामी है। हम विद्युत, उर्वरक, इस्पात, रिफाइनरी क्षेत्र को और घरेलू उपभोक्ताओं को आपूर्ति करते हैं। ट्रांसमिशन, वितरण एवं प्रोसेसिंग के अतिरिक्त हमने पेट्रोरसायनों, एलपीजी ट्रांसमिशन, नगर गैस वितरण तथा खोज एवं उत्पादन कार्यों में व्यवसाय हितों को वैविध्यपूर्ण बनाया है। हमने, पिछले वित्त वर्ष के 52,003 करोड़ रुपए टर्नओवर की तुलना में वित्त वर्ष 2016–17 में 48,789 करोड़ रुपए का टर्नओवर दर्ज किया। वर्ष 2016–17 के दौरान सकल मार्जिन राशि 7,287 करोड़ रुपए थी, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह राशि 5,172 करोड़ रुपए थी। कर–पूर्व लाभ पिछले वर्ष के 3,062 करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष के दौरान 5,411 करोड़ रुपए था।

कर पश्चात् लाभ पिछले वर्ष के 2,226 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2016–17 में 3,503 करोड़ रुपए हो गया।

बोर्ड ने वित्त वर्ष 2016–17 के लिए 457 करोड़ रुपए के अंतिम लाभांश का 10 रुपए प्रति इक्विटी शेयर के 27 प्रतिशत (बोनस शेयर के विस्तारित इक्विटी पश्चात इश्यू अर्थात् 1691.30 करोड़ रुपए पर 2.70 रुपए प्रति इक्विटी शेयर) भुगतान की सिफारिश की है।

वर्ष 2016–17 के दौरान, गेल ने कॉर्पोरेट स्तर पर और अपने सभी प्रचालन क्षेत्रों में लाभांश, ड्यूटी, तथा विभिन्न केंद्रीय, राज्य तथा स्थानीय करों के संबंध में 5,909 करोड़ रुपए का अंशदान दिया। वित्त वर्ष 2016–17 में गेल को ऊर्जा गंगा परियोजना के लिए भारत सरकार से 458 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। राजनीतिक दलों को गेल ने कोई वित्तीय या अन्य रूप में कोई अंशदान नहीं दिया। जी4–ईयर4,–एसओ6

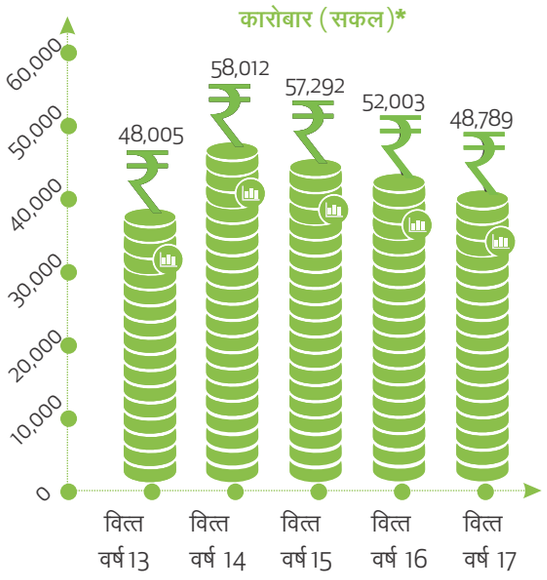

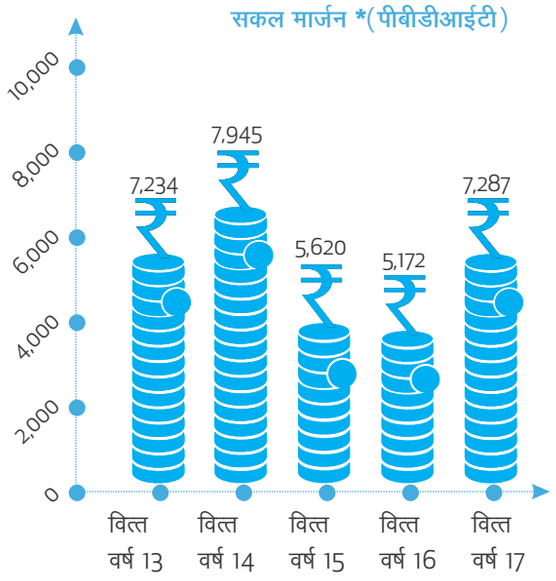

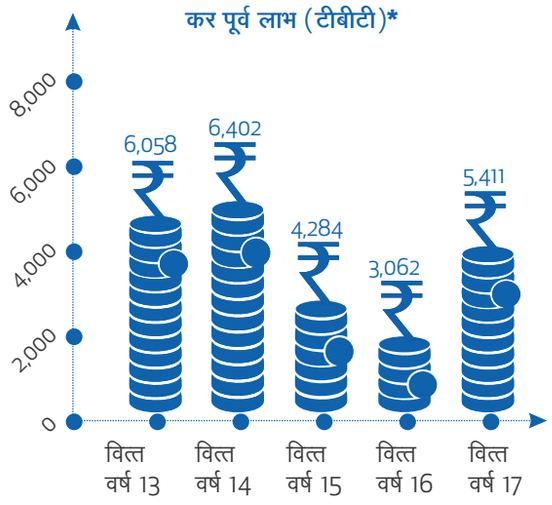

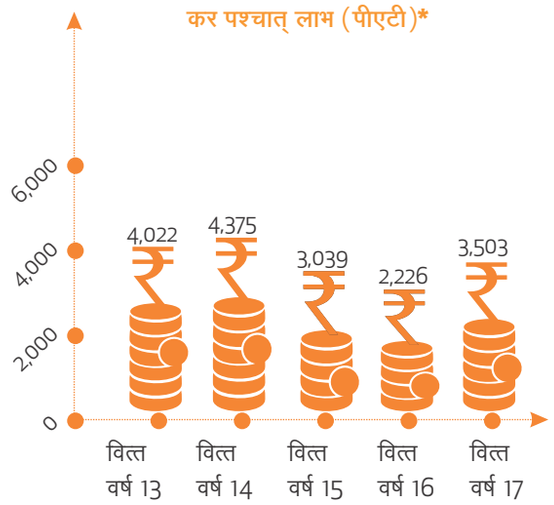

वर्ष 2016–17 के दौरान गेल ने, कॉर्पोरेट स्तर पर और अपने सभी प्रचालन क्षेत्रों में लाभांश, ड्यूटी तथा विभिन्न केंद्रीय, राज्य तथा स्थानीय करों के संबंध में 5,909 करोड़ रुपए का अंशदान दिया। वित्त वर्ष 2016–17 में भारत सरकार से कोई वित्तीय सहायता प्राप्त नहीं हुई। गेल ने राजनीतिक दलों, राजनेताओं अथवा संबंधित संस्थाओं को कोई वित्तीय अथवा अन्य रूप में कोई अंशदान नहीं दिया।जी4–ईसी4, जी4–एसओ6

वर्ष 2016–17 के हमारे कार्य निष्पादन में योगदान करने वाले मुख्य घटक निम्नानुसार हैं:

- कच्चे माल और ईंधन की लागत में कमी – 1600 करोड़ रुपए
- पेट्रोरसायन की बिक्री में 73 प्रतिशत की वृद्धि – वृद्धि मार्जन – 900 करोड़ रुपए
- प्राकृतिक गैस विपणन तथा ट्रांसमिशन की मात्रा क्रमशः 10 प्रतिशत और 9 प्रतिशत बढ़ी – इसके परिणामस्वरूप आय वृद्धि – 500 करोड़ रुपए हुई

मापदंड* (आईएनआर मिलियन)	वित्त वर्ष 11-12	वित्त वर्ष 12-13	वित्त वर्ष 13-14	वित्त वर्ष 14-15	वित्त वर्ष 15-16#	वित्त वर्ष 16-17#
उत्पादित आर्थिक मूल्य						
राजस्व	4,11,745	4,83,572	5,88,153	5,78,555	5,26,233	4,98,306
वितरित आर्थिक मूल्य						
प्रचालन लागत	3,54,411	4,10,176	5,17,312	5,18,271	4,17,317	4,73,215
कर्मचारी मजदूरी और लाभ	7,208	10,674	9,082	10,608	10,741	13,537
पूंजी के प्रदायकों को भुगतान	14,352	17,240	20,368	14,983	15,399	19,873
सरकार को भुगतान	18,652	22,386	22,513	13,988	9,776	22,032

- 6 पाइपलान नेटवर्कों के टैरिफ में उच्च संशोधन – 360 करोड़ रुपए
- एमजीएल में स्टेक बिक्री से लाभ – 489 करोड़ रुपए
- लाभांश आय में वृद्धि – 110 करोड़ रुपए
- वित्त लागत में कमी – 320 करोड़ रुपए
- आरजीपीपीएल में निवेश की आंशिक बाधा – 783 करोड़ रुपए
- वित्त वर्ष 2016 की तुलना में औसत एलएचसी और औसत पेट्रोरसायन मूल्य में क्रमशः 5 प्रतिशत और 4 प्रतिशत की कमी – 400 करोड़ रुपए
- ईएंडपी राजस्व में गिरावट – 140 करोड़ रुपए

वर्ष 2016–17 के दौरान, समेकित वित्तीय विवरण के अनुसार, कुल समूह बिक्री (उत्पाद शुल्क ड्यूटी का निवल) 49.297 करोड़ रुपए रही और समूह पीएटी 3374 करोड़ रुपए था। सीजीडी समूह कंपनियों (आईजीएल, एमजीएल, गेल गैस) और पीएलएल ने समूह लाभ में वृद्धि जारी रखी। तथापि, ओएनजीसी पेट्रो एडिसन्स लि. (ओपीएएल) और ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) अपने प्रचालन के प्रारंभिक वर्ष में है और स्थिरीकरण की स्थिति में है। समेकित विवरण के अनुसार ईपीएस पिछले वर्ष में 11.08 प्रति शेयर की तुलना में चालू वर्ष में 19.95 रुपए/शेयर था।

हमारा समझौता–ज्ञापन (एमओयू)

गेल ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ अपने समझौता–ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जिसके माध्यम से वर्ष के लिए निष्पादन लक्ष्य निर्धारित किए गए और मुख्य वित्तीय मानदंडों, गैस विपणन, गैस ट्रांसमिशन, परियोजना कार्यान्वयन, पूंजीगत व्यय और पॉलीमर उत्पादन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर बल दिया गया। वर्ष 2015–16 के समझौता–ज्ञापन के अनुसार निष्पादन रेटिंग 'बहुत अच्छी' थी। वर्ष 2016–17 के लिए समझौता–ज्ञापन अंक एवं रेटिंग उत्कृष्ट रेटिंग के साथ 98.02 है।

यह 'यह उत्कृष्ट' दर हमारे मुख्य व्यावसायिक क्षेत्रों अर्थात् गैस विपणन और गैस ट्रांसमिशन में हमारे सशक्त निष्पादन के कारण; और परियोजना निष्पादन तथा संपूर्ण सशक्त वित्तीय निष्पादन में उत्कृष्ट निष्पादन के कारण प्राप्त हुई है, जो लाभकारिता तथा अन्य वित्तीय अनुपातों में प्रदर्शित होती है। गेल राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं अर्थात् जगदीशपुर– हल्दिया–बोकारो–धमरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) का निष्पादन कर रही है और इस परियोजना के लिए वित्त वर्ष 2016–17 में अधिकतम पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) रहा है। वित्त वर्ष 2016–17 का निष्पादन प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला के समानांतर के विकास के संचालकों को सुदृढ करने की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को पूरा करने का एक उदाहरण है।

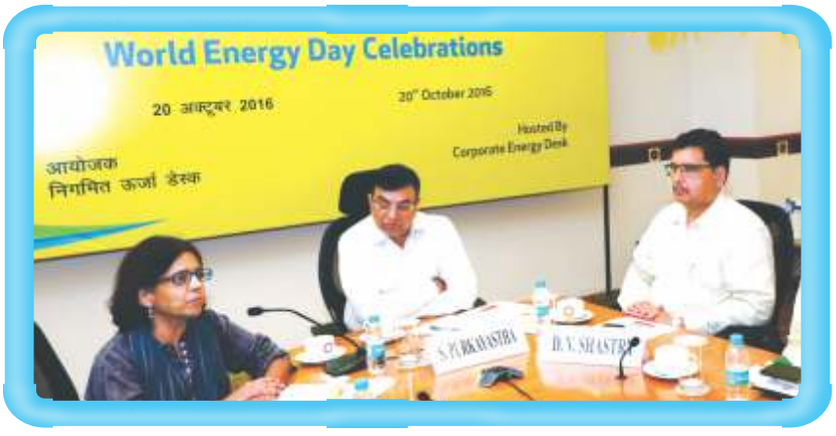

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सुश्री सुनीता नारायण, डीजी, सेंटर फॉर साइंस एंड इंवायरमेंट, श्री सुबीर पुरकायस्थ, निदेशक (वित्त), गेल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संपूर्ण भारत के गेल कर्मचारियों के साथ बातचीत की

कार्य निष्पादन 2015–17 : कार्य निष्पादन

क्र.सं.	मानदंड		यूनिट	प्राप्त	रेटिंग
I.	**क्षमता उपयोग**				
	i.	गैस विपणन	एमएमएससीएमडी	81.21	उत्कृष्ट
	ii.	गैस ट्रांसमिशन	एमएमएससीएमडी	100.38	उत्कृष्ट
	iii.	पॉलीमर उत्पादन (पाटा I और II)	टीएमटी	604	उचित
II.	**दक्षता मापदंड**				
	क.	प्रचालनात्मक कुशलता			
	i.	एलपीजी पाइपलाइन के कम से कम 01 खंड के लिए परीक्षण आधार पर पाइपलाइन में घुसपैठ का पता लगाने की प्रणाली की स्थापना और जांच	तारीख	25.10.2016	उत्कृष्ट
	ii.	प्रचालनात्मक संयुक्त उद्यमों से निवेश पर प्रतिलाभ	%	11.65	उत्कृष्ट
III.	**प्रौद्योगिकी उन्नयन**				
	i.	सुरक्षा सतत् केंद्र (एसओसी) के गठन सहित उन्नत स्थायी खतरा (एपीटी) उपशमन समाधान लागू करना	तारीख	19.10.2016	उत्कृष्ट
IV.	**निवल मूल्य का लाभ लेना**				
	पूंजीगत व्यय (कैपेक्स)		करोड़ रुपए	1929	उत्कृष्ट
V.	**निगरानी मापदंड**				
	वर्ष के दौरान चल रहे/पूरा होने वाले कैपेक्स अनुबंध के कुल मूल्य के लिए समय/लागत के बिना वर्ष के दौरान चल रहे/पूर्ण होने वाले कैपेक्स अनुबंधों/मूल्यों का प्रतिशत		%	100	उत्कृष्ट
VI.	**प्रचालन से कारोबार**				
	i.	प्रचालन से राजस्व (उत्पाद शुल्क का निवल)	करोड़ रुपए	48149	उत्कृष्ट
VII.	**प्रचालन लाभ / अधिशेष**				
	i.	प्रचालन से आय का प्रतिशत (ईडी का निवल) के रूप में हानि/कमी (अन्य आय, असाधारण और अपवादात्मक मदों को छोड़कर) में कर या कटौती से पहले लाभ / अधिशेष	%	9.4	उत्कृष्ट
VIII.	**कमजोरी के शुरुआती लक्षण**				
	i.	सीपीएसई द्वारा प्रस्तुत कंपनी के खिलाफ दावों में कमी, जिसे पिछले वर्ष की तुलना में ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है	%	94.37	अच्छा
IX.	**विपणन दक्षता अनुपात**				
	i.	उत्पाद की बिक्री के लिए तैयार वस्तुओं की सूची और कार्य की प्रगति के दिनों की संख्या	दिनों की संख्या	7	उत्कृष्ट
	ii.	प्रचालनों से राजस्व के प्रतिशत के रूप में व्यापार प्राप्तियां (सकल)	%	7.83	उत्कृष्ट
X.	**निवेश पर प्रतिफल**				
	क.	लाभ अर्जित करने वाले सीपीएसई			
	i.	लाभांश/पीएटी	%	44	उत्कृष्ट
	ii.	पीएटी/निवल मूल्य या शेयरधारक निधि	%	9	उत्कृष्ट
	iii.	लाभांश/निवल मूल्य	%	4.06	उत्कृष्ट

व्यवसाय निष्पादन

वित्त–वर्ष 16–17 में, गेल का खंड–वार व्यवसाय निष्पादन निम्न प्रकार है:

गैस मात्रा रुझान
(एमएमएससीएमडी)

प्राकृतिक गैस विपणन

प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन गेल का मुख्य व्यवसाय संघटक बना रहा। गैस की बिक्री पिछले वित्त वर्ष में 73.67 एमएमएस सीएमडी की तुलना में वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान 81.21 एमएमएससीएमडी रही। विपणन के लिए गेल की कुल घरेलू गैस उत्पादकता 48.5 एमएमएससीएमडी पर टिकी रही, जबकि दीर्घावधि आयातित मात्रा पिछले वित्त वर्ष की तुलना में अधिक खपत की साक्षी रही क्योंकि रास गैस, कतर के साथ मूल्य समझौता सफल रहा है। प्राकृतिक गैस की मुख्य आपूर्तियों में विद्युत संयंत्रों को ईंधन देना, गैस आधारित उर्वरक संयंत्रों और एलपीजी निष्कर्षण के लिए फीडस्टॉक शामिल हैं।

हमारा गैस व्यवसाय परिदृश्य सक्रिय है, एलएनजी परिदृश्य में तेजी से परिवर्तन हो रहा है और गेल पोर्टफोलियो ट्रेडिंग, हैजिंग, बिक्री और अंतर्राष्ट्रीय रूप में एलएनजी का अनुबंध करने, और नौवहन लाइनों के प्रबंधन के लिए अपनी विपणन क्षमताओं में सुधार लाकर परिवर्तन करने के लिए तैयार है। गेल ने अपनी अमेरिकी मात्रा के एक भाग के लिए टाइम स्वैप डील पूरी की है और यूएस मात्रा की अपनी बिक्री को अधिकतम करने के लिए अन्य नवप्रवर्तित विकल्पों पर विचार कर रही है।

निदेशक (विपणन)

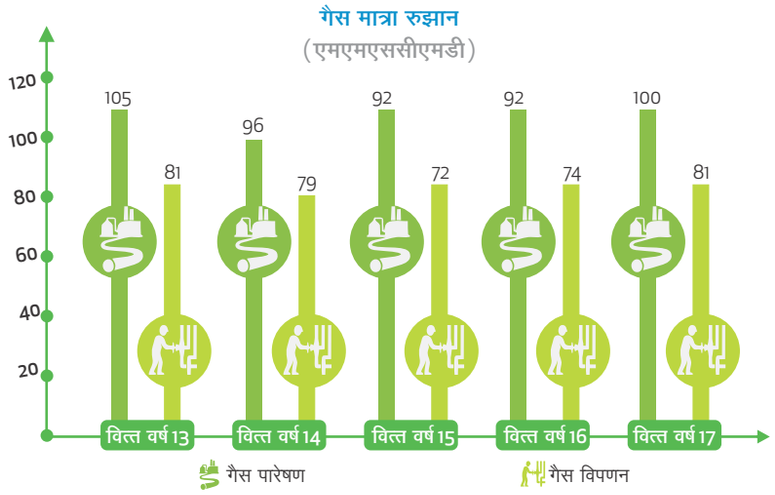

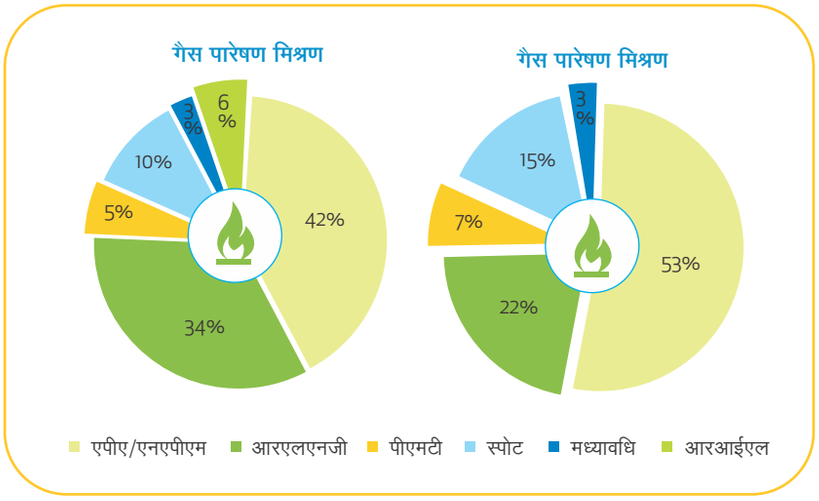

पेट्रोरसायन बिक्री

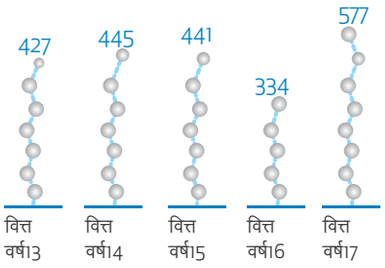

तरल हाइड्रोकार्बन बिक्री

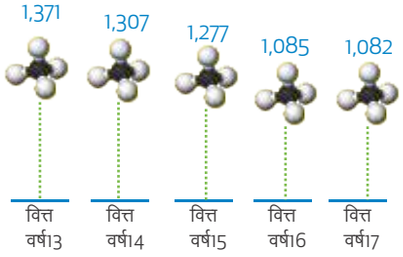

एलपीजी ट्रांसमिशन

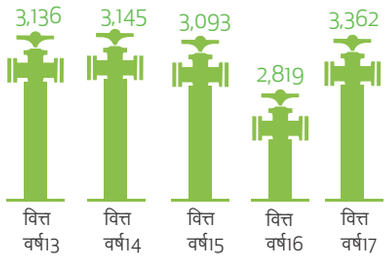

हमारी आपूर्ति श्रृंखला

प्राकृतिक गैस अवसंरचना का निर्माण एवं प्रचालन करने तथा देश की ऊर्जा सुरक्षा का कार्य सौपे जाने के कारण, गेल भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस कंपनी है और एशिया क्षेत्र में शीर्ष गैस उपयोगिता कंपनियों में शामिल है। खोज और उत्पादन, प्रसंस्करण, ट्रांसमिशन, वितरण और विपणन तथा संबंधित सेवाओं सहित संपूर्ण प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला का कार्य करते हुए गेल का एचडीपीई, और एलएलडीपीई जैसे पेट्रोरसायनों के उत्पादन और विपणन का कार्य समर्पित कार्य क्षेत्र है।

गेल ने इक्विटी लेकर तथा संयुक्त उद्यमों का गठन करके एलएनजी रिगैसिफिकेशन, नगर गैस वितरण और खोज तथा उत्पादन में अपनी उपस्थिति का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण किया है। गैस की आपूर्ति श्रृंखला इसके व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि घरेलू गैस क्षेत्र से उत्पादन घटा है और प्राकृतिक गैस के आयात पर निर्भरता बढ़ी है। आपूर्ति श्रृंखला में धारणीयता को प्राप्त करने के उद्देश्य से, गेल ने सूक्ष्म एवं लघु उद्यम (एमएसई), डीएमईपी (घरेलू रूप में विनिर्मित इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद) नीति के लिए सार्वजनिक अधिप्रापण नीति कार्यान्वित की है और मेक इन इंडिया अभियान के समर्थन में स्थानीय विक्रेताओं का विकास करने के लिए कदम उठाए हैं। इसकी आपूर्ति श्रृंखला कार्यनीति के एक भाग के रूप में गेल ने अपने प्रचालन में स्थानीय तथा वैश्विक वितरकों को सूचीबद्ध किया है। अपने वितरकों के साथ गहरा संबंध बनाते हुए, कच्चे माल की सप्लाई में विश्वसनीयता, दक्षता में वृद्धि, जोखिम कम करने और इन सब के अतिरिक्त अपने प्रचालनों में सुरक्षा को बनाए रखने को सुनिश्चित करने हेतु हमेशा प्रयास किए जाते हैं।

ट्रांसमिशन क्षेत्र

क. प्राकृतिक गैस

गेल, प्राकृतिक गैस के लगभग 206 एमएमएससीएमडी की अखिल भारत क्षमता के साथ 11000 कि.मी. लंबी प्राकृतिक गैस हाइप्रेशर

(एमएमएससीएमडी, % शेयर)

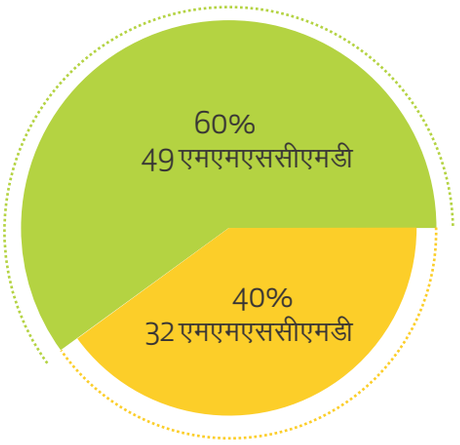

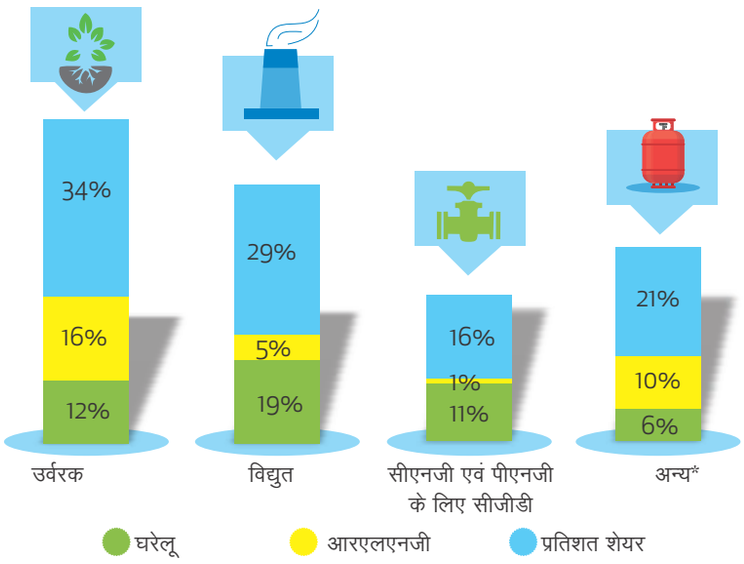

- आयातित गैस में मुख्य रूप से दीर्घावधि आरएलएनजी, मध्यावधि आरएलएनजी और स्पॉट शामिल हैं।
- घरेलू गैस के मुख्य स्रोत ओएनजीसी (एपीएम और गैर–एपीएम), एपीएम तथा पीएससी मूल्यों पर पीएमटी, रावा, रावा सेटलाइट आदि हैं।
- विद्युत एवं उर्वरक कंपनियों से प्राकृतिक गैस की उच्चतम मांग

** अन्यों में इस्पात, रिफाइनरी, स्पोंज आयरन, पेट्रोरसायन, गेल आंतरिक खपत आदि शामिल हैं।*

ट्रंक पाइपलाइन के नेटवर्क का स्वामी है और उसका प्रचालन करता है। औसत–ट्रांसमिशन पिछले वित्तीय वर्ष में 99.09 एमएमएससीएमडी की तुलना में वर्ष 2016–17 के दौरान 100.38 एमएमएससीएमडी थी। तृतीय पक्ष ट्रांसमिशन का शेयर 22.18 एमएमएससीएमडी था।

- **उर्वरक क्षेत्र**

  गेल ने उर्वरक क्षेत्र में वित्त वर्ष 2015–16 में 25.43 एमएमएससीएमडी की तुलना में वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान 28 एमएमएससीएमडी की कुल प्राकृतिक गैस बिक्री (घरेलू+ आरएलएनजी) प्राप्त की। गेल गैस की आपूर्ति के लिए भविष्य में आने वाली / चालू उर्वरक इकाइयों से वार्ता कर रही है और आशा है कि गैस आपूर्ति का करार 2017 के अंत तक पुष्ट हो जाएगा। उर्वरक क्षेत्र के लिए गैस पूलिंग– मंत्रिमंडलीय आर्थिक कार्य समिति (सीसीईए) ने 31.03.2015 को उर्वरक क्षेत्र में गैस पूलिंग की योजना को अनुमोदन दिया। योजना में घरेलू गैस और उर्वरक क्षेत्र में सभी ग्राहकों को एक–समान गैस मूल्य देने के लिए पुनः गैसीकृत तरलीकृत प्राकृतिक गैस (आरएलएनजी) के मूल्य की पूलिंग हेतु एक व्यवस्था स्थापित करना शामिल है। गेल को पूल ऑपरेटर के रूप में नियुक्त किया गया है।

लाभ – इनपुट स्तर पर एक–समान मूल्य ने लगभग 245 एलएमटी यूरिया उत्पादन में सहायता की है, वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान लगभग 20 एलएमटी यूरिया उत्पादन वृद्धि हुई है (वाईओवाई आधार) जिसका कारण यूरिया संयंत्रों को फीडस्टोक (गैस) की अधिक उपलब्धता होना है। वित्त वर्ष 2016–17 में उत्पादन समान स्तर पर रहा है।

- **विद्युत क्षेत्र**

  गेल ने वित्त वर्ष 2016–17 में एमएमएससीएमडी की तुलना में विद्युत क्षेत्र में 23.81 एमएमएससीएमडी की कुल बिक्री की है। गैस आधारित विद्युत क्षेत्र के लिए विद्युत मंत्रालय की योजना वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान जारी रही और पूल ऑपरेटर के रूप में गेल ने गैस आधारित विद्युत संयंत्रों को लगभग 4.0 एमएमएससीएमडी वर्धमान आरएलएनजी की आपूर्ति की जो विद्युत क्षेत्र के संपूर्ण विक्रय में शामिल है। यह योजना 31 मार्च, 2017 को समाप्त हो गई और गेल ने सस्ती दरों पर गैस आधारित विद्युत उत्पादन के लिए प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के अवसरों का पता लगाना जारी रखा।

ख. एजपीजी

गेल भारत की एकमात्र ऐसी कंपनी है जो तृतीय पक्ष उपयोग हेतु एलपीजी ट्रांसमिशन के लिए विशेष पाइपलाइनों की स्वामी है और इनका प्रचालन करती है। इनकी कुल लंबाई 2038 कि.मी. है। इसमें से 1415 कि.मी. पाइपलाइन नेटवर्क भारत के पश्चिम से उत्तरी भागों (जामनगर – लोनी पाइपलाइन) को एलपीजी की ढुलाई करता है और शेष 623 कि.मी. लंबी पाइपलाइन नेटवर्क देश के दक्षिणी भाग (बीजग – सिकंद्राबाद पाइपलाइन) को एलपीजी की ढुलाई करता है। एलपीजी ट्रांसमिशन प्रणाली की 3.83 एमएमटीपीए एलपीजी की ढुलाई करने की क्षमता है। वर्ष 2016–17 में एलपीजी ट्रांसमिशन उत्पादन पिछले वित्तीय वर्ष में 2.82 मिलियन एमटी की तुलना में 3.36 मिलियन एमटी था। विज़ाग–सिकंदराबाद पाइपलाइन (बीएसपीएल) और जामनगर–लोनी पाइपलाइन (जेएलपीएल) दोनों एलपीजी पाइपलाइन पूर्ण क्षमता में चल रही हैं, जेएलपीएल की डिजाइन क्षमता वर्तमान 2.5 से बढ़ाकर 3.25 एमएमटीपीए तक बढ़ाई जा रही है, जिसके मार्च 2018 के अंत तक चालू होने की आशा है। हाल ही के वर्षों के दौरान एलपीजी मांग/खपत में गति आई है, जो इसकी सुदृढ़ संभावनाओं द्वारा एक स्वच्छ, पर्यावरण के अनुकूल, पोर्टेबल तथा सस्ते ईंधन द्वारा समर्थित है और भारत सरकार द्वारा इसकी उपलब्धता का विस्तार करने और दूर–दराज के क्षेत्रों में बाजार स्थापित करने के सशक्त प्रयास किए जा रहे हैं। हमारे देश में एलपीजी की कमी है और वर्तमान में लगभग 60 प्रतिशत मांग आयात द्वारा पूरी की जा रही है। इस तरह गेल के उन्नत एलपीजी उत्पादन के समावेशन की व्यापक संभावना है, और ओएनजी के नए दमन क्षेत्र से अतिरिक्त प्रचुर गैस की उपलब्धता से गेल, एलपीजी की लगभग 15–20 प्रतिशत बिक्री में वृद्धि करने में सफल रहा है तथा इस रुझान के भविष्य में भी बने रहने की संभावना है।

ग. पेट्रोरसायन विपणन

गेल पाता, औरैया (उत्तर प्रदेश) में पट्रोरसायन परिसर का स्वामी एवं प्रचालक है, जिसकी पॉलीमर उत्पादन क्षमता 8.10 लाख एमटीपीए है, जिसे हाल ही में 4.0 लाख एमटीपीए क्षमता वाले एक नए पट्रोरसायन संयंत्र को प्रारंभ करके 4.1 लाख एमटीपीए से बढ़ाया गया है। इस नए संयंत्र ने अपने प्रचालन के पहले वर्ष 1.5 लाख एमटी पॉलीमर का उत्पादन किया। 2016–17 में पॉलीमर का संपूर्ण उत्पादन 6.04 लाख मी.टन था।

वर्ष के दौरान हमने 5.77 लाख मी.टन पॉलीमर की बिक्री का लक्ष्य प्राप्त किया, जो अब तक की बिक्री में सबसे अधिक है और अनुमानित विक्रय टर्न ओवर 5676 करोड़ रुपए था। हमने पॉलीमर का निर्यात भी प्रारंभ किया और वर्ष के दौरान 14,249 मी.टन पॉलीमर की बिक्री की। गेल का पेट्रोरसायन क्षेत्र वित्त वर्ष 2015–16 में (–1,155) करोड़ रुपए के पीवीटी से बढ़कर वित्त वर्ष 2016–17 में 216 करोड़ रुपए के मुनाफे में पहुंच गया।

> हमारे पेट्रोरसायन व्यवसाय की क्षमता पाता–II तथा बीसीपीएल के बनने से दोगुनी हो गई है। अब हमारा फोकस भारत और पड़ोसी देशों में अपने पेट्रोरसायन व्यापार क्षमताओं को सुदृढ़ करने पर होगा, ताकि हम बुनियादी स्तर में एक मुख्य योगदानकर्ता बनने में समर्थ हो सकें।
>
> निदेशक (विपणन)

घ. एलपीजी तथा अन्य तरलीकृत हाइड्रोकार्बन उत्पादन

गेल के देश में पांच स्थानों पर एलपीजी संयंत्र है तथा उत्पादन क्षमता 1.3 मिलियन एमटी एलपीजी तथा अन्य तरलीकृत हाइड्रोकार्बन है। ऊसर एलपीजी रिकवरी संयंत्र, वर्तमान में घरेलू गैस के उपलब्ध नहीं होने के कारण परिरक्षण मोड में है।

2016–17 में, कुल तरलीकृत हाइड्रोकार्बन उत्पादन लगभग 1.11 मिलियन मी.टन था, जिसमें 0.86 मिलियन मी.टनएलपीजी, 0.13 मी. टन प्रोपेन, 0.04 मिलियन मी.टन पेन्टेन और 0.08 मिलियन मी.टन नाफ्था शामिल हैं। गेल ने वर्ष के दौरान बीसीपीएल द्वारा उत्पादित लगभग 13000 मी.टन तरलीकृत हाइड्रोकार्बन उत्पादों का भी विपणन किया।

गेल के अन्य तरलीकृत हाइड्रोकार्बन (एलएचसी) उत्पाद जैसे प्रोपेन, नाफ्था, पेन्टेन, प्रोपीलीन आदि बाजार में, यदि भविष्य में इन उत्पादों की अधिक मात्रा उपलब्ध कराई जाती है तो बाजार में शामिल करने के लिए उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, गेल पाता में 60 केटीए पीपी संयंत्र की और अपने एकक में पांच सौ केटीए प्रोपेन डिहाइड्रोजेशन तथा पॉलिप्रोपीलेन (पीडीएच–पीपी) संयंत्र स्थापित करने की संभावनाओं का भी पता लगा रही है। एलएचसी विपणन के संबंध में मुख्य चुनौती यह है कि एलएचसी उत्पादों की लैडिंग लागत अधिक है। इसे कम करने के लिए जहां–कही संभव होता है, संभार–तंत्र छूट लागू की जाती है।

ड. अन्वेषण तथा उत्पादन (ईएंडपी)

ईएंडपी निवेश गेल को तेल एवं गैस मूल्य श्रृंखला के अप–स्ट्रीम, मिड–स्ट्रीम तथा डाउन–स्ट्रीम क्षेत्रों में उपस्थिति के साथ एकीकृत तेल एवं गैस संस्था बनने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई थी। प्राकृतिक गैस के लिए स्रोत प्राप्त करने के अतिरिक्त ईएंडपी ने प्रवेश करने के कार्यनीति कारण निम्नानुसार हैं:

i. राष्ट्रीय गैस सुरक्षा

ii. व्यवसाय पोर्टफोलियो का वैविध्यकरण

iii. समुद्रपार परिसम्पत्तियों की खरीद के माध्यम से वैश्विक अवसर

पोर्टफोलियो के निरंतर अधिकतम उपयोग के परिणामस्वरूप, गेल अब 12 ईएंडपी ब्लॉकों में भाग लेने की रूचि रखता है, जिसमें से 10 ब्लॉक भारत में और शेष दो ब्लॉक म्यांमार में हैं। इनमें से गेल एक ऑनलाइन ब्लॉक नामत: कैम्बे बेसिन में सीबी–ओएनएन–2010/11 में प्रचालक है जो एनईएलपी–IX बोली दौर में प्रदान किया गया था।

एनईएलपी–IX बोली दौर के दौरान प्राप्त 4 (5 में से) ब्लॉकों में ड्रिलिंग कर चल रहा है। 2 ब्लॉकों नामत: जीके–ओएसएन–2010/1 तथा सीबी–ओएनएन–2010/8 में सरकार को हाइड्रोकार्बन की खोज अधिसूचित की गई हैं। शेष एनईएलपी–IX ब्लॉक एए–ओएनएन–2010/2 में सर्वेक्षण कार्रवाई चल रही है (ऑपरेटर: ओआईएल)।

चार ब्लॉकों (म्यांमार में दो विदेशी ब्लॉक तथा कैम्बे बेसिन में दो घरेलू ब्लॉकों) से राजस्व के कारण तीसरे लगातार वर्ष राजस्व स्व–पोषित रहा है। चार उत्पादक ब्लॉकों नामत: ए–1 एवं ए–3, म्यांमार और सीबी–ओएनएन–2000/1 तथा सीबी–ओएनएन–2003/2 (कैम्बे तटीय) से वर्ष 2016–17 के दौरान हाइड्रोकार्बन की बिक्री से लगभग 615.28 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित हुआ। अपस्ट्रीम परिसम्पत्ति के पोर्टफोलियो की निर्भरता को बनाए रखने तथा निवेश के जोखिम प्रोफाइल के लिए निरंतर समीक्षा की जाती है।

प्राकृतिक गैस सोर्सिंग तथा विपणन

गेल के घरेलू गैस के मुख्य स्रोत निम्नलिखित हैं – ओएनजीसी : एपीएम में मूल्य निर्धारण तंत्र (एपीएम तथा) गैर–एपीएम, पीएमटी तथा उत्पादन शेयरिंग अनुबंध मूल्यों, रावा तथा रावा सेटलाइट को प्रशासित करता है। देश के लिए प्राकृतिक गैस की दीर्घावधि आपूर्ति की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए, गेल ने दीर्घावधि एवं मध्यावधि आरएलएनजी के आयात तथा स्पॉट क्रय के माध्यम से दीर्घावधिक गैस आपूर्ति का अनुबंध किया है। हमने सेबिन पास तरलीकरण एलएलसी, अमेरिका के साथ 3.5 एमएमटीपीए के लिए और डोमेनियन कोव प्वाइंट एलएनजी, अमेरिका के साथ 2.3 एमएमटीपीए के दीर्घावधि एलएनजी आपूर्ति अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस वैश्विक जिन्स की गतिशीलता को ध्यान में रखते हुए, हमने सभी प्रख्यात एलएनजी वितरकों के साथ 55 मास्टर विक्रय – क्रय करारों के लिए मूल्यों पर सफलतापूर्वक समझौते किए हैं।

प्राकृतिक गैस व्यापार में व्यवसाय कारोबार का 76 प्रतिशत शामिल है जो गेल का मुख्य व्यवसाय है। वित्त वर्ष 2015–17 के दौरान गैस की बिक्री पिछले वित्त वर्ष में 73.67 एमएमएससीएमडी की तुलना में 81.21 एमएमएससीएमई रही। घरेलू गैस उपलब्धता 48.5 एमएमएससीएमडी पर रही, जबकि पिछले वर्ष की तुलना में दीर्घावधि आयातित मात्रा की खपत में वृद्धि हुई। सीजीडी क्षेत्र में गैस की खपत 20 एमएमएससीएमडी के जो सबसे तीव्र गति से विकासशील क्षेत्र के रूप में उभरा है।

गैस विपणन के क्षेत्र में हमारे सामने खड़ी चुनौतियां ये हैं कि राष्ट्रीय गैस ग्रिड/कावेरी

गेल के ई एंड पी प्रचालनों का दृश्य

मुहाने में मुख्य ट्रंक पाइपलाइन के साथ कनेक्टिविटी नहीं है, क्षेत्र में घरेलू आपूर्तियों की कमी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को देखते हुए तरल ईंधन के साथ–साथ अनुकूलता की चुनौतियों को कम करने के लिए हमने कोच्चि–बंगलौर/मैंगलौर पाइपलाइन (चरण–II) प्रारंभ की है जो निष्पादन चरण में है।

तापी परियोजना – तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड (टीपीसीएल) में तापी कंपनी द्वारा प्रारंभिक इक्विटी निवेश से संबंधित एक निवेश करार (आईए) पर अप्रैल 2016 में हस्ताक्षर किए गए हैं। टीपीसीएल ने एफआईडी – पूर्व चरण के लिए परियोजना प्रबंधन तथा एफईईडी परामर्श सेवाएं देने के लिए एक परामर्श नियुक्त किया है। जनवरी 2017 में टीपीसीएल ने तुर्कमेनिस्तान में परामर्शदाता के साथ अनुबंध करार पर औपचारिक रूप में हस्ताक्षर किए हैं।

भावी विकास के लिए पहलें

किसी संगठन के लिए व्यवसाय की स्थिरता अनिवार्य है। एक जिम्मेदार संगठन के रूप में गेल हमारे व्यापारिक लक्ष्यों, आकांक्षाओं और दृष्टि के साथ तालमेल बनाते हुए कार्यनीतिक पहल करने में विश्वास रखता है जो टिकाऊ और जिम्मेदार आर्थिक विकास सुनिश्चित करता है।

क. पेट्रोरसायन

गेल को एक महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल कंपनी के रूप में विशेष रूप से एशिया में स्थापित करने के लिए, निर्यात क्षमता को विकसित करने के लिए ध्यान दिया गया था। इस दिशा में एक उपाय के रूप में गेल ने 14,000 मीट्रिक टन पॉलीमर का निर्यात किया। आंध्र प्रदेश में ग्रीनफील्ड नेफ्था/एथेन आधारित पेट्रोकेमिकल परिसर स्थापित करने के लिए गेल हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के साथ विभिन्न अध्ययन कर रहा है। अनुमान है कि इस परियोजना पर लगभग 40000 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

ख. नवीकरणीय ऊर्जा

अपने कार्बन पदचिह्न को कम करने और कम कार्बन अर्थव्यवस्था की दिशा में योगदान करने का हमारा प्रयास है। इस दिशा में एक कदम के रूप में, हमने 118 मेगावाट की पवन ऊर्जा क्षमता स्थापित की है और उसने 89.35 करोड़ रुपए के सकल ब्लॉक के साथ 5 मेगावाट सौर परियोजना की स्थापना की है। पेट्रोकेमिकल परिसर, पाता में स्थित ग्रिड से जुड़े रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र को वित्तीय वर्ष 17–18 में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, गेल कैप्टिव उपयोग के लिए अतिरिक्त केंद्र स्थापित करने और बोली प्रक्रिया के माध्यम से नए सौर परियोजनाओं की स्थापना की संभावना का पता लगा रही है। इसके अलावा, पवन ऊर्जा से राजस्व में 43% की वृद्धि हुई है।

ग. प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजनाएं

वित्तीय वर्ष के दौरान, गेल ने कर्नाटक, गुजरात, गोवा, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र और पंजाब राज्यों में विभिन्न पाइपलाइन नेटवर्क के वाणिज्यिक उपयोग के लिए लगभग 437 किलोमीटर की अंतिम मील कनेक्टिविटी सहित 14 पाइपलाइन परियोजनाएं पूरी की हैं।

घ. कोयला गैसीकरण

गेल एक संयुक्त उद्यम कंपनी नामतः तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के माध्यम से तालचर, जिला अंगुल में सतही कोयला गैसीकरण आधारित यूरिया परियोजना की स्थापना के द्वारा कोयला गैसीकरण क्षेत्र में भी कदम रख रहा है। संघ भागीदारों नामतः गेल, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), नेशनल केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स (आरसीएफ) (प्रत्येक में 29.67% की हिस्सेदारी) और फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एफसीआईएल) (10.99% इक्विटी) के साथ संयुक्त उद्यम का गठन किया गया है। संयुक्त उद्यम कंपनी भारत में अमोनिया, यूरिया का उत्पादन करने वाली पहला कोयला गैसीकरण संयंत्र होगी। 1,1611 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत के साथ परियोजना में 2200 एमटीपीडी अमोनिया और 3850 एमटीपीडी यूरिया के उत्पादन करना निहित है। इस परियोजना की सफलता से प्रचुर मात्रा में उपलब्ध घरेलू कोयले से उर्वरकों के उत्पादन का मार्ग प्रशस्त होगा, जिससे उनके आयात पर निर्भरता कम होगी। जेवी कंपनी ने कोयला गैसीकरण के लिए प्रौद्योगिकी लाइसेंसदाता को चुना है।

आर–एलएनजी पुनर्गैसीकरण टर्मिनल और शिपिंग

भारत एलएनजी का सबसे बड़ा आयातक है। वर्तमान में, भारत में पश्चिमी तट पर स्थापित चार टर्मिनलों (दाहेज, 15 एमएमटीपीए, हाजीरा, 5 एमएमटीपीए, दाभोल, 5 एमएमटीपीए और कोच्चि, 5 एमएमटीपीए) के जरिए प्रतिवर्ष 25 एमएमटीपीए एलएनजी का आयात और पुनर्गैसीकरण करने का आधारभूत ढांचा है। हालांकि, पाइपलाइन कनेक्टिविटी मुद्दों और अधूरी समुद्री सुविधाओं के कारण कोच्चि और दाभोल टर्मिनलों का कम उपयोग होने के कारण वास्तविक आयात क्षमता कम है। एलएनजी पुनर्गैसीकरण टर्मिनलों की स्थापना और पुनः गैस क्षमता बुकिंग स्थायी आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के लिए गेल के कार्य का एक हिस्सा है।

पिछले वर्ष, 2011–15 की चार वर्षीय अवधि में गेल ने 75 कार्गो आयात किए जाने की तुलना में 55 स्पॉट मिड–टर्म एलएनजी कार्गो का आयात किया। गेल ने रत्नागिरी, महाराष्ट्र में आरजीपीपीएल 5 एमएमटीपीए पुनर्गैसीकरण सुविधा में भी भाग लिया।

गेल द्वारा किए गए विभिन्न एलएनजी समझौतों को ध्यान में रखते हुए, जिनसे, 2018 से आपूर्ति किए जाने की आशा है, आरजीपीपीएल के दाभोल एलएनजी टर्मिनल तक पहुंच एलएनजी व्यापार में गेल को अधिक परिचालन लचीलापन प्रदान करती है। वित्तीय वर्ष के दौरान दाभोल टर्मिनल में 15 एलएनजी कार्गो उतारे गए थे। यह टर्मिनल आदर्श रूप से उच्च मांग वाले पश्चिमी और भावी दक्षिणी बाजारों में वितरण के लिए गैस अवसंरचना के व्यापक नेटवर्क के लिए आसान पहुंच के साथ स्थित है। इसके अलावा, ब्रेकवॉटर का निर्माण पूरा भरोसा दिलाएगा कि टर्मिनल पूरे वर्ष परिचालन में रहेगा।

आरजीपीपीएल अपने दीर्घकालिक व्यवहार्यता के लिए सभी हितधारकों के साथ काम कर रहा है, जिसमें संशोधित रिलायंस आरबीआई मानदंडों के तहत पुनर्गठन को सक्षम करने के लिए एलएनजी टर्मिनल और पावर ब्लॉक परिसंपत्तियों के विलय हटाना शामिल हैं, जो पूरी क्षमता प्राप्त करने के लिए ब्रेक वॉटर और अन्य सुविधाओं के निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराएगा, जो एलएनजी टर्मिनल और ऋण पुनर्गठन दोनों संपत्तियों को व्यवहार्य बनाए रखने के लिए आरजीपीपीएल पावर ब्लॉक को बनाए रखेगा और एक नई कंपनी मेसर्स कोंकण एलएनजी प्राइवेट लिमिटेड (केएलपीएल) का गठन किया गया है तथा एलएनजी टर्मिनल को अलग करने के बाद उसका स्वामित्व और प्रचालन केएलपीएल द्वारा किया जाएगा। विद्युत ब्लॉक वर्तमान में चल रहा है और इसका दैनिक औसत उत्पादन 500 मेगावाट है और गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और झारखंड राज्य में रेलवे को बिजली आपूर्ति की जाती है। वित्त वर्ष 16–17 के दौरान, बिजली ब्लॉक ने आरडीएफ (विद्युत प्रणाली विकास निधि) योजना के तहत रेलवे को 4.260 मिलियन यूनिटों की आपूर्ति की। हितधारक (शेयरधारकों और सुरक्षित/असुरक्षित लेनदारों) ने उच्च न्यायालय में विलय हटाने की योजना को अपनी सहमति दी। विलय हटाने की योजना पर अंतिम सुनवाई 29.06.2017 को राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा की गई थी।

भारत की बढ़ती एलएनजी आयात निर्भरता की पृष्ठभूमि को देखते हुए, गैस इक्विटी परिसंपत्तियों का स्वामित्व लेने से, गेल को मूल्य जोखिमों से निपटने में मदद करेगा।

हमने भारत में प्राकृतिक गैस की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कई एलएनजी और अंतर्राष्ट्रीय पाइपलाइन सौदों के माध्यम से कतर, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, रूस और तुर्कमेनिस्तान से एक विविध दीर्घकालिक आयात पोर्टफोलियो रखने के लिए गैस आपूर्ति करने का अनुबंध किया है। ये सौदे प्राकृतिक गैस आधारित अर्थव्यवस्था को विकसित करने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

गेल या उसके सहयोगियों ने भी वैश्वीकरण कार्य–नीति के अनुरूप और घरेलू बाजार की आपूर्ति को बढ़ाने और अंशाकन करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कुछ एलएनजी पोर्टफोलियो का कारोबार किया है। यह संपूर्ण एलएनजी मूल्य श्रृंखला में अपनी उपस्थिति बनाने के लिए गैस की संपत्ति और एलएनजी शिपिंग में अपस्ट्रीम निवेश करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। यह गेल को अपने ग्राहकों को बेहतर मूल्य प्रदान करने में लचीलापन लाने में सक्षम बनाएगा।

धामरा बंदरगाह पर तटीय पुनर्गैसीकरण टर्मिनल

धामरा एलएनजी टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (डीएलटीपीएल), अदानी पेट्रोलियम टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (एपीटीपीएल) के पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी ओडिशा में धामरा बंदरगाह पर 8 एमएमटीपीए के एलएनजी पुनर्गैसीकरण टर्मिनल का विकास कर रही है। गेल एवं आईओसीएल ने टर्मिनल के क्रमशः 1.5 एमएमटीपीए और 3 एमएमटीपीए पुनर्गैसीकरण क्षमता में बुकिंग हेतु और डीएलटीपीएल में 11% और 39% इक्विटी भागीदारी के लिए डीएलटीपीएल के साथ समझौता–ज्ञापन किए हैं। रोलिंग सेवा करार (पुनर्गैसीकरण करार) अंतिम रूप दिए जाने के आखिरी चरण में है जबकि इक्विटी निवेश के लिए उपयुक्त कार्रवाई की जा रही है। धामरा एलएनजी टर्मिनल में भागीदारी का उद्देश्य यह है कि परियोजना से पुनर्गैसीकृत एलएनजी की डाउनस्ट्रीम पाइपलाइन की उपलब्धता के साथ तत्काल ढुलाई की जा सकती है। एनएलजी पुनर्गैसीकरण टर्मिनल को प्रोत्साहन देने और जेएचबीडीपीएल के धामरा–डोभी खंड के बिछाए जाने से गेल पोर्टफोलियो से एलएनजी के निपटान तथा पाइपलाइन के प्रयोग को सुनिश्चित करने एवं गैस की अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए क्षेत्र में बाजार की व्यापक पहुंच प्राप्त करने के दोहरे उद्देश्य को पूरा किया जा सकेगा।

एलएनजी आपूर्ति श्रृंखला

गेल स्पॉट/अल्पावधि आधार पर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एलएनजी आपूर्तिकर्ताओं के माध्यम से एलएनजी का आयात कर रहा है और सभी एलएनजी आयात को उच्च मूल्य वाली वस्तु माना जाता है। तदनुसार, अपने उच्च मूल्य की संविदागत प्रतिबद्धताओं के कारण एलएनजी की आपूर्ति के लिए सभी सप्लायर समान रूप से महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, गेल समय–समय पर घरेलू आपूर्तिकर्ता से आरएलएनजी की खरीद भी करता है और सभी आरएलएनजी सप्लायर्स को उच्च मूल्य वाली वस्तु खरीदने के लिए और सीमित उपलब्धता के कारण, महत्वपूर्ण श्रेणी 1 प्रदायक माना जाता है। आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन की शीर्ष पांच प्राथमिकताओं में एलएनजी की आपूर्ति, लोड–पोर्ट में एलएनजी लोड करना, परिवहन/डिस्चार्ज पत्तन शिपिंग, अनलोडिंग और री–गैस टर्मिनल पर रि–गैस तथा आरएलएनजी की ढुलाई, बैटरी सीमा तथा डिलीवरी और सबसे प्रतिस्पर्धी मूल्य पर डाउनस्ट्रीम ग्राहकों के लिए आरएलएनजी का विपणन शामिल है।

नगर गैस वितरण

घरेलू, वाहन और वाणिज्यिक उपयोग के लिए स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने और स्मार्ट शहरों के विकास की सुविधा के लिए, गेल ने अपने शहर के गैस वितरण नेटवर्क का विस्तार करने की योजना बनाई है। गेल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक गैल गैस लिमिटेड, कोटा, देवास, मेरठ, सोनीपत, बेंगलूरु और ताज ट्रैपीजियम के शहरों और हरिद्वार, उत्तरी गोवा एवं वडोदरा में अपने संयुक्त उद्यमों के जरिए सीजीडी परियोजनाओं को लागू कर रही है। इसके अलावा, उर्जा गंगा परियोजना (जगदीशपुर, हल्दिया, बोकारो, धामरा पाइपलाइन परियोजना) के एक भाग के रूप में, गेल स्वयं या स्वयं की सहायक कंपनी के माध्यम से पूर्वी भारत के छह नए शहरों में सीजीडी को लागू करेगा। कोलकाता में सीजीडी हमारे संयुक्त उद्यम के माध्यम से संचालित की जाएगी। गेल अपनी सहायक और जेवी कंपनियों के माध्यम से सीएनजी स्टेशनों के 63% से अधिक का स्वामी है और उसका घरेलू पीएनजी कनेक्शन का 50% हिस्सा है। वित्त वर्ष 16–17 में सीजीडी क्षेत्र द्वारा 20 एमएमएससीएमडी गैस की खपत के कारण यह तेजी से बढ़ते क्षेत्र के रूप में उभरा है। बेंगलुरु में, गेल गैस ने 42 किलोमीटर की स्टील पाइपलाइन और 245 कि.मी. एमडीईई पाइपलाइन नेटवर्क बिछाई है। वित्तीय वर्ष के दौरान 19,370 घरेलू ग्राहक जोड़े गए। गेल गैस ने बेंगलुरु में 3 सीएनजी स्टेशन भी चालू किये और 1 सीएनजी स्टेशन पर वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2017–18 में 10 सीएनजी स्टेशनों की योजना बनाई गई है

- पीएनजी – 30.11.2017 को, लगभग 39.22 लाख परिवारों को भारत में पीएनजी कनेक्शन से लाभ मिला है। 39.22 लाख पीएनजी (डी) कनेक्शन में से 22.09 लाख पीएनजी कनेक्शन (56.32%) गेल सीजीडी जेवी/सहायक कंपनियों द्वारा प्रदान किए गए हैं। ग्रामीण/दूरदराज के इलाकों में रहने वाले परिवारों को एलपीजी कनेक्शन से लाभ मिल रहा है।
- सीएनजी स्टेशन और वाहन – 30.11.2017 तक गेल द्वारा भारत में कुल 1282 सीएनजी स्टेशनों में से लगभग 65-30% सीएनजी स्टेशनों को और भारत में 30.11.2017 तक कुल 29.66 लाख सीएनजी वाहनों को लगभग 65.94% सीएनजी वाहनों को आपूर्ति की है।

वित्त वर्ष 16–17 तक संचयी सीजीडी आंकड़े

क्र. सं.	सीजीडी इक्विटी	आईजीएल	एमजीएल	एमएन जीएल	सीयूजी एल	जीजीएल	एजीएल	बीजीएल	टीएनजी सीएल	गेल गैस	कुल
1.	भौगोलिक क्षेत्रों में प्रचालन	दिल्ली, नोएडा और ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद	मुंबई, ठाणे और आसपास के क्षेत्र	पुणे	कानपुर, बरेली	आगरा, लखनऊ	इंदौर (उज्जैन), ग्वालियर	हैदराबाद, विजयवाड़ा, काकीनाडा	त्रिपुरा	सोनीपत, मेरठ, देवास, कोटा, टीटीजेड, बैंगलुरु	
2.	घरेलू पीएनजी कनेक्शनों की संख्या	742206	948892	50851	19333	16200	12658	6608	28669	34677	1860094
3.	औद्योगिक कनेक्शन	932	62	129	51	8	75	5	50	498	1810
4.	वाणिज्यिक कनेक्शन	1816	3218	169	177	23	58	59	354	58	5932
5.	सीएनजी स्टेशन	421	203	42	18	19	22	41	6	16	788
6.	सीएनजी वाहन	892319	545505	140378	56599	41318	22190	39246	9103	22882	1769540

डीजल वाहनों की तुलना में सीएनजी वाहनों के लाभ

- कम सल्फर मात्रा, कम एनओएक्स उत्सर्जन कम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन, कम दृश्यमान पीएम/कालीख और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण सीएनजी वाहन बीएस–IV के डीजल वाहनों की तुलना में पर्यावरण के अधिक अनुकूल हैं।
- सीएनजी वाहन लुब्रिकेंट तेलों की आयु बढ़ाते हैं क्योंकि सीएनजी क्रैंककेस तेल को दूषित और पतला नहीं करता है।
- सीएनजी वाहनों में, बिखराव या वाष्पीकरण से कोई ईंधन हानि नहीं होती क्योंकि सीएनजी ईंधन प्रणाली होती है।

लंबी अवधि में सीएनजी बसें डीजल बसों की तुलना में अधिक किफायती हैं। नई बीएस–IV अनुरूप डीजल बसों और सीएनजी बसों के बीच लागत लाभ विश्लेषण से पता चलता है कि नई सीएनजी बसें लंबी अवधि में लागत का 12% भाग बचाती हैं।

ऊर्जा गंगा

भारत को स्वच्छ वैकल्पिक ईंधन यानी प्राकृतिक गैस के साथ ऊर्जाशील बनाने और पूर्वी भारत में राष्ट्रीय प्राकृतिक गैस ग्रिड का विस्तार करने के उद्देश्य से, ''प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा पाइपलाइन परियोजना'' गेल द्वारा चलाई गई है। 2540 कि.मी. पाइपलाइन परियोजना उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के पूर्वी भाग से गुज़रती है। ऊर्जा गंगा सात शहरों – वाराणसी, भुवनेश्वर, कटक, कोलकाता, पटना, रांची और जमशेदपुर में शहर के गैस वितरण (सीजीडी) के लिए बुनियादी ढांचे को सक्षम बनाएगा। यह परियोजना दिसंबर 2020 तक पूरा हो जाने के लिए निर्धारित है।

यह पाइपलाइन गोरखपुर, बरौनी और सिंदरी में उर्वरक संयंत्रों को गैस की आपूर्ति करेगी। पाइपलाइन के दो गैस स्रोत होंगे, एक फूलपुर (इलाहाबाद, यूपी) में और दूसरा धमरा आरएलएनजी टर्मिनल (ओडिशा) में होगा। पाइपलाइन नेटवर्क की क्षमता 16 एमएमएससीएमडी है।

12490 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत में से, कुल परियोजना लागत का चालीस प्रतिशत अर्थात् 5,176 करोड़ रुपए बजटीय सहायता के रूप में प्रदान किए जाएंगे, जिसे सरकार पहली बार गैस से वंचित भारत के पूर्वी हिस्से द्वारा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में योगदान के लिए, परियोजना के अंतर्गत भुगतान कर रही है।

यह ट्रंक पाइपलाइन निवेश सिटी गैस वितरण, एलएनजी टर्मिनल, उर्वरक संयंत्र पुनरुद्धार आदि में बुनियादी ढांचा सृजन के लिए निकट भविष्य में 50,000 करोड़ रुपए से अधिक राशि कैस्केडिंग निवेश को बढ़ाएगा। यह देश के ऊर्जा मिश्रण में गैस का अनुपात वर्तमान 6.5% से बढ़ाकर 15% करने का प्रयास भी है।

जगदीशपुर–हल्दिया–बोकारो–धामरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) परियोजना

खंड 1	खंड 2	खंड 3
फूलपुर (यूपी) – डोभी के साथ वाराणसी, गोरखपुर, पटना और बरौनी तक स्परलाइन	डोभी–दुर्गापुर और धामरा–अंगुल के साथ सिंदरी दुर्गापुर, भुवनेश्वर, कटक, पारादीप और जगदीशपुर तक स्परलाइन। खंड 2 और 3 को एक साथ क्रियान्वित किया जा रहा है।	बोकारो–अंगुल–दुर्गापुर–हल्दिया तथा रांची, राउरकेला, संबलपुर, झारसुगुडा और कोलकाता तक स्परलाइन

ऊर्जा गंगा

5 पूर्वी राज्यों की मांग को पूरा करने के लिए (40 जिले और 2,600 गांव)

सिटी गैस वितरण (सीजीडी) से 7 शहरों तक

समापन तिथि: दिसंबर 2020

परियोजना की लागत:

12,940 करोड़ रुपए

लाभप्रदता पहल

परियोजना लाभ उच्चयीकरण (संचय)

चुनौतियों का सामना करना, जैसे कि बाहरी कारकों जैसे गैस कारकों में उतार–चढ़ाव, घरेलू गैस की मात्रा, तेल और गैस की कीमतों में परिवर्तन और पेट्रोकेमिकल/एलएचसी आदि की कीमतों के मुनाफे को बनाए रखना। इसलिए, सभी परियोजनाओं में ''परियोजना संचय'' के तहत एक व्यापक पहल प्रारंभ की गई। मौजूदा संसाधनों को अनुकूलित करने, परिचालन और प्रक्रिया क्षमता में सुधार, लागत को कम करने और लाभप्रदता को अधिकतम करने के लिए, संगठन की व्यवसाय प्रक्रिया मुनाफे को अधिकतम करने के संभावित अवसरों की पहचान करने के लिए कंपनी विस्तार के साथ व्यावसायिक प्रक्रियाओं का व्यापक मूल्यांकन किया गया। विभिन्न पहलों की पहचान करके उन्हें कार्यान्वित किया गया, जबकि कुछ दीर्घकालिक पहल कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। परियोजना संचय के तहत कार्यान्वित पहलों से लाभ लक्षित मूल्यों से अधिक है।

वित्तीय प्रबंधन प्रथाओं में सुधार

- केन्द्रीकृत समुद्री बीमा पॉलिसी की गई है जिससे समुद्री पॉलिसी लागत और स्थल–वार उतार–चढ़ाव में कमी लाई गई है।
- वित्त लागत में बचत करने के लिए ऑयल इंडस्ट्री डेवलपमेंट बोर्ड (ओआईडीबी) से 970 करोड़ रुपए के मौजूदा उच्च लागत वाले ऋण का पूर्व–भुगतान।
- 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर एसएमबीसी लोन (1,950 करोड़) का पुनः वित्त–पोषण वर्ष 2017 में किया गया है जिसके परिणामस्वरूप अगले दो वर्षों में 37 करोड़ रुपए के ब्याज में बचत होगी।
- पाता की आंतरिक खपत के लिए पहली बार पदार्थ प्रतिरक्षा लेनदेन किया गया। वित्त वर्ष 16–17 के दौरान पाता के लिए किए गए प्रतिरक्षित लेनदेन के कारण उत्पादन की अतिरिक्त लागत 1.2 मिलियन अमरीकी डॉलर तक घट गई।
- प्राकृतिक हेज तंत्र के अंतर्गत विदेशी मुद्रा ऋण के पुनर्भुगतान के लिए लगभग 66 मिलियन अमरीकी डॉलर का फार्वर्ड कवर बुक किया गया।

अध्याय

08

सार्वजनिक नीति और परामर्श

ताजमहल
"स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थल"

ऊर्जा गंगा

40 जिले और
2600 गांव शामिल

"भारत को एक विस्तारित नीति की आवश्यकता है जिसका उद्देश्य देश के ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की खपत को मौजूदा 6 प्रतिशत से दुगुना करके 15 प्रतिशत करना होना चाहिए।"
–बी.सी. त्रिपाठी,
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गेल

सार्वजनिक नीति और परामर्श

भारत ने अपने आर्थिक–सामाजिक और जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों में एक बड़े परिवर्तनकारी चरण में कदम रखा है। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते ऊर्जा बाजारों में से बना हुआ है। भारत सरकार ने मूल्य श्रृंखला के आधार पर नीति विकास पर ध्यान केंद्रित किया है जो गैस आधारित अर्थव्यवस्था में बदलाव की जोरदार समर्थन करेगी।

हम नियमित रूप से विनियामक निकाय पीएनजीआरबी के साथ नियमित रूप से संपर्क में रहते हैं, ताकि उन्हें स्थिति और उद्योग के दृष्टिकोण पर अद्यतन जानकारी दी जा सके। यह हमारी व्यापार कार्य–नीतियों और लक्ष्यों के विकास में सहायक है और सहायक सरकारी माहौल प्राप्त करने में मदद करता है। हम एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम हैं और विभिन्न सरकारी निकायों जैसे एमओपीएनजी, पीपीएसी, ओआईएसडी, पीसीआरए आदि को नियमित आधार पर औपचारिक और अनौपचारिक समर्थन प्रदान करते हैं। यह सार्वजनिक कल्याण में उन्नति के लिए एक महत्वपूर्ण आधार है। हमने प्राकृतिक गैस का उपयोग करने के फायदों के बारे में बड़े पैमाने पर जागरूकता पैदा करने के लिए सभी चैनलों को बड़े पैमाने पर लाभ उठाया है। हमारे हवा बदलो अभियान ने पूरे राष्ट्र में जनता के बीच जागरूकता का सृजन किया है।

इसके अतिरिक्त, हम विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योग निकायों और संगठनों का हिस्सा हैं जो उद्योग के मुद्दों पर चर्चा करने और उद्योग की आवाज को सामूहिक तरीके से बेहतर समावेशी नीतियां बनाने और उनमें सुधार लाने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। यह सार्वजनिक सामग्रियों की उन्नति के लिए एक महत्वपूर्ण आधार है।

श्रेष्ठ प्रदर्शनी में गेल के स्टॉल में
प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा के प्रदर्शन का एक दृश्य

सरकार और विनियामक एजेंसियां

एक केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम होने के कारण, हम न केवल दीर्घकालिक लाभप्रदता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, बल्कि अपने सभी हितधारकों के साथ दीर्घकालिक स्थिर संबंध सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हमारे दृष्टिकोण के ब्योरे द्वारा निर्देशित होने के फलस्वरूप, हम विश्वास को बनाए रखते हैं और अपने सभी हितधारकों के लिए मूल्य सृजन सुनिश्चित करते हैं। हम सीधे भारत सरकार के प्रति जवाबदेह हैं क्योंकि यह हमारे प्रमुख हितधारकों में से एक है, जिसमें उसका 54.43% शेयर हैं। हम सरकार को अपने प्रदर्शन और संबंधित घटनाओं के बारे में साझा करते हैं और उन्हें अद्यतन जानकारी देते हैं। पारदर्शिता और हमारे व्यापार, शासन, वित्तीय और गैर–वित्तीय प्रदर्शन के बारे में जानकारी साझा करना, और संभावनाओं को बनाए रखा जाता है और उनके लिए नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

हमारा ध्यान केवल व्यक्तिगत चिंताओं की बजाय व्यापक सामाजिक–राजनीतिक चिंताओं पर

नियामकों के साथ दीर्घकालिक सहकारी संबंध बनाए रखने पर रहता है। यह जोखिम प्रबंधन और न्यूनीकरण की कार्य–नीति के रूप में भी कार्य करता है क्योंकि अति–सूक्ष्म और सूक्ष्म स्तर पर और भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों के स्तर पर विचार किया जाता है। हम नियमित अंतराल पर भी चर्चा करते हैं और एमओपीएनजी और अन्य नियामकों के साथ निकट समन्वय बनाए रखते हैं। हम संसदीय प्रश्नों, संसदीय संदर्भ और संसदीय समिति की बैठकों के बारे में एमओपीएनजी के साथ कार्यरत हैं। हम लोकसभा सचिवालय/राज्यसभा सचिवालय के विभिन्न संचार और संसदीय समितियों की बैठकों के संबंध में अधिकारियों के साथ निकट समन्वय बनाए रखते हैं।

भारत सरकार ने गैस क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए नई नीतियां आरंभ की हैं ताकि घरेलू उत्पादन में वृद्धि हो सके। कुछ प्रमुख नीतिगत पहल निम्नानुसार हैं:

1. सीएनजी और पीएनजी के लिए घरेलू गैस का 100% आवंटन
2. स्ट्रेंड गैस आधारित बिजली उत्पादन क्षमता के उपयोग के लिए नीलामी आधारित ई–बिड आरएलएनजी तंत्र
3. केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम 1956 संशोधन, सामान्य वाहक पाइपलाइन के माध्यम से आवागमन के आधार पर गैस की अंतरराज्यीय बिक्री को सक्षम करेगा। इससे ग्राहकों के लिए गैस की वितरित लागत कम हो जाएगी
4. गहरे/अत्यधिक गहरे पानी और उच्च दबाव–उच्च तापमान क्षेत्रों से नए गैस उत्पादन के लिए विपणन और मूल्य निर्धारण स्वतंत्रता।
5. हाइड्रोकार्बन अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति, सहायता: भविष्य के लिए एक अभिनव नीति जो सभी हाइड्रोकार्बन जैसे तेल, गैस, कोयला बैंड मीथेन आदि को एकल लाइसेंसिंग प्रणाली में कवर करने के लिए एक समान लाइसेंसिंग प्रणाली प्रदान करती है।
6. लघु, मध्यम आकार की और खोजे गए क्षेत्रों के लिए उत्पादन हिस्सेदारी करार के विस्तार देने की नीति।

प्राकृतिक गैस आधारित अर्थव्यवस्था का एक मामला

पृष्ठभूमि

भारत विश्व में ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। बढ़ती आबादी के अनुरूप आर्थिक विकास ने भारत में कोयला, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस जैसे प्राथमिक ऊर्जा संसाधनों की खपत में वृद्धि की है। 2009–2016 के दौरान देश की प्राथमिक ऊर्जा खपत सीएजीआर 4% से बढ़कर 724 एमटीओई तक पहुंच गईं हालांकि, भारत के प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस का हिस्सा 2009 में 10% से घटकर 2016 में 6% हो गया, जिसका मुख्य कारण घरेलू आपूर्ति में तेज गिरावट आना था, जबकि विश्व स्तर पर, प्राकृतिक गैस 24% ऊर्जा आपूर्ति प्रदान करता है, भारत में प्राकृतिक गैस का हिस्सा नाममात्र 6% है

विद्युत, उर्वरक, सीजीडी, रिफाइनरीज और पेट्रोकेमिकल्स प्रमुख गैस उपभोक्ता क्षेत्र हैं। भारत सरकार के पास एक गैस आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए एक दृष्टिकोण है और इसके लिए गैस के इस हिस्से के लिए देश के समग्र ऊर्जा मिश्रण में 6.2% के वर्तमान स्तर में पर्याप्त रूप से वृद्धि की आवश्यकता है। लेकिन भारत में गैस की मांग और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए, गैस क्षेत्र में सुधारों को शुरू करना होगा।

1. वायु प्रदूषण

डब्लूएचओ द्वारा 2016 में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, विश्व के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से आधे से ज्यादा भारत में हैं जो संकेत करते हैं कि औद्योगिक एवं वाहन प्रदूषण देश के बड़े हिस्से को प्रभावित करते हैं। वायु प्रदूषण एक राष्ट्रीय समस्या है और इसके विरूद्ध संघर्ष करने के लिए, हमें एक देश के रूप में और शहर या यहां तक कि क्षेत्रीय सीमाओं के रूप में कार्य करने की आवश्यकता है। वायु प्रदूषण को रोकने के समर्थन में गेल में कई पहल की जा रही हैं।

- **थर्मल पावर क्षेत्र**

भारत का विद्युत क्षेत्र, जो मुख्य रूप से कोयला आधारित संयंत्रों पर आधारित है, भारतीय उद्योग के सबसे प्रदूषणकारी क्षेत्रों में से एक है। कोयला आधारित विद्युत वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता का 58% है। भारतीय विद्युत क्षेत्र द्वारा खराब गुणवत्ता वाले कोयले के उपयोग के कारण प्रदूषण चुनौतियां बहुत बड़ी हैं। कोयला इसलिए पसंदीदा ईंधन है क्योंकि यह बहुतायत में है और इसका खनन करना आसान है, यह विश्वसनीय और प्रेषणीय विद्युत प्रदान करता है। भूमि और पानी कम लागत पर उपलब्ध कराया जाता है; प्रदूषण मानदंड कड़े नहीं हैं, अंत में, स्वास्थ्य प्रभाव और पर्यावरणीय क्षति जैसी बाहरी लागतें, टैरिफ में शामिल नहीं हैं। ये कोयले से बिजली के उत्पादन को ''सस्ता'' बनाते हैं।

आईएमएफ द्वारा हाल में किए गए एक अध्ययन (ऊर्जा मूल्य प्राप्त करना: सिद्धांत से व्यवहार तक, 2014) ने विश्व भर में 150 से अधिक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रदूषकों (एनओ, एसओ और पीएम) की कुल लागत का अनुमान लगाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रणाली प्रति टन एनओएक्स उत्सर्जन से 5,683 अमेरिकी डॉलर, प्रति टन एसओ उत्सर्जन पर 73933 डॉलर और कोयले से चालित बिजली संयंत्र के प्रति टन उत्सर्जन से 5636 अमेरीकी डॉलर के अतिरिक्त लागत खर्च करता है (आधार वर्ष के रूप में 2010 अमरीकी डॉलर)।

इस लागत का उपयोग कोयले फार्यर्ड विद्युत संयंत्र के प्रेषण की कुल लागत का निर्धारण करने के लिए किया जा सकता है। यदि इस लागत को कोयले, बिजली संयंत्रों में जोड़ दिया जाए तो उनकी औसत प्रेषण लागत कम से कम 2.30 रुपए प्रति केडब्ल्यूएच होगी। गैस आधारित बिजली संयंत्रों की तुलना में, गैस आधारित ऊर्जा संयंत्रों से स्वास्थ्य प्रभाव, मुख्य रूप से अत्यधिक कम पीएम, एनओ और एसओ उत्सर्जन होने के कारण 0.25/कि.वॉट से कम है।

इसी तरह, ''एडीबी द्वारा किए गए एक–समान अध्ययन'' एशिया में पावर संयंत्र से वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों का मूल्यांकन: एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका'' से यह निष्कर्ष निकाला गया कि कमी के उपायों की अनुपस्थिति में समाज पर प्रदूषण की भारी लागत 12.58 सेंट/केडब्ल्यूएच (8.2 रुपए/केडब्ल्यूएच) है।

भावी मार्ग–गैस आधारित ऊर्जा क्षमता के बावजूद, ऊष्मा दर कारक में अतिदक्ष और पर्यावरणीय मानदंडों के अनुरूप होने के बावजूद, अभी तक बिजली और अन्य क्षेत्रों में ईंधन को उचित श्रेय नहीं दिया गया है।

वर्तमान में, 25 जीडब्ल्यू स्थापित गैस आधारित क्षमता में से, लगभग 14 गीगावॉट क्षमताएं स्थिर हैं और बाकी क्षमता (10 गीगावॉट) पूरी तरह से कम मात्रा वाली है। इससे पहले भारत सरकार की पीएसडीएफ योजना ने ग्रिड की 1200 मेगावाट की गैस आधारित बिजली में अतिरिक्त 5 एमएमएससीएमडी गैस की वृद्धि की जिस पर लगभग 1730 करोड़ रु. का निर्बल व्यय आया। गेल ने इस योजना में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वह पूल ऑपरेटर था। इस योजना को मार्च 2017 में बंद कर दिया गया। इसी तरह की योजना का पुन: प्रारंभ करने से ट्रैंडेड गैस आधारित बिजली संयंत्रों के उपयोग में मदद मिल सकती है, जिससे देश में स्वच्छ बिजली की आपूर्ति हो सके।

अक्टूबर 2017 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली–एनसीआर और आसपास के 3 राज्यों (राजस्थान, यूपी और हरियाणा) में पेटकोक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया था ताकि विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में से इस शहर में हवा को स्वच्छ किया जा सके। प्रदूषण से लड़ने के प्रयास में सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से उद्योगों को बिजली बनाने के लिए पेट कोक और भट्ठी तेल के इस्तेमाल पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाने की दिशा में कदम उठाने का अनुरोध किया था।

- **पेटकोक और एफओ जैसे प्रदूषणकारी औद्योगिक ईंधन के प्रभाव**

भारत पेट्रोलियम कोक, जो पेटकोक के रूप में जाना जाता है, का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। भट्ठी तेल (एफओ) और पेट–कोक अत्यधिक प्रदूषित ईंधन के साथ उच्च स्तर का सल्फर है और इसके अलावा विभिन्न धातुओं का महत्वपूर्ण मिश्रण है। एफओ में 15,000–23,000 पीपीएम के बीच और पेटकोक में 69,000 से 74,000 पीपीएम पेटकोक के जलने से विभिन्न लाभ प्रदूषण के उच्च मिश्रण के उत्सर्जन के कारण एक स्वास्थ्य खतरा बन जाता है। पेटकोक को रिफाइनरी उप–उत्पाद के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जो इसे औद्योगिक पर्यावरणीय नियमों की कठोरता से बाहर रखता है, और औद्योगिक ईंधन के रूप में इस्तेमाल होने पर इसके खतरनाक स्वास्थ्य प्रभावों को पूरी तरह से अनदेखा कर देता है। कोयले की तुलना में यह अपेक्षाकृत सस्ता है क्योंकि इसमें बहुत अधिक ऊष्मीय मात्रा होती है। पेटकोक का आयात भारत की खपत के 50% से अधिक है और संयुक्त राज्य अमेरिका में इसके उपयोग के प्रतिबंधों के साथ भारत में इसके उपयोग की वर्ष प्रति–वर्ष वृद्धि होने और चीन में तेजी से बढ़ने की उम्मीद है।

गैसोलीन और डीजल के लिए प्रस्तावित ईंधन की गुणवत्ता भारत चरण VI विनिर्देश को पूरा करने के लिए अधिकतम स्वीकार्य सल्फर को 10 पीपीएम पर प्रतिबंध लगाती है। तेल पीएसयू बीएस VI ऑटो ईंधन के लिए भारी निवेश करने जा रहे हैं। लेकिन पेटकोक और एफओ जैसे प्रदूषणकारी ईंधन द्वारा उत्सर्जन के माध्यम से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना जारी है। बीएस VI के लिए निवेश का पूरा लाभ लेने के लिए पेटकोक एंड एफओ को देश में ईंधन के रूप में इस्तेमाल करना बंद करना महत्वपूर्ण होगा।

भावी मार्ग – गेल का भारत में गैस पाइपलाइन का विशाल नेटवर्क है। गैस पाइपलाइन के बुनियादी ढांचे की उपलब्धता के आधार पर इन ईंधन का उपयोग करने वाले ज्यादातर उद्योग प्राकृतिक गैस का उपयोग कर सकते हैं। इन उद्योगों को गैस की आपूर्ति के लिए गेल के पास आवश्यक बुनियादी ढांचे हैं।

प्राकृतिक गैस ज्वलित होने पर कोयले से 50% कम और तेल की तुलना में 20.30% कम सीओ2 उत्सर्जित करती है। बिजली उत्पादन में या परिवहन ईंधन के रूप में उपयोग किए जाने पर प्राकृतिक गैस से सल्फर डाइऑक्साइड (एसओ 2), नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओ), पारा (एचजी), उत्सर्जन अन्य ईंधन की तुलना में नगण्य होता है। प्राकृतिक गैस के बढ़ते उपयोग ने स्थानीय वायु गुणवत्ता और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पर्यावरण और स्वास्थ्य पर जीवन चक्र के प्रभाव को देखते हुए, कोयला और तरल ईंधन की तुलना में प्राकृतिक गैस अधिक लाभदायी जीवाश्म ईंधन है। कोयले के विपरीत, प्राकृतिक गैस को इसके शुद्धिकरण के लिए भारी मात्रा में पानी की आवश्यकता नहीं होती है और यह भूजल को दूषित नहीं करती है। इसके अलावा, यह या तो पाइपलाइन के माध्यम से गैस या बंद क्रायोजेनिक पोत के माध्यम से तरल के रूप में पहुंचाया जाता है और इसलिए ढुलाई के दौरान हवा को दूषित नहीं करता है। कोयला और गैस आधारित बिजली संयंत्र के पूरे जीवन चक्र से प्रदूषक और ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन के स्तर में बड़ा अंतर है और गैस आधारित बिजली संयंत्र का कोयला आधारित संयंत्र की तुलना में महत्वपूर्ण लाभ है।

2. राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के प्रति भारत की प्रतिबद्धता

पेरिस समझौते के तहत भारत ने 2005 के स्तर के संदर्भ में जीडीपी की उत्सर्जन सघनता 33% से 35% कम करने की शपथ ली है। भारत 2022 तक नवीकरणीय क्षमता 175 जीडब्ल्यू प्राप्त करने के लिए एक सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रम को लागू कर रहा है। हालांकि, अक्षय ऊर्जा स्रोतों से इनमें से अधिकतर आपूर्ति दैनिक और मौसमी विविधताओं के कारण परिवर्तनीय और अनिश्चित हैं। प्रणाली में आरई क्षमता का एकीकरण और विश्वसनीयता बनाए रखना एक गंभीर चुनौती है।

भावी मार्ग – प्राकृतिक गैस, कम उत्सर्जन और विश्वसनीय आपूर्ति के साथ, ग्रिड को संतुलित करने और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के लिए ग्रिड एकीकरण की अधिक से अधिक डिग्री प्राप्त करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, गैस आधारित टरबाइन को बिजली की मांग के मुकाबले तेजी से बढ़ाया जा सकता है, और इसलिए अक्षय ऊर्जा के साथ एकीकृत होने पर लाभ प्राप्त होता है। देश के निम्न कार्बन लक्ष्यों को देखते हुए, प्राकृतिक गैस का अक्षय ऊर्जा के साथ एकीकरण सही विकल्प है। ऐसा अनुमान है कि 2022 तक 175 जीडब्ल्यू आरई को एकीकृत करने के लिए भारतीय विद्युत प्रणाली को 55 एमएमएससीएमडी गैस की आवश्यकता होगी। लगभग 14 जीडब्ल्यू गैस आधारित क्षमता स्ट्रैंडेड है और शेष 10 गीगावॉट बहुत कम पीएलएफ के साथ चल रही है। ये गैस आधारित संयंत्र ग्रिड संतुलन और आरईए एकीकरण के अंतराल की आवश्यकता की भूमिका निभाने में सक्षम है। यह नवीनीकृत–गैस मॉडल देश की प्रदूषण की समस्याओं को कम करने और एनडीसी के लक्ष्य को पूरा करने में मदद कर सकता है।

गैस क्षेत्र के विकास के लिए उपयुक्त नीति की आवश्यकता:

विश्व में प्राकृतिक गैस के पर्यावरणीय लाभों को ध्यान में रखते हुए, विकसित देश गैस आधारित अर्थव्यवस्था की तरफ बढ़ रहे हैं। अमेरिका में शेल गैस की वृद्धि और विश्व स्तर पर प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में हुई वृद्धि से भारत को प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में गैस का हिस्सा बढ़ाने का एक अनूठा अवसर है।

भारत में गैस क्षेत्र की मौजूदा चुनौतियों में शामिल हैं – संभाव्य मांग, अनिश्चित स्पष्ट अंतर्राष्ट्रीय एलएनजी कीमतें, मूल्य संवेदनशील भारतीय बाजार, तरलता/बाजारों की कमी आदि को पूरा करने के लिए घरेलू गैस की अपर्याप्त उपलब्धता।

गैस आधारित अर्थव्यवस्था के परिवर्तन के लिए और 2005 के स्तर से 2030 तक राष्ट्र के राष्ट्रीय रूप में निर्धारित योगदान उद्देश्य से अपने जीडीपी के कार्बन उत्सर्जन की सघनता में 33% से 35% तक सुधार करने की प्रतिबद्धता को तेजी से पूरा करने के लिए घरेलू उत्पादन पर उपयुक्त कार्य–योजना, उचित नीति और उपयुक्त नीति सहित नियामक ढांचे और कर्तव्यों और कराधान संरचना में आमूल–चूल परिवर्तन करने की आवश्यकता है। गेल की 11000 कि.मी. लंबी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का एक व्यापक नेटवर्क है और यह देश को गैस आधारित अर्थव्यवस्था को प्राप्त करने के उद्देश्य से देश के विभिन्न राज्यों में भावी बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रही है।

भारतीय गैस क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों और इस क्षेत्र में विकास को हासिल करने के लिए आवश्यक योग्य संस्थाओं को शामिल करने के लिए गेल सक्रिय रूप से विभिन्न एजेंसियों और अधिकारियों जैसे एनआईटीआई आयोग, एमओपीएनजी, एमओईएफ, एमओपी, सीईए, सीपीसीबी, सीएसई के साथ सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

हवा बदलो – वायु पहल में बदलाव

दुनिया में वायु प्रदूषण मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा जोखिम कारण है। गेल, हवा बदलो पहल का समर्थन करता है, ताकि लोगों को सीएनजी/बिजली के वाहनों, कार पूलिंग, और सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल करने जैसी वायु अनुकूल आदतों के संबंध में प्रतिबद्ध होने के लिए प्रेरित किया जा सके। यह केवल एक कॉर्पोरेट अभियान ही नहीं है, बल्कि समग्र कार्रवाई की दिशा में किया गया एक प्रयास है ताकि नागरिकों के व्यवहार में बदलाव लाने के लिए जागरूकता अभियान को लागू करके सूक्ष्म स्तर पर इसे दोहराया जा सके और इससे, हवा की गुणवत्ता सूचकांक में महत्वपूर्ण बदलाव लाया जा सके। हवा बदलो अभियान 6.8 मिलियन लोगों को शामिल करने में सफल रहा है।

मुख्य विशेषताएं

- यह वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तरों के बारे में जागरूकता फैलाने और उसका सामना करने के उपाय खोजने के लिए लोगों की पहल है।
- यह एक स्वतंत्र राष्ट्रीय डिजिटल आंदोलन है जिसका उद्देश्य वायु प्रदूषण के प्रभाव से मानव स्वास्थ्य और देश की रक्षा के लिए एक मंच पर एक साथ आने के लिए ज्ञान, नेटवर्क, नवाचार और आउटरीच को एकत्र करना है।
- इसका उद्देश्य प्राकृतिक गैस की स्थिति को खतरे में डालने वाली समस्या के विरुद्ध प्रशंसनीय समाधान के रूप में प्रस्तुत करना भी है।

जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभाव के बारे में लोगों को संवेदनशील बनाने के लिए, गेल ने लघु फिल्म **'कड़वी हवा बदलो'** को बढ़ावा दिया है। यह फिल्म मुंबई के दागदार भावी शहर की पृष्ठभूमि पर बनी है, और इसमें संजय मिश्रा और रणवीर शोरेय ने अभिनय किया है।

लघु फिल्म कड़वी हवा बदलो यंग्यकार संजय मिश्रा और सैसी रणवीर शोरेय के साथ आपको भविष्य की दुनिया के सफर पर ले जाती है

जिसका उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को आने वाले कल को हरा–भरा और स्वच्छ बनाने के प्रति जवाबदेह बनाना और आवश्यक कार्रवाई करना है। गेल, बदलो अभियान के विस्तार के रूप में, बॉलीवुड की आने वाली फिल्म, कड़वी हवा के साथ स्वच्छ ऊर्जा भागीदार के रूप में समझौता कर चुका हैं। फिल्म के स्वच्छ ऊर्जा भागीदारों के रूप में समर्थन करना, सहयोग सुधारने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। स्वच्छ वायु मिशन की पहल के तहत सामूहिक सामाजिक प्रयासों के माध्यम से वायु की गुणवत्ता में सुधार की वचनबद्धता को फिल्म के स्वच्छ वायु भागीदारों के रूप में समर्थन करने की वचनबद्धता है। जबकि कड़वी हवा मुख्य रूप से एक मनोरंजक फिल्म है, इसका उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट है – जागरूकता पैदा करना और मानसिकता को बदलने के लिए व्यक्ति को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए सक्षम बनाना, हरित एवं स्वच्छ भविष्य सुनिश्चित करना। हवा बदलो अभियान प्राकृतिक गैस को स्वच्छ जीवाश्म ईंधन के रूप में अपनाकर इस उद्देश्य को प्राप्त करने का प्रयास करता है। दोनों का उद्देश्य एक ही है – प्रत्येक व्यक्ति के कार्बन फुटप्रिंट को कम करना तथा उन्हें अपने दैनिक जीवन में अपनाना है।

सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों में आवश्यक कदम उठाने के लिए प्राकृतिक गैस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए समझौता किया गया है। #गैस4इंडिया एक एकीकृत क्रॉस–कंट्री, मल्टीमीडिया, मल्टी–इवेंट अभियान है जो प्राकृतिक गैस का उपयोग करने वाले प्रत्येक नागरिक, जो निकट भविष्य में इस पसंदीदा ईंधन का खाना बनाने, यात्रा, घरों को प्रकाशित करने और उनके व्यापार को सशक्त करने के लिए प्रयोग करता है, को राष्ट्रीय, सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिकी लाभ के बारे में सूचित करता है। इस अभियान में ट्वीटर, फेसबुक, यूट्यूब, लिंक्ड इन और इसके आधिकारिक ब्लॉगसाइट के साथ–साथ चर्चाओं, कार्यशालाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से उपभोक्ताओं के साथ सीधे जुड़ने के लिए हाइपर लोकल, ऑफलाइन इवेंट्स के माध्यम से सामाजिक संपर्क शामिल हैं। श्री धर्मेंद्र प्रधान, माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री ने अभियान की ट्विटर, फेसबुक पेज और थीम गीत की शुरुआत की।

जलवायु परिवर्तन

हम एक ऐसे बेहतर कल का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारे स्वच्छ ऊर्जा व्यवसाय से इतर है। हम यह भी स्वीकार करते हैं कि हमारे कार्य मुख्यतः ऊर्जा आधारित हैं और हम इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। हम जलवायु परिवर्तन के जोखिमों और अवसरों की निगरानी भी करते हैं और इनका प्रबंधन करने के लिए परियोजनाओं के साथ–साथ उपशमन की पहल भी करते हैं। हम वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तरों से निपटने के लिए कोयला जलाने और शहर के गैस वितरण नेटवर्क को बढ़ाने की बजाय गैस आधारित बिजली के अधिक उत्पादन की वकालत करते हैं। हमने स्वच्छता को प्रोत्साहन देने और बढ़ाने के लिए भारत सरकार के 'स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थान' (एसआईपी) पहल के तहत ताजमहल, आगरा को चुना है। हम स्थानीय प्रशासन के साथ साझेदारी में ताजमहल के आसपास सफाई में सुधार के लिए विभिन्न पहलों का भी समर्थन कर रहे हैं।

माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने भुवनेश्वर में प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा योजना के अंतर्गत पूर्वी भारत के प्रथम कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) स्टेशन का उद्घाटन किया

मुख्य संगठन के साथ हमारी एसोसिएशनें

हम निम्नलिखित एसोसिएशनों का हिस्सा थे –

- अंतर्राष्ट्रीय गैस यूनियन (आईजीयू), जो एक वैश्विक संगठन है, का उद्देश्य गैस उद्योग की तकनीकी और आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देना है और भारत में गैस क्षेत्र के विकास के लिए गेल के साथ इसका घनिष्ठ संबंध है। गेल आईजीयू में 'चार्टर सदस्य' के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करता है। आईजीयू के साथ गेल, "एशिया गैस भागीदारी शिखर सम्मेलन", संबंधी वैश्विक सम्मेलन को बढ़ावा देता है जिसका लक्ष्य उद्योग के मुद्दों पर चर्चा करना और एशिया में गैस बाजार का विकास करना है। रिपोर्टिंग अवधि में, हमने ''विकास के लिए गैस, आर्थिक समृद्धि और जीवन स्तर में सुधार'' विषय के साथ नई दिल्ली में 5वीं आईईएफ–आईजीयू (इंटरनेशनल एनर्जी फोरम–इंटरनेशनल गैस यूनियन) मंत्रालयी फोरम की मेजबानी करने के लिए आईजीयू से भागीदारी की।
- इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ लिक्विफाइड नैचुरल गैस इंपोर्टर्स (जीआईएनआईएनएलएल) ने एलएनजी आयात गतिविधियों की सुरक्षा, विश्वसनीयता और दक्षता बढ़ाने और एलएनजी आयात टर्मिनलों के संचालन के लिए उद्योग समकक्षों के बीच सूचना और अनुभव के आदान–प्रदान के लिए एक मंच प्रदान किया है।
- गेल एफआईपीआई (पूर्व पेट्रोफेड) का 'श्रेणी ए' का सदस्य है और शासी परिषद का हिस्सा है। उद्योग से संबंधित अन्य मुद्दों के बीच संसाधनों का अनुकूलन, सुरक्षा, टैरिफ, निवेश, स्वस्थ पर्यावरण और ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर काम करने के लिए एफआईपीआई भारत में सरकारी, नियामक प्राधिकरणों, सार्वजनिक और व्यापारिक प्रतिनिधि निकायों के साथ तेल उद्योग के इंटरफेस के रूप में कार्य करता है।
- गेल सार्वजनिक उद्यमों के स्थायी सम्मेलन (एससीओपीई) का एक सक्रिय सदस्य है जो भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (पीएसई) के पूरे स्पेक्ट्रम का प्रतिनिधित्व करने वाला सर्वोच्च संस्थान है। स्कोप का विभिन्न उच्च स्तरीय समितियों/बोर्डों में प्रतिनिधित्व है और अपने सदस्य पीएसयू को विभिन्न मंचों पर अपनी आवाज उठाने में उनकी मदद करता है।
- सीएमडी, गेल, फेडरेशन ऑफ इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की कार्यकारी समिति और फिक्की हाइड्रोकार्बन समिति के सह–अध्यक्ष हैं। हाइड्रोकार्बन समिति ने देश की ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर विचार–विमर्श करने और भारत सरकार और उसकी बौद्धिक इनपुट के माध्यम से इस क्षेत्र में रत अन्य निकायों के विभिन्न प्रयासों को पूरा करने का प्रयास किया है।
- गेल विश्व ऊर्जा परिषद (डब्ल्यूईसी) भारत, का शासी निकाय का सदस्य, डब्ल्यूईसी का कंट्री सदस्य है और भारत में प्राकृतिक गैस के विकास के लिए डब्ल्यूईसी की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करता है।
- गेल ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव (जीआरआई) फोकल प्वाइंट इंडियज ससटेनेबिलिटी और ट्रांसपेरेंसी कंसोर्टियम का संस्थापक सदस्य हैं जो व्यापारिक अग्रेताओं, राष्ट्रीय सरकारों, नियामकों, स्थिरता विशेषज्ञों, थिंक टैंक निकायों और पेशेवर संस्थानों के साथ स्थिरता रिपोर्टिंग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने में हमारी सहायता करता है। गेल रिपोर्टिंग 2025, जीआरआई गोल्ड कम्युनिटी और जीआरआई दक्षिण एशिया सलाहकार ग्रुप के संबंध में जीआरआई कॉरपोरेट लीडरशिप ग्रुप में भी प्रतिनिधित्व करता है।
- हम संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया (यूएन जीसीएनआई) के सदस्य हैं जो मानवाधिकार, पर्यावरण, भ्रष्टाचार और श्रम मानक के संबंध में यूएनजीसी सिद्धांतों को बढ़ावा देता है।
- निदेशक (परियोजनाएं) संयुक्त राष्ट्र जीसीएनआई की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य हैं।
- गेल सीपीएमए (केमिकल्स एंड पेट्रोकेमिकल्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन) का सदस्य है जो भारतीय पेट्रोकेमिकल उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाला सर्वोच्च मंच है। एसोसिएशन अपने सदस्यों को सामूहिक रूप से अपने विचारों को प्रस्तुत करने, आवाज उठाने और प्रासंगिक मुद्दों पर सुझाव देने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह उद्योग, सरकार और समाज के बीच एक कड़ी प्रदान करता है।
- गेल पाइपलाइन सुरक्षा इंजीनियरों को श्रेष्ठ परिपाटियों का साझा करने और निर्माण करने के लिए ग्लोबल पाइपलाइन ऑपरेटरों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर पाइपलाइन ऑपरेटर्स फोरम (पीओएफ) में शामिल हो गया है, ताकि पाइपलाइन सुरक्षा प्रबंधन के मानक को बढ़ाया जा सके। पीओएफ के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:.

क) विश्व स्तर पर पाइपलाइन सुरक्षा संबंधी प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए, पाइपलाइन सुरक्षा प्रबंधन और की गई सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए उद्योग के साथ कार्य करना।

ख) आईएलआई (इन–लाइन–इंस्पेक्शन) विनिर्देशों को उन्नत करना और विकसित करना, श्रेष्ठ परिपाटियां और अन्य प्रासंगिक दस्तावेज।

ग) सदस्यों के बीच सुरक्षा प्रबंधन के मुद्दों के अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं का साझा करना (मीटिंग और फोरम चर्चाएं)

घ) विकसित दस्तावेज, विनिर्देशों (वेबसाइट के माध्यम से) की सुलभता से एक वातावरण बनाए रखना।

जलवायु परिवर्तन विजन के लिए ऊर्जा और संसाधन संस्थान के साथ साझेदारी –

हम जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु विजन विकसित करने में अव्वल रहने के लिए अग्रणी कॉर्पोरेट बनना चाहते हैं। हम टेरी–सीबीएस (टेरी–काउंसिल फॉर बिजनेस सस्टेनेबिलिटी) के सदस्य हैं, जो सततता प्रैक्टिशनरों का एक उद्योग आधारित परिसंघ है। टेरी के साथ हमने एक दस्तावेज तैयार किया है जो जलवायु परिवर्तन से निपटने के विभिन्न पहलुओं पर भारतीय कॉर्पोरेट दृष्टि की रूपरेखा तैयार करता है और इस दिशा में सरकार की योजनाओं के

साथ–साथ दृष्टिकोण को संरेखित करता है, जिसे पेरिस में आयोजित होने वाले भारतीय दलों के सम्मेलन (सीओपी) 21 में शुरू किया गया था। श्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और श्री के.डी. त्रिपाठी, सचिव पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय और तेल और गैस उद्योग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जलवायु परिवर्तन अध्ययन के लिए एफआईपीआई (पूर्व पेट्रोफेड) और टेरी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। ''जलवायु परिवर्तन जोखिम: तेल और गैस क्षेत्र की तैयारी'' संबंधी अध्ययन तेल और गैस क्षेत्र, जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरों का व्यापक विश्लेषण प्रदान करेगा और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न जोखिमों, चुनौतियों से निपटने के लिए एक रास्ता प्रदान करेगा।

इस अध्ययन में तेल और गैस क्षेत्र के लिए ऐसे उपयुक्त उपायों का सुझाव दिया जाएगा ताकि भारत उत्सर्जन क्षमता में वर्ष 2030 तक वर्ष 2005 में जीडीपी के 33–35 प्रतिशत से कम स्तर का भारत का आईएनडीसी का लक्ष्य हासिल किया जा सके। अध्ययन से यह भी पता चलेगा कि वैश्विक बाजार और तकनीकी विकल्प कैसे हैं वैश्विक जलवायु नीति उपायों की वजह से बदलने की संभावना कैसी है और कैसे ग्लोबल वार्मिंग के 1.5 डिग्री और 2 डिग्री के परिदृश्य से भारत के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और संचालन को प्रभावित करने की संभावना कैसी है।

हमने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनकर कॉप 21 में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए योगदान दिया है। हम तीन ऐसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में से एक हैं, जिसने सीओपी 21 के एजेंडे के अनुसार भारत के मंडप में आयोजित एक शोध विशेष आयोजन में एक पत्र प्रस्तुत किया। यह हमारे द्वारा उठाए गए प्रयासों जैसे ऊर्जा संरक्षण, कार्बन के फुट प्रिंटों को कम करने, वृक्षारोपण और हरी इमारतों के निर्माण को उजागर करता है। इसने बिजली उत्पादन और वाहनों की आवाजाही के लिए पर्यावरण के अनुकूल ईंधन के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रतिस्पर्धात्मक–रोधी व्यवहार

हम मानवाधिकार, श्रमिक मानकों, पर्यावरण और भ्रष्टाचार विरोधी क्षेत्र में काम कर रहे संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट (यूएनजीसी) के एक हस्ताक्षरकर्ता हैं। हम भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के दायरे में भी आते हैं। इस प्रकार, हम नैतिक व्यवहार के लिए प्रतिबद्ध हैं और ऐसी किसी भी तरह की प्रथाओं में शामिल नहीं होते हैं जो संभावित रूप से बाजार में किसी भी प्रतियोगिता को नियंत्रित कर सके। हम कड़ाई से प्रतिस्पर्धी रोधी और नैतिक व्यवहार सहित अन्य कानूनों और नियमों के अनुसार काम करते हैं। अनुचित व्यापार संबंधी परिपाटियों, प्रतिबंधक व्यापार पद्धतियों और एकाधिकार का दुरुपयोग के मामले में गेल के खिलाफ 15 मामले दर्ज किए गए हैं। 2016–17 में रिपोर्ट किए गए मामलों के अलावा अन्य मामले नहीं हैं, जैसाकि ऊपर बताया गया है।

हमारी कानूनी अनुपालन प्रबंधन प्रणाली (एलसीएमएस) सभी क्षेत्रों में राष्ट्रीय और प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय नियमों और विनियामक अनुपालन आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करती है। ऑनलाइन एलसीएमएस के अभिन्न अंगों में से एक आवधिक समीक्षा और लेखापरीक्षा है।

हमने एक पर्यावरणीय और कुशल तरीके से अपने उत्सर्जन, अपशिष्ट और कचरे का प्रबंधन करने के लिए एक विस्तृत पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली की स्थापना की है। हम लागू नियमों के अनुपालन में कचरे का निपटान करते हैं। अनुपालन के लिए अलग–अलग बजट तैयार करने के साथ सभी वैधानिक अनुपालन सही समय पर किया जाता है। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संसाधनों के साथ–साथ गैर–परंपरागत हाइड्रोकार्बन ऊर्जा के अन्वेषण और ध्वनि प्रबंधन का दायित्व सौंपा गया है और यह ट्रिपल बॉटम–लाइन के संबंध में संतुलन बना रहा है।

गेल ने जीएसटी के तहत प्राकृतिक गैस को शामिल करने के लिए वित्त मंत्रालय और राज्य सरकार के साथ चर्चा की है। यह मामला गेल द्वारा सीधे और भारतीय पेट्रोलियम उद्योग संघ (एफआईपीआई) के माध्यम से उठाया गया था। गेल के वरिष्ठ अधिकारी भी जीएसटी के तहत प्राकृतिक गैस को शामिल करने पर विचार करने के लिए संबंधित सरकार के अनुरोध के लिए बिहार, आंध्र प्रदेश, गुजरात और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों से मिले।

अध्याय

09

स्टेकहोल्डर संबंध प्रबंधन

निवेशक से प्राप्त 19 शिकायतें सभी निपटाई गईं

₹ 123.58 करोड़

सीएसआर कार्यकलापों पर कुल व्यय

गेल प्रबंधन संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए

स्टेकहोल्डर संबंध प्रबंधन

एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के रूप में, हम अपने स्टेकहोल्डरों के लिए सकारात्मक मूल्य सृजन सुनिश्चित करते हैं और उनका विश्वास बनाए रखने, उनके विचारों और प्रोत्साहनों को समझने का प्रयास करते हैं। हमारा मानना है कि केवल हमारे प्रचालनों में नहीं बल्कि हमारे हितधारकों के साथ भी स्थिरता सुनिश्चित करना व्यावसायिक समझ है। हितधारकों के साथ सहभागिता करने से हमें संभावित मुद्दों का समाधान सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। वैकल्पिक रूप से, चर्चा और आपसी समझ के आधार पर मुद्दों पर दोबारा गौर किया जाता है और उन्हें बदला जाता है।

हमारा दृष्टिकोण

हमारे लिए संवाद और स्टेकहोल्डर संबंध प्रबंधन हमेशा से ही एक प्राथमिक क्षेत्र रहा है। इस उतार–चढ़ाव के माहौल में, आंतरिक और बाह्य स्टेकहोल्डरों के साथ प्रभावी और केंद्रित संवाद आवश्यक है। हम अपने हितधारकों के साथ नियमित अंतराल पर बातचीत करते हैं और परस्पर सक्रिय उपाय करते हुए घनिष्ठ संबंध बनाए रखते हैं। इसके अलावा, हम निवेशकों के मन में ब्रांड के बारे में व्यापक दृश्यता और जन आधार की रूपरेखा बनाए रखते हैं। कम कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तित होने के हमारे साझा दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए, प्राकृतिक गैस एक स्वच्छ ईंधन के रूप में इस परिवर्तनकाल में ईंधन की कमी को पूरा करने का कार्य कर सकती है। इसे कार्य रूप देने के लिए सभी स्टेकहोल्डरों के साथ दीर्घकालिक और स्थिर संबंध बनाने की आवश्यकता है।

हमारे लिए स्टैकहोल्डरों के साथ संबंध बनाना एक अमूर्त परिसंपत्ति है जो हमारी कंपनी के मूल्य बढ़ाने में अत्यधिक योगदान देता है। हम अपनी अमूर्त परिसंपत्तियों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अपने प्रत्येक स्टेकहोल्डर समूह के साथ प्रभावी ढंग से संबंधों को बनाए रखते हैं और इस प्रकार अपने व्यापार का समग्र मूल्यांकन बढ़ाते हैं। प्रत्येक स्टेकहोल्डर समूह के लिए अखंडता, प्रामाणिकता और नियुक्ति के सिद्धांत लागू होते हैं। इसके अलावा, उनकी समस्याओं का कई अन्य चैनलों और नियुक्ति प्रणालियों के माध्यम से पता लगाया जाता है, जिसे इस रिपोर्ट के स्टेकहोल्डर नियुक्ति और सामग्री अध्याय में विस्तार से बताया गया है।

डीपीई सीएसआर मेला 2017 में गेल के सीएसआर स्टॉल का उद्घाटन माननीय मंत्री (भारी उद्योग एवं लोक उद्यम) श्री अनंत जी. गीते द्वारा किया गया

स्टेकहोल्डर/निवेशक

हमारे निवेशक संबंध कार्यकलापों का उद्देश्य स्टेकहोल्डरों के साथ दीर्घकालिक संबंध विकसित करना है। इसे न केवल स्टेकहोल्डरों के लिए, बल्कि अन्य सभी स्टेकहोल्डरों के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को पूरा करके हासिल किया जाता है, सूचना का निष्पक्ष ढंग से खुलासा करके एक–दूसरे से संवाद के माध्यम से उनका विश्वास और सम्मान प्राप्त किया जाता है। इन उद्देश्यों को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए, हम निवेशकों और स्टॉक एक्सचेंजों को लगातार आवश्यक जानकारी प्रदान करते हैं और विभिन्न निवेशक संबंध कार्यकलाप करते हैं।

विनिवेश विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा वर्ष 2011 में सीपीएसयू के लिए निवेशक संबंधों पर दिशा–निर्देशों में औपचारिक रूप से वर्ष में कम से कम एक बार एक विश्लेषक बैठक करने की सिफारिश की गई थी। निवेशकों के साथ प्रभावी संवाद को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से, हमने देश के शीर्ष ब्रोकरेज घरानों द्वारा आयोजित 7 घरेलू और 1 अंतर्राष्ट्रीय निवेशक सम्मेलन में भाग लिया। इन सभी बैठकों/सम्मेलनों में साइट के कार्यालयों के अधिकारियों के अलावा वित्त, विपणन, व्यवसाय विकास और परियोजनाओं के शीर्ष प्रबंधन/वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। हमने मार्च 2017 में निवेशकों के लिए दो दिवसीय संयत्र दौरा (औरय्या कंप्रेसर स्टेशन और पाता संयंत्र) का आयोजन किया। निवेशकों ने प्रबंधन के साथ संवाद में भाग लिया, जहां पेट्रोकेमिकल संयंत्र से संबंधित अधिकांश प्रश्नों का संतोषजनक ढंग से उत्तर दिया गया। वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान, सेबी/स्टॉक एक्सचेंज और अन्य वैधानिक निकायों के माध्यम से स्टेकहोल्डरों/निवेशकों से 19 शिकायतें प्राप्त हुईं और सभी शिकायतों का समाधान किया गया।

सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015 की आवश्यकता के अनुसार, कंपनी के बोर्ड ने अंदरूनी सूत्रों (अंदरूनी ट्रेडिंग कोड) और उचित प्रकटीकरण और आचार संहिता – उचित प्रकटीकरण के लिए व्यवहार और प्रक्रियाओं द्वारा व्यापार को विनियमित करने, मॉनिटर करने और रिपोर्ट करने के लिए आचरण संहिता को मंजूरी दे दी है। अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी (निष्पक्ष प्रकटीकरण सिद्धांत) के उचित प्रकटीकरण संबंधी पद्धतियां और प्रक्रियाएं हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

हमारा निरंतर यह प्रयास रहता है कि निवेशकों और विश्लेषकों को सही समय पर और सही लोगों से विश्व स्तरीय निवेशक संबंध सेवाएं प्रदान की जाएं। उपरोक्त को देखते हुए, कॉर्पोरेट वेबसाइट के निवेशक क्षेत्र अध्याय की समीक्षा की गई और उसे अधिक सूचनापरक और निवेशक के अनुकूल बनाया गया है। कंपनी का मानना है कि उसे पूंजी बाजार सहभागियों (स्टेकहोल्डरों, निवेशकों और प्रतिभूति विश्लेषकों सहित) को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार सटीक जानकारी प्रदान करनी चाहिए। निवेशक प्रस्तुतियों को हमारी कॉर्पोरेट वेबसाइट के इस खंड में उपलब्ध कराया गया है।

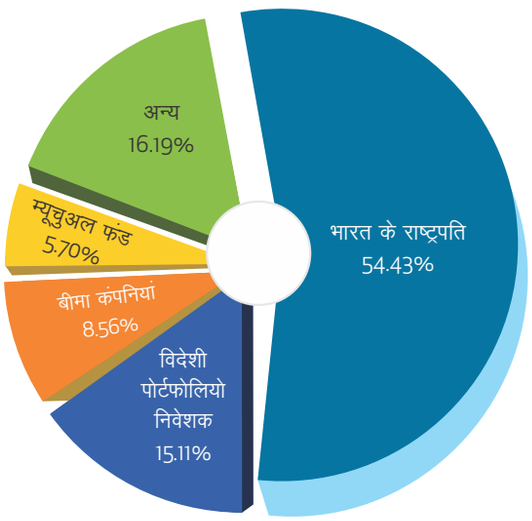

वित्त वर्ष 16–17 तक गेल का शेयरधारिता स्वरूप

ग्राहक

जिम्मेदार विकास हमारा मुख्य उद्देश्य है जिसे ग्राहक की जरूरतों और मांगों को पूरा करके प्राप्त किया जा सकता है। हम अपने ग्राहकों को निरंतर आपूर्ति के साथ बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पाद देकर मूल्य प्रदान करना चाहते हैं। नीचे दिया गया चित्र ग्राहकों के साथ संवाद के विभिन्न तरीकों को दर्शाता है। संवाद का उद्देश्य विभिन्न ग्राहकों की चिंताओं को समझना और हमारे ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक मूल्यवान संबंध बनाना है। व्यापक ग्राहक आधार बढ़ा मूल्य प्रदान करके ही बनाया जा सकता है।

हमने हाल के वर्षों में प्राकृतिक गैस और एलपीजी परिवहन के लिए सिटी गैस वितरण के अपने मूल मुख्य व्यवसाय का विस्तार किया है। यह विस्तार 08 संयुक्त उद्यमों और 02 सहायक कंपनियों के माध्यम से किया गया है। हाल ही में शुरू की गई उर्जा गंगा परियोजना के निकट भविष्य में भारत के मध्य और पूर्वी भाग की जीवन रेखा बनने की संभावना है।

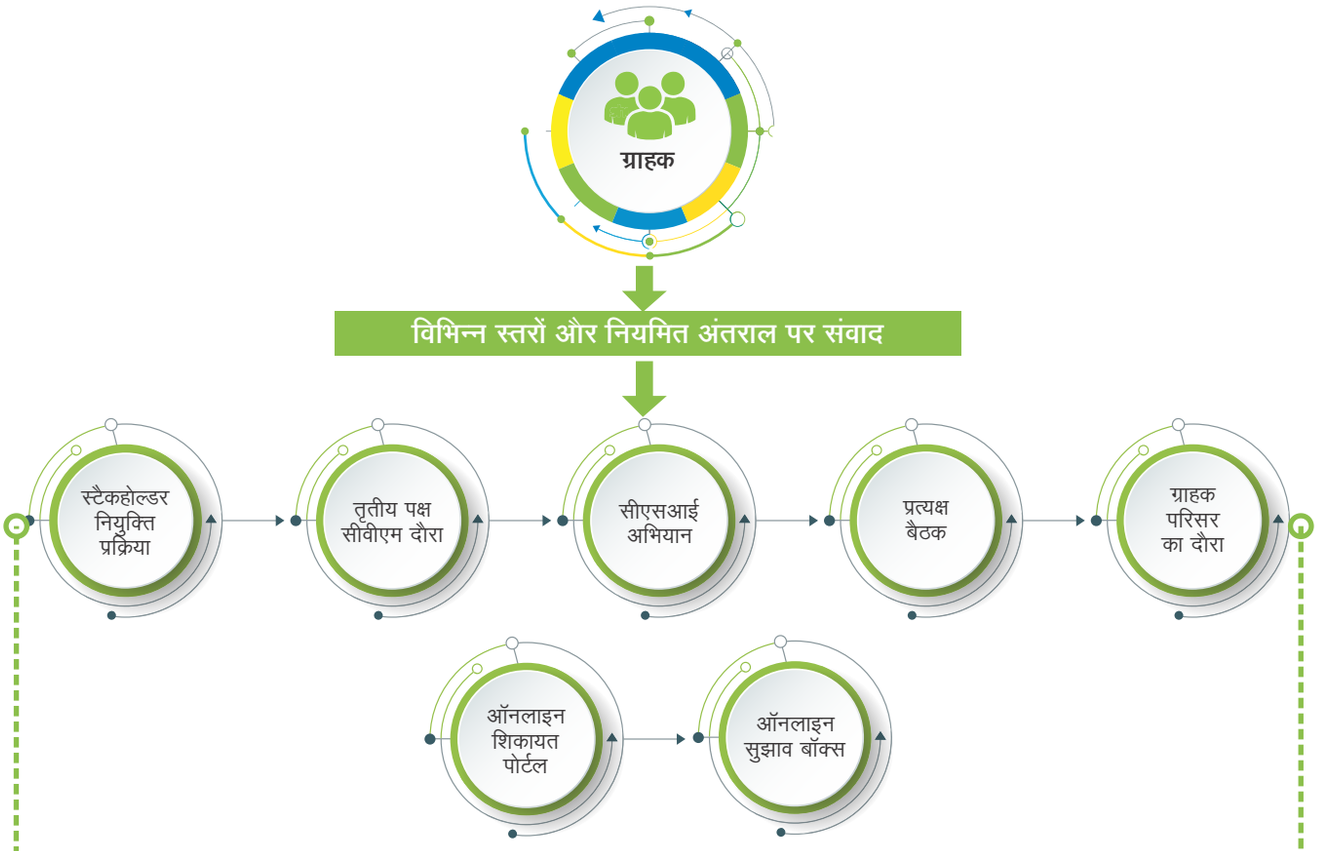

चित्रः ग्राहकों के साथ संवाद करने के लिए प्रयुक्त पद्धति

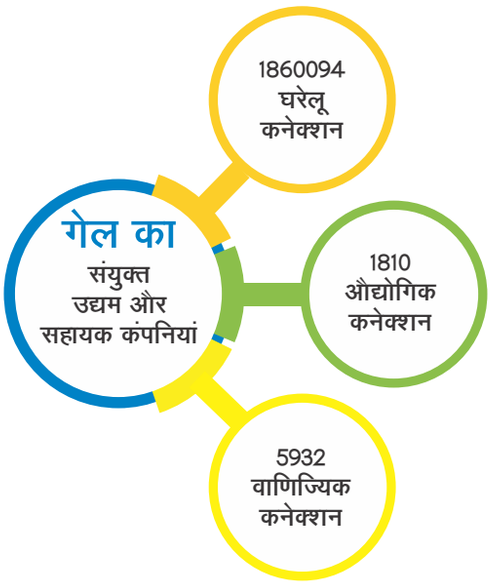

ग्राहकों की बैठक

हमने ग्राहक दौरों और व्यक्तिगत बातचीत के माध्यम से अपने ग्राहकों के साथ संपर्क बनाने के लिए विभिन्न पहल की हैं। हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले कुछ अन्य संपर्क बिंदुओं में ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) अभियान, स्टेकहोल्डर नियुक्ति सर्वेक्षण, ऑनलाइन सुझाव बॉक्स, ऑनलाइन ग्राहक शिकायत पोर्टल और तृतीय–पक्ष ग्राहक मूल्य प्रबंधन (सीवीएम) दौरे शामिल हैं। सीएएमएस के अंतर्गत ग्राहकों के साथ हुई बातचीत का व्यवसाय खंड–वार सार दर्ज किया जाता है। कार्यनीतिक उद्देश्य के रूप में बाजार के उतार–चढ़ाव की तुरंत सूचना प्राप्त करना, ग्राहकों की चिंताओं और अपेक्षाओं का समाधान करना तथा उन्हें प्रबंधन/अन्य विभागों के प्रमुख के साथ साझा करना, ग्राहकों की शिकायतों को हल करना, ग्राहकों के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाना और तकनीकी समस्याओं का समाधान करना है।

वर्ष 2016–17 के दौरान, प्राकृतिक गैस, पेट्रोकेमिकल्स और एलएचसी व्यापार क्षेत्रों में सीवीएम प्रयोजन के लिए कुल 118 दौरे किए गए।

इसमें, 75 ग्राहक दौरे टीक्यूएम विभाग द्वारा नियुक्त परामर्शदाता और 43 ग्राहक दौरे हमारे कार्यपालकों द्वारा किए गए। क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा ग्राहकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए ग्राहक बैठकें नियमित अंतराल पर आयोजित की जाती हैं।

ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई)

हमारे उत्पादों और सेवाओं में सुधार करने के लिए सतत् ग्राहक प्रतिक्रिया प्राप्त करना आवश्यक है। हमारे ग्राहकों के परिप्रेक्ष्य और संतोष स्तर को बेहतर ढंग से समझने के लिए, हमारे उत्पाद की गुणवत्ता, उत्पाद की उपयोगिता, तकनीकी सहायता, सामग्री की डिलीवरी, पैकेजिंग, सेवा की गुणवत्ता, समस्याओं जैसे कई मापदंडों पर ग्राहकों की संतुष्टि के स्तर की जांच करने के लिए एक वार्षिक सर्वेक्षण किया जाता है। अर्ध–वार्षिक आधार पर, यह ग्राहक प्रतिक्रिया फीडबैक ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से प्राप्त की जाती है।

विक्रेता और आपूर्तिकर्ता जी4–डीएमए

उत्पाद और सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विक्रेता और आपूर्तिकर्ता हमारी आपूर्ति श्रृंखला के प्रमुख घटक रहे हैं। हमारी आपूर्ति श्रृंखला में वैश्विक और स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं के एक कार्यनीतिक मिश्रण शामिल हैं। सभी निविदाएं पब्लिक डोमेन में आमंत्रित की जाती हैं और आपूर्तिकर्ता की सभी शिकायतों का निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से समाधान किया जाता है। विभिन्न स्थानों पर आपूर्तिकर्ता बैठक के माध्यम से आपूर्तिकर्ताओं के साथ नियमित सहभागिता की जाती है। बैठक का एजेंडा आमतौर पर आपूर्तिकर्ता के प्रशिक्षण, हमारी निविदा प्रक्रिया, आपूर्तिकर्ता जागरूकता, प्रोसेसिंग समय को कम करने और हमारी खरीद प्रथाओं में आपूर्तिकर्ता की भागीदारी को बढ़ाने पर केन्द्रित रहता है। वित्त वर्ष 2016–17 में, गेल प्रशिक्षण संस्थान में माध्यमिक और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए एक विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया, ताकि एमएसई की सार्वजनिक क्रय नीति का अनुपालन किया जा सके।

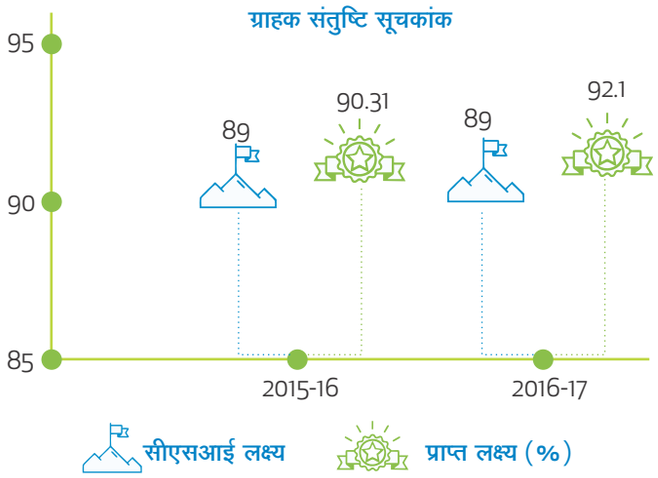

विक्रेता विकास

व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने और विक्रेताओं को निविदा प्रक्रिया पर शिक्षित करने के लिए हम निविदा–पूर्व बैठक आयोजित करते हैं। हम निविदा प्रक्रिया में शीघ्रता लाकर और ई–खरीद की शुरुआत के माध्यम से पेपर वर्क को कम करके छोटे विक्रेताओं का भी समर्थन करते हैं। विक्रेता बैठकों, एमएसई बैठकों और उद्योग सम्मेलनों में छोटे और स्थानीय विक्रेताओं के साथ बातचीत की जाती है, उन्हें हमारी आवश्यकताओं से अवगत कराया जाता है तथा बोली लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वर्तमान में, हम एमएसई से अपनी आपूर्ति का 25-85% स्रोत प्रदान करते हैं।

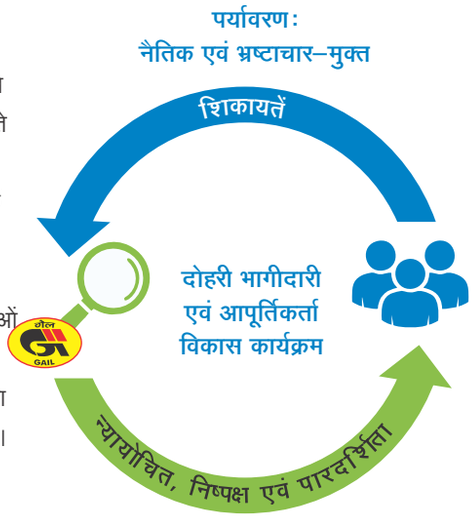

स्वदेशीकरण विकास समूहों को आयात पर हमारी निर्भरता को कम करने और लचीली आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के लिए स्थापित किया गया है। इन समूहों की मदद से हमने विभिन्न रसायनों को स्वदेशी स्रोतों से प्रतिस्थापित किया है।

हमारा लक्ष्य विक्रेता विकास कार्यक्रमों के माध्यम से अपने विक्रेताओं में सतत् सुधार करना और क्षमता निर्माण करना है। विक्रेता बैठकों के दौरान विभिन्न मुद्दों, पद्धतियों और संविदा देने और निष्पादन से संबंधित प्रक्रियाओं के बारे में विस्तृत विचार–विमर्श किया जाता है।

आपूर्तिकर्ता जांच जी4–एलए15, जी4–एचआर11, जी4–एसओ10

हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि हमारा सिद्धांत मूल्य श्रृंखला में सभी आपूर्तिकर्ताओं पर लागू हो। हम विभिन्न बाहरी सेवाओं की खरीद के लिए बड़ी संख्या में ठेकेदारों, विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं के साथ लेनदेन करते हैं, जिसमें अपस्ट्रीम, मिड–स्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम शामिल होते हैं। मानवाधिकार हमारे मूल मूल्यों में से एक हैं और वित्त वर्ष 2016–17 में 2016 में मानवाधिकारों और बाल श्रम से संबंधित कोई शिकायत नहीं मिली थी। जीसीसी (सामान्य अनुबंध शर्तें) के अनुसार हमारे विक्रेताओं को यह पुष्टि करनी चाहिए कि वे बाल मजदूर न लगाएं।

आपूर्ति श्रंखला पद्धति

भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को समर्थन देने के लिए ऊर्जा मिश्रण के एक विविध पोर्टफोलियो की आवश्यकता है। हमें प्राकृतिक गैस और उसके विभिन्न रूपों के माध्यम से स्थायी रूप से और प्रतिस्पर्धी कीमतों पर राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगमित किया गया था।

आपूर्तिकर्ताओं के लिए पूर्वापेक्षाएं

गैस कम उत्सर्जन तीव्रता जीडीपी व्यवस्था के बदलाव होने के दौरान ब्रिजिंग ईंधन के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। हम भारत में प्राकृतिक गैस के सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता हैं और भारत में प्राकृतिक गैस का लगभग 60% तक योगदान देते हैं। हमने इक्विटी और संयुक्त उद्यम भागीदारी के माध्यम से इन क्षेत्रों में अपने कार्यों का विस्तार किया है। इसके अलावा, हमारी आपूर्ति श्रृंखला में सौर और पवन परियोजनाओं में विविधीकरण को भी जोड़ा गया है।

आपूर्तिकर्ता प्रभाव आकलन जी4–डीएमए

हम गुणवत्ता तथा कार्यों और सेवाओं को समय पर पूरा करने के लिए आपूर्तिकर्ताओं का मूल्यांकन करते हैं। हमारे विक्रेताओं/ आपूर्तिकर्ताओं/ ठेकेदारों और सलाहकारों के निष्पादन की निगरानी करने के उद्देश्य से संविदा में मूल्यांकन प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इसके अलावा, निष्पादन के मूल्यांकन से हमें विश्वसनीय विक्रेताओं का एक नेटवर्क विकसित करने का अवसर भी मिलता है जो हमारी अपेक्षाओं और आवश्यकताओं को दक्षता से पूरा करते हैं। आपूर्तिकर्ता के मूल्यांकन की प्रक्रिया का एक समग्र सिंहावलोकन नीचे ग्राफ में दिया गया है।

निविदा दस्तावेज में परियोजनाओं, प्रचालनों एवं रखरखाव, और परामर्शी निविदाओं के बीच होने वाली विविधताओं का सभी ब्यौरा शामिल है। इसके अलावा, संचालन और रखरखाव परियोजनाओं की निष्पादन रेटिंग के आधार पर, निविदा दस्तावेज में की जाने वाली कार्रवाई का उल्लेख किया गया है।

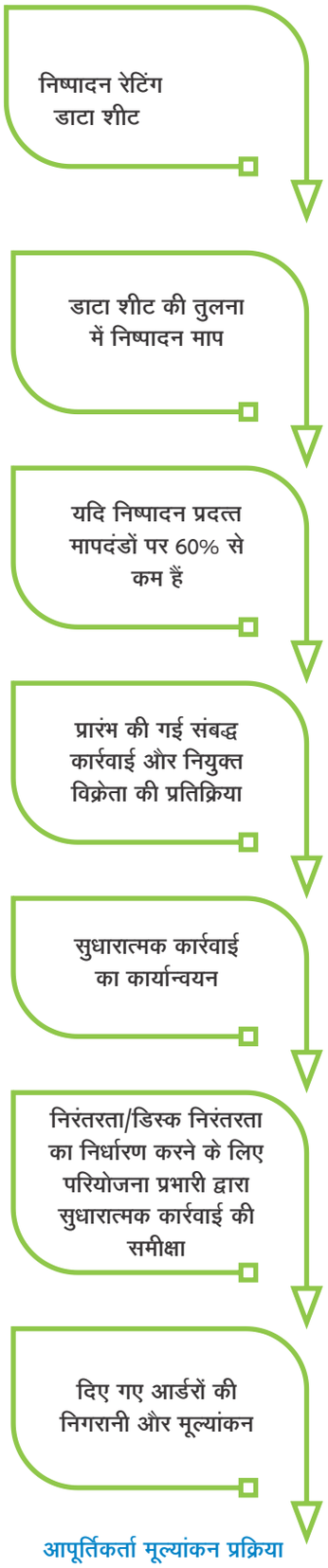

आपूर्तिकर्ता मूल्यांकन प्रक्रिया

हरित खरीद

हमने ई–निविदा शुरू की है जो प्रतिस्पर्धा के सिद्धांत पर आधारित है। खरीद प्रथाओं को ऐसे तरीके से निष्पादित किया जाता है जो पारदर्शी, निष्पक्ष, प्रतिस्पर्धी और किफायती हैं। इस प्रक्रिया से कागज की बचत होती है और यह संगठन के लिए एक हरित पहल है। हमारी आईटी टीम लगातार आंतरिक और बाह्य ग्राहकों की समस्याओं का समाधान प्रदान करने के लिए विभिन्न विभागों के साथ मिलकर कार्य करती है, और पूरी प्रक्रिया में आईटी समर्थित सेवाओं का विस्तार करती है। हमने ऊर्जा कुशल और टिकाऊ उत्पादों की खरीद के लिए निम्नलिखित प्रावधानों को लागू किया है :

- कंप्रेशरों, टरबाइनों, जेनरेटरों, आदि की खरीद के लिए निविदाओं में लोडिंग मानदंड
- स्टार रेटिंग इलेक्ट्रिकल उपकरण
- सभी नए भवन परियोजनाओं में हरित भवन अवधारणा

वस्तुओं की कुल खरीद और; आपूर्तियाँ (भारतीय रुपए मिलियन में) जी4–ईसी9	48055
स्थानीय आपूर्तिकताओं से वस्तुओं की कुल खरीद और;आपूर्तियाँ (आईएनआर)	42347
नई आपूर्तिकर्ताओं का %, जिसे पर्यावरण मानदंडों के माध्यम से दर्शाया गया है	100%
नए आपूर्तिकर्ताओं का %, जिसे श्रम पद्धति मानदंड जी4–एलए14 के माध्यम से दर्शाया गया है	100%
नए आपूर्तिकर्ताओं का %, जिसे मानवाधिकार मानदंड जी4–एचआर10 के माध्यम से दर्शाया गया है	100%
नए आपूर्तिकर्ताओं का %, जिसकी सोसाइटी जी4–एसओ09 पर प्रभावों के लिए मापदंड के माध्यम से दर्शाया गया है	100%
चयनित आपूर्तिकर्ताओं का %,जिनका पर्याप्त वास्तविक प्रभाव है; समाज पर संभावित नकारात्मक प्रभाव है	0
आपूर्तिकर्ताओं का %, जिनका पर्याप्त वास्तविक प्रभाव है; समाज पर संभावित नकारात्मक प्रभाव है जिसके कारण संबंध समाप्त हुए हैं	0

स्टेकहोल्डर शिकायत निवारण

हमने सभी स्टेकहोल्डरों के साथ दक्ष और प्रभावी संपर्क बनाए रखने के लिए प्रणाली और प्रक्रिया निर्धारित की है। पिछले अध्यायों में संचार के विभिन्न तरीकों का ब्यौरा साझा किया गया है। विभिन्न स्टेकहोल्डरों के लिए वर्ष के दौरान प्राप्त और हल की गई विभिन्न शिकायतों को ग्राफ में दर्शाया गया है।

आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, गेल ने एमएसई, घरेलू उत्पादित इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद (डीएमईपी) नीति के लिए सार्वजनिक क्रय नीति लागू की है और स्थानीय विक्रेताओं को विकसित करने और एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए गेल में मेक इन इंडिया अभियान शुरू किया है।

व्यय विश्लेषण

हमने ई–निविदा शुरू की है जो कि निम्न सिद्धांतों पर आधारित है

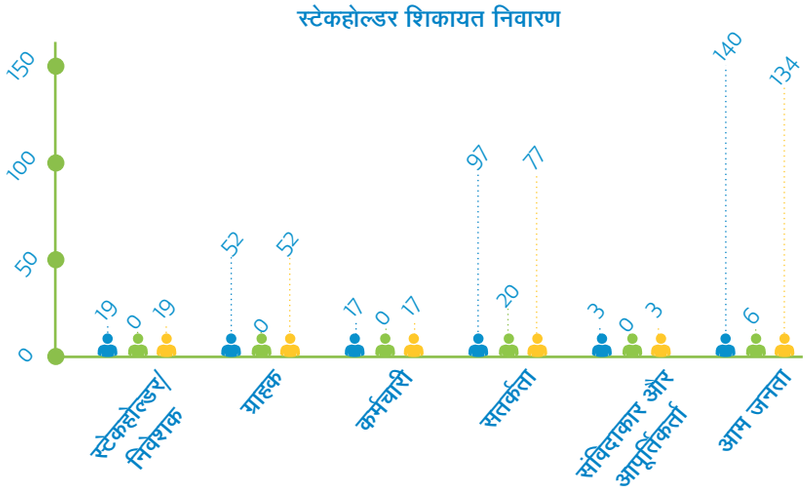

उत्पाद प्रबंधन

गेल की अधिकांश उत्पाद लाइन प्राकृतिक गैस या उसकी यौगिक जैसे एलपीजी है। ये उत्पाद पर्यावरण के अनुकूल हैं और अन्य उद्योगों द्वारा उनकी पर्यावरणीय शर्तों को पूरा करने के लिए मांग की जाती है। खुले बाजार के लिए एकमात्र उत्पाद पॉलीमर है जो हमारे पेट्रोकेमिकल प्रचालनों से उत्पादित होते हैं। हमारा लक्ष्य सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल उत्पादों का विकास करना है। हम सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रभाव के संदर्भ में अपने उत्पादों के जीवन चक्र के प्रभावों पर विचार करके निरंतर आपूर्ति श्रृंखला की तलाश करते हैं और उनके प्रभाव को कम करने के लिए व्यवहार्य विकल्प तलाशते हैं।

प्लास्टिक की उच्च पुनर्नवीनीकरण विशेषता हमें उन्हें पर्यावरण के अनुकूल दर्शाती है। हमने एक सुरक्षित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली बनाने के लिए, प्लास्टिक उत्पादों के फायदों के बारे में उपभोक्ताओं को जागरूक बनाने के लिए भारतीय केंद्र के साथ सहयोग किया है (आईसीपीई)।

हमारे सभी प्रमुख प्रतिष्ठान ओएचएसएएस 18001 से मान्यता–प्राप्त हैं जो हमारी गैस प्रबंधन प्रणाली के स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रभावों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं और हमारी मूल्य श्रृंखला तक एक सहज परस्पर संपर्क उपलब्ध कराता है। जीएसएम गैस की आपूर्ति और वितरण के कई स्रोतों को संभाल सकता है। पूरे ऑर्डर–टू–कैश चक्र को स्वचालित और सुव्यवस्थित किया गया है और यह अपस्ट्रीम गैस आपूर्ति, गैस परिवहन से बिलिंग, भुगतान, और भुगतान की अंतिम प्राप्ति से वास्तविक समय के आधार पर उपलब्ध है। ग्राहकों को अच्छी तरह से जीएमएस पोर्टल सुविधा के माध्यम से सूचित किया जाता है जिससे उन्हें गैस की आपूर्ति का बेहतर इस्तेमाल करने के लिए समर्थ बनाया जा सके।

वित्त वर्ष 2016–17 में विनियमों का अनुपालन न करने और विपणन संचार से संबंधित स्वैच्छिक कोड की कोई घटना प्राप्त नहीं हुई हैं, जिनमें विज्ञापन, संवर्धन, और निष्कर्ष के टाइप द्वारा प्रायोजकता शामिल है।

पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना और स्वच्छ विकल्प खोजना हमारे सफर का अनिवार्य पहलू है। प्राकृतिक गैस, जो अन्य जीवाश्म ईंधन के लिए एक स्वच्छ विकल्प है, पर्यावरण पर प्रभाव को कम करता है। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त प्रणाली विकसित की है कि इस आवश्यक ईंधन के लाभ सुरक्षित उपयोग के साथ समझौता किए बिना समाज तक पहुंचें।

हमने समाज के सबसे उपेक्षित वर्ग को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने के लिए स्वयं को सरकारी मिशन से जोड़ा हुआ है और पिछले 10 वर्षों में सीजीडी में एक फर्म की स्थापना की दिशा में कार्य किया है।

उत्पाद की जानकारी और लेबलिंग का प्रदर्शन

हम लेबलिंग के संबंध में सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करते हैं। लेबल उत्पाद के विवरण, कंपनी के लोगों और वजन की जानकारी देता है। आपूर्ति शुरू करने से पहले उत्पाद विनिर्देश प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, पीसी और एलएचसी डिस्पैच के लिए, वैधानिक आवश्यकताओं के साथ–साथ हम आपूर्ति की जा रही उत्पाद की गुणवत्ता के मानकों के अनुरूप परीक्षण रिपोर्ट भी प्रदान करते हैं।

आईएसओ 9001:2008, सॉल्वेंट नियंत्रण आदेश, पीएनजीआरबी कोड, लागू बीआईएस मानक, ओआईएसडी दिशा–निर्देश, पीईएसओ मानक और नियम, वजन और माप कोड सहित सभी विपणन संचार कोड और मानकों को संगठन में लागू किया जाता है।

प्रकृति के बावजूद, ग्राहक गेल के वेबपेज के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं। हमारे ग्राहक 24x7 सेवा अनुरोध/शिकायत/घटनाक्रम ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। वित्त वर्ष 2016–17 में उत्पाद और सेवा की जानकारी और लेबलिंग से संबंधित विनियमों और स्वैच्छिक कोडों का अनुपालन न करने की कोई घटना नहीं हुई है।

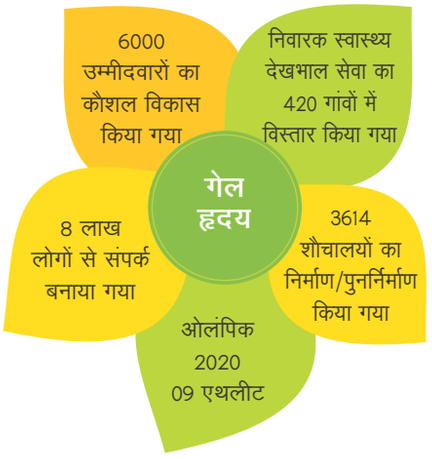

गेल हृदय का विस्तार

गैर–सरकारी संगठन और समुदाय

हम आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय विकास का समर्थन करते हैं और बड़े पैमाने पर लोगों के लिए बेहतर गुणवत्ता वाले जीवन का समर्थन करते हैं। समाज के लिए कार्य करना और आस–पास के क्षेत्रों में हम प्रचालित क्षेत्रों में तालमेल और सद्भावना पैदा करते हैं। सुचारू प्रचालन और सर्वांगीण विकास के इस तालमेल ने हमें एक नाम दिया है। समुदाय के प्रभावी विकास के लिए, हमने सीएसआर नीति विकसित की है और अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रमों के माध्यम से समुदायों की जरूरतों और चिंताओं का समाधान करने के लिए हमारे पास एक ठोस ढांचा है। हम समुदाय को एक महत्वपूर्ण स्टेकहोल्डर मानते हैं और उनकी समस्याओं का उचित प्रकार से समाधान करते हैं।

प्रभाव आकलन

गेल ने पिछले दशक में अपनी सीएसआर परियोजनाओं के लिए तीन स्वतंत्र प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन आयोजित किए, जिसमें टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (मुंबई, महाराष्ट्र), साउल ऐस कंसल्टेंट्स (गुड़गांव, हरियाणा), दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क और जामिया मिलिया इस्लामिया (दिल्ली) शामिल हैं। सीएसआर परियोजनाओं का मूल्यांकन गेल के प्रत्येक कार्य केंद्र पर तैयार क्रॉस फंक्शनल सीएसआर कमेटी द्वारा प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर किया जाता है। परियोजना के अंत में, कार्यक्रम के प्रभाव से संबंधित एक रिपोर्ट कार्यान्वयन भागीदार द्वारा प्रस्तुत की जाती है जिसमें विशेष रूप से परियोजना में प्राप्त उपलब्धियों तथा मात्रात्मक और गुणात्मक लाभ पर प्रकाश डाला जाता है।

गेल की सीएसआर पहलों का सिंहावलोकन

हमारे यहां एक सीएसआर समिति है जिसका गठन निदेशक मंडल द्वारा किया गया है। इसके अध्यक्ष सीएमडी हैं तथा निदेशक (मानव संसाधन), संयुक्त सचिव (एमओपीएनजी) और दो स्वतंत्र निदेशक इसके सदस्य हैं। सीएसआर समिति के बारे में जानकारी कंपनी की वेबसाइट पर और वार्षिक रिपोर्ट में दी गई है। सीएसआर नीति और कार्यान्वित कार्यक्रमों पर हमारी वार्षिक रिपोर्ट को निदेशक मंडल की रिपोर्ट में शामिल किया गया है। हम कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची VII के अंतर्गत चयनित अनुसार क्षेत्रों में सीएसआर परियोजनाएं शुरू करते हैं, जिनमें से प्रत्येक का नाम वह उद्देश्य होता है जिसे वे हासिल करना चाहते हैं।

निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के लिए, हमने 2016–17 के सीएसआर कार्यकलापों पर 117.42 करोड़ रुपये की राशि खर्च करने की प्रतिबद्धता की थी। इस वचनबद्धता की तुलना में, हमने 123.58 करोड़ रुपये का कुल व्यय किया है, जिसमें से 92.16 करोड़ रुपये विशेष रूप से

(बाएं से दाएं) वंदना चनना, गेल कार्यकारी निदेशक (कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन एंड सीएसआर) और पीके गुप्ता, निदेशक (मानव संसाधन), जाको सिलियर्स, कंट्री निदेशक, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और निशी वासुदेवा, पूर्व–सीएमडी, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड से 'इकॉनोमिक्स टाइम्स 2 गुड सीएसआर रेटिंग' सर्टिफिकेशन प्राप्त करते हुए

वित्त वर्ष 2016–17 में अनुमोदित सीएसआर परियोजनाओं/कार्यक्रमों पर खर्च किए गए हैं जो पिछले तीन वित्तीय वर्षों के औसत शुद्ध लाभ के 2.26% के बराबर है।

शुरू की गई विशेष पहलें

सिद्धांत के अनुसार, जो समावेशी और न्यायसंगत विकास की वकालत करता है, यह नोट किया जा सकता है कि हमारी सीएसआर की उपस्थिति अखिल भारत है। विशेष रूप से बच्चों को सशक्त बनाने और विशिष्ट बच्चों को शिक्षित करने के लिए उम्मीद आशा किरण स्कूलों की सहायता के लिए गेल–वायु सेना पत्नी कल्याण संघ (एएफडब्ल्यूडब्ल्यूए) जैसी परियोजनाएं शुरू की गई है। हमने फर्नीचर, शिक्षण सहायक सामग्री इत्यादि जैसी विभिन्न वस्तुओं के रूप में योगदान किया है।

गेल–भारतीय कृत्रिम अंग विनिर्माण निगम (एलआईएमसीओ) परियोजना – को हमारे कार्य केंद्रों के आसपास लगाए गए शिविर के माध्यम से पीडब्ल्यूडीएस के लिए एड्स और सहायक उपकरणों की आपूर्ति द्वारा शामिल किया गया है, जिसका संचयी मूल्य 100 लाख रुपए है।

कई कार्यक्रमों को अपेक्षित वर्गों के लोगों को सशक्त बनाने और उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए शुरू किया गया है। उत्कर्ष के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को आईआईटी–जेईई और अन्य इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं के लिए मुफ्त आवासीय कोचिंग प्रदान की जाती है।

हमने खेलों में प्रतिभाओं को उजागर करने के

गेल इंडियन स्पीड स्टार

अनु कुमार ने फ्रांस में आयोजित वर्ल्ड स्कूल एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के 800 मीटर के फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक जीता अनु कुमार गेल–इंडियन सपीडस्टार के सीज़न 2 चयन में से एक है। वह उत्तराखंड का रहने वाला है। यह गेल, एनवाईसीएस एवं टीम के लिए गौरव का क्षण है। ग्रामीण स्पोर्ट्स, राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त स्पोर्ट्स, पैरालिम्पिक स्पोर्ट्स तथा ओलम्पिक्स स्पोर्ट्स को प्रोत्साहित करने के लिए 1030.53 लाख रु. का व्यय हुआ है।

लिए गेल इंडियन स्पीड स्टार को भी लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य देश के विभिन्न भागों और ग्रामीण इलाकों से संभावित एथलीटों की पहचान करना है तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एथलेटिक आयोजनों में योग्यता प्राप्त करने और भाग लेने के लिए योग्य एथलीटों को प्रशिक्षित करना है। प्रथम चरण में, भारत के 10 राज्यों के 51 जिलों से युवा एथलीटों की पहचान की गई है। अंत में, 9 छात्रों को चुना गया है, जिन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

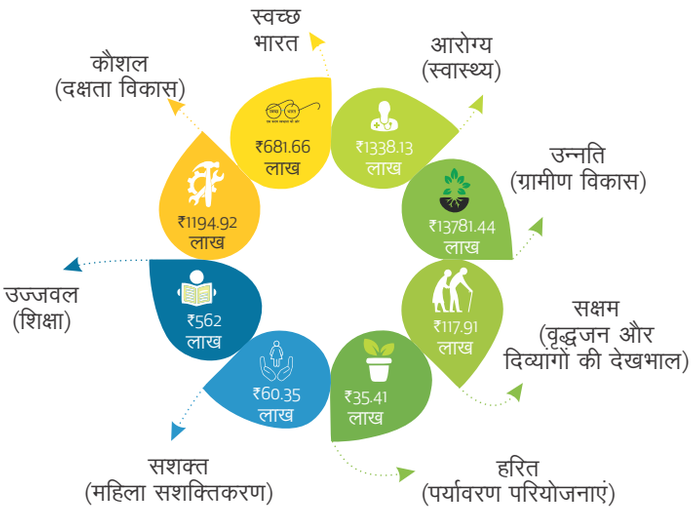

गेल परियोजना सृजन

परियोजना सृजन उत्तराखंड के बाढ़ और भूस्खलन से तबाह हुए उत्तराखंड के समुदायों को राहत देने के लिए शुरू की गई गेल की एक पहल है। जून 2013 में आई प्राकृतिक आपदा में 4000 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। हमने प्रभावित क्षेत्रों में और उसके आसपास प्रभावित लोगों को दीर्घावधि सहायता प्रदान की। हमने मांग की प्रभावित क्षेत्रों में और आसपास के लोगों के लिए दीर्घकालिक समर्थन का विस्तार करना। इसे बहु–क्षेत्रीय और आपदा प्रबंधन और उपशमन की भावी अवधारणा के माध्यम से प्राप्त किया गया। हमारे द्वारा शुरू किए गए पुनरुत्थान कार्य में रोजगार के पारंपरिक स्रोतों, प्रशिक्षण,

मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रशिक्षण, स्व–सहायता समूहों और एफआईजी गठन आदि पर निर्भरता को कम करने के लिए नए कौशल और कैरियर पथ के प्रावधान शामिल है। इसके माध्यम से 7,614 व्यक्तियों को सहायता दी गई है। हम क्षेत्र में एक सुदृढ़ और अधिक विविध अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करते हैं। इस परियोजना में और अधिक महिलाओं को शामिल किया जा रहा है, जैसे माइक्रो वित्त–पोषण और आंतरिक–ऋण जैसी उद्यमों की सहायक पहलें शामिल हैं।

गेल परियोजना सृजन, को प्रतिष्ठित फिक्की सीएसआर पुरस्कार, 2016 प्राप्त हुआ है और

इसे लंदन में आयोजित होने वाले उत्तरदायी व्यवसाय पुरस्कार 2017 यूपीएस अंतर्राष्ट्रीय आपदा राहत और पुनरुत्थान पुरस्कार श्रेणी के अंतर्गत चुना गया है, जिसे गेल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आपदा का समाधान करने, समुदायों को अंतर्राष्ट्रीय आपदा से निपटने के लिए तैयार रहने, आपदा पर तुरंत कार्रवाई करने और उससे उबरने के लिए प्रदान किया जाएगा।

खुले में शौच जाने का विश्वव्यापी परिदृश्य

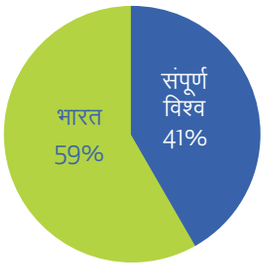

विश्व में 1.1 बिलियन लोग खुले में शौच करते हैं

वॉश परियोजना का जीवनचक्र

डिजाइन और योजना	निष्पादन	रखरखाव	निगरानी, मूल्यांकन
• आवश्यकता आकलन • व्यवहार्यता	• भागीदारी चयन • प्रचालन मॉडल	• विक्रेता चयन • मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी)	• निगरानी ढांचा • बेसलाइन, एंडलाइन

मूल्य श्रृंखला में प्रत्येक घटक को व्यापक जीवनचक्र अपनाने की आवश्यकता है

वॉश में सीएसआर

स्वच्छता पारिस्थितिकी प्रणाली : एक अवधारणा अवसंरचना

मूल्य श्रृंखला

जल उपलब्धता और आपूर्ति	शौचालय निर्माण	प्रचालन और रखरखाव	ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन
• स्वच्छ पेयजल • स्रोत • भंडारण • आपूर्ति	• समुदाय • परिवार • ग्रामीण • शहरी • स्कूल • लिंग, बच्चे, दिव्यांग	• रखरखाव • साफ–सफाई • मरम्मत • सामुदायिक आधारित • बाहरी एजेंसियां	• एकत्रण • परिवहन • उपचार • रिसाइकिल और पुनः प्रयोग

व्यवहार परिवर्तन और क्षमता निर्माण

वॉश परस्पर संबद्ध तीन सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्रों के लिए जरूरी है जिन पर आवश्यक ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है – पानी, स्वच्छता, रेत स्वच्छता। देश में वर्तमान स्वच्छता संकट इन क्षेत्रों की उपेक्षा के कारण है। खराब स्वच्छता, पानी और स्वच्छता का स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। देश की 50% जनसंख्या द्वारा खुले में शौच करने के वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए स्वच्छता राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। स्वच्छ भारत मिशन ने स्वच्छता पर ध्यान केन्द्रित किया है।

विश्व स्तर पर अतिसार से होने वाली 88% मौतें उचित स्वच्छता सुविधाएं न होने के कारण होती हैं

67% ग्रामीण भारतीय परिवारों की अभी भी उचित स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच नहीं है

असुरक्षित पानी पीने के कारण भारत में 97 मिलियन लोग कई संक्रमण रोगों के शिकार हो जाते हैं

स्वच्छ भारत मिशन

संहिता और भारतीय स्वच्छता गठबंधन की हाल की एक रिपोर्ट के अनुसार जल, स्वच्छता और साफ–सफाई (वॉश) में हम सबसे व्यापक बजट वाले शीर्ष 5 सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में से हैं।

कर्मचारियों के साथ स्टेकहोल्डरों की नियुक्ति का विवरण मानव पूंजी और प्रथाएं अध्याय में दिया गया है।

अध्याय

10

मानव पूंजी और व्यवहार

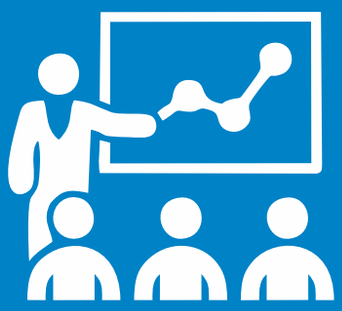

वित्त वर्ष 2016–17 में
कर्मचारियों को कुल 48283
श्रम घंटे
का प्रशिक्षण प्रदान किया गया

गेल के **81% कर्मचारियों**
को स्थायी विकास में
प्रशिक्षित किया गया है

गेल पाता में सक्षम 2017 के दौरान साइक्लोथोम की झलक

मानव पूंजी और व्यवहार

गेल में हम सकारात्मक, नैतिक और ठोस संगठनात्मक संस्कृति की स्थापना करते हैं जो एक कार्यशील, स्वस्थ और समावेशी कार्यबल सुनिश्चित करते हैं। हम अपने लोगों को व्यापार की दिशा के अनुसार, उनके लक्ष्य को हासिल करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की सलाह देते हैं।

अपने मौजूदा कारोबार को आकर्षित करने, बनाए रखने, विकसित करने, प्रेरित करने और हमारी भर्ती के लिए स्थापित व्यवस्थाएं हैं जिनकी संख्या हमारे कारोबार के विस्तार को देखते हुए बढ़ रही हैं। सभी मानव संसाधन प्रक्रियाएं प्रतिभा को आकर्षित करने, उन्हें बनाए रखने, विकास और प्रेरणा के लिए सोच–समझकर योजना बनाने और कुशल निष्पादन के साथ लागू की जाती हैं।

जबकि हम तेल और गैस क्षेत्र के अस्थिर परिवेश से निपटने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं, कर्मचारी इस विकास का मुख्य भाग होते हैं। हम विनियामक परिवेश, राष्ट्रीय और वैश्विक प्राथमिकताओं पर विचार करते हुए अपनी भावी रणनीतियों, लक्ष्यों और आकांक्षाओं के अनुरूप अपनी मानव पूंजी की भर्ती करते हैं, उन्हें प्रशिक्षित और विकसित करते हैं। गेल, पारदर्शिता, जवाबदेही, सहयोग और मानव पूंजी विकास पर बहुत महत्व देता है ताकि वर्तमान और भावी दोनों चुनौतियों का सामना किया जा सके। समुदाय के प्रति उदारवादी दृष्टिकोण गेल में हमारे प्रचालन का केंद्र बिंदु होता है। हमारा सीएसआर लक्ष्य सामाजिक चुनौतियों का सामना करना और स्थायी समाधानों के विकास में सक्रिय रूप से योगदान करना है। इस वर्ष सीएसआर गतिविधियों पर 123.58 करोड़ रुपए खर्च किए गए।

निदेशक (मानव संसाधन)

हमारा दृष्टिकोण

हमारा प्रमुख जोर संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मानव संसाधन विकास पहलों का कार्यनीतिक उद्देश्यों के साथ तालमेल बनाना है। इसमें कौशल विकास, क्षमता निर्माण, प्रतिभा अर्जन, विकास और प्रतिधारण पर ध्यान दिया जाता है। हमारा उद्देश्य एचआर प्रक्रियाओं और प्रणालियों का अपनी व्यापारिक आवश्यकताओं के साथ सामंजस्य स्थापित करना है। वर्तमान परिदृश्य के अनुसार हम विशिष्ट दक्षता की आवश्यकता के लिए विभिन्न कार्यों में लगातार अपनी जनशक्ति आवश्यकताओं का आकलन करते हैं। बहु दक्षताओं को हासिल करने के लिए विविध टीमें बनाई गई हैं। हम क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण को एक प्रमुख साधन मानते हैं और सभी कर्मचारियों के प्रभावी प्रदर्शन को बढ़ावा देते हैं।

नेतृत्व विकास और उत्तराधिकार योजना

हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक कर्मचारियों की नेतृत्व क्षमता का विकास करना और उन्हें तराशना है। वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों का क्षमता निर्माण करने के लिए, हम वरिष्ठ प्रबंधन विकास केंद्र (एसएमडीसी) कार्यक्रम के आधार पर नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। वरिष्ठ प्रबंधन (ई–5 ग्रेड) और इससे ऊपर के सभी कार्यकारी अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया है।

प्रतिभागियों में सुधार के लिए पता लगाए गए क्षेत्र में सहायता देने के लिए एक व्यापक व्यक्तिगत विकास योजना (आईडीपी) तैयार की गई थी। वरिष्ठ स्तर पर लगातार नेतृत्व सुनिश्चित करने के लिए, हम एक उत्तराधिकारी योजना फ्रेमवर्क को लागू करने पर भी सक्रिय रूप से विचार कर रहे हैं। जी4–एलए।

सही प्रतिभा को आकर्षित करना

तेल और गैस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर व्याप्त अस्थिरता ने प्रतिभा को आकर्षित करने में बड़ी चुनौती पेश की है। इस चुनौती को पूरा करने के लिए, मेरिट के आधार पर चयन करने की हमारी ठोस भर्ती नीति बहुत मददगार रही है। जी4–डीएमए

हमारी भर्ती प्रक्रिया में दो प्रमुख पहलू शामिल हैं, जिनमें से एक में हम नई प्रतिभाओं को शामिल करके उनका विकास करते हैं और दूसरे, जिसमें हम कमी को तत्काल पूरा करने के लिए आवश्यक अनुभव और कुशलता रखने वाले लोगों को नियुक्त करते हैं। हमारी मानव संसाधन आकलन प्रक्रिया (एचआरईई) कॉर्पोरेट स्तर पर की जाती है।

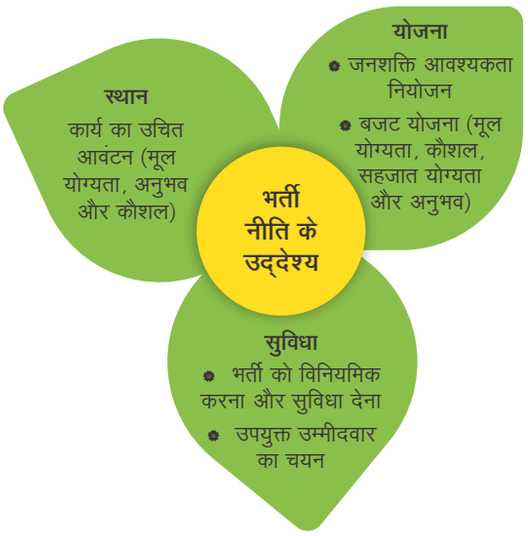

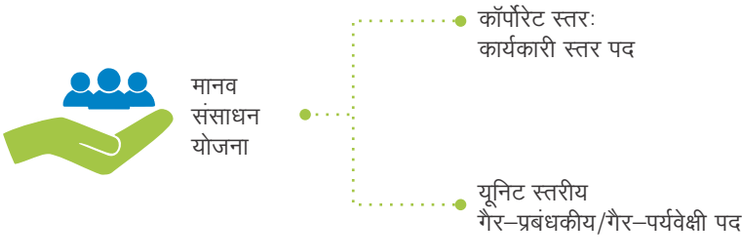

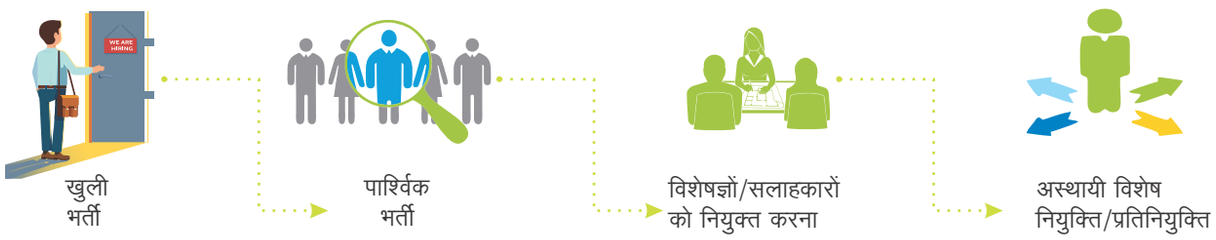

निम्नलिखित तालिका में पिछले चार वित्तीय वर्षों के दौरान हमारे नए रोजगार के बारे में जानकारी प्रदान की गई है: जी–4–एलए।

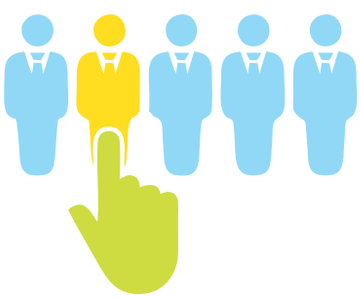

	पुरुष	महिला	कुल
2016–17 में नई नियुक्तियां	107	12	119
2015–16 में नई नियुक्तियां	134	2	136
2014–15 में नई नियुक्तियां	300	14	314
2013–14 में नई नियुक्तियां	121	11	132

प्रतिभा को बनाए रखना और प्रोत्साहित करना

प्रोत्साहन कर्मचारी की उत्पादकता और प्रदर्शन को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाता है, जिससे समग्र व्यवसाय निष्पादन बढ़ता है। हम पूरी तरह से अपने कर्मचारियों में निवेश करने में विश्वास करते हैं ताकि वे प्रोत्साहित हों और उनमें सहयोग करने की संस्कृति विकसित हो। कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने और कर्मचारी को बनाए रखने में सुधार करने के लिए कई औपचारिक और अनौपचारिक पहलें लागू की गई हैं।[जी4–10]

हमने वित्त वर्ष 2015–16 में 'गेल पल्स' के नाम से कर्मचारी नियुक्ति सर्वेक्षण का आयोजन किया था। सर्वेक्षण में नामावली में दर्ज सभी नियमित कर्मचारियों को शामिल किया गया। गेल पल्स की कुल प्रतिक्रिया/भागीदारी दर 63% थी। सर्वेक्षण के बाद, दिल्ली/एनसीआर; पाता; विजयपुर और अन्य प्रमुख कार्य केंद्रों में फोकस समूह चर्चाओं की सहायता से निष्कर्षों का सत्यापन किया गया। गेल पल्स सर्वेक्षण के अंतिम विश्लेषण और सिफारिशों पर निगमित कार्यालय में आयोजित कार्य योजना कार्यशाला में चर्चा की गई। सुधार किए जाने वाले क्षेत्रों के लिए कार्य–योजना कार्यशाला में विनिर्दिष्ट कार्रवाई को चरणबद्ध ढंग से लागू करने हेतु योजना बनाई गई है।

हम उच्च प्रतिधारण और कम कर्मचारी कारोबार प्राप्त करने के लिए अपने कर्मचारियों को कार्य और जीवन के बीच अच्छा तालमेल बनाने का प्रयास करते हैं। गेल अपने कर्मचारियों को आकर्षक मुआवजा पैकेज प्रदान करता है। हम अन्य कई प्रकार के लाभ प्रदान करते हैं जैसे गृह निर्माण अग्रिम, वाहन अग्रिम, फर्निशिंग अग्रिम, और कंप्यूटर/लैपटॉप अग्रिम। कर्मचारियों को उनके कार्य से संबंधित उच्च योग्यता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाता है। गेल ऐसे पहले पीएसयू में से एक है, जिसमें महिला कर्मचारियों को दो साल की बाल देखभाल भुगतान छुट्टी उपलब्ध है। हमारी परिभाषित लाभ योजनाओं के तहत हम अधिवर्षिता लाभ निधि ट्रस्ट और भविष्य निधि ट्रस्ट में अंशदान करते हैं। इनके अलावा, गेल कर्मचारियों को अन्य लाभ योजनाएं भी प्रदान करता है जैसे उपदान, सेवा–निवृत्त पश्चात चिकित्सा लाभ, अर्जित छुट्टी लाभ, टर्मिनल लाभ, आधा वेतन छुट्टी और दीर्घ सेवा पुरस्कार शामिल हैं।

कर्मचारी प्रेरणा का निम्नानुसार महत्वपूर्ण एचआर पहलू है:

- एचआर/एचआरडी नीतिगत ढांचे की नियमित समीक्षा
- संगत और मूल्य वर्धन शिक्षा और विकास के अवसर
- सही काम के लिए सही व्यक्ति का चयन सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थित प्लेसमेंट
- नए कर्मचारी का प्रवेश–सह–कार्योन्मुखीकरण तथा परिचय
- शिकायत निवारण तंत्र की नियमित निगरानी
- कार्य केंद्रों में बुनियादी और अन्य सुविधाओं में लगातार सुधार
- एसएपी के माध्यम से कर्मचारी के दावों/अनुरोधों आदि के लिए औसत प्रतिक्रिया समय की निगरानी
- ढांचागत नेतृत्व विकास कार्यक्रम

औपचारिक और ढांचागत प्रशिक्षण के अलावा, हम अपने कर्मचारियों को सेवाकालीन प्रशिक्षण प्रदान करते हैं जो उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने और उनकी सफलता और हमारे विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। यह लंबे समय तक हमारे प्रतिभाशाली पेशेवरों का हमसे जुड़े रहने का एक प्रमुख कारक है। गेल मानव संसाधन टीम ने नए भर्ती कर्मचारियों अर्थात कार्यपालक प्रशिक्षुओं के लिए एक ठोस और प्रभावी प्रवेश–सह–कार्योन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया है।

इस कार्योन्मुखी कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, नए भर्ती कर्मचारियों ने विभिन्न व्यवसाय कार्यों के प्रमुखों के साथ बातचीत की है जिससे उन्हें हमारे व्यवसायों और मूल्य श्रृंखला के बारे में अधिक जानकारी मिलती है। हमारी संस्कृति में नए भर्ती कर्मचारियों के निरंतर एकीकरण को सक्षम बनाने के लिए, हमने कार्यकारी प्रशिक्षुओं के लिए संगठन में एक शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें उन्हें एक शिक्षक सौंपा गया है जो उन्हें किसी भी निजी या पेशेवर मामले में उनकी सहायता करने के लिए एक वरिष्ठ कार्यपालक होता है।

क्षमता निर्माण

हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि मानव संसाधन हमारी विजन, मिशन और उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों में से एक है। इस प्रकार, क्षमता निर्माण और प्रतिभा विकास महत्वपूर्ण ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्र रहे हैं। हम अपने कर्मचारियों को बहु कार्यात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अन्य कार्यात्मक क्षेत्रों की मूलभूत बातें सीखने और अति विशिष्ट कार्यों के व्यावहारिक अनुभव के द्वारा उनके कौशल को प्रखर करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। हमारे दो प्रशिक्षण सुविधा केन्द्रों अर्थात् वर्ष 1997 में गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई), नोएडा और 2005 में जीटीआई, जयपुर की स्थापना से सभी कार्यपालकों के लिए प्रत्येक वर्ष एक व्यापक इलेक्ट्रॉनिक प्रशिक्षण आवश्यकता आकलन (टीएनए) प्रणाली तैयार की गई है, जिसके द्वारा सभी कार्यपालकों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकता, कर्मचारियों से प्राप्त रिपोर्टिंग और कार्यपालकों की सिफारिशों का मूल्यांकन किया जाता है।
जी4–डीएमए, जी4–एलए9, जी4–एलए10

टीएनए के माध्यम से चयनित प्रशिक्षण की जरूरतों के आधार पर, सभी कर्मचारियों को वित्त वर्ष 2016–17 के लिए एक कार्यात्मक/बहु कार्यात्मक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया है तथा जीटीआई द्वारा वित्त वर्ष 16–17 की अनुसूची के अनुसार एक वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर (एटीसी) तैयार करके उसे लागू किया गया था। उसे इस पहल के लिए प्रतिष्ठित गोल्डेन पीकॉक नेशनल ट्रेनिंग अवार्ड–2016 से सम्मानित किया गया है।

वित्त वर्ष 2016–17 में, प्रत्येक कर्मचारी ने 45 घंटे का औसत प्रशिक्षण प्राप्त किया और वित्त वर्ष 2016–17 के लिए कुल प्रशिक्षण व्यय 12 करोड़ रुपए था।

कार्यनीति 2020 में चयनित क्षमता निर्माण क्षेत्रों जैसे जोखिम विश्लेषण, व्यवसाय मॉडलिंग और एक्सेल, हेजिंग और जोखिम प्रबंधन के माध्यम से वित्तीय विश्लेषण, शिपिंग और वैश्विक ऊर्जा बाजार और प्रतिस्पर्धा सहित अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में एलएनजी उद्योग विकास में जीटीआई ने संगठित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है। एचआरडी विभाग ने वित्त वर्ष 2016–17 में ई–5 ग्रेड में 316 कार्यपालकों के लिए वरिष्ठ प्रबंधन विकास केंद्र (एसएमडीसी) कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें वरिष्ठ की क्षमता का आकलन किया गया, जिसमें संशोधित योग्यता ढांचा अर्थात् क्षमता के आधार पर 7 योग्यताएं जैसे संबंध प्रबंधन, विलेषनात्मक समस्या समाधान, निर्माण क्षमता, उपलब्धि अभिविन्यास, निष्पादन उत्कृष्टता, योजना, योजना बनाना एवं दूरदर्शिता तथा संचार प्रबंधन शामिल हैं। आईआईएम लखनऊ और आईआईएम, कोलकाता के माध्यम से स्वनिर्धारित व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम (आईडीपी) का आयोजन किया गया।

वर्ष के दौरान नए पदोन्नत डीजीएम/जीएम/ईडी के लिए जीटीआई में प्रबंधन विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। ज्ञान प्रबंधन पहल के रूप में, 9वीं ज्ञान आदान–प्रदान संगोष्ठी का जीटीआई नोएडा में सितंबर–2016 के दौरान आयोजन किया गया। 4 विभिन्न श्रेणियों (ऊर्जा संरक्षण, एचएसई और सीएसआर ओएंडएम (पाइपलाइन और कम्प्रेसर स्टेशन, ओएंडएम (प्रोसेस संयंत्र) और कॉरपोरेट कार्य) पर कुल 75 पेपरों में से जूरी द्वारा 22 पेपरों का चयन करके उनका मूल्यांकन किया गया।

जीटीआई ने विभिन्न विषयों गेल बिजनेस, पारिस्थितिकी, पर्यावरण और स्वच्छ भारत, हिंदी, भारतीय संविधान और ऊर्जा संरक्षण) में सभी कर्मचारियों के लिए इंट्रानेट के माध्यम से विभिन्न प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की। हम स्थिरता, सुलभ कौशल, प्रेरणा, कार्यात्मक पहलुओं, स्वास्थ्य, पर्यावरण, मानव अधिकारों पर भी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। गेल के 81% कर्मचारियों को सतत् विकास में प्रशिक्षित किया गया है।

जीटीआई द्वारा पदोन्नति के लिए पात्र एस7 कर्मचारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसएमडीसी अभ्यास के अंतर्गत पात्र कर्मचारियों के लिए आईआईएम में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा जीटीआई में इस विषय पर एक केस अध्ययन सत्र आयोजित किया गया।

ज्ञान अर्जन करने और ज्ञान का प्रसार करने की पहल के रूप में, विभिन्न कार्य केंद्रों के 40 कर्मचारियों के लिए एक मामला अध्ययन कार्यशाला आयोजित की गई। एनजी पाइपलाइन, एलपीजी पाइपलाइंस, पेट्रोकेमिकल्स, गैस प्रोसेसिंग संयंत्र,

कर्मचारियों का प्रतिशत, जिन्होंने वित्त वर्ष 2016–17 में दक्षता उन्नयन प्रशिक्षण प्राप्त किया

कुल स्थायी कर्मचारी	90.5%
स्थायी कर्मचारी पुरुष	94%
स्थायी कर्मचारी महिला	87%
दिव्यांग कर्मचारी	88%

	वित्त वर्ष 2015-16	वित्त वर्ष 2016-17
मूल्य वर्धित प्रति कर्मचारी (भारतीय रुपए लाख में)	165.00	218.38

जीपीयू और पाइपलाइन रखरखाव के क्षेत्रों में 9 मामला केस अध्ययन किए गए। इसके अलावा, कर्मचारियों को स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के बारे में जागरूक करने के लिए, पुस्तकों का एक सेट सभी कर्मचारियों को वितरित किया गया। इसके अलावा, हमारे सुझाव, सीखने, नवाचार, केस अध्ययन और असाधारण (एसएलआईएसई) योजना में 191 प्रविष्टियां मिलीं और उनमें से 11 को एसएलआईसीआई समिति द्वारा समीक्षा के बाद लागू किया गया है। अन्य महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई:

हमने अधिवर्षिता प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के लिए कई कार्यक्रम तैयार किए हैं ताकि उनके लिए भविष्य में एक सुगम जीवन सुनिश्चित हो सके। इन कार्यक्रमों में ऐसे घटक शामिल हैं जो वद्धावस्था की चुनौतियों का सामना करने और वृद्धजनों का उपयोगी समय प्रबंधन करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। हम उन्हें वित्तीय निवेश योजनाओं और अन्य कानूनी दायित्वों के बारे में भी जागरूक करते हैं जैसे वसीयत लिखना तथा उन्हें दी जा रही महत्वपूर्ण गतिविधियों और सुविधाओं के बारे में सूचित करने के लिए हमारे यहां एक विशेष पोर्टल भी है।

रोजगार और श्रम व्यवहार

उनका व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और संरक्षण हमारे लिए सर्वोच्च महत्व रखता है, और इसे सुनिश्चित करने के लिए कि हमने निवारक और सुरक्षात्मक उपाय किए हैं। गेल औपचारिक संयुक्त प्रबंधन स्वास्थ्य और सुरक्षा समितियों में अपने कर्मचारियों का 100% प्रतिनिधित्व करता है जो व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा कार्यक्रमों की निगरानी करने में हमारी सहायता करते हैं। इसके विवरण का स्वास्थ्य और सुरक्षा अध्याय में उल्लेख किया गया है।

हम चाहते हैं कि हमारा कार्यबल खुशहाल और समर्थित महसूस करे। हम व्यापार के लिए विविध और समग्र कार्यबल बनाए रखने के फायदों से भी परिचित हैं। हम एक ऐसे परिवेश को बढ़ावा देते हैं जो गुणों और समावेश पर आधारित हो, जहां सभी कर्मचारी अपनी पूरी क्षमता विकसित कर सकें और उनकी आयु, विश्वास, विकलांगता, जातीयता या राष्ट्रीय मूल, लिंग, लिंग पहचान, वैवाहिक या नागरिक भागीदारी, राजनीतिक राय, जाति, धर्म या यौन अभिविन्यास का भेदभाव किए बिना समान पारिश्रमिक प्राप्त कर सकें। जैसा कि पहले बताया गया है, हमारे कर्मचारियों की भर्ती के लिए हमारे पास पूर्ण योग्यता आधारित दृष्टिकोण है। जी4–ईसी3, जी4–एलए2, जी4–एलए13, जी4–डीएमए

समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 का पूर्ण अनुपालन किया जाता है और लिंग के आधार पर मजदूरी में कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। महिला कर्मचारियों की भर्ती और उन्हें बनाए रखने के लिए हमारे क्षेत्र में निहित चुनौतियों के बावजूद, हम उनके लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। गेल में एक विशेष महिला सेल महिला कार्यबल तक पहुंच बनाने, संवाद करने और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न सहित उनकी चिंताओं का पर्याप्त रूप से समाधान करने पर केंद्रित है। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 में महिलाओं के यौन उत्पीड़न की आवश्यकताओं के अनुसार कार्यस्थल पर महिलाओं की यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध और निवारण पर एक नीति है। आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) यौन उत्पीड़न के बारे में प्राप्त शिकायतों का निवारण करने के लिए स्थापित की गई। वर्ष 2016–17 के दौरान, तीन यौन उत्पीड़न शिकायतें प्राप्त हुई और उनका वित्तीय वर्ष 2016–17 में ही निपटारा कर

दिया गया था।

इसके अतिरिक्त, हमने अपने प्रचालन स्थलों पर महिला क्लबों की स्थापना की है और उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने और संतुष्टि का स्तर बढ़ाने के लिए गेल महिला पुरस्कारों की स्थापना की है।

एसोसिएशन की स्वतंत्रता और परस्पर संवाद

गेल, श्रमिक संघ, अफिसर एसोसिएशन, महिला फोरम, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारी आदि को मान्यता और समर्थन देकर एसोसिएशन की स्वतंत्रता और परस्पर संवाद को कायम रखता है। गेल में दो यूनियन हैं जो अपने संबंधित कामगार/स्टॉफ के हितों का प्रतिनिधित्व करती हैं। गेल कर्मचारी संघ (जीईए) निगमित कार्यालय को छोड़कर देश भर में विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों /संयंत्रों/ प्रतिष्ठानों में तैनात गैर–कार्यपालक का एक प्रतिनिधि निकाय है। निगमित कार्यालय में तैनात गैर–कार्यपालक गेल कर्मचारी संघ (जीकेएस) के माध्यम से प्रतिनिधित्व करते हैं। नियमित कर्मचारियों का प्रतिशत इन मान्यता–प्राप्त कर्मचारी संघों के

सदस्यों के रूप में 20.41% है।[जी4.11 जी–4–डीएमए, जी4–एचआर4]

कार्य केंद्र और कॉर्पोरेट स्तर पर कर्मचारी समूह के साथ चर्चाएं मासिक/द्वि–मासिक/त्रैमासिक आधार पर की जाती हैं। प्रभावी निगरानी के लिए, कार्य केंद्रों पर होने वाली चर्चाओं के रिकार्ड को कॉर्पोरेट कार्यालय में निदेशक (एचआर) को मासिक आधार पर भेजा जाता है। हम औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 9क और महत्वपूर्ण प्रचालनात्मक बदलावों जी4–एलए4 के संबंध में नोटिस अवधि प्रदान करने के लिए अनुसूची 4 का पालन करते हैं। ऐसा कोई प्रचालन नहीं है जिसमें जोखिम न हो और वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान एसोसिएशन और सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता के अधिकारों का उल्लंघन न हुआ हो। संविदा कर्मचारियों जी4–एलएबी से संबंधित स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी मामलों को ट्रेड यूनियनों के साथ औपचारिक समझौतों में शामिल किया गया है।

मानवाधिकार

एक व्यस्त, स्वस्थ और समावेशी कार्यबल का निर्माण करना हमारे लिए महत्वपूर्ण है। हम मानवीय व्यवहार के उच्चतम मानकों का पालन करते हैं और हमारे साथ जुड़े सभी लोगों का सम्मान करते हैं। हमारी ऐसे सभी कार्यों, जिनसे मानवाधिकारों का उल्लंघन होता हो, के प्रति शून्य सहिष्णुता है। हम बाल और बलात मजदूरी के लिए भी शून्य–सहिष्णुता नीति का पालन करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे किसी भी प्रचालन में ऐसा कोई रोजगार न हो। वित्त वर्ष 2016 में बच्चों को काम पर लगाने या बलात या अनिवार्य मजदूरी कराने की कोई सूचना नहीं मिली है। हमारे मूल मूल्यों में इंसानियत का सम्मान करना है। हम यूनाइटेड नेशन्स ग्लोबल कॉम्पैक्ट (यूएनजीसी) के हस्ताक्षरकर्ता हैं, जो मानवाधिकारों पर विशेष ध्यान देते हैं। हम व्यापार और मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र मार्गदर्शी सिद्धांतों के प्रति भी प्रतिबद्ध हैं।

हम तेल और प्राकृतिक गैस क्षेत्र के कुछेक

1. कंपनी की रणनीति 2020 के अनुरूप नए व्यापारिक क्षेत्रों पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए
2. वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान प्रति कर्मचारी को औसतन 5 से अधिक कार्य दिवसों का प्रति प्रशिक्षण प्रदान किया गया
3. सभी नये कार्यकारी अधिकारियों के लिए शिक्षण कार्यक्रम स्थापित किया गया है।
4. कर्मचारियों को सभी साइटों पर सर्वोत्तम अभ्यास साझा करने के लिए प्रेरित करने हेतु ज्ञान आदान–प्रदान संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
5. कर्मचारियों को व्यापारिक क्षेत्रों में व्यापार जगत से जुड़े नवीनतम घटनाक्रमों से अवगत कराने के लिए, व्यापार प्रश्नोत्तरी और व्यवसायिक रूपरेखा का आयोजन किया गया।
6. हमारे तकनीकी मानव संसाधनों को अत्याधुनिक विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए एनएसीई, एएसईई, ओईएम और तकनीकी लाइसेंसधारियों से प्रमाणन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए
7. ईएंडपी विभाग के अधिकारियों को अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास निगम (आईएचआरडीसी), अमेरिका से ई–लर्निंग मॉड्यूल आईपीआईएमएस के लिए एक वर्ष की उपलब्धता प्रदान की गई है।
8. व्यक्तिगत विकास योजना (आईडीपी) बनाई गई और इसमें हावर्ड प्रबंधन शिक्षक (एचएमए) से ई–लर्निंग मॉड्यूल तथा आईआईएम, लखनऊ और कोलकाता के जरिए अनुकूल प्रबंधन विकास कार्यक्रम शामिल था।

संगठनों में से एक हैं जिन्होंने एसए 8000, सभ्य कार्यस्थलों का ऑडिट करने योग्य प्रमाणीकरण मानकों को लागू किया है। एसए 8000 मानव अधिकारों के संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र (यूएनएचआर) पर आधारित है, आईएलओ, संयुक्त राष्ट्र और राष्ट्रीय कानून के सम्मेलनों को गेल हजीरा में लागू किया गया था। हम इन नीतियों और मानवाधिकारों के प्रति स्वैच्छिक रूप से प्रतिबद्ध हैं और उन्हें सही इरादों के साथ बनाए रखे हुए हैं। मानवाधिकारों का मुद्दा एक अच्छी कॉरपोरेट नागरिकता के लिए महत्वपूर्ण है जिससे स्वस्थ आधार बनता है। हमारी प्रवेश प्रक्रिया में इन पहलुओं पर समझ विकसित करने के लिए गेल के सीडीए नियमों पर प्रशिक्षण देना शामिल है। श्रम कानूनों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम और गेल प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित आउटसोर्सिंग कार्यक्रम में मानवाधिकारों के लगभग सभी पहलुओं को कवर किया जाता है। प्रत्येक वर्ष ऐसे कार्यक्रम आउटसोर्सिंग अनुबंधों के प्रभार सहित वार्षिक प्रशिक्षण योजना के एक भाग के रूप में आयोजित किए जाते हैं। जी–4–डीएमए, जी4–एचआर 1, जी–4–एचआर2, जी4–एचआर3, जी4–एचआर5, जी4–एचआर6, जी4–एचआर7, जी–4–एचआर9

Training on Human Rights	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
Number of Man-hours	352	432	544	4556

हमारा निष्पादन एक नज़र में

सामग्री खपत	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
एनजी संसाधित	एमएमएससीएम	15,120	14,373	14,529	13,584	22,060	23,726
उत्पाद हेतु एनजी	एमएमएससीएम	1,137	1,080	1,058	1,112	966	1,430
पाइपलाइन हेतु लीन एनजी	एमएमएससीएम	13,419	12,944	13,203	12,044	19,515	18,880
संबद्ध सामग्री	मी.टन	9,916	10,631	10,563	11,350	13,428	16,026
पैकेजिंग सामग्री	मी.टन	2,249	2,208	2,090	2,228	1,693	3,025
रिसाइकल्ड सामग्री	मी.टन	0	0	0	0	0	0

ऊर्जा खपत (जीजे)	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
प्रत्यक्ष ऊर्जा	3,90,12,486	3,73,59,156	3,58,59,826	3,50,88,263	3,79,00,494	4,66,47,856
अप्रत्यक्ष ऊर्जा	11,66,546	11,18,455	11,26,035	12,33,894	18,47,583	22,05429
अक्षय ऊर्जा	12,156	27,980	88,274	95,944	80,943	92,075
एनजी फ्लेरिंग से ऊर्जा	3,37,453	3,67,375	3,47,921	3,55,781	3,91,379	5,20,210
एलपीजी फ्लेरिंग से ऊर्जा	4,923	2,472	2,889	3,035	5,240	4,914
एनजी निकासी से ऊर्जा	1,33,305	4,44,484	4,90,193	6,26,991	6,63,733	6,27,439
एलपीजी निकासी से ऊर्जा	3,739	2,619	4,744	5,626	5,468	6,809

ऊर्जा स्रोत (जीजे)	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
डीजल	19,666	20,093	20,330	18,628	14,467	18,438
प्राकृतिक गैस	3,10,33,613	3,00,56,464	2,89,88,285	2,81,63,438	3,21,65,593	3,63,96411
अवशिष्ट ईंधन	79,56,762	72,79,523	68,49,248	69,06,178	57,20,433	1,02,33,007
एलपीजी	2,444	3,076	1,963	18	0	0
कुल प्रत्यक्ष ऊर्जा	3,90,12,486	3,73,59,156	3,58,59,826	3,50,88,264	3,79,00,494	4,66,47,856

ऊर्जा बचत (जीजे)	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
कुल ऊर्जा बचत	**11,74,650**	**1,52,061**	**55,967**	**5,75,362**	**42,987**	**3,954**

जी4–ईएन1, जी4–ईएन2, जी4–ईएन3,, जी4–ईएन6, जी4–ईएन10, जी4–ईएन20, जी4–ईएन21, जी4–ईएन22, जी4–ईएन23, जी4–ईएन29, जी4–ईएन31, जी410, ओजी3, ओजी6

जीएचजी बचत (मी.टनईसीओ2)	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
कुल जीएचजी बचत	**66,159**	**8,805**	**4,225**	**33,253**	**3,599**	**1,005**

अक्षय ऊर्जा उत्पादन (जीजे)	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
पवन ऊर्जा	43,414	5,45,124	4,64,398	4,04,929	5,71,230	8,13,707
सौर ऊर्जा	75	3,262	34,621	31,553	34,790	36,189
कुल अक्षय ऊर्जा	**43,489**	**5,48,386**	**4,99,018**	**4,36,481**	**6,06,020**	**8,49,897**

वायु उत्सर्जन (टन/वार्षिक)	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
एसपीएम	1,012	912	815	491	360	476
एनओएक्स	695	848	968	1,482	1,318	1,770
सीओ	0	0	668	607	425	1,432
एसओएक्स	193	178	304	216	133	206
वीओसी	0	0	2	18	12	53
आर–134क	169	0	226	226	165	264

ओडीएस गैस खपत	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
आर22 (कि.ग्रा./वर्ष)	**2,299**	**2,778**	**1,951**	**2,428**	**3,154**	**3,433**

उत्सर्जन (टीसीओ2ईक्यू)	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
स्कोप 1 उत्सर्जन	23,63,624	23,81,898	22,85,196	22,52,649	25,49,023	29,50,694
स्कोप 2 उत्सर्जन	2,56,278	2,56,781	2,58,538	2,80,981	4,20,835	5,05,399
कुल जीएचजी उत्सर्जन	**26,19,902**	**26,38,679**	**25,43,735**	**25,33,629**	**29,69,858**	**35,493,35**

जल (मिलियन एम3)	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
कुल जल खपत	14	14	13	14	17	21
कुल उत्पादित अपशिष्ट जल	2.3	2.4	2	1.7	1.6	1.7
कुल डिस्चार्ज अपशिष्ट जल	1.3	1.2	1.2	1.1	1	1.3
रिसाइकिल / पुनः उपयोग जल	**0.9**	**1.1**	**0.8**	**0.6**	**0.5**	**0.2**

	2014-15			2015-16			2016-17		
निपटान का प्रकार	ठोस (मी.टन)	तरल (लीटर)	विविध (संख्या)	ठोस (मी.टन)	तरल (लीटर)	विविध (संख्या)	ठोस (मी.टन)	तरल (लीटर)	विविध (संख्या)
इंसिनरेशन	3	0	461	6,058	0	0	6,904	0	0
लैंडफिल	554	0	0	9	0	20	3	0	0
ऑनसाइट भण्डारण	57	13,532	1,456	218	19,677	991	0	625	3
रिसाइकिल	1,953	9,65,924	5,636	3,549	13,94,264	8,461	3,034	3,88,058	4,464
अन्य	865	78,014	1,055	627	44,113	2,236	855	1,10,597	1,105

ईएंडपी–अपशिष्ट टाइप ओजी7	वित्त वर्ष 2011–12
ड्रिलिंग मड एवं ड्रिल कटिंग (मी.टन)	**1,415**

पर्यावरणीय जुर्माना एवं नोटिस	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
कारण बताओ नोटिस प्राप्त	संख्या	1	0	0	0	0	1
पर्यावरणीय जुर्माना	भारतीय ₹ में	0	0	0	0	0	0

पर्यावरण व्यय (आईएनआर मिलियन)	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
अपशिष्ट का उपचार और निपटान	7	8	4	10	5	6
प्रदूषण नियंत्रण में प्रयुक्त उपकरण का मूल्य ह्रास और रखरखाव लागत	16	16	16	85	40	11
पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए बाहरी सेवाएं	4	5	5	9	10	8
प्रबंधन प्रणालियों का बाहरी प्रमाण–पत्र	1	1	1	2	1	3
सामान्य पर्यावरणीय प्रबंधन कार्यकलापों के लिए कार्मिक	20	18	17	18	31	20
स्वच्छ प्रौद्योगिकियों की स्थापना के लिए अतिरिक्त व्यय	10	1	-	29	4	19
पर्यावरण देयता के लिए बीमा	-	-	-	-	52	56
अन्य पर्यावरणीय लागत	6	5	3	7	5	11
कुल पर्यावरणीय व्यय	64	54	46	160	148	134

कर्मचारियों की स्वास्थ्य और सुरक्षा	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
सुरक्षा समितियों में प्रबंधन प्रतिनिधि	संख्या	245	247	290	301	300	315
सुरक्षा समितियों में गैर–प्रबंधन प्रतिनिधि	संख्या	172	182	189	166	196	206
बाल–बाल बचने के मामले – पुरुष	संख्या	156	156	217	316	342	411
बाल–बाल बचने के मामले – महिला	संख्या	0	1	2	2	3	2
मामूली चोट – पुरुष	संख्या	0	0	0	3	2	1
मामूली चोट – महिला	संख्या	0	0	0	0	1	0
सूचना देने योग्य चोट – पुरुष	संख्या	0	0	4	0	1	0
सूचना देने योग्य चोट – महिला	संख्या	0	0	0	0	0	0
सूचना देने योग्य चोट के कारण दिवस हानि – पुरुष	संख्या	0	0	0	0	6,045	0
सूचना देने योग्य चोट के कारण दिवस हानि – महिला	संख्या	0	0	0	0	0	0
हताहत – पुरुष	संख्या	0	0	0	0	1	0
हताहत – महिला	संख्या	0	0	0	0	0	0
प्राथमिक चिकित्सा मामले – पुरुष	संख्या	17	11	1	3	0	14
प्राथमिक चिकित्सा मामले – महिला	संख्या	0	0	0	0	0	0
कार्यरत मानवघंटे – पुरुष	मिलियन मानव घंटे	6.6	5.6	7.5	6.3	6.5	6.6
कार्यरत मानवघंटे – महिला	मिलियन मानव घंटे	0	0.2	0.3	0.2	0.2	0.2
व्यावसायिक रोग – संविदा कर्मचारी – पुरुष	संख्या	0	0	0	0	0	0
व्यावसायिक रोग – संविदा कर्मचारी – महिला	संख्या	0	0	0	0	0	0
एलटीआईएफआर – पुरुष	सूचना योग्य चोट – प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	.5	0	0.1	0
एलटीआईएफआर – महिला	सूचना योग्य चोट – प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	0	0	0	0
गंभीरता दर – योग	दिवस हानि प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	0	0	897	0
मृत्यु दर – पुरुष	मृत्यु दर प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	0	0	0	0
मृत्यु दर – महिला	मृत्यु दर प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	0	0	0	0

संविदा कर्मचारियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
बाल–बाल बचने के मामले – पुरुष	संख्या	208	184	229	207	198	197
बाल–बाल बचने के मामले – महिला	संख्या	0	0	0	0	0	0
मामूली चोट – पुरुष	संख्या	3	3	4	9	3	2
मामूली चोट – महिला	संख्या	0	0	0	0	0	0
सूचना देने योग्य चोट – पुरुष	संख्या	0	0	6	8	3	0
सूचना देने योग्य चोट – महिला	संख्या	0	0	0	0	0	0
सूचना देने योग्य चोट के कारण दिवस हानि – पुरुष	संख्या	0	0	12	16	6,068	0
सूचना देने योग्य चोट के कारण दिवस हानि – महिला	संख्या	0	0	0	0	0	0
हताहत – पुरुष	संख्या	0	0	0	0	2	0
हताहत – महिला	संख्या	0	0	0	0	0	0
प्राथमिक चिकित्सा मामले – पुरुष	संख्या	73	57	8	73	55	54
प्राथमिक चिकित्सा मामले – महिला	संख्या	0	0	0	0	0	4
कार्यरत मानवघंटे – पुरुष	मिलियन मानव घंटे	30.7	16.7	19.7	19.8	28.3	26.5
कार्यरत मानवघंटे – महिला	मिलियन मानव घंटे	0	0.4	1	0.5	0.5	0.32
व्यावसायिक रोग – स्थायी कर्मचारी – पुरुष	संख्या	0	0	0	0	0	0
व्यावसायिक रोग – स्थायी कर्मचारी – महिला	संख्या	0	0	0	0	0	0
एलटीआईएफआर – पुरुष	सूचना योग्य चोट – प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	0	0	0	0
एलटीआईएफआर – महिला	सूचना योग्य चोट – प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	0	0	0	0
गंभीरता दर – योग	दिवस हानि प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	9	2	211	0
मृत्यु दर – पुरुष	मृत्यु दर प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	0	0	0.07	0
मृत्यु दर – महिला	मृत्यु दर प्रति मिलियन कार्यरत मानव घंटे	0	0	0	0	0	0

घटना का विवरण	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
दुर्घटनाएं (अग्निकांड/रिसाव के अलावा)	0	0	0	0	1	1
अग्निकांड/रिसाव	0	0	3	2	1	4
घातक घटनाएं (उपर्युक्त के अलावा)	0	0	0	1	0	0
हताहतों की संख्या	0	0	0	22	3	0
चोटिल (उपर्युक्त सभी घटनाएं)	0	0	8	18	4	5

स्थायी कर्मचारी वितरण (संख्या) जी4–10	2015-16	2016-17
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7-ई9) - पुरुष	259	250
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7-ई9)- महिला	7	8
मध्यम प्रबंधन (ई4-ई6) - पुरुष	1,416	1,508
मध्यम प्रबंधन (ई4-ई6) - महिला	47	54
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0-ई3) - पुरुष	1,491	1,481
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0-ई3)- महिला	162	160
गैर–प्रबंधन (एस0-एस7) - पुरुष	899	854
गैर–प्रबंधन (एस0-एस7)- महिला	36	35
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7-ई9): आयु <30 वर्ष	0	0
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7-ई9): आयु 30 से 50 वर्ष	64	58
वरिष्ठ प्रबंधन (ई7-ई9): आयु >50 वर्ष	202	200
मध्यम प्रबंधन (ई4-ई6): आयु <30 वर्ष	0	0
मध्यम प्रबंधन (ई4-ई6): आयु 30 से 50 वर्ष	1,144	1,136
मध्यम प्रबंधन (ई4-ई6): आयु >50 वर्ष	319	426
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0-ई3): आयु <30 वर्ष	545	464
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0-ई3): आयु 30 से 50 वर्ष	823	838
कनिष्ठ प्रबंधन (ई0-ई3): आयु >50 वर्ष	285	339
गैर–प्रबंधन (एस0-एस7): आयु <30 वर्ष	121	125
गैर–प्रबंधन (एस0-एस7): आयु 30 से 50 वर्ष	687	645
गैर–प्रबंधन (एस0-एस7): आयु >50 वर्ष	119	119
कर्मचारी टर्नओवर - प्रबंधन	72	76
कर्मचारी टर्नओवर - गैर–प्रबंधन	9	7

स्थायी कर्मचारी वितरण (संख्या) जी4–10	2015-16	2016-17
कर्मचारी टर्नओवर - आयु <30 - पुरुष	17	29
कर्मचारी टर्नओवर - आयु <30 - महिला	2	5
कर्मचारी टर्नओवर - आयु: 30 - 50 - पुरुष	13	8
कर्मचारी टर्नओवर - आयु: 30 - 50 - महिला	2	3
कर्मचारी टर्नओवर - आयु >50 - पुरुष	45	41
कर्मचारी टर्नओवर - आयु >50 - महिला	2	1
वित्तीय वर्ष के दौरान किराए पर लिए गए नए कर्मचारी: पुरुष	134	107
वित्तीय वर्ष के दौरान किराए पर लिए गए नए कर्मचारी: महिला	2	12

संविदा कर्मचारी वितरण (संख्या)	2015-16	2016-17
सुरक्षा स्टॉफ पुरुष	2,599	2,244
सुरक्षा स्टॉफ महिला	4	4
नियमित संविदा कार्यकर्ता पुरुष*	15,287	15,672
नियमित संविदा कार्यकर्ता महिला*	362	329

प्रशिक्षण	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष) – पुरुष	1,07,250	1,29,831	1,20,497	1,39,647	1,54,468	1,55,436
प्रबंधन कर्मचारी (प्रत्यक्ष) – महिला	5,445	7,211	6,856	9,256	9,456	11,276
कामगार (प्रत्यक्ष कर्मचारी) – पुरुष	29,071	26,493	25,009	26,541	31,192	26,960
कामगार (प्रत्यक्ष कर्मचारी) – महिला	1,520	1,269	875	1,191	760	792
ठेकागत मजदूर (प्रचालन) – पुरुष	38,944	41,835	53,878	45,767	43,266	45,712
ठेकागत मजदूर (प्रचालन) – महिला	0	670	983	7,199	1,166	900
स्थायी कर्मचारी – शारीरिक रूप से विकलांग	0	0	1,007	2,652	2,212	2,230
ठेका कर्मचारी – शारीरिक रूप से विकलांग	0	0	0	4	4	0
सीधी भर्ती कर्मचारी के लिए प्रशिक्षण (जीटीआई नोएडा और जयपुर आधारित)	**1,28,160**	**1,44,672**	**1,59,906**	**1,94,464**	**1,28,160**	**1,44,672**

वित्त वर्ष 2016–17 में पितृत्व छुट्टी के बाद कार्य पर लौटने वाले कर्मचारी जी4–एल3	लिंग	संख्या
पितृत्व छुट्टी के लिए पात्र कर्मचारियों की संख्या	पुरुष	4,097
	महिला	257
पितृत्व छुट्टी लेने वाले कर्मचारियों की संख्या	पुरुष	142
	महिला	18
पितृत्व छुट्टी समाप्त होने के बाद कार्यभार ग्रहण करने वाले पात्र कर्मचारियों की संख्या	पुरुष	142
	महिला	18
पितृत्व छुट्टी समाप्त होने के बाद कार्य पर लौटने वाले कर्मचारी जो उनके लौटने के बाद 12 माह तक रोजगार में थे	पुरुष	141
	महिला	18
पितृत्व छुट्टी समाप्त होने के बाद कार्य पर लौटने वाले कर्मचारियों की प्रतिधारण दर	पुरुष	100
	महिला	100

	रिजर्व टाइप ओजी1	यूनिट	31 मार्च, 2017 को
कुल ईएंडपी रिजर्व	गैस	एमएमएससीएम	6,384
विकसित	गैस	एमएमएससीएम	4,524
गैर–विकसित	गैस	एमएमएससीएम	1,860

उत्सर्जन गणना पद्धति

पूर्ण स्कोप–1 उत्सर्जनों की गणना आईपीसीसी उत्सर्जन तथ्यों तथा आंतरिक प्रक्रिया गणना के आधार पर की गई है। उत्सर्जनों का ईंधन और प्रत्यक्ष सीओ2 उत्सर्जनों के विभिन्न स्रोतों से पता लगाया गया है। पूर्ण स्कोप–2 उत्सर्जन की गणना केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा प्रदत भारित औसत ग्रिड उत्सर्जन तथ्यों द्वारा की गई है।

प्रयुक्त दिशा–निर्देश जीएचजी प्रोटोकोल, आईएसओ 14064 हैं। विभिन्न ईंधनों, अक्षय ऊर्जा और विद्युत से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ऊर्जा की गणना ईंधन और सै)ांतिक थर्मल समानता के संबंधित कैरोलीयुक्त मूल्य द्वारा की गई है। एनओएक्स, एसओएक्स, एसपीएम, सीओ, वीओसी को परीक्षण रिपोर्ट आंकड़ों तथा मानक गणना फार्मूला द्वारा सूचित किया गया है।

DNV·GL

स्वतंत्र आश्वासन विवरण

कार्यक्षेत्र और दृष्टिकोण

डीएनवी जीएल बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (''डीएनवी जीएल'') गेल (इंडिया) लिमिटेड (गेल या 'द कंपनी') 31 मार्च, 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपने मुद्रित फार्मेट (''रिपोर्ट'') में कंपनी की स्थायित्व रिपोर्ट 2016–17 का स्वतंत्र आश्वासन करती है। इस कार्य को करने में हमारी जिम्मेदारी रिपोर्ट में व्यक्त स्थायित्व निष्पादन के सत्यापन से संबंधित है और यह कंपनी के प्रबंधन के सहमत कार्यक्षेत्र के अनुसार है। हमारी आश्वासन नियुक्ति नियोजित है और इसे जून और जुलाई, 2017 के दौरान चलाया गया था।

हमने अपना कार्य डीएनवी जीएल आश्वासन पद्धति वेरिसस्टेन टीएम1 का प्रयोग करते हुए किया, जो हमारे व्यावसायिक अनुभव, अंतर्राष्ट्रीय आश्वासन उत्कृष्ट पद्धति पर आधारित है जिसमें आश्वासन नियुक्ति पर अंतर्राष्ट्रीय मानक (आईएसएई) 3000 संशोधित' तथा लेखा योग्यता एए1000 आश्वासन मानक 2008 [(एए1000एएस (2008), और वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) स्थायित्व रिपोर्टिंग वर्जन 4 (जीआरआईजी4) तथा तेल और गैस क्षेत्र प्रकटीकरण (ओजीएसडी) शामिल है।

हमारे कार्यक्षेत्र में निष्पादन डेटा रिपोर्ट में स्थायित्व निष्पादन प्रकटीकरण पर गुणात्मक और मात्रात्मक सूचना का सत्यापन करना था, जिसमें जीआरआईजी4 पर आधारित तथा 1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 तक की रिपोर्टिंग अवधि द्वारा शुरू किए गए कार्यकलापों का आर्थिक, पर्यावरणीय तथा सामाजिक निष्पादन शामिल था।

हम समझते हैं कि सूचित वित्तीय आंकड़े और सूचना 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष गेल (इंडिया) लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट तथा लेखा के आंकड़ों पर आधारित हैं जो पृथक स्वतंत्र लेखा–परीक्षा प्रक्रिया के अधीन है। वार्षिक रिपोर्ट और लेखाओं से लिए गए वित्तीय आंकड़ों की समीक्षा कार्यक्षेत्र में नहीं आती।

हमने अपनी आश्वासन राय का आधार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक समझे जाने वाले साक्ष्य प्राप्त करने के लिए अपने कार्यों की योजना बनाई और अपना कार्य किया। हम मध्यम स्तर का आश्वासन उपलब्ध करा रहे हैं और इस आश्वासन नियुक्ति के मात्रा के रूप में किसी बाहरी शेयरधारक का साक्षात्कार नहीं लिया गया था।

गेल (इंडिया) लिमिटेड तथा आश्वासन प्रदायकों के प्रबंधन की जिम्मेदारी

गेल (इंडिया) लिमिटेड के शीर्ष प्रबंधन दल की रिपोर्ट को तैयार करने की एकमात्र जिम्मेदारी है और यह रिपोर्ट में उपलब्ध कराई गई सभी सूचना तथा विश्लेषण के लिए मुद्रित रिपोर्ट में प्रस्तुत सूचना के एकत्रीकरण, विश्लेषण और रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार है।

अपने आश्वासन कार्य को निष्पादित करते हुए हमारी जिम्मेदारी गेल (इंडिया) लिमिटेड का प्रबंधन है, तथापि हमारा विवरण हमारी स्वतंत्र राय को दर्शाता है तथा गेल (इंडिया) लिमिटेड के शेयरधारकों को हमारे आश्वासन के निष्कर्ष बताना चाहता है।

डीएनवी जीएल गेल (इंडिया) लिमिटेड को अनेक प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराता है, जिनमें से किसी के प्रति इस आश्वासन कार्य हितों का विवाद नहीं है। यह चौथा वर्ष है कि हमने पूरी रिपोर्ट का आश्वासन उपलब्ध कराया है।

डीएनवी जीएल की आश्वासन नियुक्ति इस अनुमान पर आधारित है कि गेल द्वारा हमारी समीक्षा के भाग के रूप में हमें उपलब्ध कराए गए आंकड़े और सूचना विश्वास के साथ उपलब्ध कराई गई है। डीएनवी–जीएल इस आश्वासन विवरण को छोड़कर रिपोर्ट में शामिल कोई विवरण या आंकड़ों को तैयार करने में शामिल नहीं था। डीएनवी–जीएल इस आश्वासन विवरण को छोड़कर रिपोर्ट में शामिल किसी विवरण या आंकड़ों को तैयार करने में शामिल नहीं था। डीएनवी जीएल आश्वासन विवरण पर आधारित किसी व्यक्ति या कंपनी के किसी निर्णय के लिए कोई जवाबदेही या सह–जिम्मेदारी का दावा नहीं करता।

हमारी राय का आधार

कॉर्पोरेट कार्यालय और गेल (इंडिया) लिमिटेड के साइट स्तरों पर स्थायित्व और आश्वासन विशेषज्ञों का एक बहु–विषयक दल कार्य निर्धारित करता है। हमने निम्नलिखित कार्यकलाप किए:

- मौजूदा स्थायित्व मुद्दों की समीक्षा जो कंपनी के स्थिर निष्पादन को प्रभावित कर सकते हैं और चयनित शेयरधारकों के हित में हो सकते हैं;
- शेयरधारक की वचनबद्धता और हाल के निदानों के लिए गेल दृष्टिकोण की समीक्षा करना यद्यपि हमारा शेयरधारकों के साथ कोई सीधा संबंध नहीं है;
- गेल द्वारा हमें उपलब्ध कराई गई सूचना पर उनकी रिपोर्टिंग और उनके सिद्धांतों से संबंधित प्रबंधन प्रक्रियाओं की समीक्षा करना;
- स्थायित्व मुद्दों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार चयनित निदेशकों, नेतृत्व दल, और वरिष्ठ प्रबंधकों के साथ साक्षात्कार किया गया तथा मुद्दों के समर्थन में चयनित साक्ष्यों की समीक्षा की गई। हमें साक्षात्कारों का चयन करने की स्वतंत्रता दी गई और हमने उनका कार्यक्रमों के लिए समग्र जिम्मेदारी के साथ साक्षात्कार लिया ताकि मध्यम और दीर्घावधि विजन, मिशन और उपलब्धियों के लिए गेल की स्थायित्व अपेक्षा 2020 प्रदान की जा सके;
- साइट स्तरीय स्थायित्व आंकड़ों को तैयार करने और स्थिरता कार्यनीति के कार्यान्वयन के लिए प्रक्रिया और प्रणालियों की समीक्षा करने हेतु नई दिल्ली में गेल कॉर्पोरेट कार्यालय, गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) तथा नोएडा में जुबली टॉवर तथा भारत में स्थित पांच प्रचालनात्मक स्थलों अर्थात् पेट्रोकेमिकल संयंत्र, पाटा (उ.प्र.) गैस प्रोसेसिंग यूनिट और कंप्रेशर स्टेशन, विजयपुर (म.प्र.), एलएनजी पंपिंग और प्राप्ति स्टेशन, मंसारामपुरा, जयपुर (राजस्थान), इंदौर (म.प्र.) के निकट खेड़ा में प्राकृतिक गैस कंप्रेशर स्टेशन तथा विज़ाग (आंध्र प्रदेश) में तरलीकृत गैस प्रोसेसिंग यूनिट का दौरा किया गया।
- हमने दौरे के लिए जिन स्थलों का चयन किया, उनका आधार पर्यावरण प्रभाव हेतु उनकी सामग्री, भौगोलिकता और प्रभागीय विस्तार था।
- रिपोर्ट में प्रमुख दावों और आंकड़ों हेतु सहायक साक्ष्यों की समीक्षा की गई। हमने अपनी जांच प्रक्रिया में सामग्री को प्राथमिकता दी तथा हमारी प्राथमिकता समेकित कॉर्पोरेट स्तर पर मुद्दों की सामग्री पर आधारित थी।
- विशिष्ट निष्पादन आंकड़ों को एकत्र और समेकित करने की प्रक्रिया की समीक्षा करना तथा नमूनों के लिए आंकड़ा समेकन की जांच करना, और
- वैश्विक रिपोर्टिंग पहल (जीआरआई) जी4 दिशा–निर्देश तथा तेल एवं गैस क्षेत्र प्रकटन (ओजीएसडी) की तुलना में गेल (इंडिया) लिमिटेड की स्वतंत्र आश्वासन रिपोर्टिंग करना।

आश्वासन प्रक्रिया के दौरान, हमें संयुक्त उद्यमों, सहायक कंपनियों, पट्टे पर ली गई सुविधाओं, तथा अन्य कंपनियों, जो रिपोर्ट में निर्धारित अनुसार कार्यक्षेत्र और सीमा से बाहर हैं, से संबंधित प्रकटन को छोड़कर सहमत आश्वासन नियुक्ति के कार्यक्षेत्र की सीमा की कोई बात सामने नहीं आई।

राय

किए गए कार्य के आधार पर, हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ नहीं आया जिससे यह पता चलता हो कि रिपोर्ट में जीआरआई जी4 तत्व सिद्धांतों, समन्वय मानक प्रकटन तथा ''के अनुसार'' –देखभाल रिपोर्टिंग के लिए विशिष्ट मानक प्रकटन का पालन करने के लिए गेल (इंडिया) द्वारा अनुपालन नहीं किया गया है।

क. सामान्य/मानक प्रकटन: सामान्य मानक प्रकटन पर दी गई जानकारी सामान्यत: 'के अनुसार' – देखभाल राय हेतु प्रकटन आवश्यकता को पूरी करती है।

ख. विशिष्ट मानक प्रकटन: रिपोर्ट में निम्नानुसार चयनित सामग्री पहलुओं हेतु जेनरिक प्रबंधन दृष्टिकोण प्रकटन (डीएमए) तथा चयनित सामग्री पहलुओं के लिए निष्पादन संकेतकों का उल्लेख किया गया है।

आर्थिक

- आर्थिक निष्पादन – जी4–ईसी1, ईसी3, ईसी4;
- अप्रत्यक्ष आर्थिक पहलू और सामुदायिक विकास–जी4–ईसी7, ईसीबी;
- प्रापण परिपाटियां–जी4–ईसी9;

1वेरीसस्टेन प्रोटोकॉल dnvgl.com पर उपलब्ध है
*ऐतिहासिक वित्तीय जानकारी की लेखा–परीक्षा या समीक्षा के अलावा अन्य आश्वासित कार्य

DNV·GL

पर्यावरणीय

- सामग्री – जी4–ईएन1;
- ऊर्जा – जी4–ईएन3, ईएन5 और ईएन6; ओजी2 और ओजी3;
- जल – जी4–ईएन8, ईएन9 और ईएन10;
- उत्सर्जन – जी4–ईएन15, ईएन16, ईएन18, ईएन19, ईएन20, ईएन21, ओजी6;
- बहिःस्राव और अपशिष्ट – जी4–ईएन21, ईएन23 और ईएन24;
- अनुपालन – जी4–ईएन29;

सामाजिक

श्रम परिपाटियां तथा उत्कृष्ट कार्य

- रोजगार – जी4–एलए1, एलए2 और एल3;
- श्रम और प्रबंधन संबंध – जी4–एलए4;
- व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा – जी4–एलए5, एलए6, एलए7 और एलएबी;
- प्रशिक्षण और शिक्षा – जी4–एलए9, एलए10, और एलए11;
- विविधता और समान अवसर – जी4–एलए12;
- महिलाओं और पुरुषों के लिए समान पारिश्रमिक – जी4–एलए13;
- श्रम परिपाटी का आपूर्तिकर्ता आकलन – जी4–एलए14 और एलए15;
- श्रम परिपाटी शिकायत प्रणाली – जी4–एलए16;

मानवाधिकार

- निवेश – जी4–एचआर1 और एचआर2;
- गैर–भेदभाव – जी4–एचआर3;
- एसोसिएशन और सामूहिक सौदेबाजी की स्वतंत्रता – जी4–एचआर4;
- बाल मजदूरी – जी4–एचआर5;
- बलात और अनिवार्य मजदूरी – जी4–एचआर6;
- सुरक्षा परिपाटियां – जी4–एचआर7;
- स्वदेशी अधिकार – जीआर–एचआर8;
- आकलन – जी4–एचआर9;
- आपूर्तिकर्ता मानवाधिकार आकलन – जी4–एचआर10 और एचआर11;
- मानवाधिकार शिकायत प्रणाली – जी4–एचआर12;

समाज

- स्थानीय समुदाय – जी4–एसओ1–एसओ2;
- भ्रष्टाचार–रोधी – जी4–एसओ3, एसओ4 और एसओ5;
- सार्वजनिक नीति – जी4–एसओ6;
- प्रतिस्पर्धी–रोधी आचरण – जी4–एसओ7;
- अनुपालन–जी4–एसओ8;
- समाज पर प्रभाव के लिए आपूर्तिकर्ता आकलन – जी4–एसओ9; एसओ10;
- समाज पर प्रभाव के लिए शिकायत प्रणाली–जी4–एसओ11;
- परिसंपत्ति अखण्डता और प्रोसेस सुरक्षा– ओजी13;

उत्पाद उत्तरदायित्व

- ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा–जी4–पीआर2;
- उत्पाद और सेवा लेबलिंग – जी4–पीआर3, पीआर4, पीआर5;
- विपणन संचार – जी4–पीआर6 और पीआर7;
- ग्राहक निजता – जी4–पीआर8;
- अनुपालन – जी4–पीआर9

टिप्पणियां

हमने अपनी राय को प्रभावित किए बिना निम्नलिखित टिप्पणियों की हैं। हमने 'अच्छा', 'स्वीकार्य' और 'सुधार की आवश्यकता है' के पैमाने पर निम्नलिखित सिद्धांतों के आधार पर रिपोर्ट के अनुपालन का मूल्यांकन किया है:

एए1000एएस (2008) सिद्धांत

समग्रता

स्थिरता के लिए जवाबदेह और कार्यनीतिक प्रतिक्रिया का विकास और उसे प्राप्त करने हेतु शेयरधारकों की भागीदारी।

शेयरधारक नियुक्ति प्रक्रिया स्वास्थ्य और सुरक्षा मुद्दों, गैस और पेट्रोलियम विपणन, पारदर्शिता और नीतिपरकता, अपशिष्ट प्रबंधन और प्रचालनात्मक दक्षता जैसे विविध शेयरधारकों की प्रमुख समस्याओं को दर्शाती है। शेयरधारक नियुक्ति से उत्पन्न समस्याओं को दर्ज करके सूचित किया गया है। हमारे विचार में, रिपोर्ट में इस सिद्धांत के जिस स्तर का अनुपालन किया गया है वह 'अच्छी' है।

भौतिकता

ऐसे मुद्दों पर कार्रवाई करना जो संगठन और इसके शेयरधारकों के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण हों।

गेल के कर्मचारियों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, गैर–सरकारी संगठनों, सरकारों, विनियामक निकायों, स्थानीय समुदायों और वरिष्ठ प्रबंधन सहित प्रमुख शेयरधारकों से प्राप्त जानकारी के आधार पर

सामग्री निर्धारण प्रक्रिया को पुनः वैध बनाया गया है तथा इसमें तेल और गैस क्षेत्र के लिए किसी ज्ञात सामग्री पहलुओं को छोड़ा नहीं गया है। कंपनी के प्रबंधन ने अपनी दीर्घावधि संगठनात्मक स्थिरता के लिए सतत् आधार पर निगरानी और प्रबंधन के लिए आंतरिक प्रक्रिया स्थापित की है। हमारे विचार में रिपोर्ट में इस सिद्धांत के लिए जिस स्तर का अनुपालन किया गया है वह 'अच्छी' है।

प्रतिक्रिया

कोई संगठन शेयरधारकों के मुद्दों पर किस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त करता है।

रिपोर्ट में शेयरधारकों के लिए सामग्री के पहलुओं की प्रमुख प्रतिक्रिया को व्यापक ढंग से लिए गए निर्णयों के बारे में सूचित किया गया है और रिपोर्ट में चयनित पहलू सीमा अवधि के अंदर तेल और गैस क्षेत्र के समग्र स्थिरता संदर्भ पर विचार करते हुए चयनित प्रमुख स्थिरता पहलुओं का पता लगाने से संबंधित कार्यनीतियों तथा प्रबंधन दृष्टिकोण का पर्याप्त रूप से खुलासा किया गया है। हमारे विचार में, रिपोर्ट में इस सिद्धांत के लिए जिस स्तर का अनुपालन किया गया है वह 'स्वीकार्य' है।

विश्वसनीयता

रिपोर्ट में प्रस्तुत सूचना की सटीकता और तुलनीयता तथा आंकड़ा प्रबंधन प्रणालियों में निहित गुणवत्ता।

कॉर्पोरेशन कार्यालय, जुबली टॉवर और जीटीआई नोएडा तथा पांच प्रचालनगत स्थलों पर सत्यापित अधिकांश आंकड़े और सूचना सही पाई गई और हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ नहीं आया जिससे यह पता चलता हो कि सूचित आंकड़े प्रचालन स्तर पर दी गई सूचना से मेल नहीं खाते थे, और न ही लगाया गया अनुमान अनुपयुक्त था। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान पता चले कुछ गलत आंकड़े प्रतिलिपि, व्याख्या और सामूहिक त्रुटि से संबंधित थे तथा इन त्रुटियों में सुधार करने के लिए कहा गया था। अतः टाइप 2 के लिए एए1000एएस (2008) आवश्यकता के अनुसार, मध्यम स्तरीय आश्वासन व्यवसाय के बारे में हमारा निष्कर्ष है कि विशिष्ट सतत् विकास आंकड़े तथा रिपोर्ट में प्रस्तुत सूचना आम तौर पर विश्वसनीय है। हमारे विचार में, रिपोर्ट में इस सिद्धांत के जिस स्तर का अनुपालन किया गया है वह 'अच्छी' है।

सतत् विकास निष्पादन पर सूचना का विशिष्ट मूल्यांकन

हम कंपनी द्वारा अपनी सतत् विकास निष्पादन रिपोर्टिंग के लिए कंपनी द्वारा विकसित सूचना प्राप्त करने की पद्धति और प्रक्रिया को उपयुक्त मानते हैं और रिपोर्ट में शामिल गुणात्मक और मात्रात्मक आंकड़े पहचान योग्य पाए गए थे; इसके लिए जिम्मेदार कार्मिक, आंकड़ों तथा इसकी विश्वसनीयता के मूल स्वरूप और व्याख्या को दर्शाने के लिए जिम्मेदार पाए गए। हमने पाया कि रिपोर्ट में कंपनी के सतत् विकास कार्यकलापों की निष्ठापूर्वक व्याख्या प्रस्तुत की गई है।

डीएनवीजीएल के सत्यापन–स्थिर प्रोटोकोल के अनुसार अतिरिक्त मानदंड

पूर्णता

संगठन और इसके शेयरधारकों से संबंधित कितनी सूचना की संगठन की सामग्री के रूप में पहचान की गई है।

रिपोर्ट में 'के अनुसार' – प्रमुख विकल्प से संबंधित जीआरआई जी–4 आवश्यकताओं के लिए प्रबंधन दृष्टिकोण, निगरानी प्रणालियों और सतत् विकास निष्पादन संकेतकों सहित सामान्य और विशिष्ट मानकों को खुलसा करने का स्पष्ट प्रयास किया गया है। कुछ सामग्री पहलुओं को छोड़कर निष्पादन और आंकड़ों की रिपोर्टिंग व्यापक है क्योंकि निष्पादन संकेतकों की रिपोर्ट करने की प्रणाली स्थापित की जा रही है और प्रकटन के लिए आंतरिक समय को निर्धारित किया जा रहा है। अतः हमारे विचार में, रिपोर्ट में इस सिद्धांत के जिस स्तर का अनुपालन किया गया है, वह 'स्वीकार्य' है।

तटस्थता

रिपोर्ट किस सीमा तक तटस्थता में किसी संगठन के निष्पादन का संतुलित लेखा–जोखा उपलब्ध कराती है।

स्थायित्व मुद्दों से संबद्ध प्रकटन तथा निष्पादनों को विषय–वस्तु तथा प्रस्तुति के अनुसार तटस्थ रूप में सूचित किया जाता है, तथापि, रिपोर्ट में सभी चयनित सामग्री पहलुओं, स्थिरता लक्ष्य और उद्देश्यों आदि के अनुसार प्रचालनों के विभिन्न भौगोलिक स्थलों की रिपोर्टिंग अवधि के दौरान सामना की गई चुनौतियों से संबंधित प्रतिक्रियाओं को प्रस्तुत किया जा सकता है। हमारे विचार में, इस सिद्धांत में रिपोर्ट के जिस स्तर का अनुपालन किया गया है, वह 'स्वीकार्य' है।

सुधार के लिए अवसर

कंपनी के प्रबंधन को सुधार करने के लिए टिप्पणियों और अवसरों के अंश नीचे दिए गए हैं और इस रिपोर्ट पर हमने अपना निष्कर्ष निकालने पर विचार नहीं किया है; तथापि ये सामान्यतः प्रबंधन के उद्देश्यों के अनुरूप हैं:

- भावी रिपोर्ट मूल्य श्रृंखला, संयुक्त उद्यमों तथा सहायक कंपनियों में सामग्री पहलुओं के प्रभावों को और उजागर करेंगी अर्थात् उनमें इसमें वित्तीय विवरण में शामिल सभी कंपनियों के लिए सामग्री का मूल्यांकन और सूचित सीमा की रिपोर्टिंग का विस्तार के स्थायित्व निष्पादन का खुलासा होगा।
- रिपोर्ट कंपनी के भौगोलिक स्थलों में स्थायी निष्पादन प्राप्त करने के लिए प्रमुख निष्पादन संकेतकों के भाग के रूप में स्थायी विकास लक्ष्य 2030 का वर्ष दर वर्ष आधार पर भी खुलासा कर सकती है;
- दीर्घकालिक स्थिरता लक्ष्यों के आधार पर समीक्षा और निगरानी करने के लिए भू–स्थलों में स्थिरता निष्पादन को बेंचमार्क किया जा सकता है;
- मौजूदा स्थिरता को सुदृढ़ करने और इसके संबद्ध व्यवसाय प्रभावों के लिए उद्योग में तेल और गैस उद्योग के आधार पर स्थायी प्रथाओं को अपनाने का पता लगाया जा सकता है।

डीएनवी जीएल के लिए और उनकी ओर से

रमेश राजामनी **प्रमुख सत्यापनकर्ता,** **डीएनवी जीएल – बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड**	**वादाकेपाठ नंदकुमार, आश्वासन समीक्षक,** **क्षेत्रीय प्रबंधक – क्षेत्रीय स्थायित्व** **प्रचालन – क्षेत्रीय भारत और मध्य पूर्व,** **डीएनवी जीएल – बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड**

नई दिल्ली, भारत, 18 जुलाई 2017

एए1000
लाइसेंस प्राप्त आश्वासन प्रदाता
000–10

डीएनवी जीएल – बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड डीएनवी जीएल – बिजनेस एश्योरेंस का एक भाग है, जो प्रमाण–पत्र देने, सत्यापन करने, आकलन और प्रशिक्षण सेवाओं का एक वैश्विक प्रदायक है, तथा यह ग्राहकों का स्थायी व्यवसाय निष्पादन करने में मदद करता है। **www.dnvgl.com**

शब्दावली

एपीआई	अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट	आईटी	सूचना प्रौद्योगिकी	ओबीएस	अन्य पिछड़ा वर्ग
एएसएमई	अमेरिकन सोसायटी ऑफ मकेनिकल इंजीनियर्स	आईएलएंडएफसी	अवसंरचना पट्टा और वित्तीय सेवाएं	एनओएक्स	ऑक्साइड्स ऑफ नाइट्रोजन
सीपीसीबी	केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड	आईएमएस	एकीकृत प्रबंधन प्रणाली	एसओएक्स	ऑक्साइड्स ऑफ सल्फर
सीपीएसई	केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम	आईपीआईईसीए	पूर्व में – इंटरनेशनल पेट्रोलियम इंडस्ट्री एनवायरनमेंटल कंसरवेशन एसोसिएशन	ओडीएस	ओजोन कम करने का पदार्थ
सीवीसी	केंद्रीय सतर्कता आयोग	जेएलपीएल	जामनगर लोनी पाइपलाइन	पीएनजीआरबी विनियामक बोर्ड	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस
सीएमडी	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	जेवी	संयुक्त उद्यम	पीपीएसी	पेट्रोलियम आयोजन और विश्लेषण सेल
सीएफसी	क्लोरो–फ्लुरो कार्बन	केजी	कृष्णा–गोदावरी	पीएनजी	पाइप्ड नेचुरल गैस
सीजीडी	शहर गैस वितरण	एलपीजी	तरलीकृत पेट्रोलियम गैस	पीसीबी	प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
सीआरजेड	तटीय विनियम जोन	एलएचसी	तरल हाइड्रो कार्बन	पीई	पॉली–एथिलीन
सीएजीआर	कंपाउंडेड वार्षिक विकास दर	एलपी	लो पॉलीमर	पीएटी	कर पश्चात् लाभ
सीएनजी	संपीड़ित प्राकृतिक गैस	एमडीजी	सहस्राब्दी विकास लक्ष्य	पीपीपी	सार्वजनिक निजी भागीदारी
सीएसआर	निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व	एमबीए	मॉस्टर्स ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन	आरजीपीपीएल	रत्नागिरी गैस एंड पॉवर प्राइवेट लिमिटेड
सीएसआई	ग्राहक संतुष्टि सूचकांक	एमओयू	समझौता–ज्ञापन	आरएलएनजी	पुनः गैसीकृत तरल प्राकृतिक गैस
डीवीपीएल	दाहेज–विजयपुर पाइपलाइन	मी.टन	मीट्रिक टन	आरएंडडी	अनुसंधान और विकास
डीजीएम	उप महाप्रबंधक	एमएमएससीएमडी	मिलियन मीट्रिक मानक घन मीटर प्रति दिन	आरटीआई	सूचना का अधिकार
डीजीएच	हाइड्रोकार्बन महानिदशालय	एमओईएफ एंड सीसी	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	एसपीएम	सस्पेंडेड पार्टिकुलेट मैटर
		एमओपीएंडएनजी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय	एसडी	सतत् विकास
ईपीए	पर्यावरणीय सुरक्षा एजेंसी	एमओआरडी	ग्रामीण विकास मंत्रालय	टीईआरआई	द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट
ईडी	कार्यकारी निदेशक	एमएफओ	मिक्सड ईंधन ऑयल	टीएमटी	हजार मीट्रिक टन
ईएंडपी	अन्वेषण और उत्पादन	एनसीआर	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र	टीसीओ2ई	टन्स ऑफ कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष

एफवाई	वित्त वर्ष	एनएच	राष्ट्रीय राजमार्ग	टीपीए	टन प्रति वर्ष
जीटीआई	गेल प्रशिक्षण संस्थान	एनआईटी	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान	टीडीएस	पूर्ण घुलनशील ठोस
जीपीयू	गैस प्रोसेसिंग यूनिट	एनजी	प्राकृतिक गैस	यूएनजीसी	यूनाइटेड नेशन्स ग्लोबल कॉम्पैक्ट
जीजे	गीगा–जोउल	एनजीओ	गैर–सरकारी संगठन	वीएसपीएल	विजाग–सिकंदराबाद पाइपलाइन
जीआरआई	वैश्विक रिपोर्टिंग पहल	ओएचएसएएस	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा आकलन श्रृंखला		
जीएचजी	ग्रीन–हाउस गैस	ओएनजीसी	ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन		
एचवीजे	हज़ीरा–विजयपर–जगदीशपुर	ओआईएसडी	तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय		
एचएसई	स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण	ओएमसी	तेल विपणन कंपनियां		

जीआरआई विषय–सूची

GRI Content Index
GAIL (India) Limited
Aug 2017 Service

सामान्य मानक प्रकटीकरण	पृष्ठ	बाहरी आश्वासन
	खंड : कार्यनीति और विश्लेषण	
जी4-1	3-अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	जी हाँ; 140 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
जी4-2	3-अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	
	खंड : संगठनात्मक रूपरेखा	
जी4-3	गेल (इंडिया) लिमिटेड	जी हाँ; 140 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
जी4-4	7-गेल के बारे में	
जी4-5	6-रिपोर्ट के बारे में, नई दिल्ली, भारत	
जी4-6	7-गेल के बारे में; 6-11-गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2015-16 http://www.gailonline.com/final_site/IZ-AnnualReports.html	
जी4–7	गेल केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जो बीएसई, एनएसई और लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर ग्लोबल डेपोजिटरी रसीट द्धजीडीआरद्ध पर सूचीब) है।	
जी4–8	23–गेल के बारे मेंए 6–11–गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2015.16 http://www.gailonline.com/final_site/IZ-AnnualReports.html	
जी4–9	23–गेल के बारे में; 6–11–गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2015–16 http://www.gailonline.com/final_site/IZ-AnnualReports.html; 90–व्यवसाय विकास और लाभप्रदत्ता	
जी4–10	127 मानव पूंजी और परिपाटियां; 137–नि पादन रूपरेखा	
जी4–11	125, 129 . मानव पूंजी और परिपाटियां;	
जी4–12	23– गेल के बारे में; 94 – व्यवसाय विकास और लाभप्रदत्ता	
जी4–13	21– रिपोर्ट के बारे में	
जी4–14	29, 32– निगमित शासन और प्रबंधन	
जी4–15	113–शेयरधारक संबंध प्रबंधन	
जी4–16	113–शेयरधारक संबंध प्रबंधन; 69–सार्वजनिक नीति और परामर्श	
	खंड : चयनित सामग्री पहलू और सीमाएं	
जी4–17	23 – गेल के बारे में; 6–11–गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2015–16 http://www.gailonline.com/final_site/IZ-AnnualReports.html	जी हाँ; 140 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
जी4–18	23–रिपोर्ट के बारे में	
जी4–19	45, 51– शेयरधारक वचनबद्धता और सामग्री	
जी4–20	45, 51– शेयरधारक वचनबद्धता और सामग्री	
जी4–21	45, 51– शेयरधारक वचनबद्धता और सामग्री	
जी4–23	21–रिपोर्ट के बारे में	
	खंड: शेयरधारक वचनबद्धता	
जी4–24	45– शेयरधारक वचनबद्धता और सामग्री	जी हाँ; 140 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
जी4–25	45– शेयरधारक वचनबद्धता और सामग्री	
जी4–26	45– शेयरधारक वचनबद्धता और सामग्री	
जी4–27	45– शेयरधारक वचनबद्धता और सामग्री	

सामान्य मानक प्रकटीकरण	पृष्ठ	बाहरी आश्वासन
	खंड: रिपोर्ट रूपरेखा	
जी4–28	वित्तीय वर्ष 15.16 (21–रिपोर्ट के बारे में	जी हाँ; 140 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
जी4–29	यह गेल की सातवीं सतत् विकास रिपोर्ट है। छठी रिपोर्ट 23 सितंबर 2016 को जारी हुई थी।	
जी4–30	वार्षिक	
जी4–31	154 – भावी मार्ग	
जी4–32	21 – रिपोर्ट के बारे में	
जी4–33	21 – रिपोर्ट के बारे में	
	खंड – अभिशासन	
जी4–34	29 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन गेल वार्षिक रिपोर्ट 2016–17	जी हाँ; 140 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
जी4–35	29 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–36	29 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–37	38 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन; 110 – सार्वजनिक नीति और परामर्श	
जी4–38	29 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–39	29– निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–40	29– निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–41	30– निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–42	29, 30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–43	29 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–44	29 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–45	11 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–46	11 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–47	11 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–48	10 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–49	16 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–50	16 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4.51	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–52	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–53	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–54	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–55	30 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
	खंड : नैतिकता और अखंडता	
जी4–56	36– निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	जी हाँ; 140 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
जी4–57	36– निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	
जी4–58	36– निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	

विशिष्ट मानक प्रकटीकरण

सामग्री पहलू	डीएमए और संकेतक	पृष्ठ संख्या	लोप	बाहरी आश्वासन
श्रेणी : आर्थिक				
आर्थिक निष्पादन	जी4–डीएमए	89–व्यवसाय विकास और लाभप्रदत्ता		जी हाँ; 140 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
	जी4–ईसी1	89–व्यवसाय विकास और लाभप्रदत्ता		
	जी4–ईसी 2	32–निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन; 66–प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		
	जी4–ईसी 3	129–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–ईसी 4	90–यवसाय विकास और लाभप्रदत्ता		
अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव	जी4–डीएमए	119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–ईसी 7	119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–ईसी 8	119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	ओजी1	139–निष्पादन एक नज़र में		
खरीद पद्धति	जी4–डीएमए	117–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–ईसी 9	118–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
श्रेणी : पर्यावरण				
सामग्री	जी4–डीएमए	39, 42 – प्रचालन उत्कृष्टता		जी हाँ; 140 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन1	132 – निष्पादन एक नज़र में		
	जी4–ईएन 2	132 – निष्पादन एक नज़र में		
ऊर्जा	जी4–डीएमए	57 – प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		
	ओजी2	66 – प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		
	ओजी 3	132 – निष्पादन एक नज़र में		
	जी4–ईएन 3	132 – निष्पादन एक नज़र में		
	जी4–ईएन 4	66 – प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		
	जी4–ईएन 5	18– स्थायित्व कार्यनीति		
	जी4–ईएन 6	132 – निष्पादन एक नज़र में		
	जी4–ईएन7	66 – प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		
जल	जी4–डीएमए	68 – प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		
	जी4–ईएन 8	68 – प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		
	जी4–ईएन 9	68 – प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		
	जी4–ईएन 10	132 – निष्पादन एक नज़र में		
जैव विविधता	जी4–डीएमए	70 – प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		
	ओजी4	70 – प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		
	जी4–ईएन 11	70 – प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		
उत्सर्जन	जी4–डीएमए	66 – प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		
	जी4–ईएन 15	66 – प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		

सामग्री पहलू	डीएमए और संकेतक	पृष्ठ संख्या	लोप	बाहरी आश्वासन
उत्सर्जन	जी4–ईएन 16	66 – प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		
	जी4–ईएन 17	66 – प्रचालनात्मक उत्कृष्टता		
	जी4–ईएन 18	41 – स्थायित्व कार्यनीति		
	जी4–ईएन 19	66 – प्रचालन उत्कृष्टता(निष्पादन एक नज़र में		
	जी4–ईएन 20	132 – निष्पादन एक नज़र में		
	जी4–ईएन 21	132 – निष्पादन एक नज़र में		
बहि:स्राव और अपशिष्ट	जी4–डीएमए	69 – प्रचालन उत्कृष्टता		जी हाँ; 140 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
	जी4–ईएन 22	132 – निष्पादन एक नज़र में		
	ओजी5	132 – निष्पादन एक नज़र में		
	जी4–ईएन 23	132 – निष्पादन एक नज़र में		
	ओजी 6	132 – निष्पादन एक नज़र में		
	ओजी 7	134 – प्रचालन उत्कृष्टता		
	जी4–ईएन 24	कोई विशेष विखराव नहीं		
	जी4–ईएन 25	69 – प्रचालन उत्कृष्टता		
	जी4–ईएन 26	हमारे प्रचालनों के आसपास स्थित जल निकायों में हमारे अपशिष्ट बहि:स्राव और अपवाह का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है।		
अनुपालन	जी4–डीएमए	29 – निगमित ङ्घासन और जोखिम प्रबंधन 55 – प्रचालन उत्कृष्टता 110 – सार्वजनिक नीति और परामर्श		
	जी4–ईएन 29	132 – निष्पादन एक नज़र में		
परिवहन	जी4–डीएमए	55 – प्रचालन उत्कृष्टता		
	जी4–ईएन 30	66 – प्रचालन उत्कृष्टता; हमारे अधिकांश उत्पादों का वितरण पाइपलाइनों के जरिए किया जाता है जो स्कोप 2 उत्सर्जन का एक भाग है।		
समग्र	जी4–डीएमए	55 – प्रचालन उत्कृष्टता		
	जी4–ईएन 31	132 – निष्पादन एक नज़र में		
आपूर्तिकर्ता पर्यावरणीय आकलन	जी4–डीएमए	33 – शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–ईएन32	पर्यावरणीय मानदंड के जरिए 100 प्रतिशत नए आपूर्तिकर्ताओं की जांच की गई है।		
	जी4–ईएन 33	118 – शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
पर्यावरण शिकायत प्रणाली	जी4–डीएमए	38 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन		
	जी4–ईएन34	38 – निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन		
श्रेणी : सामाजिक				
उप–श्रेणी : श्रम प्रथा और सभ्य कार्य				
रोजगार	जी4–डीएमए	126.मानव पूंजी: और परिपाटियां		

सामग्री पहलू	डीएमए और संकेतक	पृष्ठ संख्या	लोप	बाहरी आश्वासन
	जी4–एलए1	126–मानव पूंजी: और परिपाटियां		
	जी4–एलए2	126–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–एलए3	139–नि पादन एक नज़र में		
श्रम / प्रबंधन संबंध	जी4–डीएमए	129–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–एलए4	130–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–डीएमए	80–स्वास्थ्य और सुरक्षा		
व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा	जी4–एलए5	135–नि पादन एक नज़र में		जी हाँ; 140 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
	जी4–एलए6	135–नि पादन एक नज़र में		
	जी4–एलए7	135–नि पादन एक नज़र में		
	जी4–एलए8	130–मानव पूंजी और परिपाटियां		
प्रशिक्षण और शिक्षा	जी4–डीएमए	128–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–एलए9	128–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–एलए10	128–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–एलए11	128–मानव पूंजी और परिपाटियां		
विविधता और समान अवसर	जी4–डीएमए	129–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–एलए12	135– नि पादन एक नज़र में		
महिलाओं और पुरुशों के लिए समान पारिश्रमिक	जी4–डीएमए	129–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–एलए13	129–मानव पूंजी और परिपाटियां		
श्रम प्रथाओं के लिए आपूर्तिकर्ता आकलन	जी4–डीएमए	116–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–एलए14	118–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–एलए15	117–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
श्रम प्रथा शिकायत प्रणाली	जी4–डीएमए	39–निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन		
	जी4–एलए16	39–निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन		
श्रेणी : सामाजिक				
उप–श्रेणी : मानवाधिकार				
मानवाधिकार निवेश	जी4–डीएमए	131–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4 एचआर1	131–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–एचआर 2	131–मानव पूंजी और परिपाटियां		
गैर–विभेदकारी	जी4–डीएमए	131–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–एचआर 3	131–मानव पूंजी और परिपाटियां		
स्वतंत्रता एसोसिएशन	जी4–डीएमए	129–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–एचआर 4	129–मानव पूंजी और परिपाटियां		

सामग्री पहलू	डीएमए और संकेतक	पृष्ठ संख्या	लोप	बाहरी आश्वासन
बाल मजदूरी	जी4–डीएमए	131–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–एचआर 5	131–मानव पूंजी और परिपाटियां		
बलात या बंधुआ मजदूरी	जी4–डीएमए	131–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–एचआर 6	131–मानव पूंजी और परिपाटियां		
सुरक्षा प्रथाएं	जी4–डीएमए	131–मानव पूंजी और परिपाटियां		जी हाँ; 140 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
	जी4–एचआर 7	131–मानव पूंजी और परिपाटियां		
स्वदेशी अधिकार	जी4–डीएमए	119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–एचआर 8	119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
आकलन	जी4–डीएमए	119–मानव पूंजी और परिपाटियां		
	जी4–एचआर 9	131–मानव पूंजी और परिपाटियां		
आपूर्तिकर्ता मानवाधिकार आकलन	जी4–डीएमए	117–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–एचआर 10	118–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–एचआर 11	117–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
मानवाधिकार शिकायत प्रणाली	जी4–डीएमए	39–निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन		
	जी4–एचआर 12	39–निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन		
श्रेणी : सामाजिक				
उप–श्रेणी : सोसायटी				
स्थानीय समुदाय	जी4–डीएमए	119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–एसओ1	119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–एसओ 2	83–स्वास्थ्य और सुरक्षा;		
		119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	ओजी10	स्थानीय समुदाय और आदिवासी लोगों के साथ हमारा कोई व्यापक विवाद नहीं है।		जी हाँ; 140 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
भ्रष्टाचार–रोधी	ओजी 11	शून्य		
	जी4–डीएमए	37–निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन		
	जी4–एसओ 3	37–निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन		
	जी4–एसओ4	37–निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन		
	जी4–एसओ 5	37–निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन		
सार्वजनिक नीति	जी4–डीएमए	103–सार्वजनिक नीति और परामर्श;		
	जी4–एसओ 6	90–व्यवसाय विकास और लाभप्रदत्ता		

सामग्री पहलू	डीएमए और संकेतक	पृष्ठ संख्या	लोप	बाहरी आश्वासन
प्रतिस्पर्धी–रोधी आचरण	जी4–डीएमए	110–सार्वजनिक नीति और परामर्श;		
	जी4–एसओ 7	110–सार्वजनिक नीति और परामर्श;		
अनुपालन	जी4–डीएमए	29.निगमित ाासन और जोखिम प्रबंधन; 55– प्रचालन उत्कृष्टता; 110–सार्वजनिक नीति और परामर्श;		
	जी4–एसओ 8	110–सार्वजनिक नीति और परामर्श;		
समाज पर प्रभाव के लिए आपूर्तिकर्ता आकलन	जी4–डीएमए	117–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–एसओ 9	118–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–एसओ 10	117–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
समाज पर प्रभाव के लिए शिकायत प्रणाली	जी4–डीएमए	39–निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन;		
	जी4–एसओ 11	39–निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन;		
परिसंपत्ति एकीकरण और प्रक्रिया सुरक्षा	जी4–डीएमए	57–प्रचालन उत्कृष्टता		
	ओजी 13	79– स्वास्थ्य और सुरक्षा		
श्रेणी : सामाजिक				
उप–श्रेणी : उत्पाद जिम्मेदारी				
ग्राहक स्वास्थ्य और सुरक्षा	जी4–डीएमए	मानव पूंजी: और परिपाटियां; 119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–पीआर1	119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–पीआर 2	119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
उत्पाद और सेवा लेबलिंग	जी4–डीएमए	119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		जी हाँ; 140 – स्वतंत्र आश्वासन विवरण
	जी4–पीआर 3	119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–पीआर 4	119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–पीआर 5	73–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
विपणन और संचार	जी4–डीएमए	119–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–पीआर 6	कंपनी द्वारा प्रतिबंधित या विवादित उत्पादों की बिक्री नहीं होती।		
	जी4–पीआर 7	111–सार्वजनिक नीति और परामर्श;		
अनुपालन	जी4–डीएमए	35–शेयरधारक संबंध प्रबंधन		
	जी4–पीआर 9	111–सार्वजनिक नीति और परामर्श;		

एनवीजी–एसईई सिद्धांतों के साथ संयोजन

सिद्धांत संख्या	एनवीजी–एसईई सिद्धांत	स्थायित्व रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2016–17 खंडों के साथ संपर्क
1	व्यवसाय नीति, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ किया और नियंत्रित किया जाना चाहिए।	अभिशासन और जोखिम प्रबंधन
2	व्यवसाय द्वारा वस्तुएं और सेवाएं उपलब्ध करानी चाहिए जो सुरक्षित हों और अपने पूरे जीवन चक्र में स्थिरता के लिए योगदान दें।	शेयरधारक संबंध प्रबंधन
3	व्यवसाय से सभी कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ावा मिलना चाहिए।	मानव पूंजी और परिपाटियां
4	व्यवसायों को हितों का सम्मान करना चाहिए, और सभी शेयरधारकों, विशेकाकर उपेक्षित, कमजोर और हाशिए पर रहने वालों के प्रति जिम्मेदार होना चाहिए।	शेयरधारक संबंध प्रबंधन
5	व्यवसाय में मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिए और उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए।	मानव पूंजी और परिपाटियां
6	व्यवसाय में पर्यावरण को बहाल करने का सम्मान, संरक्षण और प्रयास किए जाने चाहिए	प्रचालन उत्कृष्टता
7	व्यवसाय में प्रभावशाली सार्वजनिक और विनियामक नीति को जिम्मेदार ढंग से लागू किया जाना चाहिए	सार्वजनिक नीति और परामर्श
8	व्यवसाय में समग्र विकास और समान विकास का समर्थन करना चाहिए	व्यवसाय विकास और लाभप्रदत्ता
9	व्यवसाय द्वारा अपने ग्राहकों और उपभोक्ताओं को उत्तरदायी ढंग से महत्व और मूल्य प्रदान करना चाहिए	शेयरधारक संबंध प्रबंधन

एपीआई / आईपीआईईसीए और यूएनजीसी आईएसओ 26000 सिद्धांत

खंड	एपीआई / आईपीआईईसीए दिशानिर्देश	यूएनजीसी सिद्धांत	आईएसओ 26000 :2010 सिद्धांत
निगमित शासन और जोखिम प्रबंधन	एसई 11, एसई 12	सिद्धांत 10, सिद्धांत 7	4.4, 6.2, 6.3.6, 6.6.1-6.6.3, 6.6.6, 6.8.1-6.8.2, 7.4.3, 7.7.5
स्थायित्व कार्यनीति	ई1, ई2, ई6	सिद्धांत 7, सिद्धांत 8, सिद्धांत 9	4.7, 6.5.4-6.557.4.2
शेयरधारक वचनबद्धता और महत्व	एसई1, एसई16,	सिद्धांत 1	4.5, 5.2-5.3,7.3.2-7.3.4
शेयरधारक संबंध प्रबंधन	एसई1, एसई2, एसई3, एसई4, एचएस4, एसई14, एचएस1, एचएस2,	सिद्धांत 6, सिद्धांत 7, सिद्धांत 8	4.6, 6.3.4, 6.3.6-6.3.9, 6.4.4, 6.5.1-6.5.3, 6.5.5, 6.6.6, 6.6.7, 6.7.1-6.7.6, 6.7.8-6.7.9, 6.8, 6.8.1-6.8.3, 6.8.7-6.8.9, 7.5.3, 7.6.2, 7.8
प्रचालन उत्कृष्टता	ई1, ई2, ई3, ई4, ई5, ई6, ई7, ई8, ई9, ई10	सिद्धांत 8, सिद्धांत 9	6.5.4-6.5.5, 6.6.6
मानव पूंजी और परिपाटियां	एसई6, एसई8, एसई10, एसई15, एसई16, एसई17, एसई18	सिद्धांत 1, सिद्धांत 2, सिद्धांत 3, सिद्धांत 4, सिद्धांत 5, सिद्धांत 6	4.8, 6.3.1-6.3.8, 6.3.10, 6.5.1, 6.4.3-6.4.7, 6.6.6, 6.8.4-6.8.5
स्वास्थ्य और सुरक्षा	एचएस1, एचएस2, एचएस3, एचएस5	सिद्धांत 6	6.3.9, 6.5.3, 6.8
सार्वजनिक नीति और परामर्श	एसई14	सिद्धांत 10	4.6, 6.6.1-6.6.2, 6.6.5, 6.6.7
व्यवसाय विकास और लाभप्रदत्ता	एसई4, एसई5, एसई7, एसई13	सिद्धांत 9	6.6.1-6.6.2, 6.6.4, 6.8.1-6.8.3, 6.8.7, 6.8.9
निष्पादन एक नज़र में	ई1, ई2, ई3, ई4, ई6, ई7, ई8, ई10, एचएस3	सिद्धांत 7, सिद्धांत 8, सिद्धांत 9	4.6, 6.2.3, 6.3.7, 6.3.10, 6.4.3, 6.4.6, 6.53-6.5.5, 6.8.8

भावी मार्ग

ऊर्जा सतत विकास लक्ष्यों के मूल में स्थित होती है जो ऊर्जा रोजगार सृजन से आर्थिक विकास में और सुरक्षा चिंताओं से सशक्तिकरण में सक्षम बनाती है। ऊर्जा मानव जीवन के सभी स्तरों से जुड़ी होती है, और सभी लोगों और सभी राष्ट्रों को विकास और समृद्ध बनने के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की–मून के शब्दों में, "ऊर्जा सोने का एक धागा है जो आर्थिक विकास को जोड़ता है, सामाजिक इक्विटी बढ़ता है, और ऐसा वातावरण बनाता है जो विश्व को विकसित करने में सहायक होता है"। इस वक्त सबसे जरूरी है कि स्थायी ऊर्जा सेवाओं की सभी टूटी कड़ियों को जोड़ा जाए। आज दुनिया में एक अरब लोगों को बिजली उपलब्ध नहीं है, और इस संख्या से लगभग तीन गुना लोग खाना पकाने के लिए ठोस ईंधनों पर निर्भर हैं, जिसका धुआं एक वर्ष में 40 लाख से अधिक लोगों को लील रहा है। समय की मांग है कि हरेक को ऊर्जा उपलब्ध कराने के साथ–साथ कार्बन के उत्सर्जन को कम करने की इस दोहरी चुनौतियों का सामना करने के लिए, हम ऊर्जा के उत्पादन, वितरण और उपयोग के तरीके पर मूल रूप से और नए सिरे से विचार करें।

भारत दुनिया में ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। अन्य जीवाश्म ईंधनों की तुलना में प्राकृतिक गैस हरित अर्थव्यवस्था के लिए एक प्राकृतिक विकल्प है। गैस की भूमिका को एक व्यवस्थित ऊर्जा परिवर्तन के रूप में पहचाना जाना चाहिए, जो ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करती है, आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है तथा विश्व स्तर पर स्वस्थ ऊर्जा बाजार की कार्यप्रणाली, समृद्धि, और हितों को प्रोत्साहित करती है। प्राकृतिक गैस एलएनजी की बढ़ती हिस्सेदारी के साथ तेल की ही तरह तेजी से वैश्विक वस्तु बनती जा रही है। अब समय आ गया है कि भारत को कम कार्बन प्राकृतिक गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर ले जाया जाए। हम 2030 तक प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस के शेयर को वर्तमान 6.5% से 15% तक बढ़ाने के लिए नए बाजारों का विकास करने की अपेक्षा करते हैं।

हम अंतिम दूरी कनेक्टिविटी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और इस तरह पूर्व, उत्तर–पूर्व और दक्षिणी क्षेत्रों में पाइपलाइन के बुनियादी ढांचे का विस्तार करने, अतिरिक्त 40–60 शहरों के लिए संयुक्त उद्यमों/सहायक कंपनियों के माध्यम से सीजीडी का विस्तार करने, राष्ट्रीय राजमार्गों/राज्य राजमार्गों पर सीएनजी स्टेशनों की स्थापना के द्वारा हरित कोरिडोर का विकास करने, एलएनजी पुनः गैसीकरण टर्मिनलों की स्थापना करने तथा पुनः गैस क्षमताओं की बुकिंग करने, ट्रांसनेशनल के माध्यम से सोर्सिंग करने, अनुशासित पूंजी निवेश और स्थायी किफायती लागत के जरिए प्रतिलाभ पर ध्यान केंद्रित करने तथा न्यून–कार्बन अर्थव्यवस्था में ऊर्जा के परिवर्तनकाल में अवसरों का लाभ उठाने की दि ा में कार्य कर रहे हैं।

हम एक एकीकृत हाइड्रोकार्बन प्रमुख बनने का प्रयास कर रहे हैं, जिसकी अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में अहम भूमिका हो।

हम इस रिपोर्ट पर आपके रचनात्मक विचारों की अपेक्षा करते हैं।

आप अपने प्रश्न निम्नलिखित को भेज सकते हैं:

श्री सांतनु रॉय,
कार्यकारी निदेशक (व्यवसाय उत्कृष्टता, स्थिरता और गुणवत्ता)
sroy@gail.co.in

श्री अरविंद कुमार नामदेव
महाप्रबंधक (स्थायी विकास)
arvind.namdeo@gail.co.in

प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा

विकसित पूर्वांचल
समृद्ध भारत

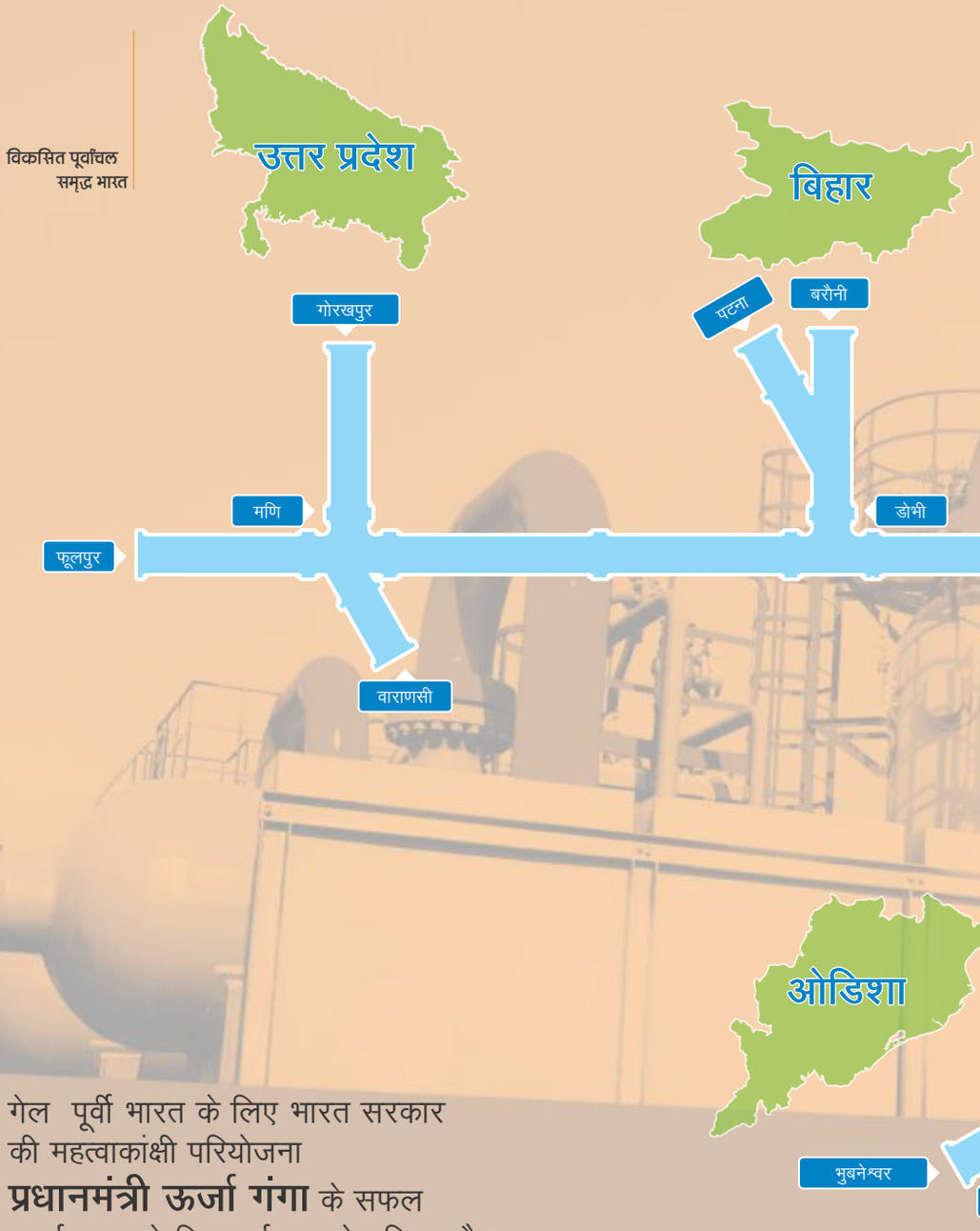

गेल पूर्वी भारत के लिए भारत सरकार
की महत्वाकांक्षी परियोजना
प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा के सफल
कार्यान्वयन के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा

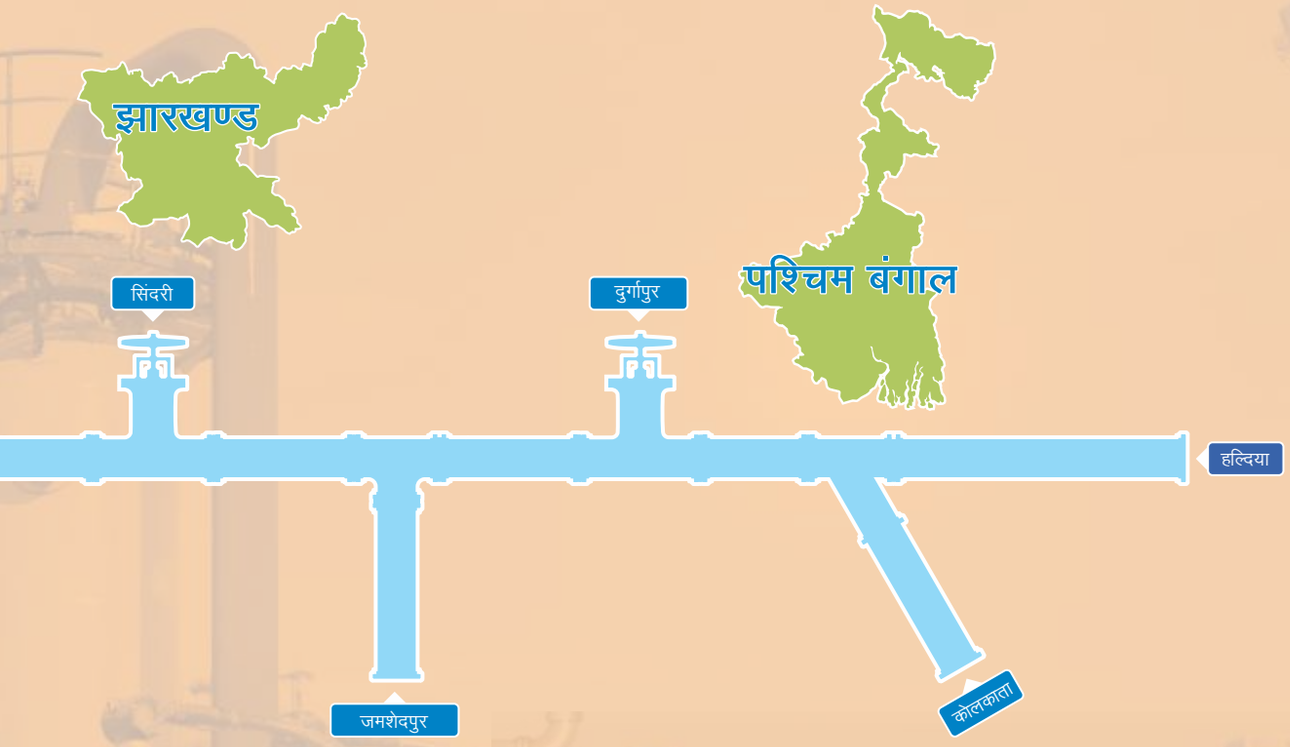

गेल (इंडिया) लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय :
16, भीकाएजी कामा प्लेस,
आर. के. पुरम, नई दिल्ली–110066
वेबसाइट: **gailonline.com**
gailvoice.com **पर हमें फॉलो करें**

Designed by: National Advertising Agency